प्रदेश सरकार

मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय

प्रदेश सुशासन केन्द्र

बाग्मती प्रदेश

जावलाखेल, ललितपुर

स्थानीय तहकोआवधिक योजना तर्जुमा

क्लस्टर-३

(हरिहरपुरगढी गाउँपालिका, सिन्धुली)

(RFP No.:NCB/Consulting/RFP/ Periodic Plan/Cluster 3)

अन्तिम प्रतिवेदन

असार, २०७९

प्रतिवेदन विवरण

प्याकेज	**३**
योजनाको नाम	स्थानीय तहको आवधिक विकास योजना तर्जुमा – **हरिहरपुरढी गाउँपालिका**
सेवाग्राहीको नाम	प्रदेश सरकार मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय **प्रदेश सुशासन केन्द्र**, बागमती प्रदेश
परामर्शदाता संस्थाको नाम	नेष्ट - पिकासो - प्यारागन जेभि सानेपा ललितपुर ,
प्रतिवेदनको नाम	अन्तिम प्रतिवेदन
प्रतिवेदन संख्या	३
प्रतिविदन पेश भएको मिति	२०७९
प्रतिवेदन किसिम	Hard Copy
परामर्शदाताको नाम	श्री पुनम बज्राचार्य शहरी योजना - विद्) Team Leader(श्री नारायणहरी रिजाल- भौतिक पूर्वाधार विज्ञ (Physical Infrastructure Expert) श्री बच्चु नारायण श्रेष्ठ – सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन विज्ञ श्री भाग्वत दाहाल - समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री श्री गणेश भट्टराई - समाजशास्त्री श्री विकास श्रेष्ठ – जिआईएस विद् श्री महेन्द्र भट्टराई - वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन विद् श्री सन्तोष कुमार शाह – तथ्याङ्क विद् श्री निर्मल गौतम – सहजकर्ता
प्रतिवेदन जाँच गर्ने	श्री पुनम बज्राचार्य)Team Leader(
कार्यालयको छाप	

आभार

स्थानीय तहको आवधिक विकास योजना (२०७८/०७९ – २०८२/०८३) को तर्जुमाका लागि प्रदेश सुशासन केन्द्र बाग्मती प्रदेशले यस नेष्ट-पिकासो-प्यारागन जेभीलाई प्याकेज-३ अन्तरगतका हरिहरपुरगढी गाउँपालिका, सिन्धुलीको आवधिक योजना तर्जुमाको अवसर प्रदान गर्नु भएकोमा प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती लाई हार्दिक धन्यवाद व्यक्त गर्दछौ । आवधिक योजना तर्जुमामा निरन्तर सहयोग, मार्ग दर्शन, पालिकाहरुमा समन्वय गरि योजना तर्जुमामा सक्रिय सहभागि भई कार्यमा सहजता प्रदान गरिदिनु हुने बाग्मती प्रदेश सुशासन केन्द्रका कार्यकारी निर्देशक श्री विमल पोखरेल, स्थानीय सुशासन विद् श्री चन्द्रप्रकाश सिग्देल लगाएत सम्पूर्ण विज्ञ टोली प्रति योजना तर्जुमा टोलीको तर्फबाट कृतज्ञता व्यक्त गर्दछौं ।

त्यसैगरी आवधिक योजना तर्जुमाको क्रममा पुर्याउनु भएको अतुलनिय सहयोगका लागि हरिहरपुरगढी गाउँपालिका पालिकाका अध्यक्ष श्री बज्र ध्वज वाईवाज्यु, उपाध्यक्ष श्री चेख बहादुर थिङ तथा प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत श्री नविन गङतानज्यु प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछौ । त्यसैगरी अध्ययनका क्रममा महत्वपूर्ण सहयोग पुर्याउनु हुने गाउँपालिकाका पुर्व अध्यक्ष श्री कारसाङ ज्यु तथा उपाध्यक्ष श्री अनिता कुमारी राई प्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्न चाहन्छौ । योजना तर्जुमाका क्रममा सम्पर्क व्यक्तिको रुपमा रही योगदान गर्नु हुने प्रशासन शाखा प्रमुख श्री सुदिप लामिछानेज्यु, सम्पूर्ण शाखाका शाखा प्रमुख तथा कर्मचारी ज्यूहरुलाई योजना तर्जुमाको क्रममा पुर्याउनु भएको अतुलनीय सहयोगका लागि हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ ।

अध्ययनका क्रममा स्थलगत रुपमा जानकारी, सूचना तथा सल्लाह/सुझाव प्रदान गरि सहयोग गर्नु हुने सबै वडाका वडा अध्यक्ष तथा सदस्यज्यूहरु, वडा कर्मचारीहरुलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ । अन्त्यमा यस योजना तर्जुमा कार्यमा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रुपमा सहयोग पुर्याउनु हुने विकास साझेदार निकायका प्रतिनिधि तथा पालिका सम्पूर्ण स्थानीयवासीलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छौ ।

अध्ययन टोली

विषय सुची

परिच्छेद १: परिचय 11

१.१. पृष्ठभूमि 11

१.२. आवधिक योजनाको उद्देश्य 11

१.३. अध्ययन कार्य क्षेत्र 12

१.४. आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरु 13

१.५. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया तथा विधि 13

१.६. आवधिक योजना तर्जुमाका सिमाहरु 17

परिच्छेद २: गाउँपालिकाको वर्तमान अवस्था 18

२.१. पृष्ठभुमि 18

२.२. भौगोलिक अवस्थिति 18

२.३. जनसंख्या 18

२.४. आर्थिक क्षेत्रको अवस्था 19

२.४.१. मुख्य पेशा 19

२.४.२. कृषि 19

२.४.३. उद्योग 19

२.४.४. पर्यटन 20

२.५. भौतिक पूर्वाधार 21

२.५.१. भूउपयोगको अवस्था 21

२.५.२. सडक 21

२.५.३. विद्‌युत 21

२.५.४. खानेपानी 22

२.५.५. सिंचाई 22

२.५.६. सूचना तथा प्रविधि 22

२.६. सामाजिक क्षेत्र 23

२.६.१. स्वास्थ्य 23

२.६.२. शिक्षा 23

२.६.३. युवा तथा खेलकुद 24

२.६.४. धार्मिक, संस्कृतिक तथा ऐताहिसिक स्थलहरु 24

परिच्छेद ३: सोच तथा विकासको अवधारणा 26

३.१. पृष्ठभूमि 26

३.२. प्रमुख समस्या तथा चुनौती 27

३.३. अवसर तथा सम्भावनाहरु 28

३.४. आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक सिद्धान्त तथा आधार 29

३.५. सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य 29

३.६. समष्टिगत लक्ष्य 30

३.७. समष्टिगत उद्देश्य 30

३.८. समष्टिगत रणनीति 32

३.९. समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य 33

३.१०. गाउँपालिकाको समष्टिगत वित्तीय अवस्था 38

३.११. गाउँपालिकाको आन्तरिक आय 39

३.१२. क्षेत्रगत योजना प्राथमिकिकरण र बजेट अनुमान 40

३.१२.१. गाउँपालिकाको वित्तीय स्थिति 40

परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र 41

४.१. कृषि तथा पशुपन्छी 41

४.१.१. पृष्ठभूमि 41

४.१.२. समस्या तथा चुनौती 41

४.१.३. संभावना तथा अवसर 42

४.१.४. कृषि क्षेत्रको विकास योजना 43

४.१.५. अपेक्षित उपलब्धि 50

४.२. पर्यटन 50

४.२.१. पृष्ठभूमि 50

४.२.२. समस्या तथा चुनौती 50

४.२.३. सम्भावना तथा अवसर 51

४.२.४. पर्यटन विकास योजना 51

४.२.५. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरु 52

४.२.६. अपेक्षित उपलब्धि 54

४.३. उद्योग 55

४.३.१. पृष्ठभुमि 55

४.३.२. समस्या तथा चुनौती 55

४.३.३. संभावना तथा अवसर 56

४.३.४. उद्योग विकास योजना 56

४.३.५. कार्यक्रम तथा परियोजना 58

४.३.६. अपेक्षित उपलब्धि 64

४.४. व्यापार तथा व्यवसाय 65
४.४.१. पृष्ठभूमि 65
४.४.२. समस्या तथा चुनौती 65
४.४.३. संभावना तथा अवसर 65
४.४.४. व्यापार तथा व्यवसाय विकास योजना 65
४.४.५. अपेक्षित उपलब्धि 68
४.५. श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा 69
४.५.१. पृष्ठभूमि 69
४.५.२. समस्या तथा चुनौती 69
४.५.३. संभावना तथा अवसर 70
४.५.४. श्रम तथा रोजगारी योजना 70
४.५.५. अपेक्षित उपलब्धि 73
परिच्छेद ५: सामाजिक क्षेत्र 74
५.१. स्वास्थ्य तथा पोषण 74
५.१.१. पृष्ठभूमि 74
५.१.२. समस्या तथा चुनौती 74
५.१.३. संभावना तथा अवसर 75
५.१.४. स्वास्थ्य योजना 75
५.१.५. अपेक्षित उपलब्धि 80
५.२. शिक्षा 80
५.२.१. पृष्ठभूमि 80
५.२.२. समस्या तथा चुनौती 81
५.२.३. संभावना तथा अवसर 81
५.२.४. शिक्षा विकास योजना 82
५.२.५. अपेक्षित उपलब्धि 89
५.३. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग 91
५.३.१. पृष्ठभूमि 91
५.३.२. समस्या तथा चुनौती 92
५.३.३. संभावना तथा अवसर 92
५.३.४. महिला, बालबालिका लक्षित वर्ग विकास योजना 92
५.३.५. अपेक्षित उपलब्धि 94
५.४. युवा तथा खेलकुद 95

५.४.१. पृष्ठभूमि 95
५.४.२. समस्या तथा चुनौती 95
५.४.३. संभावना तथा अवसर 95
५.४.४. युवा तथा खेलकुद विकास योजना 96
५.४.५. अपेक्षित उपलब्धि 99
परिच्छेद ६: पूर्वाधार क्षेत्र 100
६.१. बस्ती तथा आवास 100
६.१.१. पृष्ठभूमि 100
६.१.२. समस्या तथा चुनौती 100
६.१.३. संभावना तथा अवसर 100
६.१.४. आवास तथा वस्ती विकास योजना 101
६.१.५. अपेक्षित उपलब्धि 103
६.२. सडक, पुल तथा यातायात 104
६.२.१. पृष्ठभूमि 104
६.२.२. समस्या तथा चुनौती 104
६.२.३. संभावना तथा अवसर 105
६.२.४. सडक तथा यातायात विकास योजना 105
६.२.५. अपेक्षित उपलब्धि 108
६.३. खानेपानी तथा सरसफाई 109
६.३.१. पृष्ठभूमि 109
६.३.२. समस्या तथा चुनौती 109
६.३.३. संभावना तथा अवसर 109
६.३.४. खानेपानी तथा सरसफाई योजना 110
क्र.स. 111
६.३.५. अपेक्षित उपलब्धि 112
६.४. सिंचाई 113
६.४.१. पृष्ठभुमि 113
६.४.२. समस्या तथा चुनौती 113
६.४.३. सम्भावना तथा अवसर 113
६.४.४. सिंचाई योजना 113
६.४.५. अपेक्षित उपलब्धि 115
६.५. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा 116

६.५.१. पृष्ठभूमि 116
६.५.२. समस्या तथा चुनौती 116
६.५.३. सम्भावना तथा अवसर 116
६.५.४. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा योजना 116
६.५.५. अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका 119
६.६. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि 120
६.६.१. पृष्ठभूमि 120
६.६.२. समस्या तथा चुनौती 120
६.६.३. संभावना तथा अवसर 120
६.६.४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि योजना 120
६.६.५. अपेक्षित उपलब्धि 121
परिच्छेद ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र 122
७.१. वन तथा जैविक विविधता 122
७.१.१. पृष्ठभूमि 122
७.१.२. समस्या तथा चुनौती 122
७.१.३. संभावना तथा अवसर 123
७.१.४. वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना 124
७.१.५. अपेक्षित उपलब्धि 128
७.२. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन 128
७.२.१. पृष्ठभूमि 128
७.२.२. समस्या तथा चुनौती 129
७.२.३. संभावना तथा अवसर 129
७.२.४. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना 129
७.२.५. अपेक्षित उपलब्धि 132
७.३. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन 132
७.३.१. पृष्ठभूमि 132
७.३.२. समस्या तथा चुनौती 132
७.३.३. संभावना तथा अवसर 132
७.३.४. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना 133
७.३.५. अपेक्षित उपलब्धि 135
७.४. वन तथा जैविक विविधता 135
७.४.१. पृष्ठभूमि 135

७.४.२. समस्या तथा चुनौती 136
७.४.३. संभावना तथा अवसर 136
७.४.४. वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना 137
७.४.५. अपेक्षित उपलब्धि 140
७.५. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन 141
७.५.१. पृष्ठभूमि 141
७.५.२. समस्या तथा चुनौती 141
७.५.३. संभावना तथा अवसर 141
७.५.४. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना 142
७.५.५. अपेक्षित उपलब्धि 144
७.६. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन 145
७.६.१. पृष्ठभूमि 145
७.६.२. समस्या तथा चुनौती 145
७.६.३. संभावना तथा अवसर 145
७.६.४. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना 145
७.६.५. अपेक्षित उपलब्धि 148
७.७. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन 148
७.७.१. पृष्ठभूमि 148
७.७.२. समस्या तथा चुनौती 149
७.७.३. संभावना तथा अवसर 149
७.७.४. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन योजना 149
७.७.५. अपेक्षित उपलब्धि 155
परिच्छेद ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र 156
८.१. संस्थागत विकास तथा सुशासन 156
८.१.१. पृष्ठभूमि 156
८.१.२. समस्या तथा चुनौती 156
८.१.३. संभावना तथा अवसर 156
८.१.४. संस्थागत विकास योजना 157
८.१.५. अपेक्षित उपलब्धि 160
८.२. राजश्व तथा श्रोत परिचालन 160
८.२.१. पृष्टभूमि 160
८.२.२. समस्या तथा चुनौती 161

८.२.३. संभावना तथा अवसर 161

८.२.४. राजश्व तथा स्रोत परिचालन योजना 162

८.२.५. अपेक्षित उपलब्धि 166

८.३. सुशासन तथा जनसहभागिता 167

८.३.१. पृष्ठभूमि 167

८.३.२. समस्या तथा चुनौती 167

८.३.३. संभावना तथा अवसर 167

८.३.४. सुशासन तथा जनसहभागिता योजना 168

परिच्छेद ९: कार्यान्वयन व्यवस्था 171

९.१. योजना अनुगमन तथा मूल्याङ्कन 171

९.१.१. नतिजामा आधारित व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मुल्याङ्कन 172

९.१.२. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन 173

९.१.३. अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको उद्देश्य 173

९.१.४. रणनीति 173

९.१.५. मुख्य कार्यक्रम 173

९.१.६. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको प्रक्रिया र जिम्मेवारी 173

परिच्छेद १०: अनुमान तथा जोखिम 175

परिच्छेद ११: नतिजा खाका 176

११.१.१. परिचय 176

११.१.२. गाउँपालिकाको समष्टिगत क्षेत्र 177

११.१.३. कृषि तथा पशुपालन 179

११.१.४. पर्यटन 181

११.१.५. उद्योग 184

११.१.६. व्यापार तथा व्यवसाय 186

११.१.७. श्रम तथा रोजगारी 188

११.१.८. स्वास्थ्य तथा पोषण 190

११.१.९. शिक्षा 196

११.१.१०. महिला बालबालिका तथा लक्षित वर्ग 201

११.१.११. लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तिकरण 203

११.१.१२. सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण 212

११.१.१३. युवा तथा खेलकुद 216

११.१.१४. वस्ती तथा आवास 219

११.१.१५. सडक पुल तथा यातायात 223
११.१.१६. खानेपानी तथा सरसफाई 228
११.१.१७. सिंचाई 232
११.१.१८. विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा 233
११.१.१९. सूचना संचार तथा प्रविधि 235
११.१.२०. वन तथा जैविक विविधता 238
११.१.२१. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन 241
११.१.२२. विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन 242
अनुसूची 244
नक्शा 244
माइन्युट 244
फोटोग्राफ 244

परिच्छेद १: परिचय

१.१. पृष्ठभूमि

नेपालमा नेपाल भौगोलिक विविधता, प्राकृतिक सम्पदा तथा मानव संसाधनको अवस्था हेर्दा समृद्धिको प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । कुनै क्षेत्रको सामाजिक-आर्थिक विकासनै सो क्षेत्रको रूपान्तरणको आधार हो । नेपालमा अझैपनि जनसङ्ख्याको ठूलो हिस्सा गरिबीको रेखामुनि रहेको छ । विकास निरन्तर प्रयासहरूको बावजुद देशका सबै क्षेत्रमा आधारभूत सेवा तथा पूर्वाधारको समान पहुँच पुग्न सकेको छैन । योजनाबद्ध विकासको कमी यसको मुख्य कारकको रुपमा रहेको देखिन्छ ।

नेपालमा ६ दशक लामो योजनाबद्ध विकासको अवधिमा नौ वटा पंचवर्षीय र पाँच वटा त्रिवर्षीय योजना कार्यान्वयन भईसकेका छन् । नेपालले सन् २०१३-२०१८ मा पहिलो पंचवर्षीय योजनाबाट योजनाबद्ध विकासको थालनी भएको हो । हाल नेपालमा पन्ध्रौं आवधिक योजना (२०७६/०७७- २०८०/८१) कार्यन्वयनमा चरणमा रहेको छ ।

नेपालको संबिधानको कार्यन्वयन पछी नेपालको राज्य प्रणाली संघिय लोकतान्त्रिक गणतान्त्रिक प्रणालीमा रुपान्तरण भैसकेको छ । तीनै तहका सरकार (संघ, प्रदेश र स्थानीय) संबैधानिक रुपमा अधिकार सम्पन्न भएका छन् । संबैधानिक रुपमा स्थानीय शान्ति, समृद्धि, सुशासन; सामाजिक तथा आर्थिक विकासका लागि स्वयम स्थानीय तहलाई नै अधिकार प्रत्यायोजन गरिएको छ । नेपालको संबिधान बमोजिम स्थानीय तहको अधिकार सम्बन्धी व्यवस्था कार्यान्वयन गर्न तथा संघ, प्रदेश र स्थानीय तह बिचको सहकारिता, सहअस्तित्व र समन्वयलाई प्रवर्द्धन गर्न नेपाल सरकाले स्थानिय सरकार संचालन ऐन, २०७४ जारी भयो । ऐनले स्थानीय सरकारको अधिकार, भूमिका तथा जिम्मेवारी तोकेको छ । ऐनले स्थानीय तहको दिगो विकासका लागि गाउँपालिका प्रोफाइल, स्रोत नक्सा, आवधिक योजना, वार्षिक योजना र दीर्घकालीन विकास योजना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यसै सन्दर्भमा प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशले सामाजिक तथा आर्थिक विकासको लक्ष्य हासिल गर्न तथा स्थानीय तहमा योजनावद्ध विकास मार्फत सुशासन कायम गर्न प्रदेश भित्र रहेका विभिन्न स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा गरेको छ ।

स्थानीय समस्यालाई सम्बोधन गर्न योजना तर्जुमा प्रक्रिया जनसहभागितामा आधारित, नेपालको संबिधान, तथा सम्बिन्धित ऐन, कानुन, नीति तथा निर्देशिकामा आधारित भएर तर्जुमा प्रक्रिया अगाडी बढेको छ । यो स्थानीय तथाको विकासको गतिलाई निर्देशित गर्ने एक गतिशील दस्ताबेज हुनेछ ।

१.२.आवधिक योजनाको उद्देश्य

यस योजनाको मुख्य उद्देश्य **स्थानीय तहको** आवधिक योजना तर्जुमा गर्नु हो । अन्य उद्देश्यहरुमा :

- गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुस्थिति (प्रथम तथा द्वितीय तहको तथ्याङ्कमा आधारित) तयार गर्नु ।

- गाउँपालिकाको समष्टिगत दीर्घकालीन सोंच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्रमुख कार्यक्रमहरू तर्जुमा गर्नु ।
- गाउँपालिकाको विषय क्षेत्रगत सोंच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्रमुख कार्यक्रमहरू पहिचान गर्नु।
- आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, पूर्वाधार विकास, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन, सुशासन तथा संस्थागत विकासका लागि विषय क्षेत्रगत योजना तयार गर्नु ।
- बहु क्षेत्रगत (MSIP) लगानी योजना तयार गर्नु ।

१.३. अध्ययन कार्य क्षेत्र

निर्दिष्ट उद्देश्य प्राप्तिका लागि देहाय बमोजिमका कार्य क्षेत्र रहेका छन् ।

- नेपालको संविधान, संघीय तथा प्रदेश सरकारको दीर्घकालीन सोंच, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ लगायत विकास योजना तर्जुमासँग सम्बन्धित विगतका योजना र विद्यमान ऐन, नीति तथा निर्देशिकाहरू अध्ययन तथा विश्लेषण गर्ने ।
- स्थलगत अध्ययन तथा सर्वेक्षणबाट संकलित तथ्याङ्क, विभिन्न प्रकाशित तथा अप्रकाशित प्रतिवेदन, छलफल तथा अवलोकन, राजनीतिक व्यक्तित्व तथा बुद्धिजीवीहरूबाट प्राप्त जानकारी तथा अन्य द्वितीय तहका तथ्याङ्क / सूचनाका आधारमा गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुस्थिति विवरण तयार गर्ने।
- जनसाङ्ख्यिक, भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, वातावरणीय, वित्तीय, संस्थागत पक्षसंग सान्दर्भिक तथ्याङ्कहरूको लगत (inventory) तयार गर्ने ।
- स्थानीय तहको विभिन्न बिषय क्षेत्रगत सवल पक्ष, दुर्वल पक्ष, अवसर र चुनौतीको पहिचान तथा विश्लेषण गर्ने ।
- स्थानीय तहको समग्र विकासका लागि दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा कार्यान्वयन रणनीति तयार गर्ने ।
- योजना तर्जुमाका लागि गाउँपालिकाको आधार नक्शा तयार गर्ने ।
- वर्तमान भूउपयोग, सामाजिक तथा आर्थिक पूर्वाधार, प्रमुख बजार केन्द्र तथा प्रमुख प्राकृतिक स्रोतहरूको स्थलगत अध्ययनका आधारमा नक्शा अध्यावधिक गर्ने ।
- विद्यमान पूर्वाधारको अवस्था तथा पहुँचको विश्लेषण गरी सडक तथा यातायात, सिँचाई, खानेपानी, निकास लगायतका पूर्वाधार विकास योजना तयार गर्ने ।
- गाउँपालिका भित्रका सामाजिक पूर्वाधार तथा सेवाहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी शिक्षा, स्वस्थ्य, युवा तथा खेलकुद लगायतका सामाजिक विकास योजना तर्जुमा गर्ने ।
- गाउँपालिका भित्र रहेका आर्थिक विकासको अवस्था, आर्थिक पूर्वाधारहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी स्थानीय अर्थतन्त्रको विकासको लागि योजना तयार गर्ने ।

- गाउँपालिकाको विद्यमान जनशक्ति र सो को पर्याप्तता तथा क्षमताको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी संस्थागत विकास तथा सुशासनको लागि योजना तयार गर्ने ।
- भूउपयोगको वर्तमान अवस्था तथा भविष्यको मागको विश्लेषणका आधारमा सम्पूर्ण गाउँपालिकाको भौतिक विकास योजना तयार गर्ने ।
- प्राकृतिक स्रोतको पहिचान गरी स्रोतको उच्चतम सदुपयोग गर्न वातावरण व्यवस्थापन योजना तयार गर्ने।
- गाउँपालिकाको पछिल्लो तीन वर्षको आय व्ययको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी राजस्व प्रक्षेपणमा आधारित वित्तीय व्यवस्थापन योजना तयार गर्ने ।
- सहभागितामूलक योजना तर्जुमा प्रक्रियाका लागि स्थानीय तहका अधिकारीहरू, प्रमुख जानकार तथा स्थानीय व्यक्तिहरुसँग विभिन्न कार्यशाला बैठक तथा छलफलहरू गर्ने ।
- योजना कार्यान्वयन रणनीतिहरू सिफारिस गर्ने तथा पूँजी लगानी योजना तयार गर्ने ।
- वार्षिक लक्ष्य, सूचक र प्रमाणिकरण आधारको साथ पाँच वर्षे बहु क्षेत्रगत लगानी योजना (MSIP) तयार गर्ने ।

१.४. आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरु

नेपालको संबिधानले स्थानीय तहलाई स्थानीय विकासको सम्बहक्को उपमा स्थानीय सरकारको रुपमा स्थानिपित गरेको छ । संविधानको धारा ५७ (४) (५) र अनुसूची ८ र ९ ले स्थानीय तहलाई आर्थिक तथा सामाजिक विकासको प्रमुख चालकको रुपमा परिभाषित गरेको छ । संवैधानिक प्रावधानहरुको अधिनमा रही स्थानीय तहले आवधिक, मध्यमकालीन एवं वार्षिक नीति, योजना, बजेट तथा कार्यक्रमहरु तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न सक्ने व्यवस्था छ । त्यसैगरी स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २४ को उपदफा (३) (क देखि झ) र संघ, प्रदेश र स्थानीयतह (समन्वय तथा अन्तरसम्बन्ध) ऐन, २०७७ को दफा ३ को उपदफा (१) (क देखि द) ले स्थानीय तहको जिम्मेवारी र कार्य क्षेत्र तोकेका छन् । यीनै प्रावधानहरु नै स्थानीय तहको आवधिक योजना बनाउने आधारका रुपमा लिएको छ ।

१.५. आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रिया तथा विधि

<u>अध्ययन टोली तयार तथा अभिमुखीकरण</u>

गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाका लागि अध्ययन टोलीलाई अभिमुखीकरण गर्ने कार्यक्रमको आयोजना गरियो । अभिमुखीकरणको मुख्य उद्देश्य अध्ययन टोलीका सबै सदस्यहरुलाई योजनाको उद्देश्य तथा अध्ययन विधि तथा प्रक्रियाका बारेमा जानकारी दिनु थियो । बैठकमा प्रत्येक सदस्यको कार्य क्षेत्र पनि स्पष्ट पारिएको थियो । विशेषगरी प्राविधिक टोली र सामाजिक टोलीलाई स्थलगत कार्यका क्रममा अपनाउनु पर्ने विधि तथा प्रक्रिया बारे अभिमुखीकरण गरिएको छ ।

द्वितिय तथ्यांक संकलन

विषय वस्तुको विस्तृत जानकारी प्राप्त गर्न योजना तर्जुमा अघि सम्बन्धित विभिन्न दस्तावेजहरुको विस्तृत अध्ययन गरियो । हरिहरपुरगढी गाउँपालिका, कालिका गाउँपालिका, खैरहनी गाउँपालिका र हरिहरपुरगढी गाउँपालिका संग सम्बन्धित सान्दर्भिकदस्ताबेजहरुको अध्ययन गरियो । योजना तर्जुमाका क्रममा, विकास योजना सँग सम्बन्धित नीति तथा निर्देशिकाहरु, गाउँपालिकासँग सम्बन्धीत विभिन्न अध्ययन प्रतिवेदनहरु, विद्यमान भू-उपयोग नीति,तथा ऐन, वातावरण संरक्षण नीति, गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, राष्ट्रिय जनगणना २०६८ लगाएतका दस्तावेजको अध्ययन तथा विश्लेषण गरियो । आवधिक योजनाका सम्बन्धमा भएका पुर्व अध्ययनका प्रतिवेदनहरु, भौतिक विकास योजना तर्जुमा, कृषि विकास योजना, स्थानीय विकास योजना तर्जुमा, तथा सान्दर्भिक प्रकाशित तथा अप्रकाशित तथ्याङ्कहरु तथा सामाग्रीहरुको संकलन, अध्ययन तथा विश्लेषण गरी योजना तर्जुमा कार्य अगाडि बढाईएको छ ।

विभिन्न मौजुदा कानुनहरु जस्तै स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७५, राष्ट्रिय भू उपयोग नीति २०७२, Planning Norms and Standard 2015 , वातावरण संरक्षण ऐन २०५३, वस्ति तथा बजार विकास, कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको विकास लगायतका सम्बन्धमा नेपाल सरकारका नीति तथा कार्यक्रमहरुमा भएका व्यवस्थाहरुको अध्ययन तथा विश्लेषण गरियो । त्यसैगरी सम्बन्धित गाउँपालिकाले तयार गरेको आधिक योजना, अघिल्ला वार्षिक योजना तथा नीति, गाउँपालिकापर्श्वचित्र लगायत गाउँपालिका संग सम्बन्धित दस्तावेजको पनि अध्ययन तथा विश्लेषण गरियो ।

आधार नक्शा तयारी

आधार नक्शामा सम्बन्धित स्थानको स्थलाकृतिक सुविधाहरू, वस्तीहरु, सडक, सिंचाई लगायतका पूर्वाधार, भूउपयोग, नदी तथा पानीका स्रोतहरु, विशेष क्षेत्रहरू खुला क्षेत्र लगायतको जानकारी समावेश हुन्छ । योजना तर्जुमा प्रक्रियाका लागि सम्बन्धित गाउँपालिका/ गाउँपालिकाको आधार नक्शा तयार गरियो । आध्ययनका क्रममा प्राप्त सूचना तथा तथ्यांकका आधारमा आधार नक्शालाई निरन्तर अद्यावधिक गर्दै लगिनेछ ।

पुर्व-योजना तर्जुमा बैठक

आवधिक योजना सम्बन्धी जानकारी गराउन, अध्ययन विधि तथा अध्ययन क्षेत्रबारे छलफल गर्न गाउँपालिका सँग एक दिने पुर्व योजना तर्जुमा बैठकको आयोजना गरियो । यस बैठकमा आवधिक योजनाका विषयमा अभिमुखिरण साथै योजना तर्जुमा र कार्य प्रक्रियाबारे छलफल गरियो । बैठकमा योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग, समन्वय तथा सहजीकरण गर्नका लागि स्थानीय तह प्रमुखको संयोजकत्वमा एक निर्देशिक समिति गठन गरियो । साथै योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सहयोग, समन्वय तथा सहजीकरणका लागि गाउँपालिका एक वा दुइ जना कर्मचारीलाई Focal Person को रुपमा जिम्मेवारी तोकियो । यस बैठकमा, गाउँपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यगाउँपालिका सदस्यहरु, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत, विभिन्न शाखा प्रमुखहरु लगायत अन्य कर्मचारीहरुको सहभागिता रहेको थियो । बैठकमा आवधिक योजनाको महत्व तथा आवश्यकता बारेमा प्रस्ट

परियो । यसका साथै अध्ययन अवधिमा स्थलगत अध्ययनको कार्य बिधि, योजना प्रक्रियामा विभिन्न समिति तथा शाखाको भूमिका आवश्यक सूचना तथा तथ्यांक लगायतका विषयमा छलफल भएको थियो ।

<u>रेकी सर्वेक्षण</u>

अध्ययन स्थलको भौतिक, सामाजिक तथा आर्थिक पुर्वाधारको विद्यमान अवस्थाको जानकारी प्राप्त गर्न साथै भौगोलिक अवस्थिति तथा वातावरणीय अवस्थाको बारेमा प्रारम्भिक अध्ययन गर्न अध्ययन टोलि द्वारा गाउँपालिकाको रेकी सर्वेक्षणको गरियो । सर्वेक्षणको मुख्य उद्देश्य अध्ययन क्षेत्रको बारेमा प्रारम्भिक आँकलन तथा नक्शांकन गर्ने र अध्ययनका अन्य चरणका लागि योजना बनाउनु हो । सर्वेक्षणका क्रममा गाउँपालिकाको महत्वपुर्ण संरचना तथा स्थानहरुको फोटोहरु समेत लिइयो ।

<u>प्रश्नावली तथा नक्शा तयारी</u>

आवधिक योजना तर्जुमाका लागि आवश्यक बिषयगत क्षेत्रसंग सम्बन्धित तथ्याङ्क तथा सूचना संकलन गर्न प्रश्नावली तयार गरियो । यसका साथै तथ्याङ्क कार्यलाई अझ प्रभावकारी बनाउन तथा महत्वपुर्ण संरचना तथा स्थानको नक्शांकन गर्न साथै स्थलगत अध्ययनको योजना तयार गर्ने उद्देश्यले वडागत नक्शा समेत तयार गरियो ।

<u>वडा स्तरीय भेला/छलफल</u>

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाको लागि गाउँपालिकाको प्रत्येक वडामा छलफलको आयोजन गरियो । छलफलका क्रममा गाउँपालिकाका सामाजिक, आर्थिक, पूर्वाधार, वातावरणीय, संस्थागत लगायत विषयका विस्तृत तथ्यांक संकलन गरियो । यस क्रममा स्थानीय स्तरका समस्या, सम्भावना, अवसरहरु तथा आवश्यकता सम्बन्धि घनिभूत छलफल गरियो ।

फोटो 2: वडा भेलामा छलफल , वडा नं ३

फोटो 1: वडा भेला सहभागीहरु, वडा नं ५

बैठकमा तथ्याङ्क संकलनका साथै विभिन्न स्रोतबाट संकलन गरिएका तथ्यांकको प्रमाणीकरण, वडाका महत्वपुर्ण प्राकृतिक स्रोत, भौतिक संरचना, धार्मिक, संस्कृतिक तथा पर्यटकीय स्थल, प्रकोप जोखिम क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, बजार क्षेत्र,सार्वजनिक सेवा वितरण केन्द्र लगाएतको GIS प्रविधिमा नक्शांकन समेत गरियो ।

वडा स्तरीय बैठकमा वडा अध्यक्ष तथा सदस्यहरु,कर्मचारी, स्थानीय अगुवा व्यक्ति, स्थानीय व्यवसायी, महिला समुहका प्रतिनिधि, सहकारी प्रतिनिधि, युवा क्लबका प्रतिनिध, शिक्षक लगाएत सरोकारवाला हरुको उपस्थिति रहेको थियो । बैठकमा सहभागी हरुलाई आवधिक योजनाको महत्व र उद्देश्यका बारेमा अभिमुखीकरण समेत गरियो ।

तालिका 1: वडा स्तरीय भेला/छलफल समय तालिका

वडा नं	मिति	समय		स्थान	कैफियत
१	२०७९/०२/२४	७:०० AM	१०:०० AM	वडा कार्यालय	Team A
३	२०७९/०२/२४	७: ०० AM	१०:०० AM	वडा कार्यालय	Team B
४	२०७९/०२/२४	२: ०० PM	५:०० PM	वडा कार्यालय	Team A
५	२०७९/०२/२४	८: ०० AM	११:०० AM	ईन्द्रयणी मा.वि. बानियाँटार	Team B
२	२०७९/०२/२३	२: ०० PM	५:०० PM	वडा कार्यालय	Team B
६, ७, ८	२०७९/०२/२३	१०:०० PM	५:०० PM	क्यानखोला स्वास्थ्य चौकी भवन (संयुक्त)	Team A

<u>लगत तयारी</u>

स्थलगत अध्ययन तथा विभिन्न स्रोतबाट संकलन गरिएका तथ्याङ्कको विस्तृत लगत तयार गरियो । जसमा गाउँपालिकाको जनसांख्यिक, सामाजिक, आर्थिक, भौतिक, वातावरणीय, संस्थागत, धार्मिक तथा संस्कृतिक, पर्यटन लगायत विभिन्न विषयको विवरणको लगत तयार परियो ।

<u>गाउँपालिका स्तरीय कार्यशाला गोष्ठी</u>

आवधिक योजना तर्जुमाका गाउँपालिकाको दिर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति तय गर्न तथा बिषयगत योजनाको तर्जुमा गर्न कार्यशाला गोष्ठीको आयोजना गरियो । यस क्रममा सबै विषयगत क्षत्रको सबल पक्ष, दुर्बल पक्ष, अवसर तथा चुनौतिका बारेमा छलफल साथै वडा स्तरीय बैठक तथा स्थलगत अध्ययनबाट प्राप्त तथ्याङ्क एवं सुचनाको प्रमाणीकरण समेत गरियो । कार्यशालामा गाउँकार्यगाउँपालिका, विषयगत समिति, वडा प्रतिनिधि, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, शाखा प्रमुखहरु, कर्मचारीहरु, विकास साझेदार संस्थाका प्रतिनिधि स्थानीय अगुवा, उद्यमी, विभिन्न समूह, नमुना कृषक तथा अन्य सरोकारवालाहरुको सहभागिता रहेको थियो । कायर्शाला गोष्ठी गाउँपालिकाको सभा हलमा सम्पन्न गरियो ।

१.६. आवधिक योजना तर्जुमाका सिमाहरु

संघीयता नेपालको लागि नौलो अभ्यास हो । भर्खरै मात्र स्थानीय सरकारको प्रथम कार्यकाल समाप्त भई दोश्रो कार्यकालका सुरु भएकाले स्थानीय तहको कार्यान्वयन संक्रमणकालमै छ । गाउँपालिकाको विद्यमान अवस्थाको आधार तथ्यांक स्थापत भईसकेको छैन तसर्थ, स्थलगत अध्ययन, वडा छलफल, कार्यशाला गोष्ठी बाट प्राप्त तथ्यांक नै योजना तर्जुमाका मुख्य आधारको रुपमा रहेका छन् ।

गाउँपालिका क्षेत्रमा क्रियाशील गैरसरकारी संस्था, सामुदायिक संघ–संस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी जस्ता सामाजिक ईकाइहरुबाट सञ्चालित कार्यक्रमहरू, कार्य प्रक्रिया, वित्तीय स्रोत आदि विषयहरु गाउँपालिकाको सहमति तथा स्वीकृतिमा कार्यान्वयन गर्नु पर्ने प्रावधान भएपनि यस अन्तर्गतका क्रियाकलाप सम्बन्धित सूचनाहरु संङ्कलन गर्न कठिनाइ रह्यो ।

यस आवधिक योजनाले गाउँपालिकाको विकास तथा समृद्धिको लागि दीर्घकालीन सोंच, लक्ष्य र उद्देश्यको मार्गचित्र प्रस्तुत गरेको छ । यो आवधिक योजना ५ वर्षको लागि तर्जुमा गरिएको भएता पनि यसको दिर्घकालिन सोंच राष्ट्रिय तथा प्रदेशको दिर्घकालिन सोंचसंग तादम्यता कायम हुनेगरी गरिएको छ । अर्थात् योजनाको सोंचको परिकल्पना ५ वर्ष भन्दा बढी अवधिको छ । यस योजनामा प्रस्तुत गरिएका क्षत्रगत सोंच, लक्ष्य , उद्देश्य, तथा रणनीति विभिन्न चरणमा भएका छलफल साथै आवश्यकता तथा सम्भावना लाई ध्यानमा राखी गरिएको छ । साथै दिर्घकालिन रुपमा मात्र थालनी गर्न सकिने किसिमका कर्यक्रमहरु समेत समिटिएको छ ।

परिच्छेद २: गाउँपालिकाको वर्तमान अवस्था

२.१. पृष्ठभुमि

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका बागमती प्रदेशको सिन्धुली जिल्लामा पर्दछ । सिन्धुली जिल्लाको ऐतिहासिक महत्वको हरिहरपुरगढी दरबारको नामबाट गाउँपालिकाको नामकरण गरिएको हो । राज्यको पुन: संरचना गर्ने क्रममा वि.सं. २०७३ सालमा साविकका गाविसहरु महेन्द्रझ्याडी (वडा नं ४ र ५), हरिहरपुरगढी (वडा नं १), क्यानेश्वोर (वडा नं ६, ७ र ८), पिपलमाडी (वडा नं २ र ३)को संयोजनबाट हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको गठन गरिएको हो । प्रशानिक रुपमा गाउँपालिकालाई आठ वडामा विभाजन गरिएको छ । प्रशासनिक केन्द्रको रुपमा रहेको छ झनझने बजारलाई तोकिएको छ । गाउँपालिकाले ३४३.९ वर्ग कि.मि. क्षेत्रफल ओगटेको छ । यस गाउँपालिकाले सिन्धुली जिल्लाको कुल क्षेत्रफलको १३.८ % र बागमती प्रदेशको १.६९ % क्षेत्रफल ओगटेको छ ।

२.२. भौगोलिक अवस्थिति

भौगोलिक धरातलीय रुपमा समथर फाँट, चुरे क्षेत्र, खोला खोल्सी, अग्लो होचो डाँडा काँडा देखि महाभारत रेन्ज सम्मको भूभागमा अवस्थित हरिहरपुरगढी गाउँपालिका समुद्री सतहदेखि करिब १२४ मि. देखि १३३५ मि.को उचाईमा अवस्थित छ । गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति शिवालिक क्षेत्रमा २७°८'१३'' देखि २७°२२'३५'' उत्तरी अक्षांश र ८५°२५'४'' देखि ८५°३९'१'' पूर्वी देशान्तर को बिचमा फैलिएको छ ।

२.३. जनसंख्या

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको कुल जनसङ्ख्या २७,७२७ रहेको छ । जसमध्ये पुरुष १३,२७५ (४७.८८ %) र महिला १४,४५२ (५२.१२%) रहेका छन् । गाउँपालिकाको कुल घरधुरी संख्या ४,५८६ छ । वडा अनुसार जनसंख्या वितरण हेर्दा सबैभन्दा बढी जनसंख्या वडा नं. १ र सबैभन्दा कम जनसंख्या वडा नं. ४ मा देखिन्छ । गाउँपालिकाको औसत परिवार आकार ६ छ, भने कुल जनघनत्व ८१ जना प्रति वर्ग.कि.मि रहेको छ (राष्ट्रिय जनगणना, २०६८) । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाले सिन्धुली जिल्लाको कुल जनसङ्ख्याको ९.३६ % प्रतिशत र वाग्मती प्रदेशको कुल जनसंख्याको मात्रै ०.४६ % प्रतिशत ओगटेको छ ।

पालिकामा सबै भन्दा बढी कुल जनसंख्याको ९२.६४ % जनजातिको बसोबास रहेको छ ।त्यसैगरी दलित ब्रामण क्षेत्री तथा अन्य जातजातिको वसोबास रहेको छ । यस पालिकामा सबै भन्दा बादी बोलिने भाषा तामाग भाषा रहेको छ कुल जनसंख्याको ६७ % ले तामांग भाषा बोल्दछन ।

उमेर अनुसारको जनसंख्या हेर्दा सबै भन्दा बढी संख्या १५- ३९ वर्ष उमेर समुहको ३४.६४ % रहेको छ । त्यसैगरी ०-१४ वर्ष उमेर समुहको संख्या ३३.१४ % छ भने ७० वर्ष भन्दा माथि उमेर समुहको जनसङख्या २.१ % मात्र रहेको छ । गाउँपालिकाको कुल साक्षरता दर ६१.१ % रहेको छ ।

२.४. आर्थिक क्षेत्रको अवस्था

२.४.१. मुख्य पेशा

यस गाउँपालिकाका अधिकांश घरपरिवारको कृषि पेशामा संग्लग्न छन् । पालिकाको ५६.२४ % आय आर्जन कृषिबाट हुन्छ । त्यसैगरी अधिकांश युवा करिब १३.८६ % बैदेशिक रोजगारमा संग्लन छन् । ज्याला मजदुरी स्थानीयको अर्को मुख्य पेशा हो ज्याला मजदुरीलाई ११.३५ % ले मुख्य पेशाको रुपमा अपनाएका छन् ।

२.४.२. कृषि

कृषि नेपालको जीडीपीमा योगदान र रोजगारी सिर्जना गर्ने प्रमुख क्षेत्र हो । राष्ट्रिय प्रवृत्ति पछ्याउँदै स्थानीय तहहरू पनि मुख्यतया कृषि क्षेत्रमा निर्भर छन् । गाउँपालिकाको १५.९५ % जमिन कृषि र खेती योग्य रहेको छ । पालिकाको मुख्य पेशाको रुपमा रहेको कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रमा पालिकाको कुल जनसङख्याको ५६.२४ % जनसङख्या संग्लग्न रहेको छ । यस क्षेत्रमा हुने मुख्य अन्नबालीमा धान, मकै, कोदो, गहुँ, हुन् । अधिकांश घरपरिवारले खाद्यान्नको लागि आफ्नै खेतबारीमा उब्जाउने गरेका छन् ।

त्यसैगरी यहाँ हुने मुख्य नगदे बालीमा तोरी, आलु, लसुन, अदुवा, बेसार, तिल, दलहन बालीमा मास, मस्यांग, भटमास, केराउ, सिमि, बोडी तथा तरकारी बालीमा बन्दाकोभी, काउली, बन्दा, लसुन, प्याज, खुर्सानी, मुला, साग, टमाटर, रहेका छन् । त्यसैगरी फलफुल खेतीमा जुनार, सुन्तला, कागती, आँप, लिची, केरा, मुख्य हुन्।

२.४.३. उद्योग

आर्थिक जनगणना अनुसार करिब २६.३८ प्रतिशत उद्योगहरू कृषिसँग सम्बन्धित छन् । जबकि ३७.४० प्रतिशत थोक र खुद्रा व्यापारसँग सम्बन्धित छ जहाँ अन्न वाली, तरकारी र फलफूलका साथै अन्य उत्पादनको कारोबार हुन्छ । व्यावसायिक उद्योगको उपस्थिति अझै नगण्य छन् । गाउँपालिकामा फर्निचर, राईस मिल, दुध डेरी जस्ता साना केहि उद्योगहरू छन् । गाउँपालिकामा करिब ३७ होटल र रेष्टुरेन्ट सञ्चालनमा छन् । यस गाँउपालिकिको मुख्य बजार केन्द्र झनझने बजार हो, भने चैनपुर बजार र

कुनै पनि उद्यम सुरु गरि स्वोरोजगार बन्नका लागि सिप चाहिन्छ । यस गाउँपालिकामा विभिन्न तालिम लिई उद्यमशीलतामा संग्लन भएका व्यक्तिहरु छन् । विभिन्न तालिम लिनेमा पुरुषको भन्दा महिलाको संख्या बढी छ ।

गाउँपालिकामा नेपाल सरकारको सशर्त अनुदान अन्तर्गत गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम संचालन छ । यस कार्यक्रमले लक्षित समूह (विपन्न, अति विपन्न, महिला आदिवासी/ जनजाती, दुर्गम तथा सेवाको पहुँच कम पुगेका   स्थान लाई) केन्द्रमा राखेर आफ्ना कार्यक्रम संचालन गर्दै आइरहेको छ । यस कार्यक्रमले स्थानिय लक्षित समुहका व्यक्तिहरुको माग तथा यहाँको सम्भावनाको आधारमा सिप विकास तालिम संचालन गर्दछ । यसका साथै उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरु तथा उद्यमको सुरुवात गर्न चाहने उद्यमीलाई आवश्यक स्रोत तथा सामाग्रीको सहयोग गरि उद्यमी बन्न सहयोग गर्दछ ।

२.४.४. पर्यटन

हरिहरपुर गढी र गढी दरबार हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा पर्ने सबैभन्दा महत्वपूर्ण पर्यटकीय स्थल हो गाउँपालिका मात्रै नभई सिन्धुली जिल्ला कै प्रख्यात पर्यटकीय स्थलको रुपमा रहेको छ । हरिहरपुर गढी १४ औं शताब्दी ईसा पूर्वमा हरि सिंह देवले बनाएको धैरै पुरानो किल्ला हो । त्यसैगरी विभिन्न मन्दिर, गुम्बा, प्राकृतिक मनोरम दृश्य यस पालिकाका मुख्य प्रयतिकिया गन्तव्यहरु हुन् ।

२.५. भौतिक पूर्वाधार

२.५.१. भूउपयोगको अवस्था

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाले विद्यमान भूपयोगको अवस्था तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

वर्तमान भूउपयोग विवरण	क्षेत्रफल (हेक्टर)	प्रतिशत (%)
बाँझो जमीन	७०.५	०.२०
वस्ती	१८३.७	०.५३
झाडी	४३९.६	१.२८
खेतीयोग्य	५४८४.८	१५.९५
वन जंगल	२४७७८.२	७२.०५
खोला/ जलस्रोत	४१५.	१.२१
खोला किनार तथा बगर	२३९३.१	६.९६
घाँसे क्षेत्र	६२५.८	१.८२
जम्मा	**७०.५**	**१००**

२.५.२. सडक

सडक तथा यातायातलाई विकासको मुख्य संवाहकको रुप्मा पनि लिन सकिन्छ । यसले उद्योग, व्यापार, सञ्चार, विद्‌युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, बजार, प्रविधि, खानेपानी आयोजना आदि जस्ता महत्वपूर्ण सामाजिक आवश्यकताको व्यवस्थापनमा सहयोग पुर्याउछ । सडक सञ्जाल र यातायात सुविधाले उत्पादकहरूलाई आफ्नो उत्पादन र वस्तुहरू बजारमा आपूर्ति गर्न र थप रोजगारी सिर्जना गर्न मद्दत गर्दछ । मदन भण्डारी राजमार्गले यस पालिकलाई छिमेकि जिल्ला संग सिधा जोडेको छ । गाउँपालिकामा पर्ने मुख्य सडकको विवरण अनुसूचीमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

सडकको स्तर	सडकको नाम	लम्बाई (मि.कि)
फिडर सडक	धरान – कटारी – गाईघाट – चतारा –सिन्धुली हेटौडा –	२६३०.
कलेक्टर सडक		५६१०.
स्थानीय सडक		३२७२१.
जम्मा लम्बाई		४०९६१.

२.५.३. विद्‌युत

जनगणनाको तथ्याङ्कअनुसार यस गाउँपालिकाका अधिकांश घरधुरीले प्रकाशको मुख्य स्रोतको रूपमा सौर्य ऊर्जा प्रयोग गर्छन्। ४,५८६ घरपरिवार मध्ये २,७७८ (६०.५८) % घरधुरीले बत्तीको लागि सौर्य ऊर्जा प्रयोग गर्छन्। दोस्रो स्थानमा ४७० (१०.२५%) घरपरिवारले मट्टितेल प्रकाशको स्रोतको रूपमा प्रयोग गर्छन्। गाउँपालिकामा एकदमै थोरै घरपरिवार, २९ घरधुरी (०.६३%) मा मात्र बिजुलीको पहुँच छ ।

२.५.४. खानेपानी

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाका सबै वडामा खानेपानीको सुबिधा पुगेको छ । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा विभिन्न स्रोतबाट खानेपानीको आपूर्ति भईरहेको छ । खानेपानीको स्रोत अनुसर प्रयोग गर्ने जनसंख्याको विवरण तलको तालिकामा प्रष्ट पारिएको छ ।

क्रसं.	खानेपानीको श्रोत	प्रयोग गर्ने घरधुरी संख्या	प्रतिशत
१.	नढाकिएको इनारकुवा ,	२७२३	५९% ३८.
२.	धारा वा पाइप	१२३४	२६% ९१.
३.	ढाकिएको इनार	२३२	५% ०६.
४.	नदी/ खोला	१६६	३% ६२.
५.	अन्य	१२४	२% ७०.
६.	वोरिङ्ग	८५	१% ८५.
७.	थाहा नभएको	२२	०% ४८.
जम्मा		४५८६	१००% ००.

(स्रोत (जनगणना, २०६८)

२.५.५. सिंचाई

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका अधिकांश ब्यक्तिहरु कृषि पेशामा संलग्न छन् । कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सिंचाईको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । पालिकाको कुल क्षेत्रफलको करिब १५.९५ % खेतियोग्य जमिन रहेको छ, भने ५६.२४ % जनसङख्याको मुख्य पेशा कृषि रहेको छ ।

गाउँपालिकामा खोला, खोल्सी तथा मुल जस्ता स्रोतबाट सिंचाईको भईरहेको छ । सबै वडामा कुनै न कुनै प्रकारका पानीका स्रोतबाट सिंचाई हुदै आइरहेको छ । पालिकामा मुख्यतया खोला खोल्सिबता सिधै कुलो सिंचाई, लिफ्ट सिंचाई र पोखरी सिंचाईको प्रयोग भईरहेको छ ।

२.५.६. सूचना तथा प्रविधि

गाउँपालिकाका सबै क्षेत्रमा मोवाइल सेवाको पहुँच राम्रो छ । गाउँपालिकामा ३३.२५ % ले मोबाईलको प्रयोग गर्दछन भने मात्र ०.०२ % को ईन्टरनेट पहुँच रहेको छ । टेलिफोन तथा इन्टरनेट सेवामा घरधुरीको पहुँच बढाउन मोबाइल सेवाको महत्वपूर्ण योगदान रहेको छ । गाउँपालिकामा नेपाल टेलिकम र एनसेलले मोवाईल

सेवा सबैभन्दा बढी प्रयोगमा रहेको छ । त्यसैगरी रेडियो, टेलिभिजन र केवल टेलिभिजनमा पहुँच भएको जनसंख्या क्रमश: ४७.३ %, ६.४३ र ०.५२ रहेको छ ।

२.६. सामाजिक क्षेत्र

२.६.१. स्वास्थ्य

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा जम्मा ११ वटा स्वास्थ्य संस्था रहेका छन् । जसमध्ये ४ स्वास्थ्य चौकी र ७ सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई रहेका छन् । पालिकामा समय समयमा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन पनि संचालन गर्ने गरिएको छ । गाउँपालिकामा १५ शैयाको अस्पताल बनाउनको लागि प्रक्रियामा रहेको छ।

यस्ता स्वास्थ्य संस्थामा विरामी जांच, पोषण सेवा, प्रसुती सेवा, गर्भवती जाँच, औषधी वितरण, ल्याब सेवा, खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा, भिटामिन ए खुवाउने तथा अन्य उपचारात्मक सेवाहरू उपलब्ध रहेका छन् । गाउँपालिकामा समय समयमा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन पनि संचालन गर्ने गरिएको छ ।

२.६.२. शिक्षा

कुनै पनि क्षेत्रको सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा शिक्षाले महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ । शिक्षा मानव विकासको एक महत्वपूर्ण सूचक पनि हो । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको ५ वर्ष उमेर भन्दा माथिको कुल साक्षरता प्रतिशत ६०.५४ % रहेको छ । त्यसैगरी महिला साक्षरता प्रतिशत ४१.६३% र पुरुष साक्षरता ६०.४२% रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा जम्मा ४८ वटा सामुदायिक विद्यालय छन् जसमध्य ८ वटा माध्यमिक तहका र ४० वटा आधारभूत तहका विद्यालय छन् ।

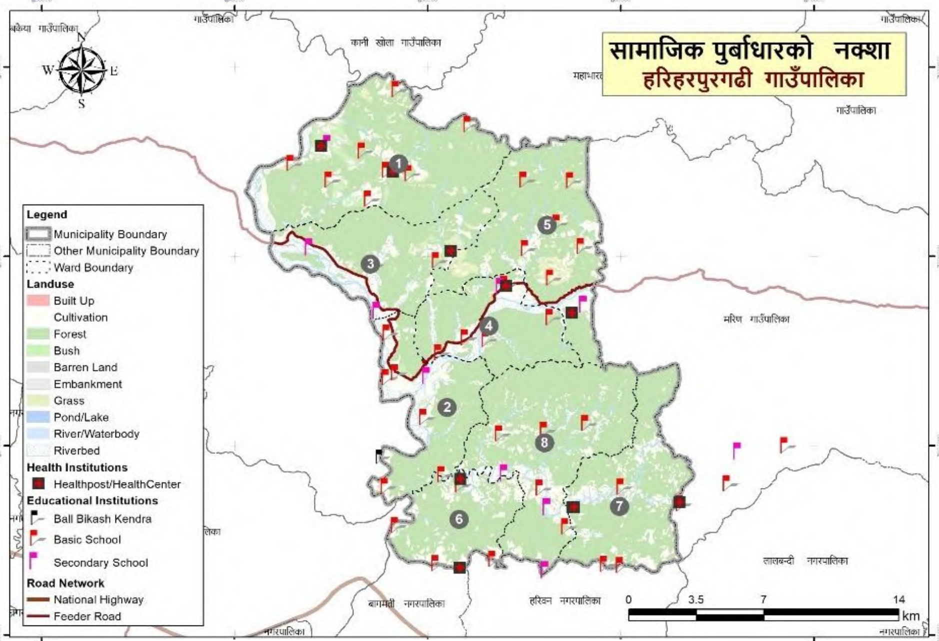

नक्शा 1: पालिकामा रहेका विद्यालयको वितरण नक्शा

२.६.३. **युवा तथा खेलकुद**

युवा कुनै पनि स्थानका विकासका सम्वाहक हुन् । युवा शक्तिको परिचालन बाटनै विकास सम्भब हुन्छ । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको जनसंख्याको बनौट हेर्दा कुल जनसंख्याको एक तिहाई भन्दा बढी (३४.६४ %) हिस्स्सा युवाको रहेको छ (जनगणना, २०६८) । यो संख्या बागमती प्रदेशमा ३५.७९ % रहेको छ । नेपालमा पछिल्लो समयमा युवाहरु विदेशिने क्रम बढ्दै गईरहेको भने यसबाट हरिहरपुरगढी गाउँपालिका पनि अछुतो रहन सकेको छैन । गाउँपालिकाबाट विशेष गरी बैदेशिक रोजगारीका लागि तथा शिक्षा तथा रोजगारीका लागि युवाहरु बाहिरिने क्रम बढ्दो छ । यद्यपि गाउँपालिकाले युवावर्गलाई स्थानीय स्तरमानै टिकाई राख्न विभिन्न प्रोत्साहनका कार्यक्रम गर्दै आइरहेको छ । युवाहरुको भेला, सामाजिक कार्य, संस्कृतिको जगेर्ना, विभिन्न खल्कुद प्रतियोगिताको आयोजना लगायत समग्र युवा वर्गको विकासका लागि गाउँपालिकाका विभिन्न वडामा युवा क्लब सक्रिय रहेका छन् ।

२.६.४. **धार्मिक, संस्कृतिक तथा ऐताहिसिक स्थलहरु**

पालिकामा धार्मिक महत्वका विभिन्न मन्दिर तथा गुम्बाहरु रहेका छन् । कालिका मन्दिर, रत्नदेवी मन्दिर, शिवमन्दिर, जलेश्वोर थान मन्दिर, सामलिङ तिर्थ गुम्बा, माया बौद्ध छोरदेंन गुम्बा, प्रेमा थपोलिंग गुम्बा, मार्मेन

छोरदेंन गुम्बा, धिमिले डाडा गुम्बा मुख्य धार्मिक स्थलहरु हुन् । पालिकाका विभिन्न स्थानमा संस्कृतिक तथा धार्मिक महत्वोका रुमपमा रहेका घाट, चिहान रहेका छन् । जसको संरक्षण पनि आवश्यक छन् ।

हरिहरपुरगढी दरबार गाउँपालिकामा पर्ने मुख्य ऐताहिसिक स्थल हो । ऐताहिसिक नेपाल अंग्रेज युद्ध स्थाको रुपमा रहेको गढी दरबार पर्यटकिय दृष्टिले अनि महत्वपूर्ण रहेको छ । यस ऐताहिस सतहको विकास तथा पुनस्थापनाका लागि गुरुयोजना बनाई सोहि अनुसार कार्य भईरहेको छ ।पालिका बाहेक प्रदेश सरकार र संघिय सरकारले पनि यस कार्यमा सहयोग गरिरहेको छ ।

परिच्छेद ३: सोच तथा विकासको अवधारणा

३.१. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले नेपालको अर्थव्यवस्था समाजवाद उन्मुख बनाउनको लागि सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक योगदानबाट दिगो र फराकिलो आर्थिक वृद्धि हासिल गर्दै सामाजिक न्यायमा आधारित समातामूलक समाज निर्माणका लागि मार्ग प्रशस्त गरेको छ । राज्यको अधिकार र कार्य क्षेत्रलाई संघ, प्रदेश र स्थानीय गरी तीन तहका सरकारमा वाँडफाँड गरिएको छ । संविधान प्रदत्त अधिकारले प्रत्येक तहको एकल र साझा अधिकारको बाँडफाँड मार्फत आर्थिक, सामाजिक विकासमा स्थानीय जनताको सहभागिता कुनै न कुनै किसिमले गरेको छ । स्थानीय सरकारले कुनै पनि योजना तर्जूमा गर्दा स्थानीयबासीहरुको कुनै न कुनै हिसावले सहभागिता, अनुभवको आदानप्रदान र योजनाको कार्यान्वयनमा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सहभागिताका लागि मार्ग प्रसस्त गरेको छ । सहभागिताको सुनिश्चितताको लागि गाउँपालिका र वडाहरुको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । जनसहभागिताले योजनाको अपनत्व र कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता ल्याउन मद्दत गर्दछ ।

गाउँपालिकाले निर्माण गरेका सामाजिक, आर्थिक विकासका कार्यहरुलाई सफल कार्यान्वयन गर्नको लागि वित्तीय क्षेत्रको उचित व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ । गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता र वित्तीय क्षेत्रको प्रभावकारी परिचालनद्वारा गाउँपालिकाको दीर्घकालिन सोच, मध्यमकालिन र अल्पकालिन लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु प्राप्त गर्न सहजता हुन्छ । आफ्नो गाउँपालिकाकाको विशिष्टता अनुसारको लक्ष्य, उद्देश्य सहित संघ, प्रदेशका योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य, उद्देश्यलाई समेत परिपुरण गर्नको लागि सहयोगी बन्नेछ ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकासँग आफ्नै प्रकारका विशिष्ट समस्या, संभावना र अवसरहरुका साथमा स्रोत र साधनको उपलब्धता र न्यूनता रहेको छ । उपलब्ध श्रोत र साधनको उच्चतम उपयोगका लागि संस्थागत विकास र सुशासन मुख्य स्तम्बमा रुपमा लिन सकिन्छ । स्थानीय राजश्व र आयका स्रोत, संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान, राजश्व वाँडफाँड र बाह्य आम्दानीका अवसरहरुको अधिकतम उपयोग गर्न सक्ने अवसर रहेका छन् । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाले आन्तरिक र बाह्य अवसरहरुको अधिकतम उपभोग गर्दै गाउँपालिकाको आर्थिक, सामाजिक विकास, पूर्वाधार विकासका लागि संस्थागत क्षमता अभिबृद्दि तथा शुसासन कायम गर्नको सकेमा यस आवधिक योजनाले राखेको दिर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य अनुरुप कार्यहरु गरी अपेक्षित उपलब्धी र प्रतिफल प्राप्त भई समृद्ध गाउँपालिका बनाउन यो आवधिक योजना कोशेढुङ्गा सावित हुने विस्वास गरिएको छ ।

३.२. प्रमुख समस्या तथा चुनौती

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका भित्रि मधेश क्षेत्रमा पर्दछ । गाउँपालिकाका मुख्यमुख्य समस्या र चुनौती उल्लिखत रहेका छन् ।

समस्या	चुनौती
• सामाजिक कुरिती, हिंसा र विभेदहरु हटाउन नसक्नु । • सार्वजनिक शिक्षा र स्वास्थ्यको कमजोर व्यवस्थापन । • गुणस्तरिय स्वास्थ्य र शिक्षाको न्यून पहुँच र सुविधा विहिनता । • कृषि योग्य जमिनमा पर्याप्त र बाह्रै महिना सिंचाईको अभाव । • परम्परागत जिविकोपार्जनमा आधारित कृषि प्रणाली । • स्थानीय उत्पादनको बजारीकारण सहज र भरपर्दो गर्न नसक्नु । • प्राकृतिक साधन र श्रोतको उपयोग क्षमता ज्यादै न्यून र न्यून उपयोग । • खानेपानीको व्यवस्थापनका लागी संगठित संस्था नभएको । • सडक मापदण्ड अनुसार नभएका साथै यातायातको भरपर्दो र बाह्रै महिना व्यवस्था नभएको । • जोखिमयुक्त बस्ती व्यवस्थापन र बस्ती विकास प्रति ध्यान दिन नसक्नु । • पर्यटन प्रर्वधन, विकास गर्न नसक्नु र पर्यटकिय पूर्वाधारको कमी । • वर्षातमा बाढीको समस्या, पालिकाका वटा वडा ६, ७ र ८ सडक संजालबाट विच्छेद नै हुने अवस्था रहेको । • दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको पलायन र दक्ष जनशक्ति टिकाउने योजनाको अभाव । • दक्ष तथा पर्याप्त जनशक्तिको अभावमा जनतालाई सेवा, सुविधामा सहज पहुँच पुर्याउन नसक्नु ।	• खेती योग्य जमिनको बाढी पहिरोले हुने नोक्शानी कम गर्नु । • भएका पानीका स्रोतको उपयोग गरी पर्याप्त सिंचाईको व्यवस्थित र भरपर्दो व्यवस्था गर्नु । • विषयगततथा तहगत शिक्षकहरु दरवन्दीको व्यवस्था गरी गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु । • सामिजक र जातिय विभेदको जरा बढ्दै गएकोले समतामूलक समाज निर्माणमा गर्नु । • छरिएर रहेका बस्तीहरुमा सामाजिक, आर्थिक र भौतिक पूर्वाधार तथा गाउँपालिकाले सहज सेवा पुर्याउनु चुनौतीपूर्ण रहेको । • सडक, खानेपानी लगायत पालिकामा हुने भौतिक पूर्वाधार मापदण्ड अनुसार र गुणस्तरीय बनाउनु । • दिगो र भरपर्दो सडक यातायातमा पहुँच पुर्याउन कठिनाई । • स्वास्थ्य संस्थामा दक्ष जनशक्ति, औषधि तथा उपकरणको पर्याप्त व्यवस्थापन गरी गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्नु । • दक्ष जनसक्ति र पूर्वाधारको कमीले पर्यटन प्रवर्द्धनमा कठिनाई । • सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा जनशक्तिको कमि । • संस्थागत क्षमता, सामाजिक सोच र परम्परागत विचारधारा, सूचनाको अभावका कारण गाउँपालिकाबाट प्रवाह हुने सेवा, सुविधा सबै जनताको पहुँचमा पुर्याउन कठिनाई । • असिमित समस्या र सिमित श्रोत साधनको तालमेल गराउनु चुनौतिपूर्ण ।

३.३. अवसर तथा सम्भावनाहरु

अवसर

- कृषिमा आवश्यक सहयोग गरी व्यवसायिकरन गर्न सकिने ।
- पशुपालनलाई व्यवसायीकरण गर्न सकिने ।
- स्थानीय स्रोत साधनमा आधारित साना तथा घरेलु उद्योग स्थापना गरी रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने ।
- हेटौडा, काठमाडौँ तथा तराई क्षेत्रका बजारहरु नजिक रहेकोले कृषि उत्पादनको लागि अवसरका रुपमा रहेका ।
- प्राविधिक शिक्षाको व्यवस्था गरी दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्न सकिने
- वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त रेमिट्यान्सको सदुपयोग गरी स्वोरोजगार युवा बनाउने

सम्भावना

- विभिन्न सामुदायिक वनमा जडिबुटी तथा आयमुलक खेति गर्न सकिने ।
- नदि किनारमा विभिन्न प्रकारका वृक्ष रोपी प्रकोपको जोखिम कम गर्न सकिने ।
- विभिन्न धार्मिक संस्कृतिक तथा ऐतिहासिक क्षेत्र समेटी पर्यटनको क्षेत्रको विकास गर्न सकिने संभवाना रहेको ।
-

३.४. आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक सिद्धान्त तथा आधार

संविधानको धारा ५७ (४) (५) र अनुसूची ८ र ९ ले स्थानीय तहलाई आर्थिक तथा सामाजिक विकासको अग्रपङ्तिको चालकको रुपमा परिभाषित गरेको छ । संविधानका प्रावधानहरुको अधिनमा रही स्थानीय तहले आवधिक, मध्यमकालिन एवं वार्षिक नीति, योजना, वजेट तथा कार्यक्रमहरु तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्न सक्छन् । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २४ को उपदफा (३) (क देखि झ) र संघ, प्रदेश र स्थानीय तह (समन्वय तथा अन्तर सम्बन्ध) ऐन, २०७७ को दफा ३ को उपदफा (१) (क देखि द) ले स्थानीय तहको जिम्मेवारी र कार्य सीमा तोकेका छन् । दिगो विकास लक्ष्य, मौलिक हक, संघीय सरकारको पन्ध्रौं पञ्चबर्षिय योजना र प्रादेशिक योजनाले राखेका अल्पकालिन, मध्यकालिन र दीर्घकालिन लक्ष्य प्राप्त गर्न स्थानीय तहको जिम्मेवारी महत्वपूर्ण छ । जुन सुकै योजनाको कार्यान्वयन हुने अन्तिम विन्दु भनेको स्थानीय तह नै भएको हुँदा सबै तहका सरकारको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य आपसमा मेलखाने हुन जरुरी छ । एउटै लक्ष्य तथा उद्देश्य भएका कार्यक्रमहरुमा कुनै एक, दुई वा तीनवटै सरकारको संलग्नता रहने व्यवस्था संविधान, कानून तथा कार्यविधिहरुले निर्दिष्ट गरेका छन् । नेपाल सरकार (कार्य विभाजन) नियमावली २०७४, स्थानीय तह योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ र बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन तथा ढाँचा, २०७६ ले स्थानीय तहका योजना निर्माण, कार्यान्वयन, मूल्याङ्कन र वित्तीय व्यवस्था बारे दायरा तोकेका छन् । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा २४ र दफा ११ ले योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन प्रक्रियामा सरकारका तीन वटै तहका जिम्मेवारी प्रष्ट पारेका छन् ।

३.५. सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

राजनीतिक स्थायित्वको जगमा तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धि दुरगामी सोच सहितको राष्ट्रिय लक्ष्यहरू निर्धारण गरिएका छन् । आय वृद्धि, गुणस्तरीय मानवपुँजी निर्माण र आर्थिक जोखिमको न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ सम्म अति कम विकसित देशबाट विकासशिल देशमा स्तरोन्नति गर्ने र वि.सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुने गरी राष्ट्रिय र प्रादेशिक सोच लक्षित रहेको छ । संघिय सरकारले नेपालको दीर्घकालीन सोच, २१०० तर्जुमा गरिसकेको हुँदा उक्त सोचलाई हासिल हुनेगरी गाँउगाउँपालिकाको विशेषता र प्राथमिकता झल्किने गरी हरिहरपुरगढी गाँउगाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच निर्धारण गरिएको छ ।

राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच	
"समृद्ध नेपाल ,सुखी नेपाली"	समुन्नत ,स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितको सघन अन्तरआबद्धता तथा उच्च उत्पादकत्व भएको समान अवसर प्राप्त ,स्वस्थ ,शिक्षित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक ।

प्रदेश दीर्घकालिन सोच	
"सुसंस्कृत र सुखी जनता; समाजवाद उन्मुख्ज समृद्ध प्रदेश"	संस्कृति ,कृषि ,उद्योग ,पर्यटन ,मानव पुँजी र पूर्वाधार; सुसंस्कृत ,सुखी र समृद्ध प्रदेशको आधार

नेपालको राष्ट्रिय दिर्घकालिन सोच र वाग्मती प्रदेशको आवधिक योजनाको दिर्घकालिन सोचलाई आत्मसाथ गर्दै हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको समग्र विकासका लागि गाउँपालिकाको दिर्घकालिन सोच निर्धारण कार्यशाला गोष्ठीबाट गाउँपालिकाको साधन, श्रोत, आवश्यकता, संभावना र अवसरहरुको आधारमा अग्रणी क्षेत्रहरुको पहिचान गरी सोही अनुरुप हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको दिर्घकालिन सोचको निर्धारण गरिएको छ ।

"समृद्ध हरिहरपुरगढी सुखी जनता"

३.६. समष्टिगत लक्ष्य

दिगो विकासको अवधारणालाई आत्मसात गर्दै स्थानीय स्रोत साधन र प्रविधिको उच्चतम प्रयोगका साथ अर्थतन्त्रमा दिगो वृद्धि हासिल गरी गाउँपालिकामा समतामूलक र समावेशी वातावरण सिर्जना गर्दै गाउँपालिकाबासीको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने गरी लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ।

उपलब्ध स्थानीय स्रोत र साधनको विवेकपूर्ण उपयोग गरी हरिहरपुरगढी गाँउगाउँपालिकालाई राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक रूपमा स्थापित गर्ने

३.७.समष्टिगत उद्देश्य

आर्थिक क्षेत्र

आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थतन्त्र विकासको लागि स्थानीय प्राकृतिक स्रोतको दिगो उपयोग र प्रभावकारी व्यवस्थापन मार्फत कृषि, पशु, पर्यटन क्षेत्रको उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै उद्यमशिलता र रोजगारीका अवसरहरु सृजना गरी सामाजिक न्याय सहितको समतामूलक आर्थिक विकास गर्ने ।

सामाजिक क्षेत्र

स्वास्थ्य र शिक्षालाई गुणस्तरीय, सर्वसुलभ र नि:शुल्क बनाउँदै सबै वर्ग, समुदायको समतामूलक विकासका लागि लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरणका आधारमा स्थानीय भाषा, धर्म, संस्कृति, कला तथा साहित्यको प्रवर्द्धन गर्दै समतामूलक समृद्ध समाज निर्माण गर्ने ।

पूर्वाधार विकास

गुणस्तरिय सार्वजनिक पूर्वाधार निर्माण, सडक, सञ्चार, उर्जा, सिंचाई, स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाई, सूचना प्रविधि जस्ता आधारभूत पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका बनाउन जोड दिने ।

संस्थागत विकास तथा सुशासन

व्यवस्थित संस्थागत गाउँपालिका संयन्त्र, प्रभावकारी संस्थागत सहकार्य र समन्वय, सार्वजनिक प्रशासन तथा सेवा प्रवाहलाई प्रविधि मार्फत नागरिकमैत्री बनाई स्थानीय सरकारलाई नतिजामुखी र प्रभावकारी बनाउँदै जवाफदेहिता, पारदर्शिता र सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।

३.८. समष्टिगत रणनीति

१ कृषि उत्पादन तथा मासुजन्य उत्पादनमा गाउँपालिकालाई आत्मनिर्भर बनाउन आधुनिकीकरण र व्यावसायिकीकरणमा जोड दिने ।

२ कृषिजन्य उद्योग स्थापना र पर्यटन व्यवसाय प्रर्वधन गरी गाउँपालिकाको उत्पादन, आय, रोजगारी बृद्दिमा जोड दिने ।

३ स्थानीय सीप, प्रविधि र पूँजीको उच्चतम उपयोग एवं संरक्षण गर्दै रोजगारी सिर्जना र स्वरोजगार प्रवर्द्धनमा जोड दिने ।

४ गुणस्तरीय, निःशुल्क र सर्वसुलभ शिक्षा र स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित गर्दै समतामूलक समाज निर्माणमा जोड दिने ।

५ लैङ्गिक समानता, सामाजिक समावेशीकरण अभिवृद्धि गर्दै स्थानीय भाषा, धर्म, संस्कति, कला तथा साहित्यको संरक्षण, प्रवर्द्धन र विकासमा जोड दिने ।

६ गुणस्तरिय सडक सञ्जाल मार्फत स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण र यातायात पहुँच बृद्दिमा जोड दिने ।

७ सुरक्षित र व्यवस्थित आवासको हकलाई आत्मसात गर्दै विपद् जोखिम न्यूनिकरण हुने गरी सुरक्षित बसोबासको प्रवन्धमा जोड दिने ।

८ सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक सहकार्य मार्फत सामुहिक खेती एवं उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उद्योग र व्यवसाय प्रवर्द्धनमा जोड दिने ।

९ प्रविधिमैत्री सार्वजनिक प्रशासन मार्फत जवाफदेहिता, पारदर्शिता, नमुनायोग्य र परिणाममुखी शासन व्यवस्था सञ्चालनमा जोड दिने ।

१० स्थानीयस्तरमा योजना छनौटदेखि कार्यान्वयन तहसम्म नागरिक समाजसँग सहकार्य, समन्वय र साझेदारीमा जोड दिने ।

३.९. समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अन्त्यको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
क.	समष्टिगत गन्तव्य तथा सूचक							
१.	मानव विकास सूचाङ्क	इन्डेक्स	०.५७४[1]	०.६४१[१]		०.७६०[१]	०.८२०[१]	
२.	जन्म हुँदाको अपेक्षित आयु	वर्ष	६९.७[2]	७२.०[१]		७२[३]	८५[१]	८०
३.	गार्हस्थ्य प्रतिव्यक्ति आम्दानी	युएस डलर	१०४७[१]	१९१७[१]		१२१००[१]	२२४९०[१]	
४.	साक्षरता दर (१५ वर्ष भन्दा माथि)	प्रतिशत	५८[१]	६९[१]		९८[१]	९९[१]	
५.	वेरोजगारी दर	प्रतिशत	११.४[१]	७.२[१]		३[१]	१.८[१]	
६.	निरपेक्ष गरिब्रीको रेखामुनीको जनसङ्ख्या	प्रतिशत	१८.७[१]	१५.३[१]		०[१]	०[१]	
७.	आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्या	प्रतिशत	३९.९[3]	४२.५[४]				
८.	विपदबाट हुने वार्षिक क्षति रकम	रू हजारमा	२,५४,२८,१२	७३,४४,६१				
ख.	विषय क्षेत्रगत गन्तव्य र सूचक							

[१] .व.आ) बागमती प्रदेशको पहिलो आवधिक योजना)२०७६(८१/२०८०-७७/, २०७६(

[२] (पन्ध्रौं आवधिक योजना (आ. व. ७६/७७ - २०८०-८१), २०७६)

[३] (A Province with many Prospects - An Introduction to Bagmati Province , 2019)

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अन्त्यको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
१.	खाद्यान्न बाली उत्पादन (हजारमा)	मे.टन	५३५५२३२[4]	६९०९०२[५]				
२.	काठको उत्पादन (लाखमा)	घ.मि	५.५[5]			८.४९[३]		
३.	उद्योगबाट रोजगारीको सिर्जना (हजारमा)	सङ्ख्या	३२२८.४[6]	१२१८.४[७]				
४.	निर्यात आयात अनुपात	अनुपात	०.०९[7]					
५.	पर्यटक आगमन (हजारमा)	सङ्ख्या	११९७[8]					
६.	पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी (हजारमा)	सङ्ख्या	३७१.१४०[9]	१६१.६७४[१०]				
७.	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	९०.७[१]	९८.२[१]		१००[१]	१००[१]	१००
८.	विद्युत उत्पादन क्षमता	मे.वा.	७२५४४ [10]	१०५६८[१२]				

[४] (नेपालको जनसाङ्ख्यिक, सामाजिक, आर्थिक तथा वित्तीय स्थिति (प्रदेशगत प्रोफाइल) , २०७५)

[५] (आर्थिक सर्वेक्षण २०७८/२०७९, २०७९)

[६] (राष्ट्रिय आर्थिक जनगणना, २०१८)

[७] (Government of Nepal, Ministry of Industry, Commerce and Supplies, Trade and Export Promotion Centre, 2022)

[८] (नेपाल पर्यटन तथ्यांक, २०१९)

[९] (राष्ट्रिय आर्थिक जनगणना २०१८ - विश्लेषणात्मक प्रतिवेदन, २०२१)

[१०] (Assessment of Hydropower Potential of Nepal, 2019)

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अन्त्यको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
९.	सिञ्चित क्षेत्रफल (हजारमा)	हेक्टर	७२८.४४७[11]	१९.५३६[13]				
१०.	सडक निर्माण लम्बाई (पक्की/ ग्राभेल/ धुले)	कि.मी						
११.	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता जनसङ्ख्या	प्रतिशत	५८[१]	७१.२[१]		१००[१]	१००[१]	
१२.	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	५८[१]	६९[१]		९८[१]	९९[१]	
१३.	विद्यालय (सामुदायिक र संस्थागत)	सङ्ख्या	सामुदायिक- २९०३५ संस्थागत – ६५६६	सामुदायिक- ५२४३ संस्थागत – २१४५	सामुदायिक- संस्थागत –			
१४.	खुद भर्ना दर	प्रतिशत						
१५.	क) आधारभूत तह (कक्षा १-८)	प्रतिशत	९३[३]	९३.५२[12]		९९[३]	१००	
	ख) माध्यमिक तह कक्षा (९-१२)	प्रतिशत	४३.९[१]	४८.२[१]		९५[१]	९८[१]	
१६.	काम गर्ने उमेर समूहका प्राविधिक र व्यावसायिक	प्रतिशत	३१[३]			५०[३]		

[११] (सिंचाई गुरुयोजना, २०१९)

[१२] (शिक्षा तथ्यांक, २०१८)

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अन्त्यको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
	शिक्षामा तालिम प्राप्त जनसङ्ख्या							
१७.	मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्म)	जना	२३९[१]	७१.२[१]		२०[१]	१०[१]	
१८.	बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्म)	जना	३९[१]	३६[१]		८[१]	४[१]	
१९.	तौल कम भएका बालबालिका (५ वर्ष मुनी)	प्रतिशत	२७[१]	१३.३[१]		२[१]	१[१]	
२०.	आधारभूतस्तर खानेपानी सुविधाबाट लाभान्वित जनसङ्ख्या	प्रतिशत	९१[13]			१००[१६]		
	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसङ्ख्या	प्रतिशत	२०[१]	२१[१]		९५[१]	९७[१]	
२१.	सरसफाइ सुविधा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत	९९.७[१६]			१००[१६]		

[१३] (मन्त्रालय स्तरीय विकास समस्या समाधान समितिको बैठक तथा प्रथम चौमासिक प्रगति समीक्षा आ.व. २०७६/७७)

क्र सं.	सूचक/ लक्ष्य	एकाइ	आधार वर्षसम्मको अवस्था			योजनाको अन्त्यको अवस्था		
			नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह	नेपाल	प्रदेश	स्थानीय तह
२२.	बैंक तथा वित्तीय संस्थाको शाखा	सङ्ख्या	३६७३[५]	१२६३[५]				
२३.	जमिनमा महिलाको स्वामित्व हुने परिवार	प्रतिशत	१९.७[14]					
२४.	विपदबाट मृत्यु हुने वार्षिक जनसङ्ख्या	जना	५०९	६१				
२५.	विपदबाट प्रभावित हुने परिवार सङ्ख्या	सङ्ख्या	६५८३	६९६				
२६.	प्रकोपबाट कृषि क्षेत्रमा भएको आर्थिक क्षति (वार्षिक)	रू हजारमा						
२७.	प्रकोपबाट खानेपानी संरचनामा भएको क्षति (वार्षिक)	वटा						
२८	प्रकोपबाट पूर्वाधारमा भएको क्षति (वार्षिक)	वटा						

[१४] (Securing Women’s Land and Property Rights in Nepal, 2022)

३.१०. गाउँपालिकाको समष्टिगत वित्तीय अवस्था

कृषि पशुपालन, पर्यटन, व्यापार व्यावसाय, विद्यार्थी, सार्वजनिक तथा नीजि क्षेत्रको नोकरी वा सेवा क्षेत्रमा आबद्ध मानिसहरुको आधारमा समुदाय र गाउँपालिकाको बस्तुस्तिथिमा फरक पर्दछ । मानिसका अनगिन्ति आवश्यकता र आकांक्षाहरु हुन्छन् र ति अनगिन्ति आवश्यकता र आकांक्षाहरु एक्लो प्रयासले परिपूर्ति गर्न सकिन्दैन र यसका लागि सामुहिक प्रयत्नहरुको समन्वय, सहकार्य, आपसी सेवाको आदान प्रदानको संयन्त्र निर्माण हुन पुग्दछ । त्यस्ता संयन्त्रहरु टोल, समुदाय, गाउँपालिका, जिल्ला, प्रदेश हुँदै देशभर पुगिरहेका हुन्छन । त्यस्ता संयन्त्रहरुको परिचालन, समन्वय, सहकार्य, सहभागिताको लागि सांगठनिक संरचनाको आधार तयार भएका हुन्छन् । यसले जनआकांक्षाहरुको समाधन हेतु कार्यहरु गरिरहेका हुन्छन् । स्थानीय समुदायमा बसोबास गर्ने मानिसहरुका आवश्यकता र आकांक्षाहरुको परिपूर्तिका लागि गाउँपालिका मुख्य संयन्त्र हो ।

वस्तु तथा सेवा उत्पादन गर्ने, वस्तु विनिमय गर्ने, सेवा उपभोग गर्ने, वस्तु तथा सेवाका परिपाटीको विकसित रुप नै अहिलेको वस्तु तथा सेवा बजार हो । यसले स्थानीय आर्थिक इकाइहरुको (व्यक्ति, समाज, स्रोत साधन, उद्योग व्यापार, आयात निर्यात आदि) खाका तयार गर्छ र समुदाय स्तरका निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक निर्माण तथा सेवाका सबै क्रियालापहरुको वित्तीय सिमाङ्कन (निजी, सामुदायिक र सरकारी क्षेत्रको वित्तीय स्तर निर्धारण) गर्छ । आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि चाहिने वित्तीय स्रोत जुटाउन सरकारले राज्यका विधि तथा कानूको सीमा भित्र रहेर यी नै आर्थिक इकाइहरुबाट राजस्व प्राप्त गर्छ ।

राजस्वको आकार तथा परिमाण आर्थिक इकाईहरुको वित्तिय आकारमा भर पर्ने विषय भएकाले प्राकृतिक स्रोत, आर्थिक स्तर र राजस्व परिमाणको बीचमा प्रत्यक्ष आनुपातिक सम्बन्ध रहन्छ । गाउँपालिकाको आफ्नै आन्तरिक स्रोतहरुका साथै संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने विभिन्न प्रकार अनुदानहरु, निजी, सार्वजनिक निकायहरुसँगको साझेदारीबाट हुने आयहरुलाई गाउँपालिकाले प्राथमिक क्षेत्रहरुमा लगानी गर्दै आईरहेको छ । गाउँपालिकालाई सम्पन्न बनाई गाउँपालिका भित्र बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनस्तरमा गुणस्तरिय परिवर्तन ल्याउनु, गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्नु, उपलब्ध स्रोत साधनहरुको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु, स्थानीय पर्यावरण, जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु, संभावित प्रकोपबाट हुने क्षति न्यूनीकरण गरि नागरिकहरुको भय रहित वातावरणमा बाँच्न पाउने अधिकार सुनिश्चित गर्नु जस्ता कार्यमा आवश्यक पर्ने वित्तिय व्यवस्था गर्न गाउँपालिकाले वित्तीय अनुमान र प्रक्षेपण गर्नु सफल योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक छ । वित्तिय क्षमताको आकलन र वित्तिय क्षमतामा बृद्दिले मात्र लक्षित कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन हुन सक्ने भएकोले यस योजनामा वित्तिय विश्लेषणलाई महत्वपूर्ण मानिएको छ ।

गाउँपालिकाले आन्तरिक राजश्व, राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने रकम, वित्तीय समानिकरण अनुदान, सर्शत अनुदान तथा विशेष कार्यक्रमका लागि संघीय र प्रदेश सरकार तथा अन्य केन्द्रिय निकायबाट प्राप्त हुने विभिन्न अनुदान तथा सहयोगबाट आर्थिक स्रोत एकिकृत गरि विकास तथा सेवा प्रवाहका कार्यहरुमा खर्च

विनियोजन गरिरहेको छ । स्थानीय विकासको पूँजीगत खर्च बढाउन एकातर्फ आन्तरिक राजश्व र समग्र स्रोतको दायरा बढाउनु पर्ने बाध्यता छ भने अर्को तर्फ गाउँपालिकाको खर्च गर्ने क्षमता समेत वढाउनु पर्ने आवश्यकता छ । आवधिक योजना बनाउँदा गाउँपालिकाले अनुदान, सहयोग, साझेदारी, लागत सहभागिता तथा आन्तरिक आय क्रमशः विस्तार गर्दै जाने रणनीति लिएकोले आगामी वर्षहरुमा बजेटरी खर्च र गैरवजेटरी खर्च समेतबाट क्रमशः क्षमता बढाउदै लानु आश्यक छ ।

३.११. गाउँपालिकाको आन्तरिक आय

संघ र प्रदेशबाट फरक फरक शीर्षकमा गाउँपालिकामा जाने बजेटको २५ प्रतिशत हिस्सा गाउँपालिकाले आन्तरिक स्रोतबाटै जुटाउनु पर्ने कानुनी प्रावधान छ । तर यस गाउँपालिकाले आ. व. २०७७।७८ मा आन्तरिक आम्दानी जम्मा आयको ४१.८० प्रतिशत मात्र संकलन गरेको छ । संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने स्रोतको बढोत्तरी गर्न गाउँपालिकाले आन्तरिक आम्दानीमा सुधार गर्नु अनिवार्य हुने देखाउँछ । हाल गाउँपालिकाले फरक फरक शीर्षकमा अनुदान तथा आय प्राप्त गर्दै आएको देखिन्छ ।

१	नेपाल सरकार समानीकरण अनुदान
२	नेपाल सरकार सशर्त अनुदान
३	नेपाल सरकार समपूरक अनुदान
४	नेपाल सरकार विशेष अनुदान
५	संघीय राजस्व बाँडफाँड
६	प्रदेश सरकार समानीकरण अनुदान
७	प्रदेश सरकार सर्शत अनुदान
८	प्रदेश सरकार समपुरक अनुदान
९	प्रदेश सरकार विशेष अनुदान
१०	प्रदेश सवारी साधन कर बाँडफाँड
११	प्रदेश अन्य आय
११	आन्तरिक श्रोत
१३	नेपाल पर्यटन बोर्ड
१२	विविध (मौज्दात समेत)

३.१२. क्षेत्रगत योजना प्राथमिकिकरण र बजेट अनुमान

३.१२.१. गाउँपालिकाको वित्तीय स्थिति

कुनैपनि योजना सफल हुनको लागि वित्तीय सुनिश्चितता अनिवार्य शर्त हो । वित्तिय व्यवस्थापन विना गरिएको योजनाले सार्थकता पाउन सक्दैन । वित्तिय सुनिश्चितता विना बनाइएका योजनाहरु दस्तावेजको रुपमा मात्र कायम हुन्छन् । नेपालमा जतिपनि योजनाहरु बनेका छन् ति योजनाहरु वित्तिय सुनिश्चितता नभएका कारण सफल हुन नसकेका हुन । गाउँपालिकाको योजना तर्जुमा क्रममा कतिपय प्रक्षेपण विगतलाई हेरेर र कतिपय अनुमान भविष्यमा हुन सक्ने स्रोतको बढोत्तरीका आधारमा गरिएको छ । कतिपय योजनाहरुबाट अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न नसक्नुको पछाडि वित्तीय सुनिश्चितता नहुनु मुख्य कारण हो । वस्तुपरक वित्तीय विश्लेषण र प्रभावकारी वित्तीय अनुशासन कायम गर्न सक्ने हो भने योजना अनुसार नै कार्यान्वयन हुने देखिन्छ ।

परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र

४.१. कृषि तथा पशुपन्छी

४.१.१. पृष्ठभूमि

कृषि क्षेत्र नेपालको अर्थतन्त्रको महत्वपूर्ण अंग हो । हाल मुलुकमा कृषिको यान्त्रिकीकरण, आधुनिकीकरण र व्यवसायीकरण गर्ने उद्देश्यले १५ वर्षीय कृषि विकास रणनीति कार्यान्वयनको चरणमा छ । यसका साथै जैविक खेतीको विकासका निम्ति प्रविधि विकास, सामुदायिक तथा सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकासका कामहरू भइरहेका छन् ।

प्रदेश सरकारको कार्य क्षेत्रमा कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउने कार्यक्रमहरू, प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनाका पकेट, ब्लक, जोन र सुपरजोन विकास कार्यक्रमस कृषिउपजको न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण र कार्यान्वयनस कृषि र पशुपन्छी बिमासम्बन्धी योजना र कार्यान्वयन, सहुलियत दरमा कृषि ऋणको व्यवस्था, कृषि फार्म/केन्द्रहरूको विकास र व्यवस्थापन, कृषि तथा पशु रोगको निदान प्रयोगशाला व्यवस्थापन र नियमन, कृषिजन्य वस्तु, सेवा र प्रविधिको गुणस्तर निर्धारण र प्रमाणीकरण, सामूहिक खेती प्रणालीको विकासजस्ता विषयहरू पर्दछन् ।**(स्रोत : खाद्य तथा पोषण सुरक्षा योजना २०७७/७८- २०८१/८२)**

गाउँपालिकाको कुल जमिन मध्ये १५.९५ % खेतीयोग्य जमिन रहेको छ । पालिकाको कुल जनसंख्याको ५६.२४% जनसंख्याले मुख्य पेशाको रुपमा कृषि तथा पशुपालन अगालेको छ । नगदे बालीमा तोरी, आलु, लसुन, अदुवा, बेसार, तिल, दलहन बालीमा मास, मस्यांग, भटमास, केराउ, सिमि, बोडी तथा तरकारी बालीमा बन्दाकोभी, काउली, बन्दा, लसुन, प्याज, खुर्सानी, मुला, साग, टमाटर, रहेका छन् । त्यसैगरी फलफुल खेतीमा जुनार, सुन्तला, कागती, आँप, लिची, केरा, मुख्य हुन् । पालिकामा उत्पादन हुने अन्न बालिको धेरैजसो हिस्सा घरायसी उपयोग गरिन्छ भने केहि तरकारी तथा फलफुल उत्पादन विक्री गरिन्छ ।

पालिकामा कृषिको सहायक पेशाको रुपमा पशुपालन हुदै आईरहेकोमा वार्तामनावास्थामा भने कुखुरा, गाई, भैसी,बाख्रा र बुंगुर को व्यवसायिक पालन हुन थालेका छन् ।

४.१.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- परम्परागत ढंगले खेतीपाती गर्नेको बाहुल्यता
- उन्नत जातको बिउ बिजन तथा रासायनिक मल समयमा पर्याप्त आपूर्ति हुन नसक्नु
- कृषि सूचना तथा प्राविधिकको कमी
- कृषकमा कृषि सम्बन्धि सामान्य प्राविधिक ज्ञान समेत नहुनु
- कृषि उत्पादनको लागि बजारको उचित व्यवस्थापन नभएको

- कृषि सडकको पर्याप्त नभएका साथै भएका सडक मापदण्ड तथा गुणस्तरका नभएका
- संकलन केन्द्र तथा चिस्यान केन्द्रको नभएको
- बाह्रैमहिना सिंचाईको उचित प्रवन्ध नभएको,
- विभिन्न निकायबाट कृषिमा हुने सहयोगका बारेमा किसानलाई जानकारीनै नहुनु ,
- उत्पादित वस्तुको बिक्रीको लागि हालको बजारको उचित व्यवस्थापन नभएको,
- कृषिमा आधुनिक यन्त्र उपकरणको प्रयोग हुन नसकेको,
- खेतियोग्य जमिन बाँजो राख्ने प्रवृति बढ्दै गएको,
- बालीहरुमा विभिन्न किसिमका रोगहरु लाग्ने तथा उपचारको लागि कुनै व्यवस्था गर्न नसकिएको,
- बसाईसराई धेरै भएकोले कृषि श्रमशक्तिको कमि,
- अधिकांशले पशुपालन कृषिको सहायक पेशाको रुपमा मात्र अंगालेको
- पशु सम्बन्धि प्राविधिक तथा कृषकमा सामान्य प्राविधिक ज्ञान समेत नहुनु
- कृषि तथा पशु बिमा सम्बन्धि ज्ञानको कमि, तथा विमा प्रक्रिया झंझटिलो

चुनौती

- आधुनिक कृषि ज्ञान तथा सीपको विकास गरि कृषिलाई व्यवसायीकण गर्नु
- युवाहरुको विदेश पलायन रोकी कृषिमा आकर्षित गर्नु
- वैकल्पिक माध्यमबाट समेत सिंचाईको सुबिधा प्रदान गरी बार्है महिना सिंचाई सुबिधा उपलब्ध गराउनु
- समयमा रासायनिक मल, उन्नत जातको बिउ बिजन सजह रुपमा आपूर्ति गराउनु
- रासायनिक मल तथा उन्नत जातको वैकल्पिक उपायको खोजि गरी मल तथा विउमा आत्मनिर्भर बन्नु
- पशुपालनलाई व्यवसायिक बनाउई
- कृषिमा तथा पशुपलानमा लगानी बढाउनु
- कृषि सूचना तथा प्राविधिकको व्यवस्थापन गरि कृषकलाई सहयोग गर्नु
- जंगली जनावर, रोग तथा प्रकोपबाट कृषि उत्पादनलाई बचाउनु

४.१.३. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- पर्याप्त खेतीयोग्य जमिन र अधिकांश स्थानीय कृषिमा संग्लग्न रहेकोले कृषिको व्यवसायीकरण गर्न सकिने सम्भावना रहेको
- सिंचाईका लागि पर्याप्त पानीका स्रोत भएको
- पकेट क्षेत्र विकास गर्न सकिने
- कृषि सम्बन्धि साना उद्यम संचालन गर्न सकिने
- पशुपालनलाई प्राथमिकता दिई पशुजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर हुने सम्भावना रहेको

अवसर

- सिंचाईको सुबिधा प्रदान गरी उत्पादन र आम्दानि दुवै बढाउँन सकिने अवसर रहेको
- हेटौडा, काठमाडौँ तथा तराईक बजारमा सक संजालबाट सहज पहुँच भएको कृषि उत्पादनको लागि अवसरको रुपमा रहेको छ
- वन जङ्गल तथा घासे क्षेत्र प्रशस्त रहेकोले व्यवसायिक पशुपालन गर्न सकिने अवसर

४.१.४. कृषि क्षेत्रको विकास योजना

४.१.४.१. सोच

हरिहरपुरगढीको किसानको सम्मृद्धिको आधार कृषि क्षेत्रको विकास

४.१.४.२. लक्ष्य

सम्पूर्ण कृषि योग्य जमिनको सिंचितिकरण मार्फत कृषि तथा पशु जन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात समेत गर्ने।

४.१.४.३. उद्देश्य

१. आधुनिक कृषि प्रणाली बारे कृषकलाई तालिम प्रदान गर्नु, परम्परागत निर्वाहमूखी खेतीको अन्त्य गर्नु, कृषिलाई आधुनिकीकरण,यांत्रिकरण एवं ब्यवसायीकरण गर्दै जानु,
२. कृषकलाई उत्पादनको उचित मूल्य दिन विचौलियाको अन्त्य गर्नु,
३. लिफ्ट लगायत सम्भाब्य नदि नाला,मूल आदिबाट सिँचाईको सुबिधा सुनिस्चित गर्नु,
४. समयमा पर्याप्त मात्रामा बिउ बिजन,मल उपलब्ध गर्नु,
५. दक्ष प्राविधिकबाट आवश्यकता अनुसार कृषि सेवा उपलब्ध गर्नु,
६. बेरोजगार युवालाई विभिन्न सहुलियत प्याकेज (ऋण,जमिन,तालिम,उपकरण) मार्फत कृषिपेशामा आकर्षित गर्नु ।

४.१.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१.१ कृषिको उत्पादन एवं उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।	१.१.१ कृषि उत्पादन क्षेत्र निर्धारण गरी प्रविधि, पूर्वाधार, सिँचाइ, यन्त्र उपकरण, ऋण, बिमा, मल, उन्नत बिउविजन तथा विरूवा लगायतका वस्तु तथा सेवाहरू सहज रूपमा उपलब्ध गराउने व्यवस्था मिलाइनेछ ।

	१.१.२ स्वस्थ्य बाली उत्पादन प्रवद्र्धनको लागि सबै वडाहरुमा बालि विरुवा जाँच कार्यलाई प्राथमिक्ताका साथ अघि बढाइनेछ ।
	१.१.३ व्यवसाय दर्ता गरि आफ्नो व्यवसाय संचालन गरिरहेका व्यावसायिक कृषकहरुको सम्भावित क्षति न्यूनिकरणको लागि बाली विमा कार्यक्रमलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.४ कृषि तथा पशुपन्छीजन्य उत्पादनलाई बजारीकरणका लागि विशेष सुविधा दिइनेछ ।
	१.१.५ संघीय कानुन अनुसार गाउँपालिकाको भू–उपयोग नीति र कानुन तर्जुमा गरी कृषि भूमिको व्यवस्थित प्रयोगमा जोड दिइनेछ ।
	१.१.६ घुम्ती कृषि प्रसार, प्रविधि विस्तार र कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.७ आधुनिक उन्नत पशुहरूको उत्पानमा जोड दिदै किसानहरूलाई दुग्ध र मासुजन्य उत्पादनमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.८ जमिन बाँझो राख्रे प्रवृतिलाई निरूत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.९ कृषि पेशालाई सम्मानजनक पेशाको रुपमा विकास गर्नको लागि उत्कृष्ट किसान छनौट गरि किसान सम्मान कार्यक्रम अघि बढाईनेछ।
	१.१.१० व्यावसायिक रुपमा कृषि पेशालाई निरन्तरता दिन गाउँपालिका भित्रका कृषक, समूह, सहकारीलाई तरकारी खेती, फलफूल खेती, सम्बन्धी वडा स्तरिय तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२ व्यवसायिक खेतिको लागि जग्गा एकीकरणमा गाउँपालिकाबाट सहजीकरण गर्ने	१.२.१ कृषि भूमिको संरक्षण र चक्लावन्दीलाई प्रोत्साहन गर्दै साझेदारी, सामूहिक, सहकारी र करार खेतीलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।

	१.२.२ गाँउबासीहरूमा स्वरोजगारीको सृजना गर्न एक गाँउ एक उत्पादनको नीति लिइने छ ।
१.३ कृषिको यान्त्रिकीकरण, सहजीकरण र बजारीकरणमा सहयोग गर्ने	१.३.१ कृषि व्यवसायको आधुनिकिकरण, थान्त्रिकरण र बजारीकरणमा जोड दिईने छ ।
१.४ सामूहिक जमीनमा बिना धितो सरल एवं कम ब्याज दरमा ऋण दिने व्यवस्थाको लागि गाउँपालिकाले पहल गर्ने	१.४.१ बचत तथा ऋण सहकारी संस्थाले कृषि लगायतका उत्पादनशील क्षेत्रमा अनिवार्य रूपमा कम्तीमा ५० प्रतिशत ऋण प्रवाह गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
१.५ निर्यात योग्य एवं नगदे बालीलाई पकेट,ब्लक आदि जस्ता बृहत स्तरका व्यवसायिक खेतीपातीप्रवर्द्धन गर्न निजी क्षेत्रको लगानी आकृष्ट गर्ने ।	१.५.१ व्यवसायिक खेती प्रर्वद्धनका लागि अनुदान प्रदान गरि व्यवसायिक कृषि नीति अवलम्वन गरिनेछ ।
२.१ सहकारी वा अन्य उपयुक्त तरिका बाट बिचौलियाको अन्त्य गर्ने	
	२.१.२ प्रत्येक वडाहरूमा गठित कृषक समुहहरूलाई सहकारीमा आबद्ध गरि बजारीकरणमा सम्मिलित गरिनेछ ।
३.१ विभिन्न उपयुक्त प्रविधिबाट खेती योग्य जमिनमा सिँचाइ उपलब्ध गर्न	३.१.१ ठूला सिँचाइ परियोजना सम्भव नभएका क्षेत्रमा साना प्रकृतिका सतह, भूमिगत, थोपा, लिफ्ट र अन्य वैकल्पिक सिँचाइ प्रविधिबाट सिँचाइ सुविधाको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.१.२ सिँचाइ सुविधा नभएको क्षेत्रमा बर्षातको पानी सङकलन गरी उपयोगमा ल्याउन पोखरी संरक्षण र निर्माणलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ।
४.१ कृषकहरूलाई समयमा बिउ, बिजन,मल उपलब्ध गराउन सहकारी तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गर्ने	४.१.१ समयमा किसानलाई मल,बिउ बिजन किट नाशक औषधि उपलब्ध गर्न गाउँपालिकाले पहल गर्नेछ।

४.२ रसायनीक मलको प्रयोगलाई न्यूनिकरण गरि प्राङ्गारीक मलको प्रयोगलाई बढोत्तरी गर्दै लैजाने	४.२.१ विषादी रहित प्राङगारिक खेती लाई प्रोत्साहन गरिनेछ । ४.२.२ रसायनिक मलमा दिईदै आएको अनुदान क्रमिक रुपमा प्राङ्गारिक मल तर्फ स्थानतरण गर्दै लाने नीति अवलम्वन गरिनेछ ।
५.१ कृषि शाखालाई सुद्दढ गरी तालिम तथा सेवा कृषकलाई उपलब्ध गराउने ।	५.१.१ कृषि तथा पशुपालन सम्बन्धि प्राविधिक परामर्श उपलब्ध गराउन प्राविधिक जनशक्तिलाइ बढाइने छ।
	५.१.२ गाई तथा बाख्रा पालन प्रर्वधन कार्यक्रमलाई प्राथमिक्ताको साथ अगाडी बढाईने छ ।
६.१ बेरोजगार युवालाई कृषि क्षेत्रमा स्वरोजगारीको अवसर प्रदान गर्नु	६.१.१ युवा लक्षित कार्यक्रमलाई जोड दिदै कृषि फर्मको विकास गरिने छ ।

४.१.४.५. कार्यक्रम तथा आयोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
१.	पकेट तथा ब्लक प्रणाली अन्तर्गत बृहत एवंम् व्यवसायिक हिसाबले खाद्यन्न, तरकारी,फलफूल,नगदे बाली आदि खेतिगर्नका लागि सम्भाव्य सबै स्थान/ क्षेत्रहरुमा कुन उपजकोलागि जमिन उपयुक्त हुन्छ र त्यसबाट के कति परिमाणमा उत्पादन हुन्छ सो निर्धारण गर्ने।			√	√	√
२.	गाउँपालिका कृषि शाखाको मातहतमा रहने गरि गाउँपालिका भित्रका कृषकहरुको खेतबारीको माटो जाँचका लागि माटो ल्यावको स्थापना गर्ने		√	√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
३.	कृषि उत्पादन र वजार मूल्यवारे तथ्याङ्क प्रणाली विकास गर्न आवश्यक पहल गर्ने			√		
४.	प्रत्येक वडामा बालि उपचार शिविर सञ्चालन गर्ने			√	√	√
५.	कृषक तथ्याङ्कलाई अध्यावधिक गर्ने र विमा कार्यक्रम सुचारू गर्ने			√	√	
६.	खाद्यन्न उत्पादनमा वृद्धि गर्न विद्यमान सम्पूर्ण बाँझो जमिनहरुको लगत तयार गर्ने।		√	√	√	
७.	बाग्मती मारिन क्षेत्रमा तरकारी बजार व्यवस्थित गर्ने			√	√	√
८.	दुध डेरी तथा चिस्यान केन्द्र स्थापना गर्ने		√	√	√	√
९.	गाँउपालिकाको भू–उपयोग नीति र कानुन तर्जुमा गर्ने	√	√	√	√	
१०.	घुम्ती कृषि प्रसार मार्फत कृषकहरूलाई बालीमा लाग्न सक्ने रोग, समाधानका उपाय, प्राङगारिका मल प्रयोगको लाभ आदि बारेमा शिक्षा दिने			√	√	√
११.	गोठ तथा नस्ल सुधार कार्यक्रम सञ्चालन			√	√	√
१२.	घाँस खेति कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
१३.	खेती योग्य जमीन बाझो राख्नेलाई जरिवाना लगाउने			√	√	
१४.	उत्कृष्ट किसान छनौट गरि किसान सम्मान कार्यक्रमको थालनी गर्ने			√	√	√
१५.	प्रत्येक वडामा कृषक, समूह, सहकारीलाई तरकारी खेती, फलफूल खेती, सम्बन्धि तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
१६.	स-साना जमिनमा बृहत रुपले व्यवसायिक खेति गर्नु आर्थिक हिसाबले उपयक्त नहुने हुनाले कुन कुन स्थान/क्षेत्रहरुमा खेतीको लागि चक्लाबन्दि गर्न सकिन्छ सो को अध्ययन गर्ने।			√	√	
१७.	सामुहिक खेती गर्न वातावरण निर्माण गर्ने			√	√	√
१८.	कृषिको आधुनिकीकरणको लागि किसानलाई उत्प्रेरित गर्न उपकरण खरिदमा गाउँपालिकाले सब्सिडी (आंशिक आर्थिक सहयोग) प्रदान गर्ने।			√	√	√
१९.	बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुबाट सामूहिक जमानीमा बिना धितो सरल एवं कम ब्याज दरमा ऋण दिने ब्यवस्थाको लागि गाउँपालिकाले पहल गर्ने।			√	√	√
२०.	उपयुक्त ठाँउमा कृषि पकेट क्षेत्र संचालन गर्ने (अदुवा, बेसार)			√	√	
२१.	एक वडा एक कृषि कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने			√	√	√
२२.	पशु विमामा गाँउपालिकाबाट छुट दिने व्यवस्था मिलाउने			√		√
२३.	कृषि तथा पशुपंक्षि सम्बन्धि तथ्याङ्क अध्यावधिक गर्ने			√	√	
२४.	बिचौलियाको अन्त्य गर्न सहकारी वा अन्य कुनै उपयुक्त तरिकाबाट कृषि उत्पादनको बजारीकरण गर्न गाउँपालिकाले सहजीकरण गर्ने।			√	√	√
२५.	कृषक र उपभोक्ता बीच प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित गर्नु			√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	सहकारी र अन्य
२६.	लिफ्ट सिँचाई गर्न सकिने स्थान/क्षेत्रहरु सम्भाव्यता अध्ययन गरी लागत तयार गर्ने।			√	√	√
२७.	सिँचाईको सुविधा विस्तार गर्न गाउँपालिकामा विद्ध्याँमान सम्पूर्ण नदि/नालाहरुको सम्भाव्यता अध्ययन गरी क्षमता निर्धारण गर्ने।		√	√	√	
२८.	समयमा किसान लाई मल,बिउ बिजन किट नाशक औषधि उपलब्ध गर्न सहकारी संस्थाहरु मार्फत सहज बनाउने			√	√	
२९.	प्राङ्गारीक मल उत्पादन केन्द्र स्थापना गरि अर्गानीक खेतिलाई प्रवर्द्धन गर्ने		√	√	√	
३०.	कृषि शाखाको समन्वयमा दक्ष प्राविधिक जनशक्ति सम्भव भएसम्म गाउँपालिकामा नै तयार गर्ने (वातावरण तयार गर्न)।		√	√	√	
३१.	आधुनिक कृषि प्रणालीबारे किसानलाई कृषि शाखाको पहलमा प्रदेश सरकारको सहयोग समेत लिएर तालिम प्रदान गर्ने (घटीमा वर्षमा दुई पटक)।		√	√	√	
३२.	कृषकहरूलाई एकीकृत रूपमा प्राविधिक सहायता उपलब्ध गराउने			√	√	
३३.	निशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर संचालनमा ल्याउने			√	√	
३४.	प्रत्येक वडामा कृषिमा निर्भर लघुउद्यम कार्यक्रम संचालन गर्न युवाहरूलाई आर्कषित गर्न अनुदान दिने			√	√	√

४.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

अपेक्षित उपलब्धि

पाँच वर्ष भित्र खाद्यन्नमा आत्मनिर्भर हासिल गरी निर्यात गरिनेछ। फलफूल,तरकारी,मासु, दूध आदिमा आत्मनिर्भर हुनेछ। नगदे बालीको उल्लेख्य उत्पादन हुनेछ। सिँचाई सुबिधा धैरै हदसम्म पूर्ति भई सकेको हुनेछ। मल बिउ अभावको वर्तमान अवस्थामा सुधार हुनेछ। प्राविविधिक जनशक्तिको व्यवस्थाबाट किसानलाई आवश्यक कृषि सेवा प्राप्त भएको अवस्था हुनेछ। कृषि उत्पादनको लागि बजारको व्यवस्था भई सकेको अवस्था हुनेछ। कृषिको ब्यवसायिकीकरण, यांत्रिकीकरण एवंम् आधुनिकीकरणमा सुधार भई परम्परागत खेती प्रणालीको प्राय: अन्त्य भइसकेको अवस्था हुनेछ।

४.२. पर्यटन

४.२.१. पृष्ठभूमि

पर्यटन उद्योगले नेपालमा, विशेष गरी देशको ग्रामीण क्षेत्रमा जीवनस्तर उकास्न महत्वपूर्ण भूमिका खेलिरहेको छ। विशाल प्राकृतिक सौन्दर्यसँगै सांस्कृतिक सम्पदाको मिश्रणका कारण पर्यटन नेपालको प्रमुख उद्योग बन्न पुगेको छ । विशेषतया हिमालमा रहेको प्राकृतिक सौन्दर्य, महत्वपूर्ण धार्मिक गन्तव्य र अनुपम सांस्कृतिक तथा पुरातात्विक सम्पदा नेपालको पर्यटनका लागि उच्च सम्भावित सम्पदा हुन् । नेपालको संविधानले यी स्थान र सम्पदालाई पर्यटकीय गन्तव्यका रूपमा विकास गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको प्रमुख संवाहकको रूपमा पर्यटन विकास गर्ने नीतिहरू समावेश गरेको छ। रोजगारीका अवसरहरू अभिवृद्धि, गरिबी न्यूनीकरण र जनताको जीवनस्तरमा सुधार गरी आर्थिक समृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न पर्यटनले महत्वपूर्ण योगदान पुर्याइरहेको हुनाले यो क्षेत्रलाई अर्थतन्त्रको प्रमुख संवाहकका रूपमा लिन सकिन्छ ।
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका विविध जैविक विविधता सहित शिवालिक क्षेत्रमा अवस्थित छ। यस गाउँपालिका भित्र धैरै पर्यटकीय गन्तव्यहरु छन् । सबै पर्यटकीय स्थलहरु मध्ये हरिहरपुर गढी र गढी दरबार गाउँपालिका मात्रै नभई सिन्धुली जिल्लाकै प्रख्यात पर्यटकीय स्थलको रुपमा रहेको छ । हरिहरपुर गढी १४ औं शताब्दी ईसा पूर्वमा हरि सिंह देवले बनाएको धैरै पुरानो किल्ला हो । यसको ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्व छ । हरेक वर्ष यहाँ पर्यटकहरूको भीड लाग्ने गर्दछ । कुण्ड पोखरी, लोहसुर पोखरी, जितपुरगढी, भौगालिक विविधताको रुपमा समथर फाँट, चुरे क्षेत्र देखि महाभारत सम्मको भूभाग, विभिन्न मठ मन्दिर, गुम्बा पनि पालिकामा पर्ने मुख्य पर्यटकीय स्थलहरु हुन् ।

४.२.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

प्रमुख समस्याहरू पर्यटन उत्पादन र गतिविधिहरूको कमजोर विकास र विविधीकरण समावेश छन्; राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा अपेक्षित रूपमा पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न असमर्थ; अविकसित पर्यटन पूर्वाधार; धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण र संरक्षणका साथै पर्यटन विकासमा निजी क्षेत्रको पर्याप्त संलग्नता हुन नसक्नु:

उद्यमशीलता विकासलाई पर्यटन विकाससँग जोड्न नसक्नु; पर्यटनबाट प्राप्त लाभहरूको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्न असफल; पर्यटन गतिविधिलाई प्रविधिमैत्री बनाउन नसक्नु ।

चुनौती

गाँउपालिकालाई नेपालको आन्तरिक पर्यटन बजार र विश्व पर्यटन बजारमा आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा स्थापित गर्ने प्रमुख चुनौतीहरू छन्; सडक सुरक्षा, सुरक्षा र विश्वसनीयता सुधार र सडक सेवा विस्तार; पर्यटन सेवा र सुविधाहरूको गुणस्तर अभिवृद्धि; नयाँ गन्तव्यहरू पहिचान र विविधता; पर्यटन पूर्वाधारको विकासमा निजी लगानी आकर्षित गर्ने; यस क्षेत्रमा पर्याप्त दक्ष जनशक्ति; र यस क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तनको प्रभावलाई कम गर्ने। अन्य चुनौतीहरूमा खर्च बढाउने र बसाइको लम्बाइलाई ध्यानमा राखेर पर्यटन उत्पादनहरू विविधीकरण र प्याकेज गर्ने; गुणस्तरीय पर्यटक (आन्तरिक र अन्तर्राष्ट्रिय) को आगमनमा वृद्धि; पर्यटन सेवालाई स्मार्ट, पर्यटकमैत्री, सुरक्षित र भरपर्दो बनाउने, आधुनिक प्रविधि र उपकरणको प्रयोग गरी पर्यटकीय वस्तुलाई आकर्षक र मनोरञ्जनात्मक बनाएर पर्यटकलाई व्यस्त राख्ने ।

४.२.३. सम्भावना तथा अवसर

हरिहरपुरगढी गाँउपालिकाको पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने वातावरण बनाउने; नयाँ पर्यटकीय गन्तव्यहरूको विकास; द्रुत रूपमा विकासशील छिमेकीहरूको निकटता; प्राकृतिक सुन्दरता; मिलनसार आध्यात्मिकता; र दर्शन; जैविक विविधता; र गाँउपालिकालाई आन्तरिक पर्यटकका लागि धार्मिक पर्यटकीय गन्तव्य तथा कृषी पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने सम्भावना छ । गाँउपालिकामा प्रचुर प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक स्रोत हुनु, संघीय तथा प्रादेशिक पर्यटन नीति पर्यटन विकास अनुकुल हुनु, पालिकामा आन्तरिक पर्यटकको संख्या बढ्दैजानु, आधुनिक प्रविधिको विकास हुँद जानु, आधारभूत पूर्वाधारको विकास बढ्दै जानु अवसरको रूपमा रहेका छन् ।

४.२.४. पर्यटन विकास योजना

४.२.४.१. सोच

संस्कृति र प्रकृति पर्यटनको विकासको मुख्य आधार

४.२.४.२. लक्ष्य

हरिहरपुरगढी गाँउपालिकामा आउने पर्यटकको संख्या बढाएर र ती पर्यटकको बसाई लम्ब्याएर पर्यटकको दैनिक खर्च बढाउने

४.२.४.३. उद्देश्य

१. हरिहरपुरगढी गाँउपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको विकास गर्नु,
२. पर्यटन जनशक्ति विकास गर्नु,
३. हरिहरपुरगढी गाँउपालिकाको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण गर्ने,

४.२.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: १.हरिहरपुरगढी गाँउपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको विकास गर्नु,	
१.१ गाँउपालिकामा भएका गन्तव्यहरूको अध्ययन र अनुसन्धान गरी पर्यटन योजना तयार गर्ने ।	१.१.१ गन्तव्यहरूको पहिचान, अध्ययन र अनुसन्धान गरी तस्विर र भिडियो सहित अभिलेख तयार गरिनेछ। १.१.२ पर्यटन गुरूयोजना तयार गरिनेछ।
१.२ पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्ने ।	१.२.१ विभिन्न पर्यटन पूर्वाधारको अध्ययन तथा डि.पि.आर. तयार गरिनेछ।
उद्देश्य २: पर्यटन जनशक्ति विकास गर्नु,	
२.१ गाँउपालिकाको पर्यटन जनशक्तिको अध्ययन र अनुसन्धान गरी मानव संसाधन योजना तयार गर्ने ।	२.१.१ गाँउपालिकामा भएको मानव संसाधनको अध्ययन र अनुसन्धान गरिनेछ । २.१.२ मानव संसाधन योजना तयार गरिनेछ ।
उद्देश्य ४: गाँउपालिकाको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण गर्ने,	
४.१ गाँउपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने ।	४.१.१ गाँउपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी अभिलेख तयार गरिनेछ । ४.१.२ प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा वरिपरी फोहोर व्यवस्थापन योजना तयार गरिनेछ । ४.१.३ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा क्षेत्रमा पर्यटनको प्रभाव न्यूनीकरण गर्न संयन्त्र तयार गर्ने ।

४.२.५. कार्यक्रम तथा परियोजनाहरु

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी, गै.स.स.)
१.	गन्तव्यहरूको पहिचान, अध्ययन र अनुसन्धान गरी तस्विर र भिडियो सहित अभिलेख तयार गर्ने।			√	√	
२.	गाँउपालिका भित्र सम्भव भएका विभिन्न पर्यटनका प्रकार (पर्या पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, कृषि पर्यटन)हरूको तथा पर्यटनका गतिविधि (रक क्लाम्ब, कृषि कार्यशाला, हाईकीङ, पदयात्रा)सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने			√	√	
३.	पर्यटन गुरूयोजना तयार गर्ने।			√	√	
४.	राष्ट्रिय फुल लालीगुँरास अवलोकन पार्क, पिकनिक पार्क, हरिकरपुरगढी दरबारमा आदिवासी पार्कको निर्माण गर्ने ।			√	√	
५.	भ्यू टावरको निर्माण (राष्ट्रिय फुल लालीगुँरास अवलोकन गर्न)			√	√	
६.	ताप्के डाँडा देखि गढी दरबारसम्म केबलकारको सम्भाव्यता अध्ययन तथा डि.पि.आर. तयार गर्ने ।	√		√	√	
७.	ल्होसुर पोखरी मर्मत सम्भारका लागि डि.पि.आर. तयार गर्ने ।					
८.	पर्यटक सूचना केन्द्रको निर्माण			√	√	
९.	गाँउपालिकामा भएको मानव संसाधनको अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने ।			√	√	
१०.	मानव संसाधन योजना तयार गर्ने ।			√	√	
११.	कूक तथा वेटर तालिम दिने ।			√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी, गै.स.स.)
१२.	पथप्रदर्शक तालिम दिने ।			√	√	
१३.	घरवास तालिम कार्यक्रम संचालन गर्ने ।			√	√	
१४.	गाँउपालिकामा भएका प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी अभिलेख तयार गर्ने ।			√	√	
१५.	गाँउपालिका विभिन्न गन्तव्यहरूमा फोहोर संकलनका लिग डस्टविन राख्ने।			√	√	
१६.	फोहोरलाई न्यूनीकरण र व्यवस्थापन गर्न सचेतना कार्यक्रमको व्यवस्था गर्ने			√	√	
१७.	नगरले तोकेको वास्तु बिधि अनुसारको घर निर्माण गरेर सास्कृतिक पहिचान कायम गरिने छ ।			√	√	
१८.	गाँउको पूवार्धार निर्माण गर्दा मौलिकता कायम गर्ने र सौन्दर्यकरण गन कार्य गरिने छ ।			√	√	

४.२.६. अपेक्षित उपलब्धि

योजनाको अन्तिम वर्षमा विदेशी पर्यटक आगमन संख्या १०००० पुगेको हुनेछ । विदेशी पर्यटक र आन्तरिक पर्यटकको सरदर बसाइ अवधि २.५ दिन पुगेको हुनेछ । योजना अवधिमा २०० प्रत्यक्ष रोजगारीका अवसर सिर्जना भएको हुनेछ र कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान ५ % पुगेको हुनेछ ।

४.३. उद्योग

४.३.१. पृष्ठभुमि

उद्योग क्षेत्रलाई राष्ट्र विकासको प्रमुख आधार स्तम्भको रुपमा लिन सकिन्छ । उद्योग क्षेत्रको विकास बिना यथेस्ट मात्रमा देशमा रोजगारीका अवसहरु सिर्जना र आर्थिक विकास गर्न सम्भव प्राय: हुँदैन । तीब्र औद्योगीकीरणले मुलुकको आर्थिक उन्नति गर्न मद्दत गर्दछ। नेपालको संबिधानले पनि राष्ट्रिय हित अनुकूल आयात व्यवस्थापन र निर्यात प्रबर्धन क्षेत्र मा विदेशी लगानी आकर्षितगर्ने तर्फ जोड दिएको छ । औद्दिगिक नीतिले सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको सहकार्यमा दिगो एवं बृहत आधार सहितको औद्दिगिक विकासको माध्यमवाट अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य योगदान पुर्याउने लक्ष्य लिएको छ। आ.ब. २०७५/७६ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा द्वितीय क्षेत्रको योगदान १४.६ प्रतिशत र उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको योगदान ५.६ प्रतिशत रहेको छ।

नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान ५.५ छ भने राष्ट्रिय रोजगारीमा ६.६ प्रतिशत रहेको छ। आ.ब. २०७४/७५ सम्ममा देशमा बिभिन्न किसिमका उद्योग गरी जम्मा ७५२९ रहेका छन् भने लगानी कुल रु.१६ खर्ब ८१ अर्ब भएको देखिन्छ। नेपालको कुल उद्योग मध्य दुई तिहाइ ५०९८ (६७.७१%) उद्योग यस बागमती प्रदेशमा रहेका छन् । नेपालमा रहेका ११ औद्योगिक क्षेत्रहरु मध्ये चार वटा यस प्रदेशमा रहेका छन् । यस प्रदेशमा स्थापित उद्योगहरु मध्ये काठमाडौँ उपत्यकामा अत्यधिक छन् ।

आर्थिक विकासका तथा रोजगारीका लागि उद्योग आधारको रुपमा रहन्छ । रोजगारी सृजनाका साथै वस्तु तथा सेवा उत्पादनमा पनि उद्योगको महत्वपूर्ण योगदान रहन्छ । औद्योगिकीकरणको क्षेत्रमा हरिहरपुरगढी गाउँपालिका हालसम्म धेरै अगाढी बढ्न सकेको छैन । गाउँपालिकामा हालसम्म कुनै ठुला उद्योगको स्थापना भएको छैन । पालिकामा कृषि सम्बन्धि उद्यमको संख्या १८५, उत्पादन सम्बन्धि ९५, होलसेल तथा खुद्रा व्यापार सम्बन्धि २२४ होटेल तथा रेष्टुरेन्ट सम्बन्धि ३७ वटा उद्यम संचालनमा रहेका छन् (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) । पालिकामा डेरी सम्बन्धि उद्योग, हस्तकला सम्बन्धि (बाँस तथा काठका सामग्री) उद्योग, राईस मिल, दाना उत्पादन जस्ता उद्यमहरुको सम्भावना रहेको छ ।

४.३.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

औद्योगिकिकरणको लागि पूर्वाधारको (पानी,विद्युत आदि) कमि, उद्योगका लागि वातावरण तयार नहुनु , बैंक तथा वित्तीय संस्थाको पहुँच कम भएकोले उद्यममा लगानी लाम हुनु , स्थानीय हाट बजार अव्यवस्थित हुनु, पालिकाले उद्यम स्थापनाका लागि प्रोत्साहन मैत्री कार्यक्रम ल्याउन नसक्नु, मुख्य समस्याहरु हुन् ।

उद्योग स्थापनाका लागि उचित वातावरण तयार गर्नु, उद्यम संचालनका लागि सबै पूर्वाधार सहितको व्यवस्थित स्थानको व्यवस्था गर्नु, दक्ष जनशक्ति तथा पर्याप्त श्रमशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु, स्थानीय उत्पादित सामग्रीका लागि बजारको सुनिश्चित गर्नु मुख्य चुनौतिहरु हुन् ।

४.३.३. संभावना तथा अवसर

नेपाल सरकारको नीति अनुरूप गाउँपालिकामा एक औद्योगिक ग्रामको स्थापना गरी उद्योग मैत्री वातावरण तयार गर्न सकिने, कृषि तथा बनमा आधारित उद्योग हरु संचालन गर्न सकिने सम्भावना रहेको, उद्योग स्थापना गर्न निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्न सकिने, बेरोजगार युवालाई औद्योगिकरण माध्यमबाट रोजगारीका अवसर दिन सकिने, स्थानीय स्तरमा कच्चा पदार्थ उपलब्ध हुनु, स्थानीय श्रमशक्तिको प्रयोग गर्न सकिनु, वैदेशिक रोज्गरिबता प्राप्त ज्ञान, सिप तथा बजेट उद्योगमा लगुना सकिने यस क्षेत्रका अवसर हुन् ।

४.३.४. उद्योग विकास योजना

४.३.४.१. सोच

औद्योगिक उत्पादनको वृद्धि, गाउँपालिकाको सम्वृद्धि ।

४.३.४.२. लक्ष्य

उद्योग स्थापनाको माध्यमबाट आम्दानी वृद्धि गरी जीवन स्तर उकास्ने ।

४.३.४.३. उद्देश्य

१. स्थानीय स्तरमा उपलब्ध कच्चा पदार्थको अधिकतम प्रयोग गर्नु,
२. औद्योगिकरणबाट रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना गर्नु,
३. विशेष गरी ठूलो लगानीको लागि निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु,
४. औद्योगिक वातावारण तयार गर्नु,
५. विद्यमान उद्योगहरुको उत्पादनको गुणस्तरमा वृद्धि गरी बढी प्रतिस्पर्धत्मक बनाउनु,
६. आर्थिक संमृद्धि हासिल गर्नु ।

४.३.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: स्थानीय स्तरमा उपलब्ध स्रोत साधनको अधिकतम प्रयोग गर्नु	
१.१ स्थानीय स्तरमा उपलब्ध कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगको स्थापना गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकामा भएका स्रोत तथा साधनको पहिचान गरिनेछ १.१.२ कृषि तथा पशुपालनमा आधारित उद्योगको स्थापना गरिनेछ । १.१.३ वनमा आधारित उद्योग स्थापना गरिनेछ ।
१.२ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योग स्थापनमा लागि प्रोत्साहन गर्ने	१.२.१ गाउँपालिकामा स्थापना हुने उद्योग व्यवसायलाई दर्ता, नवीकरणमा सहुलियत दिईनेछ । १.२.२ गाउँपालिकामा उद्योग स्थापनाका लागि प्रोत्साहन गर्न करमा छुटको व्यवस्था गरिनेछ । १.२.३ स्थानीय कच्चा पदार्थ प्रयोग गर्ने उद्योगलाई अनुदान प्रदान गरिनेछ १.२.४ वातावरण मैत्री उद्योग स्थापनामा प्रोत्साहन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: उद्योग स्थापना मार्फत रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना गर्नु	
२.१. दक्ष जनशक्ति तयार गरी रोजगारी सिर्जना गर्ने	२.१.१. लघु उद्यम कार्यक्रम मार्फत विभिन्न सिपमुलक तालिम प्रदान गर्ने २.१.२. स्थानीय मौलिक सिप तथा कलाको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ २.१.३ आधुनिक प्रविधि सम्बन्धि तालिम प्रदान गरिनेछ २.१.४ स्थानीय प्राविधिक विद्यालयलाई उद्योग व्यवसायसंग आवद्ध गर्दै लाने
उद्देश्य ३: उद्योग स्थापनाका लागि लगानीमैत्री वातावारण तयार गर्नु	
३.१ औद्योगिक विकासका आवश्यक लागि नीति, योजना तथा मापदण्ड तयार गर्ने	३.१.१. उद्योग स्थापनाकाका लागि अध्ययन गरिनेछ ३.१.२. साना तथा घरेलु उद्योग स्थापना, संचालन तथा व्यवस्थापनका लागि ऐन, कार्यविधि तथा मापदण्ड तयार गरि लागु गरिनेछ ।
३.२ उद्योग स्थापनाका लागि आवश्यक पूर्वाधारको विकास गर्ने	३.२.१ औद्योगिक ग्रामको स्थापना गरिनेछ । ३.२.२ उद्योगका लागि आवश्यक आधारभूत पूर्वाधारको विकास गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
३.३ उद्योग क्षेत्रमा लगानी भित्र्याउन प्रोत्साहन गर्ने	३.३.१ उद्योग स्थापनामा सार्वजनिक निजि साझेदारीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । ३.३.२ सहकारी क्षेत्रको वित्तीय परिचालन गरिनेछ । ३.३.३ साना तथा घरेलु उद्यम विकासमा सामुहिक लगानीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । ३.३.४ गाउँपालिका बाहिर रही उद्योग व्यवसाय गर्ने स्थानीयलाई गाउँपालिकामा लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । ३.३.५ गाउँपालिकामा भित्रीने विप्रेषणलाई उद्योग क्षेत्रमा लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
३.४ उद्योग व्यवसाय क्षेत्रको सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्ने	३.४.१. उद्योग तथा व्यवसाय क्षेत्र तोकेर सो क्षेत्रको सुरक्षाको लागि सुरक्षा निकायमा पहल गरिनेछ । ३.४.२. विमा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा लागु गर्न विमा कम्पीहरूसँग समन्यव गरिनेछ ।
उद्देश्य ४. औद्योगिक उत्पादनको गुणस्तरमा वृद्धि गरी प्रतिस्पर्धात्मक बनाउनु	
४.१. स्थानीय उत्पादनलाई गुणस्तरीय बनाई प्रतिश्पर्धमक बनाउने	४.१.१. एक गाउँ एक उत्पादन लाई (वस्ती/टोल) प्रोत्साहन गरिनेछ। ४.१.२. उद्योगमा प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ । ४.१.३. गुणस्तर परिक्षणका लागि पहल गरिनेछ ।

४.३.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
१	गाउँपालिकामा रहेका सम्भावित औद्योगिक कच्चा पदार्थको पहिचान गरी स्रोत नक्शाङ्कन गर्ने			√		

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
२	स्थानीय बनमा उपलब्ध जडिबुटीको पहिचान नक्शाङ्कन तथा संरक्षण गर्ने			√		
३	राईस मिल स्थापना गर्ने			√	√	
४	अदुवाको चकलेट (Toffee) बनाउने उद्योग स्थापना गर्ने			√	√	
५	सर्वोतम पिठो उत्पादन गर्ने उद्योग स्थापना गर्ने			√	√	
६	आलुको परिकार (चिप्स, दालमोठ) बनाउने सम्बन्धि उद्योग स्थापना गर्ने			√		
७	पशु आहार (दाना) उत्पादन सम्बन्धि उद्योग स्थापना गर्ने		√	√	√	√
८	डेरी उद्योग स्थापना (छुर्पी, घ्यु, पनिर्, दहि उत्पादन) गर्ने				√	√
९	मासु प्रसोधन सम्बन्धि उद्योग स्थापना गर्ने (dry meat, ससेज, मासुको अचार उत्पादन)			√		
१०	बासका सामग्री (डोको, डालो, थुन्से, नाङलो, टुथपिक, सजवटका सामाग्री आदि) उत्पादन गर्ने उद्योग स्थापना गर्ने			√	√	√
११	मुढा बनाउने उद्योग स्थापना गर्ने			√	√	√

क्र. सं	**योजना /कार्यक्रम**	**सहकार्य गर्ने निकायहरु**					
		संघ	**प्रदेश**	**स्थानीय तह**	**निजि क्षेत्र**	**अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)**	
१२	फर्निचर उद्योग स्थापना तथा संचालन गर्ने					√	√
१३	गाउँपालिकामा स्थापना हुने उद्योग व्यवसायलाई दर्ता, नवीकरणमा सहुलियत			√			
१४	गाउँपालिकामा उद्योग स्थापनाका लागि प्रोत्साहन गर्न स्थानीय करमा (...%) छुटको व्यवस्था			√			
१५	स्थानीय कच्चा पदार्थ प्रयोग गर्ने उद्योगलाई अनुदान प्रदान			√			
१६	वातावरण मैत्री ठुला उद्योग स्थापनमा कर छुटको व्यवस्था गर्ने			√			
१७	अदुवाको चकलेट (toffee) बनाउने तालिम दिने			√		√	
१८	मुढा बनाउने तालिम संचालन गर्ने			√		√	
१९	बाँसका सजावटका सामाग्री बनाउने तालिम संचालन गर्ने			√		√	
२०	सर्वोतम पिठो उत्पादन गर्ने तथा प्याकेजीङ गर्ने सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√	
२१	आधुनिक फर्निचर बनाउने सम्बन्धि तालिम दिने			√		√	

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
२२	Basic accounting and management सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२३	उद्यमीका लागि बजारीकरण सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२४	हाल परम्परागत रुपमा उद्यम संचालन गरिरहेका व्यक्तिहरुको पहिचान (सिलाई, फलामका सामाग्री निर्माण, बाँसका सामाग्री निर्माण आदि)			√		
२५	बाँसका सामाग्री (डोको, डालो, थुन्से, नाङ्लो आदि) बनाउन जान्ने स्थानीयको पहिचान गरी क्षमता विकासका लागि तालिम दिने			√		√
२६	परम्परागत रुपमा फलामका सामाग्री उत्पादन गरिरहेका व्यक्तिहरुको (आरनमा काम गर्ने) क्षमता विकास तालिम संचालन गर्ने			√		√
२७	परम्परागत रुपमा सिलाई बुनाई गरिरहेका व्यक्तिहरुका लागि क्षमता विकास सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२८	उद्यमी तथा उद्योग संचालन गर्ने चाहने व्यक्तिका लागि आधारभूत			√		√

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
	कम्प्युटर सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने					
२९	कृषि विद्यालयमा कृषि उत्पादनलाई ग्रेडीङ गर्ने तथा प्रसोधन गर्ने सम्बन्धि कक्षा संचालन गर्ने		√	√		√
३०	गाउँपालिकामा उद्योग स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरि उद्योग विकास योजना तयार गर्ने		√	√		
३१	गाउँपालिकाको उद्योग स्थापना , संचालन तथा व्यवस्थापन ऐन तर्जुमा गरि लागु गर्ने			√		
३२	सबै प्रकारका उद्यम स्थापना तथा संचालन गर्न आवश्यक पर्ने मापदण्ड तयार गरि लागु गर्ने			√		
३३	उद्योग स्थापनामा छुट, सहुलियत दिने सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरि लागु गर्ने			√		
३४	औद्योगिक ग्राम स्थापनाका लागि जग्गाको व्यवस्थापन गर्ने			√	√	
३५	औद्योगिक ग्रामको स्थापनाका लागि सम्भ्व्यता अध्ययन तथा डी.पि.आर तयार गर्ने		√	√		

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
३६	औद्योगिक ग्राम स्थलमा आवश्यक आधारभूत पूर्वाधार (पहुँच बाटो, पानी, निकास, विद्युत सेवा आदि) विकास गर्ने	√	√	√	√	
३७	उद्योगका लागि आवश्यक आधुनिक मेसिनरी सामाग्री खरिदमा सहुलियत प्रदान गर्ने	√	√	√	√	
३८	लगानी आकर्षित गर्न विभिन्न सरोकारवाला (निजि क्षेत्र, सहकारी, सरकारी) बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	√
३९	सहकारीमा भएको वित्तीय स्रोतलाई उद्योग स्थापना तथा संचालनमा परिचालन गर्न प्रोत्साहन गर्ने			√		√
४०	सहकारीको लगानीमा स्थापना भएका उद्योगलाई विशेष छुटको व्यवस्था गर्ने			√		
४१	आधुनिक प्रविधि सहकारी मार्फत भित्र्याउने र सो का लागि सहकारीलाई सहुलियत दिने		√	√		√
४२	साना तथा घरेलु उद्यम स्थापनामा आमा समुह, महिला समूह, युवा			√	√	√

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी गै.स.स.)
	समूह (क्लब) लाई प्रोत्साहन गर्न कार्यक्रम संचालन गर्ने					
४३	उद्योग तथा व्यवसायको सुरक्षाको प्रत्याभूतिका लागि सुरक्षा निकाय संग पहल गर्ने	√	√	√		
४४	उद्योग व्यवसायको लगानी सुरक्षित गर्न विमा सम्बन्धि छलफल गर्ने			√	√	√
४५	उद्योगलाई विमा गराउन प्रोत्साहन गर्ने			√	√	√
४६	एक गाउँ एक उत्पादन सम्बन्धि अध्यन गर्ने			√		
४७	उत्पादित सामग्रीको गुणस्तर परिक्षणका लागि विभिन्न निकाय संग समन्वय गर्ने	√	√	√		√
४८	उत्पादित सामग्रीको ब्रान्ड निर्माण गर्न पहल गर्ने			√	√	
४९	नियमित अनुगमन तथा मुल्यांकन गर्ने (वार्षिक रुपमा)			√		√

४.३.६. अपेक्षित उपलब्धि

पाँच वर्ष भित्रमा उद्योग सम्बन्धी सम्पूर्ण अध्ययन सम्पन्न भई सक्नेछ। उद्योग ग्राम स्थापना भई संचालन भएको हुनेछ। सडक लगायत अन्य पूर्वाधारको उचित व्यवस्था भएको हुनेछ। औद्योगिक उत्पादनको लागि बजारको व्यवस्था भई सकेको अवस्था हुनेछ। निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्न उपयुक्त नीति तर्जुमा भई कार्यन्वयनमा आइसकेको हुनेछ। बेरोजगार युवालाई औद्योगिकीरणको माध्यमबाट रोजगारीका अवसर

उपलब्ध हुनेछ। पुंजी अभावको समस्याको अन्त्य हुनेछ। स्थानीय तहमा उपलब्ध कच्चा पदार्थको बढी भन्दा बढी उपयोग भएको अवस्था हुनेछ।

४.४. व्यापार तथा व्यवसाय

४.४.१. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा विभिन्न प्रकारका होलसेल तथा खुद्र व्यपार गरि जम्मा गरी जम्मा २२४ पसलहरु रहेका छन् । दैनिक उपभोगका सामानहरु जस्तै, खाद्यान्न, लत्ताकपडा, इलेक्ट्रोनिक, स्टेसनरी, औषधि, हार्डवेयर होटेल, लज आदिको पसलहरु रहेका छन् । गाउँपालिकाका मुख्य बजारहरुमा झनझने, चैनपुर बजार, श्रीपुर बजार, गुर्जा बजार हुन् । जहाँ यस्ता व्यपार तथा व्व्सयाहरु संचालन भईरहेका छन् । पालिकामा दैनिक उपभोग्य सामग्री किनबेच गर्न साप्ताहिक हाटबजार पनि लाग्ने गरेका छन् ।

४.४.२. समस्या तथा चुनौती

गुणस्तरीय सामग्रीको कम उपलब्धता, कमसल सामग्री बढी आयात हुनु, सामानको मूल्यमा एकरुपता नहुनु, विद्यमान बजार अव्यवस्थित र छरिएर रहनु, हाटबजार व्यवस्थित नभएका, व्यपार व्यवसाय दर्ता प्रचलन अझै नभएको, अब्जर्को अनुगमन नियमन नियमित र व्यवस्थित नभएको, व्यापार व्यवसाय सम्बन्धि पालिकामा कानुन को व्यवस्था नभएको जस्ता समस्या रहेका छन् । स्थानीय बजारको अनुगमन तथा नियमन गरि गुणस्तरीय सामग्रीको आपूर्तिमा सहजीकरण गर्नु, पसलहरु दर्ता गर्न प्रोत्साहन गरी राजस्व वृद्धिमा योगदान बढाउनु मुख्य चुनौती हुन् ।

४.४.३. संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकाको जनसंख्या क्रमिक रुपले बढ्दै गईराखेको हुनाले सामानको लागि माग पनि सोहि अनुरुप बढने हुनाले बजार विस्तारको ठूलो सम्भावना रहेको । सडक संजालराम्रो भएको ले लागत कम भई कम मुल्यमा गुणस्तरीय सामग्री उपलब्ध हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ । व्यपार व्यवसायको विस्तार गरी स्थानीय समग्रिहु विक्री गर्न सकिने अवसर रहेको छ ।

४.४.४.व्यापार तथा व्यवसाय विकास योजना

४.४.४.१. सोच

स्वच्छ तथा प्रतिस्पर्धात्मक व्यापार व्यवसायको सुनिश्चित गर्ने ।

४.४.४.२. लक्ष्य

बजारलाई व्यवस्थित गरी उचित मूल्यमा गुणस्तरीय सामान आपूर्ति गर्ने ।

४.४.४.३. उद्देश्य

१ गाउँपालिकाभित्र हुने सबै प्रकारका व्यपार व्यवसायलाई करको दायरामा ल्याउनु ।

२ व्यापार व्यवसायमा स्वस्थ प्रतिष्पर्धाका माध्यमबाट गुणस्तरीय उपभोग्य वस्तुको सहज आपूर्ति गर्नु ।

३ स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका सामग्रीको निकासी प्रवर्द्धन गर्नु ।

४.४.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनिति	कार्यनीतिहरु
उद्देश्य १: गाउँपालिकाभित्र हुने सबै प्रकारका व्यापार व्यवसायलाई करको दायरामा ल्याउनु ।	
१.१. गाउँपालिकामा स्थापना हुने सबै प्रकारका व्यवसाय अनिवार्य दर्ता गर्नुपर्ने व्यवस्था गर्ने	१.१.१ गाउँपालिका भित्र संचालित व्यवसायिक फर्महरुको दर्ता तथा नविकरणलाई गति दिईनेछ । १.१.२ दर्ता भएका व्यपार व्यवसायको विद्युतीय रेकर्ड राखिनेछ ।
उद्देश्य २: गुणस्तरीय उपभोग्य वस्तुको सहज आपूर्ति तथा वितरणको व्यवस्था गर्नु ।	
२.१ गाउँपालिकामा आवश्यक विभिन्न वस्तुको सहज र नियमित आपूर्तिका विभिन्न सरोकावालासंग सहकार्य गर्ने	२.१.१ दैनिक उपभोग्य सामाग्रीको सहज आपूर्तिका निजि क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ । २.१.२ कृषि जन्य सामग्रीको आपूर्तिका लागि सहकारीको परिचालन गरिनेछ ।
२.२ वस्तु तथा सेवाको सहज वितरणको व्यवस्था मिलाउनु	२.२.१ व्यवस्थित बजार विकासको लागि सहजीकरण गरिनेछ । २.२.२ सहकारी संगको सहकार्यमा सुपथ मूल्य पसल संचालन गर्नु ।
२.३ सामग्रीको मुल्यमा एकरुपता र गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने	२.३.१ नियमित रुपमा अनुगमन गरि गुणस्तर हिन सामग्री बिक्रि गर्ने व्यापारीलाई कारवाही गरिनेछ । २.३.२ उपभोक्तालाई सचेत गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: स्थानीय स्तरमा उत्पादन भएका सामग्रीको निकासी प्रवर्द्धन गर्नु ।	
३.१ निर्यात हुने वस्तुहरुको उत्पादनमा वृद्धि गर्नु	३.१.१ कृषिजन्य सामग्रीको उत्पादनमा वृद्धि गरिनेछ ३.१.२ साना तथा घरेलु उद्यमको प्रवर्द्धन गरि उत्पादन वृद्धि गरिनेछ ।

रणनिति	कार्यनीतिहरु
३.२ स्थानीय सामग्रीको निकासीमा सहजीकरण गरिनेछ ।	३.२.१ स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरण गरिनेछ । ३.२.२ कोशेली घरको स्थापना तथा संचालन गरिनेछ ३.२.३ लोड अनलोड गर्ने निश्चित स्थान तोकिनेछ

४.४.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

		सहकार्य गर्ने निकाय				
क्र.सं	योजना /कार्यक्रम	संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी, गै.स.स.)
१	गा.पा.मा स्थापना हुने व्यवसायिक फर्म, पसलहरुको दर्ता तथा नवीकरण गर्न वार्षिक रुपमा चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	
२	गाउँपालिकामा रहेको सम्पूर्ण पसल तथा व्यवसायको दर्ता गर्ने कार्य लाई अभियानको रुपमा अघि सार्ने			√		
३	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कर बुझाउने एक जना व्यवसायीलाई पुरस्कृत गर्ने			√		√
४	व्यवसाय दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी कम्प्युटर तथा सफ्टवेयरको माध्यमबाट गर्ने			√		
५	वडा कार्यालय बाटनै व्यवसाय दर्ता हुने व्यवस्था मिलाउने			√		
६	दैनिक उपभोग्य सामाग्री आपूर्ति गर्ने निजि क्षेत्रलाई सहुलियत तथा कर छुटको व्यवस्था गर्ने			√		
७	उन्नत जातका विउ तथा मलको आपूर्ति गर्न सहकारीलाई सहुलियत दिने			√		√
८	कृषि उपकरणको आपूर्ति तथा वितरण सहकारी मार्फत गर्ने			√		√
९	साप्ताहिक हाटको लागि व्यवस्थित स्थल निर्माण गर्ने			√	√	
१०	बजार व्यवस्थित गर्ने			√	√	
११	उपयुक्त ठाँउमा सुपथ मूल्य पसल संचालन गर्ने			√	√	√
१२	प्रत्येक ६ महिनामा बजार अनुगमन गर्ने र प्रतिवेदन तयार गरि पेश गर्ने			√	√	√
१३	गुणस्तरीय तथा नियमित सामाग्री आपूर्ति गर्न व्यापारीहरुलाई अभिमुखीकरण गर्ने			√	√	√

क्र.सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी, गै.स.स.)
१४	विद्यालयमा तथा समुदायमा उपभोक्ता हक सम्बन्धि चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	√
१५	आमा समुह, महिला समुह बीच वस्तु तथा सामानको गुणस्तर सम्बन्धि चेतनामुलक छलफल संचालन गर्ने			√	√	√
१६	रेडियो कार्यक्रम मार्फत चेतनामुलक सन्देश प्रसारण गर्ने			√		√
१७	वस्तु तथा सामानको गुणस्तरप्रति नागरिकलाई सचेत गराउन पम्प्लेट छाप्ने र वितरण गर्ने			√		√
१८	प्रत्येक वर्ष सबै भन्दा बढी कृषि जन्य सामग्री निर्यात गर्ने १ जना किसानलाई पुरस्कृत गर्ने			√	√	
१९	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरण लागि विज्ञापन गर्ने			√		
२०	स्थानीय स्तरमा उत्पादित सामग्रीको बजारीकरणका लागि बजार क्षेत्रमा पसल संचालन गर्ने			√		
२१	उपयुक्त ठाँउमा कोशेली घरको स्थापना गर्ने			√	√	√
२२	सामान लोड अनलोड गर्ने स्थान तोकी व्यवस्थित गर्ने			√		

४.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

ब्यवस्थित बजारको लागि स्थानको व्यवस्था भई ब्यवस्थित बजार संचालनमा सकेको हुनेछ । गाउँपालिकामा संचालन हुने सम्पूर्ण पसलहरु तथा व्यवसाय दर्ता तथा नवीकरण अनिवार्य हुने परिपाटीको विकास भएको हुनेछ । उपभोग्य सामग्रीको गुणस्तर तथा उपभोक्ता हक प्रति उपभोक्ताहरु जागरुक भएका हुनेछन । गाउँपालिकाबाट नियमित रुपमा महिनामा एक पटक अनुगमन नियमनको कार्य हुनेछ ।

४.५. श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

४.५.१. पृष्ठभूमि

नेपालको संबिधानले रोजगारी र श्रमको हकलाई मौलिक हकको रुपमा स्थापित गरेको छ । साथै दक्ष र व्यावसायिक श्रमशक्तिको विकास गर्ने, श्रमिक र उद्यमबीच सुसम्बन्ध कायम गर्ने, वैदेशिक रोजगारीबाट आर्जित सीप, पुंजी, प्रविधि आदि देश भित्रै सदुपयोग गर्ने नीति लिएको छ । देशमा राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१ र वैदेशिक रोजगार नीति, २०६८ कार्यन्वयनमा आएका छन् भने दिगो विकास लक्ष्य र अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठन अभिसन्धि मार्फत सुरक्षित रोजगारीको प्रतिबद्धता व्यक्त गरिएको छ । हाल नेपालमा श्रम शक्तिको ३६.५ प्रतिशत औपचारिक क्षेत्रमा संलग्न रहेको र बेरोजगार दर ११.४ प्रतिशत रहेको छ । श्रम, सीप र उत्पादनबीच तादम्यता कायम हुन् नसक्नु, श्रम प्रतिको सम्मान कमी हुनु, उद्यमशीलताको विकास नहुनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरु हुन् ।

देशको कुल जनसंख्यामा आर्थिक रुपले सक्रिय जनशक्तिको हिस्सा ५७ प्रतिशत छ । संविधानले प्रदेशको कार्य क्षेत्रमा रोजगार प्रवर्द्धन सम्बन्धी प्रादेशिक नीति, मापदण्ड, श्रम शक्ति योजना र अध्ययन र श्रम शक्ति योजना जस्ता विषय पर्दछन् । सन् २०११ मा नेपालमा क्षेत्रगत रोजगारीको स्थिति हेर्दा कृषिमा ६६.७ प्रतिशत, सामुदायिक कार्य तथा समाज सेवामा १२.८ प्रतिशत, ब्यापार, रेस्टुराँ तथा होटेलमा ८.१ प्रतिशत र निर्माणमा क्षेत्रमा ३.२ प्रतिशत रोजगारी सिर्जना भएको छ । प्रदेशको हकमा जनसंख्या तथा घरधुरी सर्वेक्षण २०११ अनुसार काठमाडौँमा आर्थिक दृष्टिले सक्षम जनसंख्या मध्ये सबैभन्दा बढी सेवा प्रदायकका रुपमा (२६ प्रतिशत) छन् भने दोश्रोमा हस्तकला र सम्बन्धित ब्यापारीहरु (१७.२२ प्रतिशत र १९ प्रतिशत) छन् ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम संचालनमा रहेको छ । यस कार्यक्रमको मुख्य उद्देश्य संबिधानत: रोजगारीको हक सुनिश्चित गर्नु हो । यस कार्यक्रमले पालिकामा रहेका बेरोज्गढ़ारुको सुची दर्ता गर्ने, उनीहरुलाई प्राथमिकताका आधारमा रोजगारी प्रदान गर्ने जस्ता कार्य गर्दै आईरहेको । पालिकामा आ.व २०७६/०७७मा १५६ जना बेरोजगार सुचिकृत भएका थिए भने आ.व. २०७७/०७८, २०७८/०७९ र २०७९/०८० मा क्रमश: १४२, ६०१ र ५७८ जना बेरोजगार सुचिकृत भएका थिए जसमध्य आ.व. २०७७/०७८ र २०७८/०७९ मा क्रमश १०३ र ६८ जनाले रोजगारी पाएका थिए । यसबाट क प्रष्ट हुन्छ भने गाउँपालिकामा पर्याप्त श्रमशक्ति उपलब्ध छ भने यसको तुलनामा रोजगारीका अवसर न्युन रहेका छन ।

४.५.२. समस्या तथा चुनौती

उपलब्ध युवा श्रमशक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा संलग्न गराउन नसक्नुनै सबै भन्दा ठूलो समस्या हो । श्रम शक्तिको रुपमा रहेको युवा जनशक्ति विदिशसिनु तथा गाउँपालिकाबाट बाहिरिनु , स्थानीय स्तरमा श्रम शक्तिको माग र आपूर्ति बिचको असन्तुल, बढ्दो बेरोजगारीका कारणले आपराधिक क्रियाकलापमा वृद्धि, गाउँपालिकाका युवा श्रमशक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा संलग्न गराउनु, प्रतिभा पलायन रोकी र स्थानीय स्तरमानै व्यवस्थापन गर्नु ठूलो चुनौतिको रुपमा रहेको छ ।

४.५.३. संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकाको तीब्रतर विकासको लागि अन्य भौतिक श्रोत साधनको साथ साथै मानवीय श्रोत साधनको पनि उत्तिकै आवश्कता पर्दछ । तसर्थ गाउँपालिकामा विद्यमान मानवीय संसाधनको उपयुक्त परिचालनबाट नै विकास सम्भव हुन सक्दछ । कृषि पशुपालन लगायतका क्षेत्रलाई व्यवसायीकरण तथा उद्योग धन्दाको विकास गरि स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । त्यसैगरी प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमले पनि केहि मात्रामा स्थानीय स्तरमा रोजगारीको सिर्जना गरेको देखिन्छ ।

४.५.४. श्रम तथा रोजगारी योजना

४.५.४.१. सोच

स्थानीय श्रमशक्तिको उपयोगगरी गाउँपालिकामा रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु ।

४.५.४.२. लक्ष्य

कृषि लगायत अन्य क्षेत्रको विकासगरी सम्पूर्ण श्रमशक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा उपयोग गर्ने ।

४.५.४.३. उद्देश्य

१ स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्नु,
२ सीपयुक्त दक्ष जनशक्तिको विकास गर्नु,
३ श्रमिकको हक हितको सुरक्षा गर्नु,

४.५.४.४. रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १ : स्थानीय स्तरमानै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्नु	
१.१ रोजगार तथा बेरोजगार श्रम शक्तिको लगत तयार गर्ने	१.१.१ गाउँपालिका भएका रोजगार तथा बेरोजगारको तथ्यांक संकलन तथा व्यवस्थापन गरिनेछ । १.१.२ गाउँपालिका क्षेत्रमा कार्यरत मजदुरको दक्षता र अनुभवको आधारमा लगत तयार गरिनेछ
१.२ स्थानीय स्तरमानै लगानी गरि उद्यमशिलाता प्रवर्द्धन गर्ने	१.२.१ स्थानीय स्तरमा लगानी गरि रोजगारी सिर्जना गर्ने व्यवसायीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.२.२ स्थानीय युवालाई प्रस्तावका आधारमा सहयोग गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.३ विदेशबाट फर्केका युवाको ज्ञान, सीप, अनुभव लाई रोजगारमूलक क्षेत्रमा लगाउन सहजीकरण गरिनेछ ।
१.३ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलाई प्रभावकारी ढंगले अगाडि बढाउने ।	१.३.१ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलाई रोजगार सम्बन्धि कार्यक्रमसंग आवद्ध । १.३.२ गाउँपालिका स्तरीय योजनाहरु कार्यन्वयन गर्दा रोजगार सेवा केन्द्रमा सुचिकृत बेरोजगारहरुलाई प्राथमिकता दिईनेछ ।
उद्देश्य २: विभिन्न सिपमुलक तालिमका अवसरको वृद्धि गर्दै दक्ष जनशक्तिको विकास गर्नु	
२.१ रोजगारमूलक तालिम संचालन गर्ने	२.१.१ मागमा आधारित रोजगारमूलक तालिम संचालन गर्ने
२.२ स्थानीय स्तरमा संचालन गरेका तालिमहरुको प्रमाणीकरणको गर्ने	२.१.१ स्थानीय स्तरमा दीने सिपमुलक तालिमको प्रमाणीकरण गर्न CTEVT संग समन्वय गरिनेछ ।
उद्देश्य ३ श्रमिकको हक हितको सुरक्षा गर्नु	
३.१ गाउँपालिका क्षेत्रमा कार्यरत मजदुरको न्युनतम हक अधिकार सुरक्षित गर्ने	३.१.१ गाउँपालिका क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिकको (महिला र पुरुषको) ज्यालामा समानता कायम गरिनेछ । ३.१.२ श्रमिकको नियमित भुक्तानी सुनिश्चित गरिनेछ ३.१.३ गाउँपालिकाको विकास निर्माणको काममा संग्लग्न श्रमिकको दुर्घटना विमा अनिवार्य गरिनेछ । ३.१.४ बाल श्रमलाई निरुत्साहित गरिनेछ । ३.१.५ मजदुर पेन्सन कार्यक्रम प्रारम्भ गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
३.२ बैदेशिक रोजगारलाई सुरक्षित र मर्यादित बनाउन पहल गर्ने	३.२.१ विदेश जान चाहने व्यक्तिहरुलाई आधारभूत तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । ३.२.२ वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवा श्रमशक्तिको सीप, अनुभव र पुंजीलाई गाउँपालिकाको विकासमा लगाउने वातावरण गरिनेछ ।

४.५.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी ,गै.स.स.)
१	गाउँपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरुको सर्भेक्षण गरि अभिलेख तयार गर्ने			√		√
२	गाउँपालिकाका रोजगार तथा बेरोजगार व्यक्तिहरुको सर्भेक्षण गरि अभिलेख नियमित अध्यावधिक गर्न सफ्टवेयरको प्रयोग गर्ने			√		
३	स्थानीय रोजगार तथा बेरोजगारको दर्ता गर्ने सम्बन्धमा वडा मार्फत स्थानीयलाई जानकारी गराउने			√		
४	गैरसरकारी संस्थामा रोजगारीमा स्थानीय युवालाई प्राथमिकता दिने					√
५	श्रम बैंकको स्थापना गर्ने			√		
६	रोजगार सेवा केन्द्र संचालन गर्ने	√		√		
७	रोजगार सेवा केन्द्र सुदृढीकरण गर्ने (कम्प्युटर, फर्निचर, क्यामरा तथा अन्य विद्युतीय उपकरण खरिद)					
८	स्थानीय स्तरमा रोजगारी सिर्जना गर्ने २ जना उद्यमीलाई सम्मान गर्ने (वार्षिक रुपमा)			√		
९	एक परिवार एक रोजगार कार्यक्रमलाई प्रभावकारीरूपमा कार्यान्वयन गर्न प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम, अध्यक्ष उद्यम विकास कार्यक्रम, व्यवसायिक कृषि पशुपालन कार्यक्रमलाई समन्यात्मक रूपमा निरन्तर संचालन गर्ने			√		
१०	विपन्न् वर्ग तथा युवा स्वरोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. ०७९/०८० मा १०० जनालाई १०० दिन बराबरको रोजगारी उपलब्ध गराउने			√		

क्र. सं	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी ,गै.स.स.)
१०	विपन्न् वर्ग तथा युवा स्वरोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. ०७९/०८० मा १०० जनालाई १०० दिन बराबरको रोजगारी उपलब्ध गराउने			√		
११	बैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका व्यक्तिलाई आयमुलक क्षेत्रमा लगानी गर्न वित्तीय साक्षरता कर्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
१२	युवा स्वरोजगार कोषको रकमलाई सहकारी संस्थाहरू मार्फत गरिबी न्यूनिकरण कार्यक्रम संचालनमा प्रयोग गर्ने			√		
१३	मागका आधारमा तालिम (वार्षिक २ प्रकारका तालिमसंचालन (गर्ने					
१४	वार्षिक रुपमा २ जनालाई आधुनिक सिप मुलक तालिम लिन गाउँपालिका बाहिर पठाउन सहयोग गर्ने	√	√	√		
१५	सिप प्रमाणीकरण गर्न वार्षिक रुपमा कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	
१६	अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिकको नियमित भुक्तानी तथा समान ज्यालाका विषयमा समय समयमा अन्तरक्रिया तथा छलफल गर्ने	√	√	√	√	√
१७	बाल अधिकार सम्बन्धि सचेतानामुलक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ			√		√
१८	बाल श्रम विरुद्धठाउँ ठाउँमा जानकारीमुलक होर्डिङ बोर्ड राख्ने			√		√
१९	मजदुर पेन्सन सम्बन्धि कार्यविधि तयार गरी लागु गर्ने			√		

४.५.५. अपेक्षित उपलब्धि

स्थानीय स्तरमानै पर्याप्त रोजगारीको सिर्जना भई वैदेशिक रोजगारीमा जाने युवाको संख्यामा उल्लेख्य रुपमा कमी आएको अवस्था हुनेछ । कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरण तथा उद्योग व्यवसायको स्थापनाबता थप रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना भएको हुनेछ । ब्यापार क्षेत्रमा हुने विस्तारले स्वरोजगार प्रवर्द्धन भई बेरोजगारीको समस्या धेरै हद सम्म कम भई सकेको आवस्था हुनेछ । सबै आर्थिक क्षेत्रमा हुने रोजगारीको अभिवृद्धिबाट पारिवारिक आयमा हुने वृद्धि हुने र सोबाट नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार आएको हुनेछ।

परिच्छेद ५: सामाजिक क्षेत्र

५.१. स्वास्थ्य तथा पोषण

५.१.१. पृष्ठभूमि

स्वस्थ्य जनशक्ति समृद्ध मुलुक निर्माणको महत्वपूर्ण आधार हो । नेपालको संविधानले स्वास्थ्यलाई नागरिकको मौलिक हकका रूपमा प्रत्याभूत गरेको छ । संविधानमा पनि प्रत्येक नेपालीले आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र सुविधा निःशुल्क पाउने व्यवस्था गरेको छ । संविधानको व्यवस्थाअनुसार सरकारले आफ्ना स्वास्थ्य चौकी र स्वास्थ्य केन्द्रमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र सुविधा निःशुल्क गरेको छ ।

पोषणयुक्त खानपान, स्वच्छ खानेपानी एवं सरसफाइ स्वस्थ जीवनको लागि अपरिर्हाय छ । स्वस्थ जीवनको लागि पोषणयुक्त खाद्यवस्तुको उपलब्धता हुनु आवश्यक हुन्छ । गाउँपालिकामा उत्पादित कृषि उपजले सबै घरधुरीलाई वर्षभर खान पुग्ने अवस्था छैन । रासयनिक मल, किटनाशक औषधिको प्रयोगले पनि स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थको उत्पादनमा चुनौती सिर्जना गरेको छ ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा स्वास्थ्य सेवा प्रधान गर्ने जम्मा ११ वटा स्वास्थ्य संस्था रहेका छन् । जसमध्ये ४ स्वास्थ्य चौकी र ७ सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई रहेका छन् । यस्ता स्वास्थ्य संस्थामा विरामी जाँच, औषधी वितरण, पोषण सेवा, प्रसुती सेवा, गर्भवती जाँच, ल्याब सेवा, खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा, भिटामिन ए खुवाउने तथा अन्य उपचारात्मक सेवाहरू उपलब्ध रहेका छन् । पालिकामा समय समयमा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन पनि संचालन गर्ने गरिएको छ । आधारभूत स्वास्थ्य उपचार स्थानीय स्वास्थ्य चौकीबाट प्राप्त हुने भएता पनि थप उपचारका लागि स्थानीयहरू हेटौडा तथा काठमाडौँका विभिन्न अस्पतालमा जाने गरेका छन् ।

५.१.२. समस्या तथा चुनौती

स्वास्थ्य क्षेत्रमा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच र सेवामा एकरूपता कायम गर्न नसक्नु, जनस्वास्थ्य सम्बन्धि पर्याप्त जनशक्तिको व्यवस्था नहुनु, स्वास्थ्य सेवामा लगानी अनुसारको प्रतिफल प्राप्त नहुनु, स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यकता अनुसारको आधुनिक उपकरण तथा दक्ष जनशक्ति नहुनु । पोषण सम्बन्धि चेतनाको कमि हुनु, विश्वव्यापीकरणसँगै खानपान तथा जीवनशैलीमा आएको परिवर्तनले नसर्ने रोग तथा मानसिक स्वास्थ्य समस्याहरू बढ्दै जानु प्रमुख समस्या हुन् । स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्ने पहुँच बाटो राम्रो नभएको , स्वास्थ्य सम्बन्धि जटिल समस्याका लागि गाउँपालिका बाहिर जानुपर्ने अवस्था, स्थानीयले व्यक्तिगत स्वस्थ तथा सरसफाईमा ध्यान नदिने बानी, आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या हुँदा एम्बुलेन्स तथा बाटोको समस्या, स्वास्थ्य संस्थाका भौतिक संरचना अपर्याप्त तथा भएका संरचना मापदण्ड अनुसार नभएका, वैकल्पिक उपचार जस्तैः आयुर्बेद, योग, पाँचकर्म जस्ता कुरामा ध्यान नदिनु जस्ता समस्या रहेका छन् ।

स्वास्थ्यका सबै क्षेत्रमा नागरिकको समतामूलक पहुँच स्थापित गर्नु, निःशुल्क गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई सबै स्थानीय तहबाट सर्वसुलभ रूपमा उपलब्ध गराउनु, अति विपन्न र जोखिममा परेका नागरिकलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्दै स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराउनु, संघीय प्रणाली अनुरूप स्वास्थ्य संस्थाको व्यवस्थापन गर्नु, स्वास्थ्य बिमालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वियन गराउनु, नाफामूलक स्वास्थ्य क्षेत्रलाई क्रमशः सेवामूलक क्षेत्रमा रूपान्तरण गरी स्वास्थ्य क्षेत्रलाई मानव स्वास्थ्य प्रति जिम्मेवार बनाउनु जस्ता कार्यहरू प्रमुख चुनौतीको रूपमा रहेका छन् ।

५.१.३. संभावना तथा अवसर

तीनै तहको सरकार बिच स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी अधिकारको बाँडफाँट हुनु, स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम कार्यान्व्यनमा रहनु, प्रदेश तथा स्थानीय तहले स्वास्थ्यमा लगानी वृद्धि गर्दै कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु, सूचना प्रविधिको विकासका साथै उपकरणहरूको उपलब्धता बढ्दै जानु, पूर्वाधारको विकाससँगै नागरिकहरूमा स्वास्थ्य सम्बन्धि, चेतना तथा चासो बढ्दै जानु, नीति तथा रणनीतिले स्वास्थ्य सेवालाई व्यवस्थित तथा गुणस्तरीय बनाउने कार्यमा जोड दिनु अवसरको रूपमा रहेका छन् ।

५.१.४. स्वास्थ्य योजना

५.१.४.१. सोच

सर्वसुलभ, गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच

५.१.४.२. लक्ष्य

स्वास्थ्य क्षेत्रको व्यवस्थित विकास गर्दै जनस्तरमा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।

५.१.४.३. उद्देश्य

१ गाउँपालिकामा सर्वसुलभ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा पहुँच बढाउनु ।

२ स्वास्थ्य क्षेत्रमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु ।

३ स्वास्थ्य सेवामा आवश्यक पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्नु ।

४ स्वास्थ्य सेवालाई सूचना मुलक तथा प्रविधि मैत्री बनाउनु ।

५ स्वच्छ र पोषणयुक्त खाद्य उपलब्धता तथा पहुँचको वृद्धि गर्नु ।

६ वैकल्पीक चिकित्साको माध्यमबाट स्वास्थ्य सेवा प्रवर्द्धन गर्नु ।

५.१.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: गाँउगाउँपालिकामा सर्वसुलभ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा पहुँच बढाउनु	
१.१ स्वास्थ्य संघसंस्थाको पँहुच अभिवृद्धि तथा विस्तार गर्ने ।	१.१.१ सबै वडामा स्वास्थ्य संस्था व्यवस्थापन गरिनेछ । १.१.२ स्वास्थ्य संस्था सम्म सहज रूपमा पुग्न यातायातका साधन व्यवस्थापन गरिने छ । १.१.३ आधारभुत स्वास्थ्य केन्द्रमा आकस्मिक अवस्थाको प्रारम्भिक उपचार, प्रारम्भिक ल्याव सेवा तथा अन्य आधारभुत एकीकृत उपचार सेवा प्रवाह गरिनेछ ।
१.२ सर्वसुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने	१.२.१ निजी क्षेत्रको समन्वयमा स्वास्थ्य वीमा कार्यक्रम लागु गरिने छ । १.२.२ सबै वडामा आधारभुत औषधीको पँहुच पुर्याइनेछ ।
१.३ महिला, बालबालिका तथा वृद्धहरू साथै अपाङ्गहरुको स्वास्थ्यमा पहुँच विस्तार गर्ने ।	१.३.१ सुरक्षित मातृत्व, बाल स्वास्थ्य, किशोर किशोरी तथा प्रजनन स्वास्थ्य साथै जेष्ठ नागरिकको स्वास्थ्य सेवाको विकास तथा विस्तार गरिनेछ । १.३.२ ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गहरुको स्वास्थ्य जाँच सहज गर्न विभिन्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
१.४ आधारभुत औषधीमा स्थानीयबासीको पहुँच पुर्याउने	१.४.१ निशुल्क रूपमा प्राप्त हुने औषधीहरूको सहज वितरणको व्यवस्था मिलाईनेछ ।
१.५ स्वास्थ्य सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।	१.५.१ स्वास्थ्य सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: स्वास्थ्य क्षेत्रमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु	
२.१ आवश्यक दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरू व्यवस्थापनका लागि प्रदेश तथा गै.स.स सँग सहकार्य तथा समन्वय गर्ने	२.१.१ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा दक्ष स्वास्थ्यकर्मीहरूको व्यवस्थापन गरिनेछ २.१.२ स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई समय अनकुल तालिम प्रदान गरिनेछ ।
२.२ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरूको नियमित उपस्थितिको व्यवस्था मिलाउने	२.२.१ स्वास्थकर्मीहरूलाई आवश्यक सेवा सुविधा प्रदान गरिनेछ । २.२.२ स्वास्थ्यकर्मी प्रोत्साहन कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: स्वास्थ्य सेवामा आवश्यक पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्नु	
३.१. एक वडा एक स्वास्थ्य चौकीको नीति अवलम्बन गर्ने	३.१.१ आवश्यक स्थानहरूमा स्वास्थ्य चौकी निर्माण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीतिहरू
३.२ प्रविधिमैत्री भौतिक पूर्वाधारहरू निर्माण तथा स्तरोन्नतीमा जोड दिने	३.२.१ विद्यमान स्वास्थ्य चौकी तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक प्रविधिमैत्री पूर्वाधारहरू निर्माण गरिनेछ । ३.२.२ निर्माणाधीन पूर्वाधारहरूलाई पुर्णता प्रदान गरी संचालनमा ल्याइनेछ ।
उद्देश्य ४: स्वास्थ्य सेवालाई सूचना मुलक तथा प्रविधि मैत्री बनाउनु	
४.१ स्थानीय स्तरमा नै गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध गराउन आवश्यक उपकरणहरू व्यवस्थापन तथा सञ्चालन गर्नु	४.१.१ सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक उपकरणहरू व्यवस्थित गरिनेछ । ४.१.२ स्वास्थ्य संस्थाहरूमा नयाँ प्रविधि तथा उपकरण प्रयोग गरिनेछ ।
उद्देश्य ५: स्वच्छ र पोषणयुक्त खाद्य उपलब्धता तथा पहुँचको वृद्धि गर्नु	
५.१ पोषणयुक्त खानेकुराको बारेमा ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने	५.१.१ पोषणयुक्त ,सन्तुलित खानेकुराको महत्व बारेमा ज्ञान अभिवृद्धि गरिनेछ ।
उद्देश्य ६: वैकल्पीक चिकित्साको माध्यमबाट स्वास्थ्य सेवा प्रवर्द्धन गर्नु	
६.१ आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्साको विकास तथा विस्तार गर्ने	६.१.१. स्थानीय स्तरमा उपलब्ध औषधीजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण, संकलन, प्रबर्द्धन गर्दै आयुर्वेद चिकित्सा अभिवृद्धि गरिनेछ ।

५.१.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१.	स्वास्थ्य चौकीहरू तथा वर्थिङग सेवाको लागि आवश्यक फर्निचर तथा अन्य सामाग्रीहरूको व्यवस्थापन		√	√	√	
२.	गर्भवती र सुत्केरी महिलाहरू साथै जेष्ठ नागरिकहरूको लागि निशुल्क एम्बुलेन्स सेवालाई निरन्तरता दिने			√	√	
३.	आकस्मिक सेवा व्यवस्थापन			√	√	
४.	प्रत्येक वडामा वर्षको एक पटक विशेषज्ञ डाक्टर सहितको निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन			√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
५.	५० वर्ष उमेर पुरा भएका नागरिकहरूलाई निशुल्क स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम		√	√	√	
६.	नियमित गर्भजाँच गराउने गर्भवती महिलाहरूको निशुल्क स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम संचालन			√	√	
७.	स्वास्थ्य केन्द्रमा आई सुत्केरी हुने महिलाहरूको लागि थप रू १००० प्रोत्साहन भत्ता उपलब्ध गराउने कार्यक्रम निरन्तरता		√	√	√	
८.	घुम्ती शिविर मार्फत दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने नियमित स्वास्थ्य सेवा		√	√	√	
९.	जेष्ठ नागरिकलाई औषधी उपचारका लागि वार्षिक रूपमा रू ३००० उपलब्ध गराउने व्यवस्थालाई निरन्तरता	√	√	√	√	
१०.	निशुल्क औषधी वितरण प्रभावकारी बनाउने			√	√	
११.	दीर्घ रोगी, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र जेष्ठ नागरिकलाई आवश्यक पर्ने र सरकारले दिने निशुल्क औषधी सम्भवभएसम्म घरदैलोमै पुर्याउने			√	√	
१२.	कर्मचारी क्षमता विकास तालिम		√	√	√	
१३.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा कर्मचारी व्यवस्थापन			√	√	
१४.	वर्थिङ सेन्टरमा कार्यरत नर्सिंग स्टाफहरूलाई समयसापेक्ष तालिमको व्यवस्था गर्ने		√	√	√	
१५.	महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयं सेविकाहरूलाई उच्च् मनोबलका साथ समुदायमा काम गर्न प्रेरित गर्न मासिक रूपमा उत्प्रेरणा खर्च प्रदान गर्ने			√	√	
१६.	कर्मचारी प्रोत्साहन			√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१७.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा संचालित वर्थिङ सेन्टरहरूलाई अत्याधुनिक र सुविधा सम्पन्न बनाउने		√	√	√	
१८.	सबै स्वास्थ्य संस्थामा प्रयोगशाला स्थापना तथा व्यवस्थित रूपमा संचालन		√	√	√	
१९.	पिपलमाडी स्वास्थ्य चौकीलाई १५ शैयाको अस्पतालको रूपमा स्तरोन्नती गर्न भवन निर्माण		√	√	√	
२०.	हरेक वडा तथा वस्तीमा खोप शिविर, भिटामिन क्यापसुल वितरण, स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन सम्बन्धि सूचना नियमित रूपमा सम्प्रेषण		√	√	√	
२१.	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा इन्टरनेटको व्यवस्था गरी टेलि मेडिसीन र सूचना प्रणाली व्यवस्थित गर्ने			√	√	
२२.	स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरु मार्फत वालबालिका हेरचाह र पौष्टिक आहार सम्बन्धि आधारभूत तालिम	√	√	√	√	
२३.	गर्भवती तथा विद्यालय वाहिर रहेका किशोरीहरूको खाद्य सुरक्षा र पोषणको लागि आयआर्जन सम्बन्धि कार्यक्रम सञ्चालन	√	√	√	√	
२४.	दीर्घरोग तथा नसर्ने रोगहरू जस्तै मधुमेह, उच्च् रक्तचाप, श्वास प्रश्वास रोग तथा थाईराईड नियन्त्रण गर्न विभिन्न किसिमका जनचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने		√	√	√	
२५.	उपलब्ध औषधीजन्य जडीबुटी, खनिजको पहिचान, संरक्षण तथा प्रबर्द्धन			√	√	

५.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क र सर्वसुलभ रूपमा प्राप्त भएको हुने, गाँउगाउँपालिकामा अस्पताल स्थापना भएको हुने, स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूतिकर्मीहरूको सहयोगमा गराइएको जन्महरूको अनुपात..... प्रतिशत पुगेको हुने, मातृ मृत्युदर घटेको हुनेछ , नवजात शिशु मृत्युदर प्रतिहजार जीवित जन्म ......बाट...... मा झर्ने, सबै बालबालिकाले आवश्यक खोप लिएको हुने, औषत प्रतिव्यक्ति उमेर बढी दिगो विकासका लक्ष्य पूरा गर्न निर्धारित सूचकहरूमा महत्वपूर्ण सुधार आएको हुनेछ ।

५.२. शिक्षा

५.२.१. पृष्ठभूमि

शिक्षा आधुनिक समाज निर्माण, मर्यादित जीवन तथा सम्मानजनक रोजगारीको महत्वपुर्ण आधार हो । नेपालको संविधानले शिक्षालाई मौलिक हकको रुपमा स्थापित गर्दै आधारभूत तहसम्म अनिवार्य र निःशुल्क तथा माध्यामिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ । संबिधानतः शिक्षा संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहको साझा दायित्वको रुपमा रहेको छ । त्यसैगरी स्थानिय सरकार संचालन ऐन २०७४ ले आधारभूत र माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाको विकास, संचालन तथा नियमन गर्ने जिम्मेवारी स्थानीय तहलाई प्रदान गरेको छ । शिक्षालाई समसापेक्ष, व्यवसायिक, सिपमुलक तथा व्यवहारिक बनाउन नगरगाउँपालिकामा विभिन्न नीति नियम तथा योजना बनाई कार्यन्वयन पनि भईरहेका छन् ।

त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्य २०३०ले शिक्षालाई प्राथमिकता दिदै चौथो लक्ष्यका रुपमा गुणस्तरीय शिक्षालाई राखेको छ । त्यसैगरी Planning norms and standard, 2015 का अनुसार प्रति ३००० जनसंख्यामा १ वटा प्राथमिक विद्यालय र प्रति २५००० जनसंख्याका लागि १ उच्च माध्यमिक (१२ कक्षा सम्म) विद्यालय चाहिन्छ भने प्रति १०००० जनसंख्यामा १ सामुदायिक पुस्तकालय आवश्यक हुने उल्लेख छ ।

गाउँपालिकामा ८ वटा माध्यमिक तहका र ४० वटा आधाभुत तहका गरि जम्मा ४८ वटा विद्यालय रहेका छन् । गाउँपालिकामा प्राविधिक शिक्षा अन्तर्गत कम्प्युटर, ईन्जिनीरिनङ र भेटेनेरी शिक्षा संचालन छन् । पालिकाको कुल साक्षरता दर ५०.५८ % रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) । जुन बागमती प्रदेशको साक्षारता दरको तुलनामा न्युन हो ।

गाउँपालिकाको जनसांख्यिक संरचनालाई विश्लेषण गर्दा (०-१४ वर्ष उमेर समुह) ३३.१४ % रहेको छ, जुन विद्यालय जाने उमेर समुहमा पर्दछ । विद्यार्थीहरु माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाका लागि स्थानीय विद्यालयमानै जाने भएता पनि उच्च शिक्षाका लागि गाउँपालिका बाहिर बिशेष गरि हेटौडा, सिन्धुली, काठमाडौँ जस्ता शहरमा जाने गरेका छन् ।

५.२.२. समस्या तथा चुनौती

समस्याहरु

- सामुदायिक विद्यालयमा तहगत तथा विषयगत शिक्षक व्यवस्थापन हुन नसक्नु ,
- सबै विद्यालयमा भूकम्प प्रतिरोधी भवन, घेराबार, पुस्तकालय, उपयुक्त खेल मैदान, खानेपानी जस्ता पूर्वाधारको व्यवस्थापन नहुनु ,
- विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला तथा कम्प्युटर प्रयोगशाला नहुनु भएका पनि व्यवस्थित नहुनु
- शिक्षकहरुलाई समय सापेक्ष तथा अद्यावधिक तालिमको व्यवस्था नहुनु
- सामुदायिक विद्यालयमा विद्यार्थी संख्या न्युन हुनु वा विद्यार्थी भर्नादर कम हुदै जानु
- प्राथमिक बाल विकास केन्द्रलाई सुबिधा सम्पन्न र बालमैत्री बनाउन नसक्नु
- विद्यालय व्यवस्थापन समितिले प्रभावकारी भूमिका खेल्न नसक्नु
- शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री हुन नसक्नु
- विद्यार्थी अनुपातका आधारमा शिक्षकको वितरण नहुनु
- शैक्षिक संस्थाहरुको नियमित अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा मुल्यांकन गर्न नसक्नु
- शिक्षक, विद्यार्थी तथा अविभावक बिच अन्तरक्रिया तथा छलफल नहुनु
- प्राविधिक शिक्षालाई सबैको पहुँच योग्य बनाउन नसक्नु

चुनौतिहरु

- शिक्षालाई गुणस्तरीय, व्यवहारिक र रोजगारमूलक बनाउई आर्थिक उपार्जनमा जोड्नु
- समुदायमा शैक्षिक चेतनाको कमी
- अविभावक तथा विद्यार्थीमा अंग्रजी माध्यम प्रतिको बढ्दो आकर्षणलाई मध्यनजर गर्दै विद्यार्थी पलायन रोक्नु
- विषयगत तथा तहगत शिक्षाको व्यवस्थापन गर्नु
- सबै विद्यार्थीलाई माध्यमिक तह सम्म कक्षा निरन्तरता गराउनु
- पाठ्यक्रममा स्थानीय वस्तुस्थिति समेटी व्यवहारिक ज्ञान दिनु
- शिक्षकको क्षमतालाई विद्यार्थीको नतिजासँग आवद्ध गर्नु

५.२.३. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- शैक्षिक क्षेत्रको सुधारका लागि राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार जस्ता राष्ट्रिय स्तरका कार्यक्रमहरु संचालन भईरहेका
- बाल विकास केन्द्र, पुस्तकालय तथा सामुदायिक सिकाई केन्द्रको क्षमता विकास तथा प्रविधिमैत्री बनाई अनौपचारीक शिक्षा प्रदान गर्न सकिने

- प्राविधिक शिक्षा तथा सिपमुलक व्यवसायिक तालिम प्रति विद्यार्थी तथा अभिभावकको चासो बढ्दै गएकोले प्राविधिक विद्यालय संचालन गर्न सकिने
- आधारभूत तहआ अंग्रजी माध्यमबाट पठनपाठन संचालन गर्ने
- सूचना प्रविधिको माध्यमबाट शिक्षण सिकाईलाई प्रभावकारी बनाउन सकिने
- प्राविधिक शिक्षामा उच्च शिक्षा संचालन गर्न सकिने

अवसर

- माध्यमिक तह सम्मको शिक्षाको क्षेत्राधिकार स्थानीय तहमानै भएकोले शिक्षामा सबैको पहुँच विस्तार गरी गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न सकिने अवसर सिर्जना हुनु
- स्थानीय तहलाई स्थानीय पाठ्यक्रमको विकास तथा कार्यन्वयन गर्ने सक्ने अधिकार प्राप्त हुनु
- सर्वजनिक विद्यालय प्रतिको चासो र जनअपेक्षा बढ्दै जानु
- विद्यालय स्तरको प्राविधिक शिक्षा (TSLC) तथा प्राविधिक उच्च शिक्षालाई प्रवर्द्धन गर्दै रोजगारीको अवसर सृजना गर्न सकिने
- क्यानेश्वर विद्यालयमा भेतानेरी तर्फको शिक्षा ६ महिने कोर्षमा स्तरोन्नति गरि कक्ष संचालन गर्न सकिने
- विभिन्न साझेदार संस्थाहरु शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत रहेकोले शिक्षालाई व्यवहारिक तथा गुणस्तरीय बनाउन सकिने

५.२.४. शिक्षा विकास योजना

५.२.४.१. सोंच

प्राविधिक र व्यवहारिक शिक्षामा जोड, गुणस्तर र समान पहुँचको अठोट

५.२.४.२. लक्ष्य

गुणस्तरीय, प्रविधिमैत्री तथा रोजगारमूलक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गरि दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने।

५.२.४.३. उद्देश्य

१. शिक्षाका सबै तहलाई गुणस्तरीय बनाई सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्नु
२. प्राविधिक, व्यवसायिक एवं रोजगारमूलक शिक्षाको विकास एवं विस्तार गर्नु
३. शैक्षिक संस्थाहरुलाई आधारभूत भौतिक पूर्वाधार तथा स्रोत साधन सम्पन्न बनाउनु
४. शिक्षा क्षेत्रमा समय सापेक्ष दक्ष जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु
५. शैक्षिक क्षेत्रको संस्थागत सुधार गर्नु

५.२.४.४. रणनीति तथा कार्यक्रम

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: शिक्षाका सबै तहलाई गुणस्तरीय बनाई सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्नु	
१.१. शिक्षालाई गुणस्तरीय तथा प्रतिष्पर्धी बनाउन आवश्यक कानुनको तर्जुमा गरि लागु गर्ने	१.१.१. शिक्षा सम्बन्धि स्थानीय ऐन तथा नियमावली तर्जुमा गरि कार्यन्वयन गरिनेछ । १.१.२ प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र सम्बन्धि मापदण्ड बनाई लागु गरिनेछ । १.१.३ विषम परिस्थितिमा बैकल्पिक शिक्षण सिकाईका लागि कार्ययोजना बनाई लागु गरिनेछ ।
१.२ विद्यालय उमेर समूहका सबै बालबालिकालाई आधारभूत तहमा अनिवार्य निशुल्क शिक्षा तथा माध्यमिक तहमा निशुल्क शिक्षा र अध्ययन निरन्तरताको व्यवस्था मिलाउने।	१.२.१ सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बाल विकास शिक्षा अनिवार्य गरिनेछ । १.२.२ प्रारम्भिक बालविकास कक्षामा बालमैत्री पूर्वाधारसामग्रीको व्यवस्था तथा बालमैत्री गतिविधिहरु संचालन गरिनेछ । १.२.३ विद्यालय उमेरका सबै बालबालिकालाई विद्यालय भित्र ल्याई अध्ययन निरन्तरतालाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
१.३ शिक्षामा गुणस्तर वृद्धि गरि सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।	१.३.१ नमुना विद्यालयको विकास व्यवस्थापन तथा संचालन गरिनेछ । १.३.२ विद्यालयहरुको वितरणलाई पुनरावलोकन गरि समतामुलक वितरण गरिनेछ । १.३.३ उच्च शिक्षा निरन्तरताको लागि विद्यार्थीलाई प्रोत्साहनका कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । १.३.४ सबै विद्यालयको शैक्षिक गुणस्तरमा समानता ल्याउन वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागु गरिनेछ । १.३.५ उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने विद्यार्थी एवं विद्यालयलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।
१.४ स्थानीय स्तरमानै उच्च शिक्षाको अवसर प्रदान गर्ने ।	१.४.१ उच्च शिक्षा प्रदान गर्ने शैक्षिक संस्थाको स्थापना र संचालनका लागि पहल गरिनेछ ।

रणनीति	**कार्यनीति**
१.५ व्यवहारिक शिक्षालाई प्राथमिकता दिने	१.५.१ अतिरिक्त क्रियाकलापलाई शिक्षण सिकाईको अभिन्न अंगको रुपमा विकास गरिनेछ । १.५.२ विद्यालय शिक्षामा जिवनोपयोगी ज्ञानलाई एकीकृत रुपमा समावेश गरिनेछ । १.५.३ स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माण गरि लागु गरिनेछ ।
१.६ आजीवन सिकाईको अवसर विस्तार गर्ने ।	१.६.१ विभिन्न कारणले विद्यालय जान नपाएका बालबालिका तथा प्रौढ व्यक्तिहरुका लागि अनौपचारिक शिक्षाको व्यवस्था गरिनेछ । १.६.२ औपचारिक शिक्षालाई निरन्तरता दिन नसक्ने तथा नचाहने व्यक्तिका लागि जीवनोपयोगी शिक्षा हासिल गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ । १.६.३ सामुदायिक सिकाई केन्द्रको स्थापना तथा आवश्यक स्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ
१.७ विद्यालयमा शिक्षण सिकाईको लागि उपयुक्त वातावरण तयार गर्ने	१.७.१ "**Clean School Green School"** को अवधारणा लागु गरिनेछ । १.७.२ सबै विद्यालयमा प्राथिमिक उपचारको व्यवस्था मिलाइनेछ । १.७.३ माध्यमिक विद्यालयमा पुस्तकालय र आधारभूत विद्यालयमा बुक कर्नरको अनिवार्य व्यवस्था गरिनेछ ।
उद्देश्य २: प्राविधिक व्यवसायिक एवं रोजगारमूलक शिक्षा संचालन गर्नु	
२ .१. गाउँपालिकामा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा संचालन गर्ने	२.१.१ स्थानीय र आवश्यकता सम्भावनाका आधारमा माध्यमिक विद्यालयमा कम्तिमा एक प्राविधिक वा व्यवसायिक विषयको पठनपाठनको व्यवस्था मिलाईनेछ । २.१.२. सम्भाव्यताका आधारमा व्यवसायिक तालिमहरु संचालन गरिनेछ । २.१.३ औपचारिक शिक्षा हासिल गरिसकेपछि **Internship/ On the Job Training** को अनिवार्य व्यवस्था गरिनेछ
उद्देश्य ३ : शैक्षिक संस्थाहरुलाई आधारभूत भौतिक पूर्वाधार तथा स्रोत साधन सम्पन्न बनाउनु	

रणनीति	कार्यनीति
३. १ शैक्षिक संस्थामा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था गर्ने ।	३.१.१. भूकम्प प्रतिरोधी तथा बालमैत्री पूर्वाधारको व्यवस्था गरि भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने । ३.१.२. सबै विद्यालयमा आवश्यकताका आधारमा फर्निचर, प्रयोगशाला, व्यवस्था गर्दै लगिनेछ ३.१.३. खानेपानी तथा सरसफाईका पूर्वाधारको व्यवस्था गरिनेछ ३.१.४ प्राविधिक तथा व्यवसायिक विद्यालयमा प्रयोगात्मक शिक्षण सिकाईको लागि विषयगत प्रयोगशालाको व्यवस्था मिलाइनेछ
३.२ शिक्षण सिकाईमा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्ने	३.२.१. सबै विद्यालयमा इन्टरनेटको विस्तार गर्ने ३.२.२. विद्यालय व्यवस्थापनमा सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाउने ।
उद्देश्य ४: जनशक्तिको व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्नु	
४.१. शैक्षिक संस्थामा आवश्यक मानव संसाधनको व्यवस्था गर्ने ।	४.१.१. सबै तहमा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था गरिनेछ । ४.१.२. विद्यार्थी अनुपातका आधारमा शिक्षकको व्यवस्थापन गरिनेछ । ४.१.३. स्वयम सेवक शिक्षक कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ । ४.१.४ स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा आकर्षित गरिनेछ । ४.१.५ काममा उत्प्रेरित गर्न सबै तहका शिक्षक तथा कर्मचारीलाई संघीय सरकारको नीति अनुरुप समान परिश्रमिक सुनिश्चित गरिनेछ।
४.२. शिक्षकको पेशागत क्षमतामा सुदृढ गरिनेछ ।	४.२.१. सबै तहका शिक्षकलाई आधुनिक शिक्षण सिकाई सम्बन्धि तालिम अनिवार्य गरिनेछ ४.२.२ पेशागत शिक्षकबीच अनुभवको आदानप्रदानको व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	४.२.३ प्राविधिक विषयका शिक्षकहरुको क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । ४.२.४ तालिम पछि अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रणालीको विकास गरि लागु गरिनेछ । ४.२.५ शिक्षकको कार्यसम्पादनलाई विद्यार्थीको नातिजसँग आवद्ध गरिनेछ ।
उद्देश्य ५ : शैक्षिक क्षेत्रको संस्थागत सुधार गर्नु	
५.१ विद्यालयको नियमित अनुगमन तथा मुल्यांकन गरिनेछ ।	५.१.१ कार्य सम्पादन सूचक निर्माण र सुचकका आधारमा मूल्यांङ्कन गरिनेछ । ५.१.२ विद्यालयमा एक दिन जनप्रतिनिधि कार्यक्रमको व्यवस्था गरिनेछ ।

५.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय			
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	अन्य क्षेत्र
१.	पाँच वर्षे गा.पा शिक्षा योजना निर्माण गरि कार्यान्वयन गर्ने			√	√
२.	विद्यार्थी संख्या कम भएका विद्यालयहरूलाई एकिकरण गर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने	√	√	√	√
३.	शिक्षा ऐन निर्माण गरि कार्यान्वयनमा ल्याउने		√	√	√
४.	हरेक विद्यालयमा रहेका बालविकास केन्द्रहरूलाई नमूनाको रूपमा सञ्चालन गर्न गुणस्तरको मापदण्ड अनुरूपका सिकाई सामाग्रीहरूको व्यवस्थापन गर्ने		√	√	√
५.	मन्टेश्वरी शिक्षा विधि सहित बालविकास केन्द्र व्यवस्थापन		√	√	√
६.	प्राथमिक तहका विदयार्थी साथै बाल विकास केन्द्रका विदयार्थीहरू लाई पोषण युक्त दिवा खाजा नियमित रूपमा उपलब्ध गराउने			√	√
७.	बालबालिकाको नेतृत्व क्षमता विकासका लागि बालक्लव गठन तथा परिचालन		√	√	√
८.	बाल विकास कक्षा सञ्चालन गर्ने शिक्षकहरूलाई मन्टेश्वरी तालिम	√	√	√	√

९.	बिभिन्न कठिनाइका कारण विधालयको पहुँचमा नभएका विचैमा विधालय छाडेका बालबालिकाहरुको पहिचान गर्ने		√	√	√
१०.	सामुदायिक विद्यालयमा छात्राहरूको पठनपाठनलाई असहज हुन नदिन निशुल्क सेनिटरी प्याड वितरणलाई निरन्तरता दिदै भेण्डिङ्ग मेशिन जडान र प्रयोग भईसकेका सेनिटरी प्याडहरूलाई सुरक्षित विसर्जन गर्ने			√	√
११.	निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरणलाई प्रभावकारी रूपमा अघि बढाउने		√	√	√
१२.	गा.पा. भित्र रहेका २ वटा उच्च माध्यमिक विद्यालयहरूलाई नमूनाको रूपमा आवासिय विद्यालयको रूपमा संचालन गर्ने			√	√
१३.	कक्षा ८ देखि कक्षा १० सम्म विषयगत शिक्षण सिकाईलाई प्रभावकारी बनाउनको लागि अतिरिक्त कक्षा संचालन गर्नुका साथै प्रभावकारी अनुगमनको लागि मेन्टर शिक्षकको व्यवस्था गर्ने			√	√
१४.	उच्चशिक्षा तथा प्राविधिक विषय अध्ययन गर्ने विद्यार्थीलाई छात्रवृति उपलब्ध गराउने			√	√
१५.	वैज्ञानिक परीक्षा प्रणाली लागु गर्ने			√	√
१६.	कक्षा ८ र कक्षा १० मा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने विद्यालय तथा विषयगत शिक्षकलाई पुरस्कृत तथा सम्मान गर्ने		√	√	
१७.	कक्षा ८ र कक्षा १० मा उत्कृष्ट नतिजा हासिल गर्ने ३-३ जना छात्रछात्राहरूलाई पुरस्कृत गर्ने व्यवस्थालाई निरन्तरता दिने			√	√
१८.	आधारभुत र माध्यमिक विद्यालय व्यवस्थापन तथा सञ्चालनको लागि अनुदानको व्यवस्था			√	√
१९.	शैक्षिक भ्रमण			√	√
२०.	कला, साहित्य, संगीत, नृत्य, खेलकुद तथा सृजनात्मककला जस्ता विद्यार्थीहरूमा रहेका प्रतिभा पहिचान र प्रस्फुटनका लागि कार्यक्रम संचालन			√	√
२१.	गा.पा. स्तरीय र विधालय स्तरीय अतिरिक्त क्रियाकलाप संचालन गर्न नगद तथा वस्तुगत सहयोग उपलब्ध गराउने ।			√	√
२२.	विदयालयस्तरीय खेलकुद प्रतियोगिताहरु संचालनका लागि नगद तथा वस्तुगत सहयोग प्रदान साथै घुम्ती प्रशिक्षकको व्यवस्था गर्ने			√	√
२३.	माध्यमिक विद्यालयमा स्काउटको प्रभावकारी व्यवस्थापन		√	√	√

२४.	स्थानीय परिवेश, सामाजिक सांस्कृतिक भाषिक पक्षलाई समेटेर कक्षा ८ सम्म स्थानीय पाठयसन्दर्भ सामाग्री निर्माण गरि लागू गर्ने			√	√
२५.	विधार्थीहरूलाई सकरात्मक सोच तिर उत्प्रेरित गर्न समय अन्तरालमा Psycho-Socio Counselling गर्ने			√	√
२६.	विद्यालय जान नपाएका बालबालिका तथा प्रौढ व्यक्तिहरुका लागि अनौपचारिक कक्षा सञ्चालन			√	√
२७.	साक्षरता र निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम संचालन			√	√
२८.	सामुदायिक सिकाई केन्द्र व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्ने			√	√
२९.	"Clean School Green School" कार्यक्रमको लागि वृक्षारोपण			√	√
३०.	सबै विद्यालयमा प्राथिमिक उपचारको व्यवस्था गर्ने			√	√
३१.	प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षालय स्थापना			√	√
३२.	प्राविधिक शिक्षक दरबन्दी सिर्जना			√	√
३३.	स्वरोजगारमूलक शैक्षिक प्रणालीको थालनी गर्न प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रमलाई विद्यालय तहदेखि नै लागू गरि पढ्दै कमाउदै जस्ता सृजनात्मक अभियान संचालन गर्न विभिन्न कार्यहरू गर्ने		√	√	√
३४.	विद्यालय शिक्षक अनुदान कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने			√	√
३५.	एक विद्यालय एक उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गरि विधार्थीहरूमा अर्थोपार्जन सीप विकास गर्ने			√	√
३६.	विद्यालयमा आवश्यक्ता अनुरूप प्रतिक्षालय, आराम कक्ष, मिटिंग हल निर्माण गर्ने			√	√
३७.	एक विद्यालय एक विज्ञान प्रयोगशाला		√	√	√
३८.	विधालयमा शुध्द खानेपानीको व्यवस्था गर्ने			√	√
३९.	छात्रा मैत्री तथा अंपाग मैत्री शौचालयको व्यवस्था गर्ने			√	√
४०.	विदयालयलाई प्रविधिमैत्री बनाउनको लागि सबै सामुदायिक विद्यालयमा Fast Speed Internet को व्यवस्था गर्ने			√	√
४१.	सुचना तथा संचार प्रविधि जडान			√	√
४२.	विद्यालयमा रहेको विषयगत शिक्षक दरवन्दी अभावलाई कम गर्न गणित, विज्ञान र अंग्रेजी विषय शिक्षण गर्ने स्वयमंसेवक शिक्षकको व्यवस्थाको लागि सम्बन्धित गै.स.स सँग समन्वय र सहकार्य गर्ने			√	√
४३.	विद्यार्थी संख्याका आधारमा शिक्षक तथा कर्मचारीहरूको दरवन्दी मिलान तथा समायोजन गर्ने			√	√
४४.	स्वयंम सेवक शिक्षक दरबन्दी			√	√
४५.	स्थानीय विद्यार्थीलाई शिक्षण पेशामा प्राथमिक्ता दिने			√	√

४६.	विदयालय व्यवस्थापन समिति, प्रधानाध्यापक, शिक्षक एबं अभिभावक संघका पदाधिकारीहरुको लागि क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम			√	√
४७.	नविन्तम शिक्षण विधि तथा सिप विकास तालिम सञ्चालन			√	√
४८.	शिक्षकमा अनुभव साटासाट तथा क्षमता अभिवृद्धिको लागि Teacher Exchange Program सञ्चालन		√	√	√
४९.	प्रधानाध्यापकहरूको नेतृत्व क्षमता विकास तथा संस्थागत क्षमता विकासको लागि जिल्ला तथा अन्तर जिल्ला स्तरमा अवलोकन भ्रमणको व्यवस्थामा निरन्तरता			√	√
५०.	शिक्षण सिकाई क्रियाकलापलाई प्रविधिमैत्री बनाउन विधालयहरुलाई प्रविधिका सामाग्रीहरु उपलब्ध गराउने		√	√	√
५१.	शिक्षकहरूको क्षमता अभिवृद्धिको लागि विषयगत समिति गठन गरि तालिम प्रदान			√	√
५२.	सिकाई उपलब्धी प्रोत्साहन कार्यक्रम			√	√
५३.	विधालयको व्यवस्थापकीय अवस्था सुधार गर्न कार्य सम्पादन सूचक निर्माण गरि प्रधानाध्यापकसंग कार्य सम्पादन करार गर्ने		√	√	√
५४.	कार्य सम्पादन सूचकका आधारमा मुल्यांकन गरि विधालय एबं शिक्षकलाई थप प्रोत्सोहान उपलब्ध गराउने			√	√
५५.	विद्यार्थी संख्या, भौगोलिक अवस्था र स्थानीय आवश्यक्ताको आधारमा विद्यालय समायोजन कार्यलाई अगाडि बढाउने		√	√	√
५६.	सामुदायिक विधालयमा e-attendance र CCTV जडान गर्ने			√	√
५७.	विद्यार्थी सँग गा.पा. अध्यक्ष कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने		√	√	√

५.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा साक्षरता दर सात प्रतिशत पुगेको हुनेछ । प्राथमिक र माध्यामिक तहको खुद भर्नादर ९८.०९ % बाट १०० % र माध्यामिक तहको खुद भर्नादर ५२.४४ बाट ९० % पुगेको हुनेछ । सबै माध्यमिक विद्यालयमा प्राविधिक तथा व्यवसायिक विषयको पठन पाठन भएको हुने, विद्यालयमा भूकम्प प्रतिरोधी भवन, घेराबार, पुस्तकालय, उपयुक्त खेल मैदान, खानेपानी जस्ता पूर्वाधारको व्यवस्थापन भएको हुने , शिक्षकहरु समय सापेक्ष तालिम प्राप्त गरि शिक्षाको गुणस्तरीमा बढोत्तरी भएको हुने । सामुदायिक विद्यालयमा तहगत तथा विषयगत शिक्षक व्यवस्थापन भएको हुने, विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला तथा कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था भई प्रयोगात्मक शिक्षा हासिल गर्न सक्ने वातावरण तयार भएको हुनेछ

शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री हुने, शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप बालमैत्री तथा प्रविधि मैत्री भएको हुने । सबै विद्यालयमा तहगत तथा विषयगत शिक्षकको व्यवस्था भएको हुने, अनुगमन तथा मूल्यांकनको माध्यमबाट विद्यालयको गुणस्तरमा वृद्धि भएको हुनेछ ।

५.३. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

५.३.१. पृष्ठभूमि

सामाजिक विकासका लागि लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण मानव अधिकार अर्न्तगतको महत्वपूर्ण पक्ष हो । संविधानको प्रस्तावना नै समानुपातिक, समावेशी र सहभागिताको सिद्धान्तमा आधारित छ । समतामूलक समाजको निर्माणका लागि वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र हिंसा तथा सबै प्रकारका जातीय छुवाछुत एवम् विभेदको अन्त्य गरी आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्यायको सुनिश्चित गर्ने संकल्प गरिएको छ ।

यस पालिकामा कुल घरपरिवार मध्ये १७.२३ % घरमुली महिला रहेका छन् । जमिन र घरमा महिलाको स्वामित्व भएको घरपरिवार क्रमश: ५.७३ % र १. ५३ % रहेका छन् । त्यसैगरी गाउँपालिकामा महिला साक्षरता दर ४१.६३ % रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) ।

गाउँपालिकामा महिला हिंसा एवं छुवाछुत सम्बन्धि घटनाहरु न्यायिक समितिले हेर्दछ । न्यायिक समितिमा घटना दर्ता भएपछी न्यायिक निरुपण तथा मेलमिलापको प्रक्रियाबाट घटना किनारा लगाउने गरिन्छ । यी दुवै प्रक्रियाबाट समाधान हुन नसकेका घटनाहरुमात्र प्रशासन तथा न्यापालिकामा जान्छन । न्यायिक समिति गाउँपालिका प्रमुखको संयोजकत्वमा गठन भएको छ ।

नगरको कुल जनसङ्ख्याको आधा भन्दा बढी ५२.१२ % महिला रहेको यस गाउँपालिकामा महिलाहरु राजनीतिक रुपमा पनि सक्रिय छन् । हरिहरपुरगढी गाउँपालिका महिलाहरु आमा समूह, महिला समूह जस्ता समूहमा आवद्ध रहेर विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापमा संग्लग्न रहदै आएका छन् । त्यसैगरी गाउँपालिकामा संचालन हुने विभिन्न योजना, कार्यक्रम तथा परियोजनाको निर्माण, संचालन, व्यवस्थापन र मर्मत सम्भार सम्बन्धि कामका लागि गठन हुने उपभोक्ता समितिमापनि रहेर महिलाको उपस्थिति राम्रो छ । पालिकाको विकास निर्माणका कार्यमा पनि महिलाको सक्रिय सहभागिता हरेको देखिन्छ ।

त्यसैगरी गाउँपालिकामा बालबालिकाको स्थिती पनि राम्रो देखिन्छ । कुल जनसङ्ख्याको ४५.६५ % बालबालिका रहेको यस पालिकाका सबै बालबालिकाले उमेर अनुसार प्राप्त गर्नुपर्ने खोप सेवा प्राप्त गरेका छन् । पालिकामा आधारभूत तहको कुल भर्नादर १२०.६१ छ जसमा बालिकाको भर्नादर १२१.०८ छ, भने बालकको भर्नादर १२०.१४ रहेको छ । त्यसैगरी माध्यमिक तहको कुल भर्नादर ६८.७३ छ । जसमा बालिकाको भर्नादर ६७.२६ र बालकको भर्नादर ७०.१९ रहेको छ त्यसैगरी पालिकामा आधारभूत तह र माध्यमिक तहमा बालबालिकाको खुद भर्नादर क्रमश ९४.०४ र ५९.२५ रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) ।

विकासको लक्ष्यमा बालबालिकाको गुणस्तरीय शिक्षा तथा स्वास्थ्य, सुरक्षित, हरित सार्वजनिक स्थलमा पहुँच, बालबालिका तथा किशोरकिशोरी विरूद्ध हुने सबै प्रकारका विभेद, शोषण, दुर्व्यवहार र हिंसा अन्त्य जस्ता विषयलाई सम्बोधन गर्नुपर्ने आवश्यक्ता रहेको छ ।

५.३.२. समस्या तथा चुनौती

दलित, लोपोन्मुख तथा जनजाति महिलाहरूको सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक, शैक्षिक एवम् वैयक्तिक स्थिति कमजोर रहनु, महिला तथा दलितको प्रतिनिधित्वमा औपचारिकता मात्र सीमित रहनु, समुदायमा महिलालाई हेर्ने दृष्टिकोण फरक रहेको, जातीय र वर्गीय विभेद कायमै रहेको, महिला तथा लक्षित वर्गको जीवनस्तर सुधार गर्न आर्थिक उपार्जनका कार्यक्रम प्रभावकारी रुपमा कार्यन्वयन गर्न नसकेको, बालबालिकाको हक हित सम्बन्धि कार्यक्रमको कमि, अपाङ्गताप्रतिको सामाजिक दृष्टिकोणमा परिवर्तन ल्याउनु, सामाजिक, आर्थिक र राजनीतिक क्षेत्रमा व्याप्त लैङ्गिकता सम्बन्धी नकारात्मक सोचको अन्त्य गर्नु, लैङ्गिक संवेदनशील र लैङ्गिक उत्तरदायी सोचलाई व्यवहारमा उतार्नु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन् । हालपनि बालविवाह जस्त, छुवाछुत, दईजो, महिला हिंसा जस्ता कुरीति कायम नै रहनु, यस गाउँपालिकामा महिला तथा बालबालिका लक्षित कार्यक्रमको पूर्णरूपमा प्रतिफल प्राप्त गर्नु, लैंगिक उत्तरदायी बजेट कार्यान्वयन गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।

५.३.३. संभावना तथा अवसर

लैङ्गिक संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धि सुस्पष्ट संवैधानिक व्यवस्था हुनु, बालबालिकालाई भविष्यका कर्नाधर्को रुपमा विकास गर्न ब्विभिन्न बाल क्लब मार्फत क्षमता विकसका कार्यक्रम संचालन गर्नु, महिला तथा लक्षित वर्गको सामाजिक राजनीतिक तथा आर्थिक सबलिकरणका लागि विभिन्न चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्न सकिने, जेष्ठ नागरिकको अनुभव, ज्ञान, सिपको सदुपयोग गर्नसकिने, जातीय पेशालाई आधुनिकीकरण गरी रोजगारी तथा स्वोरोजगरी सिर्जना गर्नु, विभिन्न सिपमुलक तालिम तथा प्राविधिक शिक्षामा महिला तथा लक्षित वर्गलाई विशेष प्राथमिकतामा राखी दक्षता वृद्धि गर्ने र रोजगारीमा प्राथमिकता दिने जस्ता सम्भावना तथा अवसर रहेका छन् ।

५.३.४. महिला, बालबालिका लक्षित वर्ग विकास योजना

५.३.४.१. सोच

अधिकार र सहभागिता सहित लक्षित वर्गको समतामुलक विकास गर्ने

५.३.४.२. लक्ष्य

महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गको क्षमता विकास सहित न्यायपूर्ण तथा समतामुलक समाजको सिर्जना गर्ने

५.३.४.३. उद्देश्य

१ महिलाहरूलाई आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक रूपमा सबल बनाउने ।

२ सबै बालबालिका र अपाङ्गहरूको विकास, संरक्षण र सहभागिताको सुनिश्चित गर्ने ।

३ अपाङ्गता भएको व्यक्तीहरूको क्षमता उजागर गर्दै आत्मनिर्भर बनाउने ।

४ जेष्ठ नागरिकहरूलाई सम्मानजनक जीवन व्यतीत गर्न सहज वातावरण सिर्जना गर्ने ।

५.३.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १: महिलाहरूलाई आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक रूपमा सबल बनाउने ।	
१.१ .महिलाहरूलाई एकजुट तथा समुह निर्माण गरी समुदायमा स्वरोजगार, आर्थिक रूपमा आत्मनिर्भर बनाउने	१.१.१ महिला शसक्तिकरण, व्यवसायीकरण, नेतृत्व विकास, सम्पत्तिमा महिला स्वामित्व बढाउने नीति अवलम्बन गरिनेछ । १.१.२ महिला हिंसालाई निरूत्साहित गर्न विभिन्न कार्यहरू गरिने छ । १.१.३ जातिय, लैंगिक, लगायत सबै प्रकारका विभेदहरु अन्त्य गरिने छ । १.१.४ दलित महिला लक्षित आर्थिक सम्वृद्धिका कार्यहरूलाई निरन्तरता दिईनेछ । १.१.५महिलाहरूको व्यवसाय संचालन, सुदृढीकरणको लागि लगानी गरिनेछ।
उद्देश्य २: सबै बालबालिका र अपाङ्गहरूको विकास, संरक्षण र सहभागिताको सुनिश्चित गर्ने ।	
२.१ बालबालिकाको संरक्षण गर्ने र सार्वजनिक निकायलाई बालमैत्री बनाउने ।	२.१.१ बालबालिका तथा किशोर किशोरीहरूमाथि हुने सबै प्रकारको दुर्व्यवहार, हिंसा, शोषण र भेदभाव अन्त्यको लागि समुदाय, विद्यालय, निजी क्षेत्र, सञ्चार जगत र बालअधिकारका क्षेत्रमा क्रियाशील संस्थाहरूसँग सहकार्य गरिनेछ । २.१.२ अनाथ, असहाय, बेवारिसे, अशक्त, अपाङ्गता भएका र विशेष संरक्षणको आवश्यकता भएका बालबालिका तथा किशोरकिशोरीहरूको संरक्षण र प्रबर्द्धन गर्न संरक्षण सेवाको व्यवस्थापन गरिनेछ । २.१.३ बाल क्लब, बाल समुह, किशोरकिशोरी समूह जस्ता संस्थाको गठन तथा सञ्चालनलाई विस्तार गरी बालबालिका तथा किशोरकिशोरीहरूको सहभागिता बढाईनेछ ।
उद्देश्य ३: अपाङ्गता भएको व्यक्तिहरूको क्षमता उजागर गर्दै आत्मनिर्भर बनाउने ।	

रणनीति	कार्यनीतिहरू
३.१ आधारभूत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आयआर्जन र राज्यले दिने अन्य सेवा सुविधाहरूमा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने	३.१.१ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको दैनिक जीवन यापन सहज बनाउन सहायक सामाग्रीको व्यवस्थापन गरिनेछ । ३.१.२ अपाङ्ग व्यक्तिहरूका लागि आधारभूत शिक्षा, सहज स्वास्थ्य सेवाको व्यवस्था गरिनेछ । ३.१.३ अपाङ्ग व्यक्तिहरूले दर्ता गरि सञ्चालन गर्ने उद्योग व्यवसायमा कर छुटको व्यवस्था गरिनेछ
३.२ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको संरक्षण र सशक्तीकरण गर्ने	३.२.१ अपाङ्ग भएका व्यक्तिलाई सरकारी र निजी क्षेत्रमा रोजगारीको अवसर वृद्धि गरिनेछ । ३.२.२ अपाङ्गलाई सानातिना सिप र रोजगारी मुलुक तालिम प्रदान गर्ने
उद्देश्य ४: जेष्ठ नागरिकहरूलाई सम्मानजनक जीवन व्यतीत गर्ने सहज वातावरण सिर्जना गर्ने ।	
४.१ जेष्ठ नागरिकलाई सम्मानित जीवन व्यतित गर्ने वातावरण सृजना गर्ने	४.१.१ सामाजिक सुरक्षा भता वितरण सहज गरिनेछ । ४.१.२ जेष्ठ नागरिकको उपचारलाई प्राथमिक्ताका साथ सहुलियत प्रदान गरिनेछ । ४.१.३ जेष्ठ नागरिकको प्रोत्साहनका साथै मनोरञ्जनको व्यवस्था मिलाईनेछ ।

५.३.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

५.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

एकीकृत लक्षित कार्यक्रमका प्रभावकारी कार्यान्वयन, अनुगमनका कारण लक्षित समूहको आर्थिक, सामाजिक विकासको सूचाङ्कमा प्रगति हुने, दुर्गम एवम् विकट क्षेत्रमा सेवा सुविधाको पहुँच उपलब्ध हुने, लैङ्गिक हिंसापीडितहरूको उचित संरक्षण तथा सेवाको व्यवस्था हुनेछ । लैङ्गिक समता तथा महिला एवम् बालिकाहरूको सशक्तीकरण सम्बोधन हुने, जोखिम अवस्थाका बालबालिका, अपाङ्गता तथा ज्येष्ठ नागरिकहरूको उचित संरक्षण हुने, सामाजिक सुरक्षाका सेवाग्राहीहरूको एकीकृत अभिलेख व्यवस्थित भएको हुनेछ ।

५.४. युवा तथा खेलकुद

५.४.१. पृष्ठभूमि

युवाशक्ति विकासका संवाहक हुन् । युवाशक्तिको सङ्ख्यात्मक तथा गुणात्मक विकास र परिचालनबाट नै विकास सम्भव छ । संविधानले पनि युवाहरूको विकास गरी उनीहरूलाई राष्ट्रको सर्वाङ्गीण विकासमा परिचालन गर्ने नीति लिएको छ । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको कुल जनसंख्याको ३६.६४ % हिस्सा युवाको रहेको छ (वस्तुस्थिति विवरण, बागमती प्रदेश, २०७६) । गाउँपालिकाले युवालाई गाउँपालिकाको अहम हिस्साको रुपमा स्विकार गर्दै युवा सशक्तिकरण नीति लिएको छ ।

युवा शक्तिलाई शारीरिक, मानसिक, वौद्धिक र संवेगात्मक रूपमा सबल र नैतिकवान् बनाई अनुशासित र मर्यादित समाज निर्माण गर्दै विकास तथा समृद्धिमा रूपान्तिरत गर्न खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । गाउँपालिकाले खेलकुद क्षेत्रको विकासलाई विशेष प्राथमिकतामा राखेको छ । गाउँपालिकाले गाउँपालिका विभिन्न खेलकुद प्रतियोगिताको आयोजना साथै यस्ता खेल प्रतियोगितामा सहभागिता जनाउदै आएको छ, भने खेल पूर्वाधारको निर्माणमा विशेष ध्यान दिने तथा खेलकुदको विकासका लागि विषयगत खेलकुद पूर्वाधार निर्माणलाई प्राथमिकतामा राख्ने नीति अबलम्बन गरेको छ ।

५.४.२. समस्या तथा चुनौती

युवालाई उद्यम र रोजगारीसँग आबद्ध गर्न नसकिनु, जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग गर्न नसक्नु, युवा पलायन हुनु, स्रोतमा युवाको सहज पँहुच सुनिश्चत गर्न नसक्नु, युवालाई गाउँ विकासका लागि स्वयं सेवामा उत्प्रेरित गर्न नसकिनु, युवा लक्षित जीवनोपयोगी, सिपमुलक कार्यक्रम पर्याप्त संचालन गर्न नसकिनु, खेलकुद पूर्वाधारको अपर्याप्तता, खेलकुद क्षेत्रमा न्यून लगानी, खेलकुदमा व्यवसायिकताको कमी, अभिभावकमा खेलकुदप्रति आकर्षण नहुनु, खेलकुदबाट जीविकोपार्जन हुने अवस्था नरहनु, यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् ।

युवाहरूको आर्थिक अवस्था कमजोर हुनु, युवा लक्षित जीवनोपयोगी प्राविधिक र व्यवसायिक शिक्षा सर्बसुलभ बनाउनु, रोजगारीका अवसरहरूको बृद्धि गर्नु, युवामैत्री लगानीका अवसर बढाउनु, युवालाई उद्यमशिलाता प्रति आकर्षित गरि स्वरोजगार बनाउनु, वितीय श्रोतमा युवाको सहज पँहुच सुनिश्चत गर्नु, युवालाई विकास र स्वयंसेवामा व्यापक रूपमा परिचालन गर्नु साथै खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्नु, खेलकुदको विकासमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु, स्थानीयको युवा तथा खेलकुद प्रतिको धारणा सकारात्मक बनाई खेल क्षेत्रको विकास गर्नु प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

५.४.३. संभावना तथा अवसर

जनसङ्ख्याको ठूलो हिस्सा युवाशक्ति रहेको, राष्ट्रिय युवा निति र युथ भिजन – २०२५ सहितको दश वर्षे रणनीतिक योजना कार्यान्वयनमा रहेको, प्रदेशमा विभिन्न युवा लक्षित उद्यम विकास तथा स्वरोजगारमूलक

कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा रहनु र दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने शैक्षिक संघ संस्था तथा तालिम केन्द्रहरूको बढ्दो उपस्थिति हुनु आदि युवा विकासका अवसरहरू हुन् ।

युवा वर्गलाई लक्षित सिपमुलक कार्यक्रम संचालन गर्न सकिने, युवालाई स्वयम सेवकको रुपमा परिचालन गर्न सकिने, आर्थिक उपार्जनका कार्यक्रम संचालन गरि युवा पलायन रोक्न सकिने, युवालाई पालिकाको नेतृत्वमा अवसर दिई नया आयामको सुरुवात गर्न सकिने खेलकुदका पुर्वाधारको विकासलाई प्राथमिकता दिईएको, खेलकुद शारीरिक र मानसिक विकासको प्रमुख माध्यमको रूपमा अङ्गिकार गरिनु, खेल क्षेत्रलाई व्यवसायिक रुपमा विकास गर्न पहल गरिरहेको, खेल प्रशिक को व्यवस्थापनमा जोड दिएको जस्ता अवसर रहेका छन् ।

५.४.४. युवा तथा खेलकुद विकास योजना

५.४.४.१. सोच

खेलकुदमा सबैको सहभागिता र अभिरूची, स्वदेशमै रोजगारी मार्फत युवा र गाँउगाउँपालिकाको सम्वृद्धि

५.४.४.२. लक्ष्य

खेलकुदको माध्यमबाट नागरिकमा खेल, सिप, शारिरीक र मानसिक तन्दुरूस्ती सहित आपसी सम्बन्ध र अनुशासनको मजवुतीकरण गर्ने साथै युवाहरूको सर्वाङ्गिण पक्षको विकासबाट गाँउगाउँपालिकाको सम्वृद्धिमा युवाको भुमिका सुनिश्चित गर्ने ।

५.४.४.३. उद्देश्य

१ खेलकुद मार्फत आपसी अर्न्तक्रिया र सम्बन्धको विस्तार गर्ने

२ आत्म अनुशासन र शारीरिक तथा मानसिक तन्दुरूस्ती सहित स्वस्थ्य जनशक्ति तयार गर्ने

३ युवा जनशक्तिलाई विदेश पलायन हुन बाट रोकी स्वदेशमै रोजगारीको वातावरण सिर्जना गर्ने

४ युवा रोजगारी मार्फत राष्ट्रिय उत्पादनलाई बढाँउदै परनिर्भर अर्थतन्त्रलाई आत्मनिर्भर बनाँउदै लैजाने

५.४.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीतिहरू
उद्देश्य १ : खेलकुद मार्फत आपसी अर्न्तक्रिया र सम्बन्धको विस्तार गर्ने	
१. युवा लक्षित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	१.१ गाँउगाउँपालिका क्षेत्रभित्रका युवाहरूको सिर्ज्रशिलता विकासको लागि युवा क्लवहरूलाई क्रियाशिल गराउन आवश्यक सहयोग गरिनेछ ।

	१.२ युवाहरूलाई बजारको आवश्यकता अनुरूप जीवनोपयोगी तथा प्राविधिक शिक्षा र सिपमूलक तालिम प्रदान गरिनेछ। १.३ निजी क्षेत्र, गैसस र विकास साझेदारहरूसँग समन्वय गरी युवा रोजगारीलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ। १.४ सफल युवाहरूको राम्रा सिकाइ र अनुभव हस्तान्तरण हुने गरी युवा अगुवाहरूको अन्तरक्रिया, अवलोकन भ्रमण र ज्ञान तथा अनुभव आदानप्रदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
उद्देश्य २: आत्म अनुशासन र शारीरिक तथा मानसिक तन्दुरूस्ती सहित स्वस्थ्य जनशक्ति तयार गर्ने	
२. विकास निर्माणमा युवाहरूको समावेशी सहभागिता अभिवृद्धि गर्ने	२.१ विकास प्रक्रियामा युवा परिचालन गर्दा समावेशिताको सिद्धान्त अवलम्वन गरी सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ । २.२ विदेशबाट फर्केका युवाहरूलाई सामाजिक पुनःएकीकरण गरी आर्जित ज्ञान, सिप र दक्षता आफ्नो गाँउ ठाँउमा प्रयोग गर्न आर्थिक एवम् प्राविधिक सहयोग पुर्याइनेछ ।
उद्देश्य ४:युवा जनशक्तिलाई विदेश पलायन हुन बाट रोकी स्वदेशमै रोजगारीको वातावरण सिर्जना गर्ने	
३. स्थानिय खेलकुदको प्रवर्द्धन गर्ने	३.१ युवाहरूलाई खेलकुदमा आर्कषित गर्न खेलकुद तालिम सञ्चालन तथा गाँउगाउँपालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगितालाई निरन्तरता दिइने छ । ३.२ स्थानीय युवाहरूलाई खेलकुदको क्षेत्रमा क्रियाशील गराउन विविध खेलकुद कार्यक्रमहरू आयोजना गरिनेछ । ३.३ खेलकुदका पूर्वाधारहरू निर्माण गर्दै लगिने छ
उद्देश्य ४: युवा रोजगारी मार्फत राष्ट्रिय उत्पादनलाई बढाँउदै परनिर्भर अर्थतन्त्रलाई आत्मनिर्भर बनाँउदै लैजाने	
४. खेलकुद पूर्वाधार निर्माण र बिस्तार गर्ने	४.१ खेलकुदका सम्भाव्य क्षेत्रहरू पहिचान गरी आवश्यक पूर्वाधारहरू विकास र प्रवर्द्धन गरिनेछ । ४.२ विद्यालय खेल मैदान र बहुउद्देश्यीय खेलकुद स्थल निर्माण गर्न प्रदेश सँग सहकार्य गरिनेछ ।

५.४.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय (सहकारी, गै.स.स.)
१	युवा क्लवहरूलाई निरन्तर सहयोग प्रदान			√	√	
२	यूवालाई खेलकुद, कला, साहित्य क्षेत्रमा अवसर प्रदान गर्न नाटक तथा साहित्य प्रतियोगिता सञ्चालन		√	√	√	
३	यूवा स्वरोजगार कार्यक्रमका लागि सिप विकास तालिम			√	√	
४	जीवनोपयोगी तथा प्राविधिक शिक्षा प्रदान गर्ने		√	√	√	
५	पालिका, स्वदेश, विदेशमा रहेको गा.पा.को वास्तविक श्रम शक्ति र उनीहरुको सीप र दक्षताको वारेमा तथ्याङ संकलन		√	√	√	
६	यूवा स्वरोजगार कोषको व्यवस्था		√	√	√	
७	गा.पा. समन्वयमा सहुलियत ब्याजदरमा व्यवसायिक ऋण व्यवस्था		√	√	√	
८	सीप सिकाईलाई व्यवसायीकरण गर्न स्वरोजगारमूलक कार्यमा सहुलियत लगानी र व्याजमा अनुदान प्रदान			√	√	
९	युवा अगुवाहरूको अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन			√	√	
१०	युवाहरूको अवलोकन भ्रमणको लागि सहयोग गर्ने			√	√	
११	स्थानीय विकासका कार्यमा विशेष गरी स्थानीय तथा लक्षित वर्गका युवाहरू परिचालन			√	√	
१२	गाउँपालिकास्तरिय खेल प्रतियोगिता आयोजना (फुटवल, भलिबल, कराँते, एथ्लेटिक्स)		√	√	√	
१३	खेलाडीहरुलाई आवश्यक प्रशिक्षण दिने			√	√	
१४	राष्ट्रिय , अन्तराष्ट्रिय ख्याती प्राप्त खेलाडी सम्मान		√	√	√	
१५	गाउँपालिकास्तरीय खेलमा गा.पा. का खेलाडीलाई मात्र सहभागी गराउने		√	√	√	

१६	खेलाडीहरुको सामूहिक बीमा गर्ने		√	√	√	
१७	खेलकुद विकासका लागि अध्यक्ष कार्यक्रम संचालन		√	√	√	
१८	खेलकुदका सम्भाव्य क्षेत्रहरू पहिचान			√	√	√
१९	पालिका स्तरीय बहुउद्वेश्यीय खेलकुद स्थल निर्माण		√	√	√	√
२०	वस्ती स्तरीय खेलकुद मैदान निर्माण			√	√	√
२१	एक वडा एक खेल मैदान निर्माण		√	√	√	√
२२	गा.पा. स्तरीय खेलकुद परिषद सुदृढीकरण			√		√
२३	वडा स्तरीय खेलकुद परिषद सुदृढीकरण			√		√
२४	युवा क्लवहरूलाई क्रियाशील गराउन आवश्यक सहयोग निरन्तर रूपमा प्रदान गर्ने			√		√

५.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

युवाहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने, अन्तरगाउँपालिका तथा प्रादेशिक खेलकुद प्रतियोगिताहरूमा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढेको हुने, व्यवसायिक खेलकुदहरू सुरू भएकामो हुने, गाउँपालिकास्तरीय खेलमैदान निर्माण भएकामो हुने, विद्यालय तहमा खेलकुदमैदान निर्माण भएको हुनेछ ।

परिच्छेद ६: पूर्वाधार क्षेत्र

६.१. बस्ती तथा आवास

६.१.१. पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय शहरी विकास रणनीति, २०७३ अनुसार काठमाण्डौं महानगरगाउँपालिकाको तुलनामा अन्य शहरहरूको आधारभूत पूर्वाधार (जस्तै सडक, खानेपानी, सरसफाइ, फोहोरमैला व्यवस्थापन, बिजुली, आवासको पहुँचको स्तरमा निकै भिन्नता रहेको छ ।

निजी आवास परिवार आफैले जग्गा खरीद गरी क्रमिक रूपमा निर्माण गर्ने र बाटो, यसको स्तर र अन्य सुविधाहरू क्रमशः थप्दै जाने गरेको देखिन्छ । यस्ता आवासहरूमा योजना तथा भवनसम्बन्धी मापदण्ड र संहितामा व्यापक कमी हुने गरेको देखिन्छ ।

गाउँपालिकामा ९९.२८ % परिवार आफ्नै स्वामित्वको घरमा बसोबास गर्दछन भने मात्र ०.३७ % भाडाको घरमा बस्ने र बाँकि अन्य स्वामित्व भएको घरमा बसोबास गर्दछन । घरको गाह्रोका आधारमा हेर्दा ३७.५५ % घर परिवार माटोको जोडाई भएको घरमा बसोबास गर्दछन् ।

६.१.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- छरिएर रहेका वस्तीका कारण सबै स्थानमा समान सेवा सुबिधा पुर्याउन कठिनाई
- एकीकृत वस्ती, तथा सामुहिक वस्ती विकासको अवधारणा विकास हुन नसकेको,
- गाउँपालिकाका विभिन्न वस्तीहरु बाढीको जोखिममा रहेका
- भवन निर्माणमा आधुनिक औजारको प्रयोगमा कमि
- निर्माण सम्बन्धि कार्य गर्ने दक्ष जनशक्ति कमि
- भूउपयोग वर्गीकरण गरी आवास क्षेत्र नछुट्याईएको

चुनौती

- भौगोलिक विकटता
- प्राकृतिक प्रकोप (बाढी पहिरो) ले वस्ती क्षेत्रमा जोखिम

६.१.३. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- स्थानीय स्तरमानै निर्माण सामाग्रीहरूको उपलब्धता (ढुङ्गा, बालुवा, गिटी)
- पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध हुनु

अवसर

- एकिकृत वस्ति विकास

६.१.४. आवास तथा वस्ती विकास योजना

६.१.४.१. सोच

" सुन्दर, सुरक्षित, सर्वसुलभ र गुणस्तरीय आवास तथा वस्तीको व्यापकता,

प्रविधिमैत्री आधारभूत पूर्वाधारयुक्त हरिहरपुरगढी निर्माणको सुनिश्चता "

६.१.४.२. लक्ष्य

सुन्दर, सर्वसुलभ र दिगो विकास गर्नुका साथै ग्रामीण अर्थतन्त्र र सामाजिक विकासमा सघाउ पुग्ने गरी ग्रामीण पूर्वाधार निर्माण एवम विकास गर्ने ।

६.१.४.३. उद्देश्य

१ सुरक्षित ,सुन्दर, सफा र व्यवस्थित गाँउ निर्माण गर्नु

२ सावर्जनिक जग्गाको लगत तयार गरी समुचित उपयोग गर्नु

६.१.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. सुरक्षित, सुन्दर, सफा र व्यवस्थित गाँउ निर्माण गर्नु	
१.१ गाँउको योजना, निर्माण, व्यवस्थापन, सुधार तथा विस्तारका लागि प्राविधिक क्षमता अभिवृद्धि र सुरक्षित ग्रामीण पूर्वाधारको विकास गर्नु ।	१.१.१ आधारभूत ग्रामीण भौतिक पूर्वाधारहरू क्रमिक रूपमा विकास गरिनेछ । १.१.२ भौतिक पूर्वाधार निर्माणमा दक्ष प्राविधिकको संलग्नता अनिवार्य गरिनेछ । १.१.३ व्यवस्थित शहरीकरणको अवधारणा लागु गर्न स्थानीय भवन निर्माण संहिता तयार गरिनेछ ।
१.२ पूर्वाधार निर्माणमा उपयुक्त आधुनिक प्रविधि र स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग समेतलाई प्रोत्साहन गरी सुरक्षित, टिकाउ, सुलभ र किफायती भवनहरूको निर्माण गर्नु।	१.२.१ भवन निर्माणमा उपयुक्त आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ । १.२.२ पूर्वाधार तथा भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.२.३ पूर्वाधार निर्माणमा तालिम प्राप्त जनशक्तिको मात्र प्रयोग गरिनेछ ।

१.३ एकीकृत आवास तथा वस्ती विकास गरी अनाधिकृत, अव्यवस्थित र छरिएर रहेका भूमिहिन, सुकुम्बासी, विपन्न र सीमान्तकृत घर परिवारलाई उपयुक्त, सुरक्षित, वातावरणमैत्री र सुलभ आवास निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्नु।	१.३.१ आवास तथा पूर्वाधार सेवाको विकास र विस्तारमा निजी क्षेत्र तथा स्थानीय जनासहभागितालाई प्रोत्साहित गरी एकीकृत रूपमा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ। १.३.२ भूमिहिन, सुकुम्बासी अति विपन्न, लोपोन्मुख र अति सीमान्कृत जातजाति र समुदायको लागि सुरक्षित आवास उपलब्ध गराइनेछ।
१.४ विपदको उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरूलाई निरुत्साहित गर्ने।	१.४.१ जोखिमयुक्त स्थानमा वस्तीहरूलाई निरूत्साहित गर्नुका साथै संभावित जोखिम निराकणका उपाय अवलम्वन गरिनेछ । १.४.२ उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरुलाई स्थानान्तरण गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ। १.४.३ घनत्व र जनसंख्याका आधारमा आधारभूत सेवा-सुविधा सहितको एकीकृत वस्ती विकास गरिनेछ ।
उद्देश्य २. सावर्जनिक जग्गाको संरक्षण तथा सदुपयोग गर्नु	
२.१ सावर्जनिक जग्गाको समुचित उपयोग गर्नु	२.१.१ गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेको सार्वजनिक जग्गाको पहिचान तथा संरक्षण गरिनेछ । २.१.२ सावर्जनिक जग्गालाई सामुदायिक प्रयोगमा ल्याइनेछ ।

६.१.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१	भौतिक विकास योजना तयार गर्ने			√	√	
२	दक्ष प्राविधिक लाई समयानुकुल तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
३	स्थानीय भवन निर्माण संहिता तयार गर्ने			√		
४	स्फूर्त रूपमा नक्सा पास गराउन आउने प्रत्येक पुराना घरधुरीलाई निश्चित समयसम्म् नक्सा पास दस्तुरमा सहुलियत प्रदान गर्ने			√		

५	नयाँ पूर्वाधार / भवन निर्माणमा नक्सापास सहित भवन निर्माण संहिता पालना भए नभएको कडाई का साथ अनुगमन गर्ने			√	√	√
६	भवन निर्माणसँग सम्बन्धित आधुनिक प्रविधिको तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
७	पूर्वाधार तथा भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामाग्रीको उचित प्रयोग सम्बन्धि जनचेतना कार्यक्रम संचालन गर्ने			√	√	√
८	स्थानीय युवालाई सिकर्मी तथा डकर्मी तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√
९	वस्ती विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी मार्फत संलग्नता बढाउने			√	√	
१०	गा.पा. द्वारा गठन भई निस्कृय रहेका टोल सुधार संस्थाहरूको पुनर्गठन गरि वडाको सहयोगी एकाईको रूपमा परिचालन गर्ने			√		
११	भूमिहिन सुकुम्वासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीको समस्या समाधानका लागि राष्ट्रिय भूमी आयोगसँग समन्वय गरि जग्गा नापजाँचका बाँकी कामहरू सम्पन्न् गरि जग्गा धनीपूर्जा वितरण गर्ने			√		
१२	विपन्न् र सीमान्तकृत घर परिवारलाई उपयुक्त, सुरक्षित आवास निर्माण गर्ने		√	√	√	√
१३	विपन्न् र सीमान्तकृत घर परिवारको आवास स्तरोन्नति गर्ने			√	√	√
१४	उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका वस्तीहरुको नक्साङकन गर्ने			√	√	√
१५	स्थानान्तरण गर्नुपर्ने बस्तीको घरधुरी सर्वेक्षण गर्ने			√	√	√
१६	वस्ती स्थानान्तरणको कार्ययोजना बनाउने			√	√	√
१७	सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख तयार गर्ने			√	√	√
१८	अतिक्रमित सार्वजनिक जग्गा खाली गराउने			√	√	√
१९	अतिक्रमित क्षेत्रहरूमा बनेका संरचनाहरूलाई जिल्ला प्रशासन र डिभिजन वनसँगको समन्वयमा व्यवस्थापन गरि संरक्षण गर्ने			√		
२०	सावर्जनिक जग्गामा सामुदायिक प्रयोगमा आउने खेल मैदान, पार्क, योगशाला आदीको निर्माण गर्ने		√	√	√	√

६.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

गाँउगाउँपालिकामा वस्ती विकासका कार्यहरू भौतिक विकास योजना अनुरूप भएका हुनेछन्, पूर्वाधार निर्माण कार्य निर्माण संहिता अनुरूप भएको, पूर्वाधार निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामाग्रीको प्रयोग भएको, स्थानीय युवाहरूले प्रविधि मैत्री सिप सिकेको, विपन्न् र सीमान्तकृत घर परिवारको सुरक्षित आवासको व्यवस्था भएको, उच्च जोखिमका वस्तीहरू स्थानान्तरण भएको र सावर्जनिक जग्गाको समुचित सदुपयोग भएको हुनेछ ।

६.२. सडक, पुल तथा यातायात

६.२.१. पृष्ठभूमि

सडक पूर्वाधारको पनि पूर्वाधार हो । सडक तथा यातायातलाई विकासको मुख्य संवाहकको रुप्मा पनि लिन सकिन्छ । यसले उद्योग, व्यापार, सञ्चार, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, बजार, प्रविधि, खानेपानी आयोजना आदि जस्ता महत्वपूर्ण सामाजिक आवश्यकताको व्यवस्थापनमा सहयोग पुर्याउछ । सडक सञ्जाल र यातायात सुविधाले उत्पादकहरूलाई आफ्नो उत्पादन र वस्तुहरू बजारमा आपूर्ति गर्न र थप रोजगारी सिर्जना गर्न मद्दत गर्दछ । मदन भण्डारी राजमार्गले यस पालिकलाई छिमेकि जिल्ला संग सिधा जोडेको छ । गाउँपालिकामा सडकको विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

सडकको स्तर	सडकको नाम	लम्बाई (कि.मि)
फिडर सडक	धरान – चतारा – गाईघाट – कटारी – सिन्धुली – हेटौडा	२६.३०
कलेक्टर सडक		५६.१०
स्थानीय सडक		३२७.२१
जम्मा लम्बाई		४०९.६१

यस गाउँपालिकाको मदन भण्डारी राजमार्गमा सार्वजनिक यातायात संचालन हुन्छन । यसका साथै अन्य केहि सडक खण्डमा सार्वजनिक यातायात संचालन हुन्छन । निजि सवारी साधन भने अन्य धैरै सडक खण्डमा संचालन हुन्छन । गाउँपालिकामा चल्ने यातायातका साधनहरूमा मोटरसाइकल मुख्य हुन् । त्यसैगरी जिप, मोटरसाईकल, ट्र्याक्टर, टेम्पो आदि, पनि छिटपुट रुपमा चल्छन । स्थानीय उत्पादित सामग्री पालिका बाहिर ढुवानी गर्न तथा पालिकामा दैनिक आवश्यक सामग्री आयात गर्न ठुला मालबाहक ट्रक पनि संचालनमा छन् ।

६.२.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- मौसमी तथा धुले सडक
- क्रस ड्रेनेज, ग्याबिन पर्खाल, Masonary Wall, पुल, कल्भर्ट आदि जस्ता सहयोगी संरचनाहरूलाई कम प्राथमिकता दिइएको
- बाटो निर्माण मापदण्ड अनुसार नहुनु
- सडकको अधिकार क्षेत्र (Road Right of way) अतिक्रमण
- वर्षाको समयमा बाढी, पहिरो, वर्षाको पानीको निकासले क्षतिग्रस्त सडक
- आर्थिक अभावका कारणले पर्याप्त बजेट जुटाउन नसकिनु
- स्थानीय दबाबका कारण प्राविधिक सर्भेक्षण अनुसार सडक निर्माण नहुनु
- दक्ष जनशक्तिको कमि
- बाटोमा आईसकेको जग्गाको लगत कट्टा नभएको
- पालिकाको यातायात गुरुयोजना तयार नभएको

चुनौती

- भौगोलिक कठिर्नाइ (ठुला ठुला चट्टानहरू), नदि
- पहिरो तथा भुक्षय नियन्त्रण
- मापदण्ड अनुसार
- पर्याप्त बजेटको व्यवस्थापन गर्नु
- सडकको स्तरोन्नति गरि बाह्रै महिना यातायात संचालन गर्नु

६.२.३. संभावना तथा अवसर

- सडक स्तरोन्नती (कालो पत्रे, ग्राभेल, सरसफाई) गरी बार्हैं महिना यातायात संचालन गर्न सकिने
- सहलगानीको परिपाटीको विकास
- यातायातको माध्यमबाट बजारीकरण विस्तार
- नियमित रूपमा अनुगमन नियमन गर्न सकिने
- सबै वडाहरू सडक संजाल मार्फत जोड्ने
- सडक संजालको स्तरोन्नति गरि नगर यातायात संचालन गर्ने
- सार्वजनिक सवारी साधन संचालनमा रहेको

६.२.४. सडक तथा यातायात विकास योजना

६.२.४.१. सोच

आधुनिक बैज्ञानिक ढंगबाट सडक तथा यातायातको विस्तार, हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको सहज पँहुच तथा विकासको आधार

६.२.४.२. लक्ष्य

सहज तथा सरल यातायात सञ्जालको विकास गरि बाह्रै महिना यातायात संचालन हुने प्रमुख सडक सञ्जालको विकास गर्ने

६.२.४.३. उद्देश्य

१ गाउँटोल देखि गाउँपालिकाको प्रमुख सेवासुविधा समहित तहगत सडक सञ्जालको विकास गर्ने ।

२ प्रमुख सडकहरुमा बसपार्क तथा बसबिसौनि सहितको यातायात सुबिधा पुर्याउने ।

६.२.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. गाँउटोल देखि गाउँपालिकाको प्रमुख सेवासुविधा समहित तहगत सडक सञ्जालको विकास गर्ने	
१.१ सडक बिस्तार तथा स्तरोन्नति मार्फत व्यवसायिक क्रियाक्लाप वृद्धि गर्ने	१.१.१ गाँउटोलमा सडकको विस्तार तथा स्तरोन्नति गरी ग्रामीण व्यावसायिक क्रियाक्लापको व्यवस्थित रूपमा विकास गरिनेछ। १.१.२ कृषि सडकको निर्माण गरी कृषि बजारको विकास गरिनेछ ।
१.२ गाउँपालिकाका प्रशासनिक निकायसम्म् पहुँच पुर्याउन वडा कार्यालय र वस्ती जोड्ने सडक निर्माणलाई प्राथमिक्ता दिने ।	१.२.१ गाउँपालिका केन्द्र र वडा कार्यालय जोड्ने सडक लाई प्राथमिक्तामा राखि व्यवस्थित गर्दै लगिनेछ । १.२.२ स्थानीय वस्ती वरपर सडक निर्माणमा अग्रसर स्थानीयलाई सहयोग गरिनेछ ।
१.३ सडक मर्मत तथा निर्माण कार्य गर्दा सडक निर्माण मापदण्डको निर्देशनलाई अवलम्बन गर्ने ।	१.३.१ ग्रामिण सडकहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नती गर्दा अनिवार्य रूपमा नाली निर्माण गर्नुपर्ने नीतिलाई कडाईका साथ कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ । १.३.२ गाउँपालिका भित्रका सडकहरूलाई मापदण्ड अनुसारको स्तरोन्नतीको कार्यलाई प्रभावकारी बनाईनेछ ।
उद्देश्य २. प्रमुख सडकहरुमा बसपार्क तथा बसबिसौनि सहितको यातायात सुबिधा पुर्याउने	
२.१ स्थानीयको आवत जावत लाई सहज गर्न यातायातको विस्तार गर्ने	२.१.१ अत्यधिक मात्रामा आवत जावत हुने क्षेत्रमा यातायातको पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.२ आवश्यक खोलाहरूमा झोलुङ्गे पुल निर्माण कार्यलाई निरन्तरता दिईनेछ ।

६.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१	गा.पा. वडा नं ६,७,८ क्यानेश्वर तथा पूर्व पश्चिम राजमार्गको बाग्मतीबाट गाउँपालिका केन्द्रसम्म जोडने सडकलाई बाह्रै महिना संचालन योग्य बनाउन सडक निर्माण र स्तरोन्नतीको कार्य संचालन गर्ने		√	√		
२	मदन भण्डारी राजमार्गको गुर्जी हरिहरपुरगढी किल्ला सडक, गुर्जी चिसापानी सडक, झ्याडी सेपाहा पेलुंगे सडक र पर्त्यानी पथ्राई सडकलाई स्तरोन्नती गरि बाह्रै महिना संचालन योग्य बनाउने		√	√		
३	गाउँपालिका स्तरीय यातायात गुरूयोजना (RTMP) तयार गर्ने			√		
४	बखफर मोरङ्गे हुँदै कमैया		√	√		
५	पर्यती हुँदै र मनदास पथाई भुताहा सडक		√	√		
६	झयाडी बसेरी गाटादोभान जोड्ने सडक		√	√		
७	रानीपानी हईटार हुँदै धनामता झ्याडी सम्म		√	√		
८	गुर्ज्री देखी गदि दरवार हुँदै जितपुर सडक		√	√		
९	गुर्जी चपरा देखि चिसापानी बादरे सडक		√	√		
१०	पर्तानी देखि गोलेटोल हुँदै पर्ता पान्तले सडक		√	√		
११	कलिलेख डाढखोला हुँदै भालुमारा सडक		√	√		
१२	पर्ता झिड़ी जामुने हुँदै बोहिनी सडक		√	√		
१३	झ्याडी द्वारखोला हुँदै आपटार पाग्रे सडक		√	√		
१४	बन्चरे इवाड़ी सडक		√	√		
१५	देवीशान सिमास गल्छी सडक		√	√		
१६	धिमिले राधेचुरी हुँदै ठुलो कौंवा सडक		√	√		
१७	गा. पा. भवन बाट सुन्तली घर हुँदै श्रीपुर सम्म		√	√		
१८	भुताह अधेरी हुँदै बरुण जोड्ने सडक		√	√		
१९	बोटेनी चयाचुति बखपा जोड्ने सडक		√	√		
२०	कृषि सडकको निर्माण गर्ने		√	√		

२१	गाँउपालिका केन्द्र र वडा कार्यालय जोड्ने सडक लाई प्राथमिक्ताका साथ स्तोरन्नती गर्ने	√	√	√		
२२	मुख्य मुख्य सडकहरूको मर्मत तथा ग्राभेलका कार्यहरू गा.पा ले आफ्नै साधन र जनशक्ती परिचालन गरि नियमित कार्य संचालन गर्ने			√		
२३	स्थानीय वस्ती वरपर सडक निर्माणमा अग्रसर स्थानीयलाई निरन्तर सहयोग गर्ने			√		
२४	सबै वडामा रहेका सडकहरुको लगत संकलन गरी अभिलेख व्यवस्थापन			√		
२५	सडकहरूको निर्माण तथा स्तरोन्नतीमा अनिवार्य रूपमा नाली निर्माण गर्ने			√		
२६	सबै सडकहरू क्रमिक रूपमा मापदण्ड अनुरूप स्तरोन्नती गर्ने			√		
२७	बस स्टयान्ड तथा बसबिसौनिहरूको लागि ठाँउ पहिचान गर्ने			√		√
२८	यातायात सेवा थप गर्ने			√	√	
२९	आवश्यक ठाउँमा पुल निर्माण गर्ने		√	√		

६.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

गाँउगाउँपालिकामा MTMP तथा मापदण्ड अनुरूप सडक विस्तार तथा स्तरोन्नती, कृषि सडकको निर्माण, वडाका केन्द्रहरू जोड्ने सडक निर्माण, सडक निर्माण सँग नाली निर्माण, उपयुक्त ठाँउमा बसपार्क तथा बसबिसौनिहरू निर्माणका साथै यातायात सेवा विस्तार तथा सहज पँहुचको लागि आवश्यक ठाँउमा झोलुङ्गे पुल निर्माण भएको हुनेछ ।

६.३. खानेपानी तथा सरसफाई

६.३.१. पृष्ठभूमि

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाका सबै वडामा खानेपानीको सुबिधा पुगेको छ । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकामा विभिन्न स्रोतबाट खानेपानीको आपूर्ति भईरहेको छ । सुरक्षित पिउने पानी आपूर्तिमा पहुँचले सरसफाई र स्वच्छता सुनिश्चित गर्दछ जसले स्वस्थ्य जीवनस्तर प्रवर्द्धन गर्दछ। हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाका अधिकांश जनसङ्ख्या पानीको आवश्यकताका लागि नढाकिएको ईनारमा निर्भर छन् । यस गाउँपालिकामा २ हजार ७२३ घरधुरी, करिब ५९ % कुवामा निर्भर छन् भने १ हजार २ सय ३४ घरधुरी, करिब १७ % ले धारा वा पाइपबाट खानेपानी प्राप्त गर्छन् । धारा वा पाइपलाइनबाट घरपरिवारमा खानेपानीको आपूर्तिका लागि विभिन्न प्राकृतिक मुहानबाट पानी संकलन गरिन्छ।

६.३.२. समस्या तथा चुनौती

समस्या

- स्वस्थ सफा खानेपल्निको अभाव
- अव्यवस्थित खानेपानी आपूर्ति प्रणाली
- सबै रिजर्भ ट्याङ्की तथा वितरण ट्याङ्कीमा filtration र sedimentation को व्यवस्था नभएको
- खानेपानी आपूर्ति सम्बन्धि व्यवस्थापन हेर्ने संस्थागत संरचनाको अभाव
- मर्मत, सम्भार तथा व्यवस्थापनलाई कम प्राथमिकतामा पर्ने

चुनौती

- पर्याप्त बजेटको व्यवस्थापन गर्न नसकिनु
- दक्ष जनशक्तिको अभाव
- भौगोलिक विकटताका कारण पानीको वितरण सहज नभएको
- बाढी, पहिरो, भुक्षयले खानेपानी वितारणका भौतिक संरचनाको क्षति

६.३.३. संभावना तथा अवसर

सम्भावना

- प्रशस्त पानीका स्रोतहरू
- विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएका खचगाउ खा.पा. कपिलेश्वर (बृहत खानेपानी योजना)
- गहिरो बोरिङ खानेपानी आयोजना निर्माण भइरहेको
- भएका पानीका स्रोतको सदुपयोग गरी खानेपानीको व्यवस्थापन गर्न सकिने

अवसर

- D.P.R भएका खानेपानी योजनालाई निर्माण चरणमा लैजाने
- पानीका मुल पहिचान, संरक्षण तथा सदुपयोग
- पानीको सदुपयोग तथा व्यवस्थापन गर्न मिटर जडान गर्ने
- खानेपानी सम्बन्धि संचालन तथा व्यवस्थापन हेर्ने संस्थागत संरचना बनाई कार्यन्वयन गर्ने
- गाउँपालिका खुला दिसामुक्त गाउँपालिका घोषणा भईसकेको

६.३.४. खानेपानी तथा सरसफाई योजना

६.३.४.१. सोच

शुद्ध खानेपानीको पँहुच विस्तार

६.३.४.२. लक्ष्य

आधारभूत स्तरको खानेपानी तथा सरसफाई सेवाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

६.३.४.३. उद्देश्य

१ सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी आपूर्ति गर्ने ।

२ सरसफाईको प्रवर्द्धन गर्ने ।

६.३.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १. गाँउगाउँपालिकाका सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी आपूर्ति गर्ने	
१.१ स्वच्छ र सफा खानेपानीलाई सर्वसुलभ गर्ने	१.१ सबै बस्ती र समुदायमा एक घर एक धाराको नीति अनुरूप स्वच्छ र सफा पानी आपूर्ति प्रणाली व्यवस्थित गरिनेछ। १.१.२ खानेपानी आपूर्तिका लागि संस्थागत संरचनाको व्यवस्था गरिनेछ । १.१.३ पानीको स्वच्छता कायम गरिनेछ । १.१.४ वहुवर्षिय खानेपानी आयोजना सम्पन्न गर्न ग्रामीण विकास केन्द्र, गै.स.स तथा अन्य सहयोगीहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
१.२ खानेपानीको मुहान संरक्षण गर्ने	१.२.१ पानीका मुहानहरूको अभिलेखिकरण गर्दै विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माणमा तिव्रता दिइनेछ । १.२.२ खानेपानीको मुहान संरक्षण तथा सुरक्षित खानेपानीको लागि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २. सरसफाई व्यवस्थापन गर्ने	
२.१ पुर्ण सरसफाई अभियान संचालन गर्ने	२.१.१ वडा तथा गाउँपालिका स्तरमा सरसफाईका विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ । २.१.२ वातावरणिय तथा पर्यावरणिय सन्तुलन कायम गर्न आवश्यक नीति लिईनेछ । २.१.३ समुदायमा आधारित पुर्ण सरसफाई कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।

६.३.४.१. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१	पानी अभाव भएको क्षेत्रमा पानीको स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने		√	√	√	√
२.	नियमित मर्मत संभारको व्यवस्थापन गर्ने			√	√	√
३.	एक घर एक धारा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने			√	√	√
४.	खानेपानी वितरण प्रणाली व्यवस्थित गर्ने (खानेपानी व्यवस्थापन बोर्ड मार्फत			√	√	√
५.	पानीको सदुपयोग गर्न मिटर जडान गर्ने			√	√	√

६.	वितरण ट्याङ्कीमा शुदधीकरण व्यवस्थापन गर्ने			√	√	√
७.	मुल पहिचान, अभिलेखिकरण तथा दर्ता गर्ने			√	√	√
८.	परम्परागत ढुङ्गेधारा तथा कुवा संरक्षण			√	√	√
९.	मुहानहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन क्रमिक रूपमा निर्माण गर्ने			√	√	√
१०.	प्रत्येक वडामा मुहान संरक्षण तथा सुरक्षित खानेपानीको लागि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन			√	√	√
११.	खानेपानीका समितिहरूलाई वातावरण तथा सरसफाई प्रति उत्तरदायि बनाउने			√	√	√
१२.	प्रत्येक वडामा महिला समुह,आमा समुह, स्थानीय युवा समुह साथै विद्यार्थी माझ पुर्ण सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना मुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने (नाटक प्रदर्शन)			√	√	√
१३.	सार्वजनिक शौचालय स्थापना			√	√	√
१४.	फोहोर विर्सजन केन्द्रको स्थापना			√	√	√
१५.	फोहोर प्रशोधन केन्द्रको स्थापना			√	√	√

६.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

आगामी ५ वर्ष भित्रमा गाउँपालिकामा पानीको स्रोतको व्यवस्थापन, नियमित मर्मत संभार तथा संचालित योजनाहरू निर्माण सम्पन्न् भई सबै क्षेत्रमा स्वस्छ तथा सफा खानेपानीको नियमित आपूर्ति भएको हुनेछ । साथै मुहान संरक्षण, खानेपानीका समितिहरू उत्तरदायि, सरसफाई सम्बन्धि जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुनेछ । त्यसैगरी सम्पूर्ण स्थानीय हरुमा सरसफाई सम्बन्धि सचेत भई व्यक्ति, परिवार तथा पुरै गाउँपालिका सफा र स्वच्छ भएको हुनेछ ।

६.४. सिंचाई

६.४.१. पृष्ठभुमि

पालिकाको कुल क्षेत्रफलको करिब १५.९५ % खेतियोग्य जमिन रहेको छ, भने ५६.२४ % जनसङ्ख्याको मुख्य पेशा कृषि रहेको छ । यस पालिकामा भएका खोला, खोल्सी तथा मूलबाट खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाईको व्यवस्था गरिएको छ । वस्तीपुर सिँचाई योजना, ककारे सिँचाई योजना, झ्याड़ी फाँट सिँचाई, बसन्त सिँचाई, तमर खोला सिँचाई, आँपडाँडा सिचाई, माथिल्लो पथाराही सिँचाई योजना आदि पालिकामा रहेका मुख्य सिँचाई योजना हुन् ।

पालिकाको वडा न ८ मा पोखरीकोबाट सिँचाईको व्यवस्था गरिएको छ । काली खोला सिचाई पोखरी, यागार टोल सिचाई पोखरी, माथिल्लो जमुने सिचाई पोखरी, पर्ता गाउ सिचाई पोखरी, थापाखोल्चा सिचाई पोखरी, पान्तले सिचाई पोखरी, मगर डाडा सिचाई पोखरी, च्याने सिचाई पोखरी, बाहुन डाँडा सिचाई पोखरी, राम चुबा सिचाई पोखरी पालिकामा रहेका मुख्य सिँचाईपोखरी हुन् । गाउँपालिकामा रहेका सिँचाई योजना तथा स्रोतहरुको विवरण अनुसूचीमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

६.४.२. समस्या तथा चुनौती

- सिँचाइ प्रणाली विकासको लागि उचित योजनाको अभाव
- कमजोर पूर्वाधार
- सिँचाइ पूर्वाधारको मर्मत सम्भारको अभाव
- जनसहभागिताको कमि
- भएका पानीका स्रोतको उच्चतम उपयोग गरी सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनमा सिंचाईसेवा पुर्याउनु
- मर्मत सम्भार तथा व्यस्थापनलाई नियमित गर्नु

६.४.३. सम्भावना तथा अवसर

- पानीका पर्याप्त स्रोत भएकोले सिंचाईको व्यवस्था गरी कृषि उत्पादन बढाउन सकिने
- पर्याप्त कृषि योग्य जमिन
- लिफ्ट सिँचाईको सम्भावना
- विभिन्न सिंचाई आयोजना संचालन भएका
- पानीका स्रोत कम भएका स्थानमा थोपा सिँचाइ, पोखरी सिंचाई जस्ता वैकल्पिक सिंचाई गर्न सकिने

६.४.४. सिंचाई योजना

६.४.४.१. सोंच

कृषि योग्य भूमीमा सिंचाईको सुनिश्चिता हरिहरपुरगढीको आवद्धता ।

६.४.४.२. **लक्ष्य**

कृषि योग्य भूमीमा सिंचाई सुबिधा विस्तार गरी उत्पादन वृद्धि गर्ने ।

६.४.४.३. **उद्देश्य**

१. कृषियोग्य जमिनमा दिगो सिँचाइ सुविधा पुर्याउनु ।

६.४.४.४. **रणनीति तथा कार्यनीति**

रणनीति	**कार्यनीति**
उद्देश्य १: कृषियोग्य जमिनमा दिगो सिँचाइ सुविधा पुर्याउनु ।	
१.१ उपयुक्त सिँचाइ प्रविधिको प्रयोग गरी सिँचाइ सुविधा विस्तार गर्ने	१.१.१ गाँउगाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेको सिँचाई कुलोहरूको मर्मत संभार गरी बाह्रै महिना सिँचाई सुविधा पुर्रयाउने कार्यलाई उच्च् प्राथमिक्ता दिईनेछ । १.१.२ कृषि योग्य भूमीमा सिँचाईको लागि श्रोतको खोजी गर्दै नहर, कूलोबाट सिँचाई हुन नसक्ने स्थानमा लिफ्ट सिँचाइ, प्लास्टिक पोखरी जस्ता कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिई क्रमिक रूपमा सिँचाई सुविधा पुर्याइनेछ । १.१.३ सिँचाइका लागि वर्षातको पानी सङ्कलन, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण गरिनेछ । १.१.४ सम्भावित नयाँ सिँचाई आयोजनाहरू निर्माण गरी थप जग्गामा सिँचाई विस्तार गरि कृषि उत्पादनमा बृद्धि गर्दै जाने निति अबलम्बन गरिनेछ ।
२.१ संचालनमा रहेका सिँचाइ योजनाहरू नियमित रूपमा संचालन गर्ने	२.१.१ संचालित सिँचाइ योजनाहरू दीगो रूपमा अघि बढाईनेछ ।

६.४.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य.
१	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरूको लगत तयार गर्ने			√		
२	मर्मत संभार गर्नुपर्ने कुलोहरू क्रमिक रूपमा मर्मत गर्ने			√		√
३	सिँचाईको श्रोतहरूको अध्ययन गर्ने			√		√
४	पलाष्टिक पोखरी कार्यक्रम प्राथमिकताका साथ संचालन गर्ने			√		√
५	वर्षातको पानी सङ्कलन गर्ने			√		√
६	पोखरी, ताल तलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण गर्ने			√		
७	ककरे, बन्चरे, इवाडी,चैनपुर, गुर्जी चपरा, हाकपार, बाह्रबिसे, बधौली, जुटपानी, भुडो, चायाचुति, हाती दमार दुलौरा, भलायो टोल , भेलखडा, दासखोला, छाप्सार, भिमान झाप्सी लिफ्ट सिँचाइ सञ्चालन गर्ने			√	√	√
८	विभिन्न सिँचाइ योजना दीगो रूपमा सञ्चालन गर्ने			√		√

६.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

गाउँपालिकामा कुलोहरूको नियमित मर्मत भएको, सिँचाइको श्रोतहरूको अध्ययन भएको, पोखरी, ताल तलैया, जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुदृढीकरण भएको, पोखरी, ताल तलैया, सिमसार जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा सुद्ढीकरण तथा उपयुक्त सिँचाइ आयोजनाहरू दीगो रूपमा सञ्चालन भएको हुनेछ ।

६.५. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

६.५.१. पृष्ठभूमि

नेपालमा जलविद्युतको विकासको यात्रा वि. सं १९६८ देखि सुरू भएको हो । आ. व २०७४/०७५ सम्ममा नेपालमा कुल जलविद्युत जडान क्षमता १०२० मेगावाट पुगेको छ। विद्युत ग्रिडमा जनसंख्याको पहुँच ७० प्रतिशत छ । ६२३ स्थानीय तहमा विद्युत पूर्वाधार पुगेको छ भने प्रति व्यक्ती विद्युत उपयोग १९८ किलोवाट प्रतिघण्टा रहेको छ। *(स्रोत :पन्ध्रौ योजना अधार पत्र)*

यस गाउँपालिकाका अधिकांश घरधुरीले प्रकाशको मुख्य स्रोतको रूपमा सौर्य ऊर्जा प्रयोग गर्छन्। ४,५८६ घरपरिवार मध्ये २,७७८ (६०.५८) % घरधुरीले बत्तीको लागि सौर्य ऊर्जा प्रयोग गर्छन्। दोस्रो स्थानमा ४७० (१०.२५%) घरपरिवारले मट्टितेल प्रकाशको स्रोतको रूपमा प्रयोग गर्छन्। गाउँपालिकामा एकदमै थोरै घरपरिवार, २९ घरधुरी (०.६३%) मा मात्र बिजुलीको पहुँच छ (जनगणना, २०६८) ।

गाउँपालिकाका सबै वडामा राष्ट्रिय प्रसारण माफर्त विद्युत सेवा पुगेको छ । वडाका विभिन्न स्थानहरूमा १००, ५०, २५ केभिए क्षमताका ट्रान्सफर्मरबाट विद्युत वितरण भईरहेको छ । विद्युत वितरणका लागि काठ तथा फलामका खम्बाहरुको प्रयोग गरिएको छ । जिर्ण भएका तथा काठका पोल हटाएर फलामे पोल राख्नका लागि पालिकाले प्रयास गरिरहेको छ ।

६.५.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा ट्रान्सफर्मर क्षमता कमजोर रहेको, जिर्ण काठका पोल रहेको, विद्युत नियमित नहुने, हावाहुरीका तथा पानि पर्दा पनि विद्युत अवरोध हुने, ट्रान्सफर्मर क्षमता कम भएका कारणले विद्युतीय मेसिनरी प्रयोग गर्न समस्या, विद्युत सब-स्टेशन नभएको, साना तथा लघु उद्यम संचालनका लागि विद्युत क्षमता अपुग जस्ता प्रमुख समस्या रहेका छन् । गाउँपालिकाका सबै क्षेत्रमा पर्याप्त क्षमताको विद्युत पहुँच विस्तार गर्नु प्रमुख चुनौतिका रुपमा रहेको छ ।

६.५.३. सम्भावना तथा अवसर

राष्ट्रिय प्रसारण लाईनबाट विद्युत वितरण भईरहेको, वायु उर्जा नमुनाको रुपमा रहेको र यसबाट अझै लाभ लिन सकिने, विद्युत विस्तार तिब्र रुपमा भईरहेकोले छिट्टै पालिकाभरी विद्युत विस्तार भैसक्ने, उर्जाको प्रयोग गरि उद्योग व्यवसाय संचालन गर्न सकिने सम्भावना, विभिन्न सरकारी स्थलमा वैकल्पिक उर्जाको मध्यम बाट विद्युत आपूर्ति गरी लागत कम गर्न सकिने ।

६.५.४. विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा योजना

६.५.४.१. सोंच

गाउँपालिकामा सत प्रतिशत विद्युत पुर्याउने

६.५.४.२. लक्ष्य

दिगो, भरपर्दो र नियमित उर्जाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

६.५.४.३. उद्देश्य

१. राष्ट्रीय प्रसारण लाईनको सुदृढीकरण गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा खपत गर्नु
२. वातावरण मैत्री वैकल्पिक उर्जाको पहुँच बढाई जिवनस्तरमा सुधार ल्याउनु
३. दक्ष जनशक्तीको उत्पादन तथा व्यवस्थापन गर्नु

६.५.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: राष्ट्रीय प्रसारण लाईनको सुदृढीकरण गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा खपत गर्नु	
१.१. गाउँपालिकामा विद्युत वितरणलाई प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाउने	१.१.१ विद्युत वितरण भरपर्दो तथा नियमित बनाउन पूर्वाधारको विकास गरिनेछ । १.१.२ विद्युत वितरण नियमित तथा व्यवस्थित गर्न अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ । १.१.३ गाउँपालिकाको सबै क्षेत्रमा विद्युत विस्तार गरिनेछ।
१.२ उत्पादनशील क्षेत्रमा विद्युत उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्ने	१.२.१ घरेलु उद्यम, लिफ्ट सिंचाई, खानेपानी, लगायतको क्षेत्रमा खपत हुने विद्युतमा सहुलियतको व्यवस्था मिलाईनेछ ।
उद्देश्य २: वातावरण मैत्री वैकल्पिक उर्जाको पहुँच बढाई जिवनस्तरमा सुधार ल्याउनु	
२.१. वैकल्पिक उर्जाको उत्पादन तथा प्रवर्द्धन गर्ने	२.१.१ वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धि कानुनी आधार तयार गरिनेछ । २.१.२ साना तथा लघु जलविद्युत उत्पादनलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
२.२ स्वच्छ तथा दिगो उर्जाको प्रयोगलाई बढावा दिने	२.१.१ सबै सार्वजनिक क्षेत्रमा सौर्य उर्जाको प्रयोगलाई विस्तार गरिनेछ । २.१.२ बायोग्यासको प्रयोगलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.३ सुधारिएको चुलो प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: दक्ष जनशक्तीको उत्पादन तथा व्यवस्थापन गर्ने	
३.१. विभिन्न प्राविधिक तालिम संचालन गर्ने	३.१.१ विद्युत वितरण मर्मत सम्भार सम्बन्धि तालिम संचालन गरिनेछ ३.१.२ वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धि विभिन्न तालिम संचालन गरिनेछ ।

६.५.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र. सं.	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य
१	आवश्यक क्षेत्रमा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्थाका साथै आवश्यक स्थानमा ट्रान्सफर्मरको क्षमता वृद्धि मा पहल गर्ने	√		√		
२	गा.पा. का सम्पूर्ण वडाहरूमा विद्युत सेवा पुर्याउन **उज्यालो हरिहरपुरगढी कार्यक्रम** नेपाल विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी सम्पन्न गर्ने	√		√		
३	जिर्ण विद्युत पोल (काठ, फलामका) हरु फेर्ने			√	√	
४	विद्युत वितरणका जिर्ण तार भएका स्थानमा गुणस्तरीय तार राख्ने			√	√	
५	थ्री फेज लाईन वितरणका लागि विद्युत प्राधिकरण संग समन्वय गर्ने	√		√		
६	विद्युतको नियमित आपूर्तिको तथा अनाधिकृत प्रयोग रोक्न नियमित अनुगमन तथा नियमन गर्ने	√		√		
७	कोखाजोर जल विद्युत आयोजना संचालन गरी विद्युत नपुगेका स्थानमा विद्युत विस्तार गर्ने			√	√	
८	सबै माध्यमिक विद्यालयमा विद्युत सेवा पुरयाउने	√		√		
९	सबै स्वास्थ्य चौकीमा आवश्यक क्षमताको विद्युतको व्यवस्था गर्ने	√		√		

क्र. सं.	योजना /कार्यक्रम	सहकार्य गर्ने निकायहरू				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजि क्षेत्र	अन्य
१०	गाउँपालिकाका मुख्य सडकमा सडक बत्तिको व्यवस्था गर्ने	√	√	√		
११	लघु तथा साना जलविद्युत उत्पादन तथा संचालन सम्बन्धि स्थानीय ऐन तर्जुमा गर्ने			√		
१२	लघु तथा साना जलविद्युत उत्पादन सम्बन्धि सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने			√		
१३	सबै वडा कार्यालय प्राङगणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने			√		√
१४	सबै स्वास्थ्य संस्थाको प्राङगणमा सोलार बत्तिको व्यवस्था गर्ने			√		√
१५	सबै आधारभुत विद्यालयमा उर्जाका लागि सोलार प्यानल जडान गर्ने			√		√
१६	आगामी ५ वर्ष भित्र गाउँपालिकाका १० % घरधुरीमा बायो ग्यास प्लान्ट जडान गर्ने			√		√
१७	भान्सामा स्वच्छ उर्जाको प्रवर्धन गर्न सुधारिएको चुलो कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
१८	स्वच्छ उर्जाको प्रयोग सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने			√		√
१९	सामान्य विद्युत जडान तथा मर्मत सम्बन्धि Eletrician तालिम संचालन गर्ने			√		√
२०	बायोग्यास जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२१	सोलार जडान तथा मर्मत सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√
२२	सुधारिएको चुलो बनाउने सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने			√		√

६.५.५. अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

यस योजनाको अन्त्य सम्ममा गाउँपालिकाको सबै धुरीमा विद्युत सेवा पुगेको हुनेछ । पर्याप्त विद्युतीय क्षमता पुगी उद्योग धन्दा संचालन भएका हुनेछन । आवश्यक स्थानमा सडक बत्ति को व्यवस्था हुनेछ । वैकल्पिक उर्जाको रुपमा सोलार वत्तिको प्रवर्द्धन भएको हुनेछ भने सबै सार्वजनिक कार्यालयमा सोलारको

व्यवस्था भएको हुनेछ । बायोग्यासको प्रयोग तथा सुधारिएको चुलोको प्रयोगबाट घरधुरीमा स्वच्छ उर्जाको प्रवर्द्धन भएको हुनेछ ।

६.६. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

६.६.१. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाका सबै क्षेत्रमा मोवाइल सेवाको पहुँच राम्रो छ । पालिकामा ३३.२५ % ले मोबाईल फोनको प्रयोग गर्दछन भने मात्र ०.०२ % को ईन्टरनेटमा पहुँच रहेको छ । टेलिफोन तथा इन्टरनेट सेवामा घरधुरीको पहुँच बढाउन मोबाइल सेवाको महत्वपूर्ण योगदान रहेको छ । पालिकामा नेपाल टेलिकम र एनसेलको मोवाईल सेवा सबैभन्दा बढी प्रयोगमा रहेको छ । पालिकाका सबै वडामा विभिन्न एफ.एम तथा रेडियो नेपाल लगायत विभिन्न स्टेशनहरु सुन्न सकिन्छ भने विभिन्न केवल नेटवर्क मार्फत टेलिभिजनको पहुँच पनि राम्रो छ । नगरका सबै वडामा मोबाईल फोन तथा ईन्टरनेटको सुबिधा छ । पालिकाका सरकारी कार्यालय जस्तै गाउँपालिका कार्यालय, वडा कार्यालय, विद्यालय, स्वास्थ्य चौकीमा ईन्टरनेटको सुबिधा विस्तार भएको छ । गाउँपालिकाले आफ्नो वेबसाइट मार्फत आफ्ना सुचना हरु जस्तै वार्षिक कार्यक्रम, ऐन तथा कानुनहरु सार्वजनिक गर्ने गरेको छ ।

६.६.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाको केहि स्थानमा नेटवर्क राम्रो नभएको, पत्रपत्रिकाको पहुँच कम भएको, ईन्टरनेट सेवा सबै क्षेत्रमा नपुगेको, ईन्टरनेट सेवाको शिक्षा , स्वास्थ्य, तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा यथेष्ट सदुपयोग गर्न नसकिनु प्रमुख समस्याका रुपमा रहेका छन् ।

६.६.३. संभावना तथा अवसर

NTC, Ncell, smart, लगायतको नेटवर्क राम्रो रहेको, विभिन्न कम्पनीका केबल नेटर्वक रहेको छन् । त्यसैगरि पालिकामा विभिन्न कम्पनीका ईन्टरनेट सेवा पी संचालनमा रहेका छन् । आधुनिक सूचना तथा संचार प्रविधिको विस्तार गरी सार्वजनिक सेवामा जोड्न सकिने जस्ता सम्भावना तथा अवसर रहेको छ ।

६.६.४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि योजना

६.६.४.१. सोंच

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको विस्तार प्रविधिमैत्री हरिहरपुरगढीको आधार

६.६.४.२. लक्ष्य

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सर्वसुलभ पँहुच विस्तार गर्नु

६.६.४.३. उद्धेश्य

१. गाउँपालिकामा सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सहज तथा सर्वसुलभ पँहुच पुर्याउनु

६.६.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य१: समग्र गाउँपालिकामा ,सूचनासञ्चार तथा प्रविधिको सहज तथा सर्वसुलभ पँहुच पुर्याउनु	
१.१ गाउँपालिकामा सूचना ,सञ्चार प्रविधि सेवाहरूलाई सरल र सुलभ बनाउने	१.१.१ सबै स्थानमा दुरसञ्चार सेवा विस्तार गरिनेछ । १.१.२ गाउँपालिका, व्यवसायिक तथा नीजि संस्था तथा समुदायबीच सहकार्यमा संचार संरचनाहरूको विस्तार र सेवाहरूलाई संस्थागत गरिनेछ । १.१.३ दुर सञ्चार नपुगेका वडाहरूमा सो सेवा पुर्याउन सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई सहजीकरण गरिनेछ ।

६.६.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य
१	भुताहा केन्द्रमा टेलिफोन टावर			√	√	√
२	गाँउपालिका तथा वडाहरूको विधुतीय क्षमता विकास		√	√		
३	सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकास		√	√		
४	दुर सञ्चार नपुगेका वडाहरूमा सो सेवा पुर्याउन सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई सहजीकरण			√		

६.६.५. अपेक्षित उपलब्धि

गाँउगाउँपालिकाको सबै क्षेत्रमा सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकासका भएको हुने, गुणस्तरीय ईन्टरनेट सेवाको विस्तार भई सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा समेत सूचना प्रविधिको प्रयोग भएको हुनेछ ।

परिच्छेद ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

७.१. वन तथा जैविक विविधता

७.१.१. पृष्ठभूमि

नेपालको कुल क्षेत्रफलको ४४.७४ प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकेको छ। पर्यावरणीय सन्तुलनका दृष्टिकोणले कुल जमिनको ४० प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकिएको हुनुपर्दछ । हरिहरपुर गाँउपालिका वन जंगल तथा जैविक विविधताले धनी छ । वन ग्रामीण जीवनको अभिन्न अंग हो । यी हरियाली वन जंगलले परिदृश्य मात्र होइन मानिसहरूको जीवन शैलीमा पनि प्रभुत्वशाली प्रभाव पार्दछ । गाउँपालिकामा खपत हुने कुल ऊर्जाको अधिकांश हिस्सा वनले दिन्छ (इन्धन काठ) र पशुपालनका लागि चारा वनबाट नै निकालिन्छ । यसबाहेक, तिनीहरूले कमजोर पहाडी पारिस्थितिकी प्रणालीको रक्षा गर्न र यस क्षेत्रमा विविध र जटिल पारिस्थितिकी प्रणालीहरू कायम राख्न गतिशील भूमिका खेल्छन् । यस पालिकामा हुने काष्ठजन्य बिरूवाहरूमा साल, खैर, सिसौ, साज, बोटधयेरो, बाँजी, चिलाउने, कटुस, अस्ना आदि छन् भने गैर काष्ठजन्य बिरूवाहरूमा अमला, बोझो, हर्रो, बर्रो, गुर्जो, कुरिलो, भोर्ला, बावियो, गुराँस आदि पर्दछन् । यसै गरी यहाँ पाइने जनावरहरूमा चितुवा, स्याल, भालु, बाँदर, लंगुर, खरायो आदि पर्दछन भने ५० प्रजातिका चराहरू पाईन्छ । यस पालिकामा ७० वटा सामुदायिक वन रहेका छन् ।भूउपयोग योजना २०७६ अनुसार यो गाउँपालिका क्षेत्रको लगभग ७५.३०% वनजंगलले ओगटेको छ र त्यसलाई वन क्षेत्रको रूपमा नै राखिएको छ । सबै झाडिहरू र खुला बन्जर जमिन वन क्षेत्रमा समावेश गरिएको छ ।

७.१.२. समस्या तथा चुनौती

वन जंगलको फडानी, अतिक्रमण, अनियन्त्रित बसोवास, अनियन्त्रित मानविय गतिविधिहरुका कारण बाढीको जोखिम दिनुनुदिन बढ्दै गएको छ । वनको उचित व्यवस्थापनको अभावले सामाजिक, आर्थिक र वातावरणीय फाइदाहरु लिन सकिएको छैन । वन क्षेत्रको अतिक्रमण (करिव ८७५.०९ हेक्टर वन क्षेत्र अतिक्रमित भएको (डिएफओ मरिण २०७७) प्रतिवेदनमा उल्लेख छ ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका बासीहरुमा वातावरण प्रति न्यून चासो र योजना तथा प्रभावकारी वन व्यवस्थापन हुन नसक्दा वनबाट वातावरणीय तथा आर्थिक फाइदाहरु लिन सकिएको छैन । अहिले मानिसहरुलाई वनको फाइदाबारे चेतना नभएर जथाभावी वन कटान गर्ने, वृक्षारोपण नगर्ने, वन संरक्षण नगर्ने, शिवालिक पहाडमा जथाभावी जनावरहरु छोड्ने गरेका छन् । शिवालिक वा चुरेको उचित व्यवस्थापन नहुँदा पहिरो र चुरेबाट आउने खहरेले खेतीयोग्य जमिन मरुभूमिकरण भईरहेको छ । चुरेको पहिरो, नदी कटान र डडेलोको कारण वन विनास भईरहेको छ । वन अतिक्रमण, काठको चोरी निकासीले र अन्य क्षेत्रमा दिनानुदिन बंजर भईरहेको छ । चुरेको अत्यधिक दोहनका कारण वन विनास र विपद् दुवै साथमा आउने र आईरहेको छ । चुरे वन संरक्षणको लागि दिगो तथा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ जसमा झाडी सुधार गर्ने, उन्नत जातको

विरुवाको वृक्षारोपण गर्ने, चुरे मैत्री फलफूल खेती जस्तैः भूईंकटहर लगाउने, जनावरहरुलाई चुरेमा प्रवेश निशेष गर्ने र प्रयोगमा नआउने बोटविरुवालाई फडानी गर्ने कार्यहरु पर्दछ । कतिपय सामुदायिक वनहरु अकाष्ठ बोट विरुवाहरुले ढाकेको छ । अनावश्यक झाडीले बोटविरुवाहरुलाई असर गरिरहेको भने चुरेमा झाडी बनाउन सकिएको छैन । वन विनासले पानीका मूलहरु सुकिरहेका छन् । डढेलो, भूक्षयले पनि वन विनास भइरहेको छ त्यसैले डढेलो, भू–क्षय नियन्त्रणको उपायहरु खोज्न आवश्यक छ । यसैगरी, वनको अध्ययन गरेर भौगोलिकता अनुसार आयआर्जन हुने वन पैदावर रोपेर वनलाई आर्थिक स्रोतको रुपमा प्रयोग गर्न सक्नुपर्दछ ।

वन्यजन्तुको चोरी शिकारी बढ्दो र वन्यजन्तुले नष्ट गरेको बालीको क्षतिपूर्तिको व्यवस्था कुनै पक्षबाट भएको छैन । वन्यजन्तुहरुको नियन्त्रण गर्न आवश्यक देखिएको छ । वन्यजन्तुको नियन्त्रण गर्ने भरपर्दो उपायको खोजी नगरी कृषिमा व्यवसायिकरणको नारा र लगानीले सार्थकता पाउँदैन् ।

७.१.३. संभावना तथा अवसर

वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न सके वन्यजन्य उद्योगको स्थापना, रोजगारी स्थापना, वन फलफूल बगैचाका संभावनाहरु रहेका छन् । वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनले पुराना उमेर पुगेका रुखहरुको कटानी गरी काष्ठजन्य उत्पादन विक्री वितरण गरी आयआर्जन गर्न सकिन्छ भने नयाँ विरुवाको लागि सहज हुन्छ । राम्रा खालका काठहरुको उपलब्धता हुने वनहरु भएकाले आम्दानीको स्रोत हुन जान्छ । वनका कतिपय क्षेत्रहरु खाली परेका छन् जहाँ कृषि, जडिबुटि लगाएतका खेती गर्न सकिन्छ ।

कार्य योजना बनाएर सम्पदा संरक्षण, आय आर्जन, अध्ययन, अनुसन्धान जस्ता कार्य गर्न सकिनेछ । सामुदायिक वनलाई विशेष प्रकारका बालीहरुको परीक्षण उत्पादन, गुणस्तर मापन, लाभ, लागत, विश्लेषण गर्ने कार्यको प्रयोगशालाको रुपमा विकास गरी कृषिका सफल नमूनाहरु विकास गर्न सकिने अवस्था छ ।

अधिकांश वनहरु समुदायलाई हस्तान्तरण हुनु, सामुदायिक वनहरु आफ्नो वार्षिक कार्ययोजना बनाउन सक्ने हुँदै जानु, वनजन्य उत्पादनको बजार प्रवद्र्धन हुने क्रम बढ्नु, सा.व.उ.स. (कार्यसमिति) मा दलित र महिलाको सहभागिता बढ्दै जानु, वन व्यवस्थापन तालिमको व्यवस्था हुनु, बाटो घाटोको सुविधाले वनजन्य उद्योगको स्थापना हुने क्रम बढ्नु वन क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । वनपैदावारको चोरी निकासी नियन्त्रण गर्नु, वर्तमान वन क्षेत्रफल विस्तार गर्नु, नदी कटान नियन्त्रण गर्नु, वन सम्पदाको पूर्ण सदुपयोग गर्नु, वन आधारित रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु र वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन व्यवहारमा कार्यान्वयन गर्नु वन क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरु हुन् ।

वन र चरन क्षेत्रहरु भएकोले पशुपालन ठूलो संभावना र वन क्षेत्र प्रर्याप्त भएकोले व्यवस्थापकीय पक्ष सुधार गरी वनजन्य उत्पादनको तिव्र विकास गर्न सकिने संभावना रहेको छ ।

सवल पक्ष	कमजोर पक्ष
• आवश्यक पर्ने कृषि, पशुपालन र दैनिक जीवनमा आवश्यक कुराहरु प्राप्त गर्न सक्ने • सामुदायिक बन बाट हामीलाई काठ दाउरा विक्री वितरण गरि आय आर्जन गर्ने • वाह्य निर्यात गरिएको काठ विक्रीबाट आएको रकमबाट विभिन्न आयमुलक कार्य गर्न सकिने • चुरे रहे पानी, पानी रहे हामी सिद्धान्त महसुस गर्न सकिने	• डढेलो तथा आगोलागीका कारण ठुलो जनधनको क्षति हुन सक्ने : क्यान धमिले, केवन चुली, लाटी खोला, सिम्रास, धनमना, धुम्बे, अधेरी, ढाड खोला, जलपे • बन्य जन्तु तथा जडिबुटीको नोक्सानी • अन्द धुन्द बिरुवा तथा काठ कटानीबाट जल श्रोत कमि हुनु • भू-क्षयभई खेति योग्य जमिन तथा बस्तीमा पहिरोको जोखिम • कोखाजोर, बागमती, मरीण र क्यान नदि किनारका जमिन उच्चा जोखिममा रहनु
अवसर	**चुनौती**
• विभिन्न सामुदायिक बनहरुमा खाली रहेका जग्गा जमिनलाई उपयोग गर्न जडिबुटी तथा आयमुलक खेति गर्न सकिने (वेसार, कुरिलो, अमृसो, बाँस, अदुवा टिक, मिस आदि) • चुरे संरक्षाण तथा जलाधार संरक्षाण, चेतना मुलक कार्यक्रम, वृक्षारोपन, पशु पालन ब्यबस्थापन तथा कवुलियति वन • नदि किनारका जमिनमा विभिन्न प्रकारका वृक्षारोपन गरि जोखिम कम गर्न सकिने	• बढ्दो जनसंख्याका कारण खोरिया फडानी (पालिका क्षेत्र सबै) • काठ दाउरा चोरी निकासी समस्या, सर्लाही र मकवानपुर, सिन्धुली र रौतहट सम्म सिमा जोडीएको चुरे क्षेत्र • वन क्षेत्र नजिकका नदि किनारका बस्तिहरु सयौं मिटर सम्म प्रभावित हुन सक्ने

७.१.४. वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना

गाउँपालिकाको वन तथा वातावरण क्षेत्रको विस्तृत अध्ययन, विश्लेषण, समस्या तथा सम्भावनाहरुको पहिचान गरे पश्चात् वन, वातावरण तथा जैविक विविधताको दिर्घकालिन, दिगो र सन्तुलित विकासका लागि निम्नानुसारका सोच, लक्ष्य, उद्देश्यहरुको तय गरिएको छ ।

७.१.४.१. सोच

"दीगो, सन्तुलित, उत्पादनशिल वन र जैविक विविधता"

७.१.४.२. लक्ष्य

"प्रभावकारी वन व्यवस्थापन गरी वनजन्य उत्पादनको उपयोगबाट आम जनताको आयस्तरमा बृद्धि साथै जैविक विविधता बारे आम जनताहरु सचेत हुनेछन्"

७.१.४.३. उद्देश्य

१. वन र वनको महत्व बारे आम मानिसलाई सचेतना अभिबृद्दि गरी वन संरक्षणमा सहभागि हुन उत्प्रेरित गर्ने ।

२. प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यमद्धारा वन उपभोक्ताको आयश्रोत बृद्धि गर्ने ।

३. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने ।

७.१.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वन र वनको महत्व बारे आम मानिसलाई सचेतना अभिबृद्दि गरी वन संरक्षणमा सहभागि हुन उत्प्रेरित गर्ने ।	
१.१ वनको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।	१.१.१ वन व्यवस्थापनका लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्थाहरु तय गरिनेछ । १.१.२ अनावश्यक झाडीको फडानी गरिनेछ । १.१.३ उपयोगी वोटविरुवकाको संरक्षण, उपयोग, र बृक्षारोपण गरिनेछ । १.१.४ अन्तर खेतीको कार्यक्रम लागु गरिनेछ । १.१.५ काष्ठजन्य उद्योगको स्थापना र रोजगारीका अवसर सृजना गरिनेछ । १.१.६ वनमा चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.७ वन उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ ।
उद्देश्य २: प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यामद्धारा वन उपभोक्ताको आयश्रोत बृद्धि गर्ने ।	
२.१ विपन्न तथा निम्न आय स्तरका जनताको सामुदायीक वनमा आवद्धता वृद्धि गर्ने ।	२.१.१ विपन्नलाई खाली जमिनमा खेती गर्न दिइनेछ । २.१.२ वन व्यवस्थापनमा विपन्न र निम्न आयका मानिसहरुको सहभागिता बढाईनेछ ।
२.२ वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास गर्ने।	२.२.१ भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्दा वातावरण अध्ययनलाई अनिवार्य र कडाइ गरिनेछ । २.२.२ वनमा घरेलु जनावरहरुको प्रवेश निषेध गरिनेछ । २.२.३ नदी कटान र भूक्षयलाई नियन्त्रण गरिनेछ । २.२.४ दिगो विकास र पर्यावरण बारे सचेतना फैलाउने कार्यक्रम तय गरिनेछ । २.२.५ मानिस र वन्यजन्तु वीचको द्धन्द्ध निरारकण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
२.३ फलफूल तथा जडिवटी वन विकास कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।	२.३.१ निश्चित मापदण्ड बनाई फलफूल, जडिबुटि खेती गर्न सकिने भएकोले संभाव्यता अध्ययन गरी कार्य प्रारम्भ गरिनेछ । २.३.२ वनमा फलफूल खेती गर्नेलाई अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । २.३.३ वनमा खेती गर्न सकिने फलफूल बारे अध्ययन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने ।	
३.१ जैविक विविधताको उपयोग र महत्व बारे आम समुदायलाई सुसुचित गरिनेछ ।	३.१.१ वनमा जडिबुटि खेतीको थालनी गरिनेछ । ३.१.२ जडिबुटि प्रशोधन उद्योगलाई प्राथमिकता दिईनेछ । ३.१.३ जैविक विविधता बारे सचेतना कार्यक्रम वडा वडामा सञ्चानल गरिनेछ । ३.१.४ जैविक विविधता सम्बन्धि काम गर्ने गैससहरुसँग समन्वय गरिनेछ । ३.१.५ जैविक विविधता क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण योजना बनाइने छ ।

७.१.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	वन्यजन्तु तथा वनजन्य सामाग्रीको चोरी शिकारी नियन्त्रण (कानुनी जनचेतना तथा वन सुरक्षा)	√	√	√		
२.	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरुको वन कार्ययोजना तयारी तथा परिमार्जन र अद्यावधिक			√	√	
३.	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरुको निरन्तर अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण र तालिम			√		

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
४.	वस्तीहरू प्रकोपको जोखिमबाट सुरक्षित गर्न आवश्यक कार्ययोजना बनाई लागु गर्ने			√		
५.	दिगो वन व्यवस्थापनका लागि लेखा तालिम			√	√	√
६.	वन जङ्गल व्यवस्थापन (आवधिक रुख कटान तथा झाडी तथा पतझड सरसफाई)	√	√	√		
७.	डाले घाँस बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
८.	बाँदर तथा जङ्गली जन्तु नियन्त्रण कार्यक्रम		√	√	√	
९.	खुल्ला क्षेत्रमा बहु प्रजातिका बोट विरुवाहरुको वृक्षारोपण		√	√		√
१०.	उत्कृष्ट सामुदायिक वनलाई पुरस्कार (नमुना वन पुरस्कार)			√		√
११.	खाली रहेका बाझोँ जमिनमा निजी वनको विकास तथा वन सम्बन्धी तालिम (वृक्षारोपण अनुदान)			√	√	√
१२.	विपन्न तथा निम्न आय श्रोत भएका मानिसहरुको वन व्यवस्थापनमा आवद्धता र विशेष कार्यक्रम		√	√	√	
१३.	वन जङ्गल आगोलागी विरुद्घ प्रचार प्रसार तथा अभियान सञ्चालन			√		√
१४.	जङ्गलमा उचित तरिकाले वर्षातको पानी संकलन हुने पोखरीहरु निर्माण		√	√	√	
१५.	वन्यजन्तु र मानिसको सहअस्तित्व बारे सचेतना			√		√
१६.	बहु उद्देश्यीय नर्सरी स्थापना (गाउँपालिकास्तर)		√	√	√	√
१७.	एक वडा एक नर्सरी निर्माण			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१८.	गाउँपालिका परिसरमा स्थापना गरिएको फलफूलको बगैंचालाई थप व्यवस्थित गर्ने			√		
१९.	फलफूल वनको विकास अध्ययन र शुरुवात			√	√	√
२०.	सार्वजनिक जग्गाहरूको पहिचान गरि सामुहिक फलफूल फार्मको विकास गर्ने			√	√	√
२१.	जडिबुटी तथा फलफूल बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
२०.	लोपोन्मुख प्रजातिका बोट विरुवा पहिचान तथा संरक्षण	√	√	√	√	

७.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा वन क्षेत्र, जलाधार संरक्षित तथा व्यवस्थित, जैविक विविधता क्षेत्रको संरक्षण, जडीबुटी खेती तथा प्रशोधन, फलफूल तथा जडिवुटी वन विकास तथा वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास भएको हुनेछ ।

७.२. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

७.२.१. पृष्ठभूमि

चुरे क्षेत्रमा सबै भन्दा ठूलो समस्या नै जलधार संरक्षण र व्यवस्थापना भएको छ । एकातर्फ चुरे दोहनका कारण पानीका श्रोतहरु मासिन्दै गएका छन् भने अर्को तर्फ सचेतनाको अभावले मानिसहरुमा फोहर सिधैं खोलामा फाल्ने प्रवृति बढ्दो छ । त्यसैगरी, पशुपालन जस्तैः बंगुरपालनबाट निस्किएको फोहर पानी खोलामा फाल्दा पनि जल प्रदुषण भैरहेको छ । यस्तो प्रदुषणबाट खानेपानीको मुहानहरुलाई जोगाउन अत्यन्तै जरुरी छ । मुहान संरक्षणको लागि योजना तुरुन्तै बनाउन आवश्यक छ । नदीनाला तथा खोलाहरुबाट ढुंगा, बालुवा निकाल्ने प्रचलन अधिकतम छ । नदीबाट क्षमताभन्दा बढी मात्रामा ढुंगा तथा बालुवाहरु निकालिरहँदा प्राकृतिक जोखिम बढिरहेको छ । यसको असरले नदी नालाको बहाव परिवर्तन हुने, नदी कटानको समस्या हुने, पानीका मूल सुक्ने, सिंचाई तथा कुलोका मुहानहरु सर्ने लगायतका समस्याहरु देखा परिरहेका छन् । नदीनालाहरुको बहाव क्षेत्र यकिन नगरिंदा नदीनालाहरुको बहाव क्षेत्र अतिक्रमण भई रहेको छ

। यो क्षेत्र टापु जस्तो छ एकातर्फ मरिण नदी र अर्को तर्फ बाग्मती नदीले वडा नं १, २, ३, ४ र ५ लाई जोखिममा पारेको छ भने वडा नं ६, ७ र ८ लाई क्यान खोला लगाएत चुरेका अन्य थुप्रै खोलाहरुले समस्यामा पारेको छ ।

७.२.२. समस्या तथा चुनौती

हिउँदमा पानी नहुने र बर्षातमा बाढीले आवतजावतनै गर्न नसकिने अवस्था छ । बर्षातमा वडा नं ७, ८ र ९ नं वडाका मानिसहरु टापु जस्तो हुने गरेको छ । वडा नं ६, ७ र ८ का बासिन्दालाई वडा कार्यालय पुग्नै नसक्ने समस्या छ । तिन वटा वडाको बर्षातमा गाउँपालिकासँग समेत सम्पर्क विच्छेद हुने गरेको छ । नदीको कटानले वन मासिन्दै छ भने चुरेको अनियन्त्रित दोहनले खेती योग्य जमिन बंजर बनिरहेको छ । कुनै नदीको उपयोग गर्न सकिएको छैन । नदीहरुको कारण पालिकाले करोडौ क्षती र नदी कटानले बस्ती खेतीपाती डुवान भई टाउको दुखाइ भएको छ ।

७.२.३. संभावना तथा अवसर

पानीको श्रोतका हिसावले गाउँपालिका निकै धनी छ । पानीको उपयोग गरी एकातर्फ सिंचाईको प्रचुर संभावन छ भने विधुत उत्पादन, मनोरञ्जनात्मक स्थलहरुको निर्माण गर्न सकिने संभावना छ । नदीमा बगेर आएका नदिजन्य सामाग्रीको उपयोगबाट निर्माण सामाग्री उत्पादन र सोसँग सम्बन्धित उद्योग प्रवर्धनको समेत प्रचुर संभावना रहेको छ

७.२.४. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना

७.२.४.१. सोच

चुरेको आधार दिगो र सन्तुलित जलाधार

७.२.४.२. लक्ष्य

जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र व्यवस्थित संरक्षण गरि चुरे बचाउ अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।

७.२.४.३. उद्देश्य

१. चुरे क्षेत्रमा रहेका जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण गर्ने ।

२. जलाधार संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता वृद्धि गर्ने ।

३. जलश्रोतको प्रभावकारी उपयोग र जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण गर्ने ।

७.२.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: चुरे क्षेत्रमा भएका जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण गर्ने ।	
१.१ चुरेमा भएका पानीका श्रोतहरुको अध्ययन गरि श्रोत पहिचान गर्ने ।	१.१.१ अध्ययन टोली परिचालन गरिनेछ । १.१.२ समुदायलाई चुरेका बारेमा सचेतना दिइनेछ । १.१.३ पानीका श्रोत खानेपानी र सिंचाईमा प्रयोग गरिनेछ । १.१.४ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइने छ । १.१.५ चुरे क्षेत्रमा पशुचौपाया प्रवेश निषेध र चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.६ बृक्षारोपण र तारवार गरी गाउँपालिका क्षेत्रभित्रका जलाधार संरक्षण गर्ने तथा पानी भकारी निर्माणका लागि आवश्यक योजना संञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: जलाधार संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता वृद्धि गर्ने ।	
२.१ चुरे दोहन नियन्त्रण कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमा लागु गर्ने ।	२.१.१ जल उपभोक्ता समिति गठन र क्रियाशिल गराइनेछ । २.१.२ वन उपभोक्ता समिति र उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ । २.१.३ स्थानीयलाई वनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: जलस्रोतको प्रभावकारी उपयोग र जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण गर्ने ।	
३.१ जलश्रोतको प्रभावकारी उपयोगका लागि संभाव्य योजनाहरुको अध्ययन, लगानी र प्रकोप नियन्त्रणका उपायहरु अवलम्बन गर्ने ।	३.१.१ बाग्मती, मरिण अन्य ससाना खोलाबाट हुने सक्ने सिंचाई, खानेपानी र विद्‍युत विकासका आयोजनाहरु बारेमा अध्ययन गरिनेछ । ३.१.२ नदी कटान नियन्त्रण र तटबन्ध निर्माणका लागि सरकारी गैसससँग सहकार्य गरिनेछ । ३.१.३ नदीजन्य प्रकोप न्यूनीकरणका लागि साइरन जडित सूचना प्रणालीको विकास गरिनेछ । ३.१.४ नदिजन्य सामाग्रीमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिईनेछ । ३.१.५ जोखिम क्षेत्रका बस्ती र समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गरिनेछ । ३.१.६ जोखिम क्षेत्रको नक्सांकन गरि जोखिमको आधारमा कार्यक्रम तय गरिनेछ ।

७.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू		सहकार्य गर्ने निकाय				
			संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	वायो इन्जिनियरिङ्द्वारा खोला किनारा संरक्षण		√	√	√		
२.	ठूला तथा ऐनले तोकेका सबै आयोजनाहरु संचालन पूर्व BES, IEE, EIA गराउने र सो नगरिएका आयोजनालाई अनुमति नदिइने नीति र अनुगमन गर्ने		√	√	√	√	
३.	चुरे र अन्य क्षेत्रमा रहेका पानीका स्रोत पहिचान गर्ने ।			√	√		
४.	नदीहरुबाट सिंचाई कुलो, नहर निर्माण गर्ने ।		√	√	√		
५.	गा.पा.का सबै नदी खोला, खोल्सीहरुको क्षेत्र तोक्ने र अतिक्रम हुन नदिने ।		√	√	√		
६.	विस्थापित आहाल तथा पोखरी पुननिर्माण			√	√		√
७.	ताल तलैया, पोखरी तथा जलाधार संरक्षण			√	√	√	√
८.	सिमसार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण		√	√	√		
९.	चुरे व्यवस्थापनमा गै.स.स.को परिचालन गर्ने ।				√	√	√
१०.	तटबन्ध निर्माणका लागि प्रदेश र संघसँग सहकार्य गर्ने		√	√	√		
११.	जलप्रकोपबाट जनतालाई बचाउन नदीहरुमा साइरन जडान गर्ने ।		√	√	√		
१२.	नदीजन्य उद्योग स्थापनामा अनुदानको व्यवस्था गर्ने ।		√	√	√	√	

७.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजना अवधिमा पानी मुहान क्षेत्र, तालतलैया र सिमसार क्षेत्र संरक्षित, प्रकोप नियन्त्रणका कार्यहरू नियमित रूपमा सञ्चालन तथा सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित वस्तीको व्यवस्थापन तथा अयोग्य वस्ती स्थान्तरण भएको हुनेछ ।

७.३. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

७.३.१. पृष्ठभूमि

अत्यन्तै दुर्गम क्षेत्रमा रुपमा रहेको यो पालिका धरान हेटौडा सडकको निर्माणले सुगमतामा परिणत हुने क्रममा रहेको छ । यस सडक खण्डले पालिकाका वडा नं १, २, ३, ४, ५ लाई छुँदै जाने भएकेले सो वडाका बसिन्दाहरुलाई हेटौडा र सिन्धुली जानको लागि सहज देखिन्छ । भर्खरै मात्र ग्रामीण परिवेशबाट सहरी परिवेशमा उन्मूख रहँदै गर्दा यस पालिकाका केही मुख्य बजार महेन्द्रझ्याडी, रतनपुर, झनझने बजार, गुर्जि लगाएतका सडक छेउका बस्तीहरुमा फोहोर मैलाको व्यवस्थापन नभएको देखिन्छ । हाल फोहोरलाई खासै महत्व नदिएको देखिन्छ । विस्तारै सहरीकरण हुने क्रम जारी रहेकोले अहिले नै फोहोर व्यवस्थापनका कदमहरु चाल्नु पर्नेछ तर त्यसो हुन सकिरहेको छैन ।

७.३.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाले हालसम्म कुनै पनि ल्यान्डफिल साइट तथा फोहर संकलन केन्द्रहरु, फोहर संकलनको व्यवस्थापन गरिएको छैन् । यहाँका मानिसहरुमा कुहिने, नकुहिने फोहर छुट्याउने, पुनः प्रयोग गर्ने र फोहर निश्चित ठाँउमा फाल्ने कुराको सचेतनाको अभाव छ । फोहरहरु खोला तथा वन क्षेत्रमा यत्रतत्र फाल्ने प्रवृति बढी देखिन्छ । प्लास्टिकजन्य फोहरलाई नियन्त्रण गर्ने र पुनः प्रयोग गर्न मिल्ने फोहरलाई प्रयोग गरेमा पनि फोहरको मात्रा निकै कम हुन्छ । वातावरणीय हिसावले अतिसंवेदनशिल क्षेत्रहरुको पहिचान र पहिचान गरिएका क्षेत्रहरुको समेत संरक्षण गर्नु नसक्नु मुख्य समस्याको रुपमा रहेको छ ।

७.३.३. संभावना तथा अवसर

आवादी क्षेत्रभन्दा वनको क्षेत्र धेरै भएकोले गाउँपालिकामा हरियाली प्रवर्द्धनमा धेरै ठूलो धनराशी खर्च गरिरहनु पर्ने छैन । भएको वन क्षेत्रलाई यथावत राख्ने र खाली जमिनमा बोटविरुवाहरु रोप्ने, संरक्षण गर्ने, सचेतना र जनतामा जागरुकता सृजना गर्न सके वातावरण र फोहोरमैला व्यवस्थापनको क्षेत्रमा निकै काम हुने देखिन्छ । भरखरै सडकको पहुँच पुगेको र सहरीकरण विस्तार भई नसकेकोले तत्कालै फोहोर नियन्त्रणका योजनाबद्ध कार्यहरु गरेमा फोहोर मैला व्यवस्थित गर्न र फोहोर मैलाको व्यवस्थापनको लागि सार्वजनिक जमिनको समेत उपलब्धताले अरुमा भर पर्नु पर्ने अवस्था छैन ।

७.३.४. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना

७.३.४.१. सोच

स्वच्छ वातावरण, सुन्दर हरिहरपुरगढी

७.३.४.२. लक्ष्य

हरियाली प्रवर्धन र व्यवस्थित फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि योजनाबद्ध कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

७.३.४.३. उद्देश्य

१. वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्धन गतिविधि सञ्चालन गर्ने ।

२. फोहोर मैलाको व्यवस्थित व्यवस्थापनको लागि उपायहरु पहिचान गर्ने ।

७.३.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्धन गतिविधि सञ्चालन गर्ने ।	
१.१ हरियाली प्रवर्धनका लागि खालि जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो र नदी कटान रोकथाम गर्ने ।	१.१.१ समुदायमा हस्तान्तरण भएका सामुदायक कबुलियत र धार्मिक वन उपभोक्ताहरुको सहभागितामा प्रवर्धन गर्ने कार्यक्रमहरु तय गरिनेछ । १.१.२ वातावरणलाई कायम राख्न वातावरणीय अध्ययनलाई प्रभावकारी बनाउँदै लगिनेछ । १.१.३ आम जनतालाई वातावरण प्रति सचेत र उत्तरदायि बनाउन तालिम प्रशिक्षणको व्यवस्था गरिनेछ । १.१.४ हरियाली प्रवर्धन र पानीका श्रोत बीचको अन्तर सम्बन्ध बारे नागरिकलाई सचेत गराइनेछ । जनसहभागितामा आधारित कार्यक्रमहरुलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.१.५ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइनेछ । १.१.६ वन उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ । वन क्षेत्रमा पशुचौपाय प्रवेश निषेध र चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.७ स्थानीयलाई वनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: फोहोर मैलाको व्यवस्थित व्यवस्थपनको लागि उपायहरु पहिचान गर्ने ।	

रणनीति	कार्यनीति
२.१ श्रोतमै फोहोरको बर्गिकरण गर्न र जथाभावि फोहोर नफाल्न सबैलाई सचेत गर्ने ।	२.१.१ समुदायलाई समुह गठन गरी फोहोर मैला व्यवस्थापनका लागि परिचालन गरिनेछ । २.१.२ फोहोर छुट्टाउन समुह गठन समुहका नेतालाई तालिम र नेता मार्फत अरु सदस्यलाई तालिम दिइनेछ । २.१.३ पुनः प्रयोग गर्न सकिने फोहोरबाट घरेलु प्रयोजनका सामाग्री उत्पादन सिप विकास गरिनेछ । २.१.४ फोहोर मैला व्यवस्थापनको लागि फोहोर डम्पिङ्ग साइटको खोजी गरिनेछ । २.१.५ साझेदार संस्थाहरुसँगको सहकार्यमा प्लाष्टिकजन्य बस्तु वातावरणीय दृष्टीकोणमा हानीकारक भएको सचेत गराउँदै विकल्पमा कपडा वा कागजका झोला बनाउने प्रोत्साहन गरिनेछ ।

७.३.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	बृक्षारोपण कार्यक्रम संचालन गर्ने		√	√	√	√
२.	सुधारिएको चल्हो निर्माण अनुदान	√	√	√		
३.	पर्या पर्यटनको प्रवर्धन कार्यक्रम	√	√	√	√	
४.	वायोग्यास प्रवर्धन	√	√	√	√	
५.	सार्वजनिक भवनहरुमा सौर्य उर्जा जडान	√	√	√		
६.	सडक तथा बाटोमा सौर्य बत्ती जडान	√	√	√		
७.	फोहर मैला संकलनको शुरुवात गर्ने			√		
८.	विद्यालय तथा टोल, बस्ती, समुदाय तथा वडा सरसफाई कार्यक्रम			√	√	√
९.	बजार क्षेत्रभित्र होटल व्यवसाय, तरकारीजन्य व्यवसाय तथा मासुजन्य व्यवसायहरूलाई स्वस्थकर र सरसफाईयूक्त बनाउन आवश्यक तालिम प्रदान गर्ने			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१०.	फोहर मैला प्रशोधन केन्द्र निर्माण	√	√		√	
११.	फोहरलाई श्रोतमै छुट्याउने कार्यक्रम			√	√	
१२.	फोहरको पुनः प्रयोग सम्बन्धि सचेतना तथा जागरण कार्यक्रम			√	√	
१३.	फोहरबाट मल र ग्याँस बनाउने प्रविधि अध्ययन र उपयोग	√	√	√	√	
१४.	फोहोर व्यवस्थापनका लागि संभाव्यता अध्ययन		√	√		

७.३.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा खालि जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो नियन्त्रण, श्रोतमा नै फोहोर वर्गीकरण, नियमित सरसफाईको अभ्यास भएको हुनेछ ।

७.४. वन तथा जैविक विविधता

७.४.१. पृष्ठभूमि

नेपालको कुल क्षेत्रफलको ४४.७४ प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकेको छ। पर्यावरणीय सन्तुलनका दृष्टिकोणले कुल जमिनको ४० प्रतिशत जमिन वन क्षेत्रले ढाकिएको हुनुपर्दछ । हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ५३.४७ वर्ग कि.मी. मध्ये करिब २१.३ % वन तथा घाँसेमैदान ले ढाकेको छ । गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक वनहरु स्थानीय वन उपभोक्ता समुहद्धारा संरक्षण तथा व्यवस्थापन हुदै आइरहेका छन् । हाल गाउँपालिकामा २२ सामुदायिक रहेका छन् जसले करिव १३४५ हेक्टर वन क्षेत्र ओगटेको छ । यि २२ वटा सामुदायिक वनमा २२९३ परिवार आवद्ध रहेको देखिन्छ । यी समुहले वनको संरक्षण लागि वृक्षारोपण गर्ने , आगलागिबाट बचाउन अग्निरेखा निर्माण गर्ने, समुहका सदस्यहरुबीच बचत तथा ऋण लगानी गर्ने तथा घास, दाउरा, काठ, स्याउला, पत्कर, जडिबुटी, चरिचरन आदिको प्रयोग गरिरहेका छन् ।

यस पालिकामा हुने काष्ठजन्य बिरूवाहरूमा साल, खैर, सिसौ, साज, बोटधयेरो, बाँजी, चिलाउने, कटुस, अस्ना आदि छन् भने गैर काष्ठजन्य बिरूवाहरूमा अमला, बोझो, हर्रो, बर्रो, गुर्जो, कुरिलो, भोर्ला, बावियो, गुराँस आदि पर्दछन् । यसै गरी यहाँ पाइने जनावरहरूमा चितुवा, स्याल, भालु, बाँदर, लंगुर, खरायो आदि पर्दछन भने ५० प्रजातिका चराहरू पाईन्छ । यस पालिकामा ७० वटा सामुदायिक वन रहेका छन् ।भूउपयोग योजना २०७६ अनुसार यो गाउँपालिका क्षेत्रको लगभग ७५.३ % वनजंगलले ओगटेको छ र त्यसलाई वन क्षेत्रको रूपमा नै राखिएको छ । सबै झाडिहरू र खुला बन्जर जमिन वन क्षेत्रमा समावेश गरिएको छ ।

७.४.२. समस्या तथा चुनौती

वन जंगलको फडानी, अतिक्रमण, प्राविधिक अध्ययन बिनानै जथाभावी सडक खन्ने कार्य गर्नाले पहिरो तथा भूक्षयको जोखिम, मापदण्ड विपरित अनियन्त्रित मानविय गतिविधिहरुका कारण बाढीको जोखिम दिनुदिन बढ्दै गएको छ । वनको उचित व्यवस्थापनको अभावले सामाजिक, आर्थिक र वातावरणीय फाइदाहरु लिन सकिएको छैन । वन क्षेत्रको अतिक्रमण हुने क्रम जारी रहेको छ । अनावश्यक झाडी फैलिएकाले काष्ठजन्य बोटविरुवाहरु नास भईरहेका छन् ।

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका बासीहरुमा वातावरण प्रति न्यून चासो र योजना तथा प्रभावकारी वन व्यवस्थापन हुन नसक्दा वनबाट वातावरणीय तथा आर्थिक फाइदाहरु लिन सकिएको छैन । अहिले मानिसहरुलाई वनको फाइदाबारे चेतना नभएर जथाभावी वन कटान गर्ने, वृक्षारोपण नगर्ने, वन संरक्षण नगर्ने, जथाभावी जनावरहरु छोड्ने गरेका छन् । पहिरो, नदी कटान र डडेलोको कारण वन विनास भईरहेको छ । वन अतिक्रमण, काठको चोरी निकासीले र अन्य क्षेत्रमा दिनानुदिन बंजर भईरहेको छ । वनको अत्यधिक दोहनका कारण वन विनास र विपद् दुवै साथमा आउने र आईरहेको छ । वन संरक्षणको लागि दिगो तथा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ जसमा झाडी सुधार गर्ने, उन्नत जातको विरुवाको वृक्षारोपण गर्ने, वातावरमैत्री फलफूल खेती, जनावरहरुलाई वन प्रवेश निशेष गर्ने र प्रयोगमा नआउने बोटविरुवालाई फडानी गर्ने कार्यहरु पर्दछ । कतिपय सामुदायिक वनहरु अकाष्ठ बोट विरुवाहरुले ढाकेको छ । अनावश्यक झाडीले बोटविरुवाहरुलाई असर गरिरहेको छ । वन विनासले पानीका मूलहरु सुकिरहेका छन् । डढेलो, भूक्षयले पनि वन विनास भइरहेको छ त्यसैले डढेलो, भू–क्षय नियन्त्रणको उपायहरु खोज्न आवश्यक छ । यसैगरी, वनको अध्ययन गरेर भौगोलिकता अनुसार आयआर्जन हुने वन पैदावर रोपेर वनलाई आर्थिक स्रोतको रुपमा प्रयोग गर्न सक्नुपर्दछ ।

वन्यजन्तुको चोरी शिकारी बढ्दो र वन्यजन्तुले नष्ट गरेको बालीको क्षतिपूर्तिको व्यवस्था कुनै पक्षबाट भएको छैन । वन्यजन्तुहरुको नियन्त्रण गर्न आवश्यक देखिएको छ । वन्यजन्तुको नियन्त्रण गर्ने भरपर्दो उपायको खोजी नगरी कृषिमा व्यवसायिकरणको नारा र लगानीले सार्थकता पाउँदैन् ।

७.४.३. संभावना तथा अवसर

वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न सके वन्यजन्य उद्योगको स्थापना, रोजगारी स्थापना, वन फलफूल बगैचाका संभावनाहरु रहेका छन् । वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनले पुराना उमेर पुगेका रुखहरुको कटानी गरी काष्ठजन्य उत्पादन विक्री वितरण गरी आयआर्जन गर्न सकिन्छ भने नयाँ विरुवाको लागि सहज हुन्छ । राम्रा खालका काठहरुको उपलब्धता हुने वनहरु भएकाले आम्दानीको स्रोत हुन जान्छ । वनका कतिय क्षेत्रहरु खाली परेका छन् जहाँ कृषि, जडिबुठि लगाएत खेत गर्न सकिन्छ । वनजंगलले स्वच्छ हावापानी घाँस, दाउरा, काठ, पानीका श्रोत बचाउन मद्दत गरेको छ । वन जंगलले भूक्ष्य तथा बाढी पहिरो नियन्त्रणमा सहयोग पुर्याएको छ । वन जंगलमा जडिवुटि खेती गर्न सकिन्छ । हरियो वन नेपालको धन भने झै वन हरिहरपुरगढी को धन नै हो । यसको सहि सदुपयोग गर्नु पर्ने हुन्छ ।

कार्य योजना बनाएर सम्पदा संरक्षण, आय आर्जन, अध्ययन, अनुसन्धान जस्ता कार्य गर्न सकिनेछ । सामुदायिक वनलाई विशेष प्रकारका बालीहरुको परीक्षण उत्पादन, गुणस्तर मापन, लाभ, लागत, विश्लेषण गर्ने कार्यको प्रयोगशालाको रुपमा विकास गरी कृषिका सफल नमूनाहरु विकास गर्न सकिने अवस्था छ ।

अधिकांश वनहरु समुदायलाई हस्तान्तरण हुनु, सामुदायिक वनहरु आफ्नो वार्षिक कार्ययोजना बनाउन सक्ने हुँदै जानु, वनजन्य उत्पादनको बजार प्रवद्र्धन हुने क्रम बढ्नु, सा.व.उ.स. (कार्यसमिति) मा दलित र महिलाको सहभागिता बढ्दै जानु, वन व्यवस्थापन तालिमको व्यवस्था हुनु, बाटो घाटोको सुविधाले वनजन्य उद्योगको स्थापना हुने क्रम बढ्नु वन क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । वनपैदावारको चोरी निकासी नियन्त्रण गर्नु, वर्तमान वन क्षेत्रफल विस्तार गर्नु, नदी कटान नियन्त्रण गर्नु, वन सम्पदाको पूर्ण सदुपयोग गर्नु, वन आधारित रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु र वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन व्यवहारमा कार्यान्वयन गर्नु वन क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरु हुन् ।

वन र चरन क्षेत्रहरु भएकोले पशुपालन ठूलो संभावना र वन क्षेत्र प्रर्याप्त भएकोले व्यवस्थापकीय पक्ष सुधार गरी वनजन्य उत्पादनको तिव्र विकास गर्न सकिने संभावना रहेको छ ।

७.४.४. वन तथा जैविक विविधता संरक्षण योजना

गापाको वन तथा वातावरण क्षेत्रको विस्तृत अध्ययन, विश्लेषण, समस्या तथा सम्भावनाहरुको पहिचान गरे पश्चात् वन, वातावरण तथा जैविक विविधताको दिर्घकालिन, दिगो र सन्तुलित विकासका लागि निम्नानुसारका सोच, लक्ष्य, उद्देश्यहरुको तय गरिएको छ ।

७.४.४.१. सोच

"दीगो, सन्तुलित, उत्पादनशिल वन र जैविक विविधता"

७.४.४.२. लक्ष्य

"प्रभावकारी वन व्यवस्थापन गरी वनजन्य उत्पादनको उपयोगबाट आम जनताको आयस्तरमा बृद्धि साथै जैविक विविधता बारे आम जनताहरु सचेत हुनेछन्"

७.४.४.३. उद्देश्य

१. वन र वनको महत्व बारे आम मानिसलाई सचेतना अभिबृद्दि गरी वन संरक्षणमा सहभागि हुन उत्प्रेरित गर्ने ।
२. प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यामद्धारा वन उपभोक्ताको आयस्रोत बृद्धि गर्ने ।
३. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने ।

७.४.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वन र वनको महत्व बारे आम मानिसलाई सचेतना अभिबृद्दि गरी वन संरक्षणमा सहभागि हुन उत्प्रेरित गर्ने ।	
१.१ वनको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।	१.१.१ वन व्यवस्थापनका लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्थाहरु तय गरिनेछ । १.१.२ अनावश्यक झाडीको फडानी गरिनेछ । १.१.३ उपयोगी वोटविरुवकाको संरक्षण, उपयोग, र बृक्षारोपण गरिनेछ । १.१.४ अन्तर खेतीको कार्यक्रम लागु गरिनेछ । १.१.५ काष्ठजन्य उद्योगको स्थापना र रोजगारीका अवसर सृजना गरिनेछ । १.१.६ वनमा चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.७ वन उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ ।
उद्देश्य २: प्रभावकारी वन व्यवस्थापनको माध्यामद्धारा वन उपभोक्ताको आयश्रोत बृद्धि गर्ने ।	
२.१ विपन्न तथा निम्न आय स्तरका जनताको सामुदायीक वनमा आवद्धता वृद्धि गर्ने ।	२.१.१ विपन्नलाई खाली जमिनमा खेती गर्न दिइनेछ । २.१.२ वनमा फलफूल, जडिबुटि खेतीको संभावना बारे खोज तथा स्थानीयलाई सचेत गराइनेछ । २.१.३ वन व्यवस्थापनमा विपन्न र निम्न आयका मानिसहरुको सहभागिता बढाईनेछ ।
२.२ वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास गरिनेछ ।	२.२.१ भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्दा वातावरण अध्ययनलाई अनिवार्य र कडाइ गरिनेछ । २.२.२ वनमा घरेलु जनावरहरुको प्रवेश निषेध गरिनेछ । २.२.३ नदी कटान र भूक्षयलाई नियन्त्रण गरिनेछ । २.२.४ दिगो विकास र पर्यावरण बारे सचेतना फैलाउने कार्यक्रम तय गरिनेछ । २.२.५ मानिस र वन्यजन्तु वीचको द्धन्द्ध निरारकण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
२.३ फलफूल तथा जडिवटी वन विकास कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।	२.३.१ निश्चित मापदण्ड बनाई फलफूल, जडिबुटि खेती गर्न सकिने भएकोले संभाव्यता अध्ययन गरी कार्य प्रारम्भ गरिनेछ । २.३.२ वनमा फलफूल खेती गर्नेलाई अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । २.३.३ वनमा खेती गर्न सकिने फलफूल बारे अध्ययन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्ने।	
३.१ जैविक विविधताको उपयोग र महत्व बारे आम समुदायलाई सुसुचित गरिनेछ ।	३.१.१ वनमा जडिबुटि खेतीको थालनी गरिनेछ । ३.१.२ जडिबुटि प्रशोधन उद्योगलाई प्राथमिकता दिईनेछ । ३.१.३ जैविक विविधता बारे सचेतना कार्यक्रम वडा वडामा सञ्चानल गरिनेछ । ३.१.४ जैविक विविधता सम्बन्धि काम गर्ने गैससहरुसँग समन्वय गरिनेछ । ३.१.५ जैविक विविधता क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण योजना बनाइनेछ ।

७.४.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	वन्यजन्तु तथा वनजन्य सामाग्रीको चोरी शिकारी नियन्त्रण (कानुनी जनचेतना तथा वन सुरक्षा)	√	√	√		
२.	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरुको वन कार्ययोजना तयारी तथा परिमार्जन र अद्यावधि		√	√		
३.	सम्पूर्ण सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरुको निरन्तर अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण र तालिम			√		
४.	गापाको दिगो वन कार्ययोजना			√		
५.	दिगो वन व्यवस्थापनका लागि लेखा तालिम			√	√	√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
६.	वन जङ्गल व्यवस्थापन (आवधिक रुख कटान तथा झाडी तथा पतझड सरसफाई)	√	√	√		
७.	डाले घाँस बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
८.	बाँदर तथा जङ्गली जन्तु नियन्त्रण कार्यक्रम		√	√	√	
९.	खुल्ला क्षेत्रमा बहु प्रजातिका बोट विरुवाहरुको वृक्षारोपण		√	√		√
१०.	उत्कृष्ट सामुदायिक वनलाई पुरस्कार (नमुना वन पुरस्कार)			√		√
११.	खाली रहेका बाझौँ जमिनमा निजी वनको विकास तथा वन सम्बन्धी तालिम (वृक्षारोपण अनुदान)			√	√	√
१२.	विपन्न तथा निम्न आय श्रोत भएका मानिसहरुको वन व्यवस्थापनमा आवद्धता र विशेष कार्यक्रम		√	√	√	
१३.	बहु उद्देश्यीय नर्सरी स्थापना (गाउँपालिका स्तर)		√	√	√	√
१४.	एक वडा एक नर्सरी निर्माण			√	√	√
१५.	फलफूल वनको विकास अध्ययन र शुरुवात			√	√	√
१६.	वन जङ्गल आगोलागी विरुद्घ प्रचार प्रसार तथा अभियान सञ्चालन			√	√	√
१७.	जङ्गलमा उचित तरिकाले वर्षातको पानी संकलन हुने पोखरीहरु निर्माण			√	√	
१८.	वन्यजन्तु र मानिसको सहअस्तित्व बारे सचेतना			√	√	√
१९.	जडिबुटी तथा फलफूल बिरुवा उत्पादन तथा वितरण			√	√	√
२०.	लोपोन्मुख प्रजातिका बोट विरुवा पहिचान तथा संरक्षण	√	√	√	√	

७.४.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा वन क्षेत्र, जलाधार संरक्षित तथा व्यवस्थित, जैविक विविधता क्षेत्रको संरक्षण, जडीबुटी खेती तथ प्रशोधन, फलफूल तथा जडिवुटी वन विकास तथा वनको दिगो र पर्यावरणमैत्री विकास भएको हुनेछ ।

७.५. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

७.५.१. पृष्ठभूमि

जलाधार संरक्षण र व्यवस्थापन पक्ष गाउँपालिकाको लागि समस्याको रुपमा रहेको छ । एकातर्फ वनको दोहनका कारण पानीका श्रोतहरु मासिन्दै गएका छन् भने अर्को तर्फ सचेतनाको अभावले मानिसहरुमा फोहर सिधैं खोलामा फाल्ने प्रवृति बढ्दो छ । त्यसैगरी, पशुपालन जस्तैः बंगुरपालनबाट निस्किएको फोहर पानी खोलामा फाल्दा पनि जल प्रदुषण भैरहेको छ । यस्तो प्रदुषणबाट खानेपानीको मुहानहरुलाई जोगाउन अत्यन्तै जरुरी छ । मुहान संरक्षणको लागि योजना तुरुन्तै बनाउन आवश्यक छ । नदीनाला तथा खोलाहरुबाट ढुंगा, बालुवा निकाल्ने प्रचलन अधिकतम छ । नदीबाट निकाल्न मिल्ने क्षमताभन्दा बढी मात्रामा ढुंगा तथा बालुवाहरु निकालिरहँदा प्राकृतिक जोखिम बढिरहेको छ । यसको असरले नदी नालाको बहाव परिवर्तन हुने, नदी कटानको समस्या हुने, पानीका मूल सुक्ने, सिंचाई तथा कुलोका मुहानहरु सर्ने लगायतका समस्याहरु देखा परिरहेका छन् । नदीनालाहरुको बहाव क्षेत्र यकिन नगरिंदा नदीनालाहरुको बहाव क्षेत्र अतिक्रमण भई रहेको छ । तादी, लिखु, गाडे, राज खोलाहरु मुख्य रुपमा रहेका छन् ।

७.५.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाको सबै भागमा यातायात सुविधा पुर्याउन नसक्नुमा मुख्यत खोला नाला र पहाडि भूबनोटको समस्या पनि देखिन्छ । तादी, लिखु, गाडे, राज खोलाहरु मुख्य रुपमा रहेका छन् ।यि खोलाहरुले खेती योग्य जमिन कटान तथा बस्ती कटान लगाएतका समस्याहरु रहेका छन् । भएका नदीबाट खेती योग्य जमिनमा सिंचाई गर्न सकिएको छैन् । पानीका श्रोतहरु जतातत्तै भएपनि व्यवस्थापन पक्ष कमजोर भएकोले खानेपानी सिंचाईको भने दुख देखिन्छ । नदीनाला डाँडाको फेदीमा र खेती योग्य जमिन भिरालो तथा उच्च भागमा भएकोले सिंचाई कुलो बनाउन समस्या र लिफ्टिङ्ग प्रणालीलाई धान्न समस्या पर्ने भएकोले नदी खोलामा पानी बग्ने र खेतीपातीको लागि आकासे पानीको भर पर्नु पर्ने समस्या रहेको छ । यो समस्या समाधानको लागि बृहत योजनाको खाँचो पर्ने जुन गाउँपालिकाको बजेट, क्षमताले नभ्याउने भएकोले लगानी जुटाउने वा संघ तथा प्रदेश सरकारलाई समन्वय गरी योजना कार्यान्वयमा ल्याउन निकै चुनौतीपूर्ण देखिन्छ । नदीहरु वा पानीको उपयोग गर्न सकिएको छैन । कतिपय स्थानहरुमा नदीहरुको कारण गाउँपालिकाले करोडौ क्षती र नदी कटानले बस्ती खेतीपाती डुवान भई टाउको दुखाइ भएको छ ।

७.५.३. संभावना तथा अवसर

पानीको श्रोतका हिसावले गाउँपालिका निकै धनी छ । पानीको उपयोग गरी एकातर्फ सिंचाईको प्रचुर संभावन छ भने विधुत उत्पादन, मनोरञ्जनात्मक स्थलहरुको निर्माण गर्न सकिने संभावना छ । नदीमा बगेर आएका नदिजन्य सामाग्रीको उपयोगबाट निर्माण सामाग्री उत्पादन र सोसँग सम्बन्धित उद्योग प्रवर्द्धनको समेत प्रचुर संभावना रहेको छ ।खानेपानी, सिंचाई, जलविधुत जस्ता परियोजनाको लागि प्रसस्त पानी हुनु अवसर हो ।

पानीको उपयोगबाट गाउँपालिकाले निकै राजश्व संकलन गर्न सक्न संभावना छ । यसका लागि बृहत योजना सञ्चालन गर्न संघ सरकारसँग समन्वयको अवसर र संभावना रहेको देखिन्छ ।

७.५.४. भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन योजना

७.५.४.१. सोच

जनश्रोतको दिगो र प्रभावकारी उपयोग आर्थिक सम्मृद्दीको भरपर्दो आधार

७.५.४.२. लक्ष्य

जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र व्यवस्थित संरक्षण गर्न जलाधार बचाउ अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।

७.५.४.३. उद्देश्य

१. जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण गर्ने ।

२. जलाधार संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता बृद्दि गर्ने ।

३. जलश्रोतको प्रभावकारि उपयोग र जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण गर्ने ।

७.५.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण गर्ने ।	
१.१ पालिकभित्रका जलाधार क्षेत्र र पानीका श्रोतहरुको अध्ययन गरि श्रोत पहिचान गर्ने ।	१.१.१ अध्ययन टोली परिचालन गरिनेछ । १.१.२ समुदायलाई जलाधार र यसको महत्वका बारेमा सचेतना दिइनेछ । १.१.३ पानीका श्रोत खानेपानी, सिंचाई र विद्युत विकासमा प्रयोग गरिनेछ । १.१.४ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइने छ । १.१.५ जथाभावी पशुचौपाय प्रवेश निषेध र चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.६ बृक्षारोपण र तारवार गरी गाउँपालिका क्षेत्रभित्रका जलाधार संरक्षण गर्ने तथा पानी भकारी निर्माणका लागि आवश्यक योजना संञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: जलाधार संरक्षण र व्यवस्थापनमा स्थानीयको सहभागिता बृद्दि गर्ने ।	

रणनीति	कार्यनीति
२.१ जनसहभागितामा आधारित जलाधार संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्ययोजना तय गर्ने ।	२.१.१ जल उपभोक्ता समिति गठन र क्रियाशिल गराइनेछ । २.१.२ वन उपभोक्ता समिति र उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ । २.१.३ स्थानीयलाई वनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य ३: जलश्रोतको प्रभावकारी उपयोग र जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण गर्ने ।	
३.१ जलश्रोतको प्रभावकारी उपयोगका लागि संभाव्य योजनाहरुको अध्ययन, लगानी र प्रकोप नियन्त्रणका उपायहरु अवलम्बन गर्ने ।	३.१.१ तादी, लिखु, गाडे, राज र अन्य ससाना खोलाबाट हुने सक्ने सिंचाई, खानेपानी र विद्‌युत विकासका आयोजनाहरु बारेमा अध्ययन गरिनेछ । ३.१.२ नदी कटान नियन्त्रण र तटबन्ध निर्माणका लागि सरकारी गैससँग सहकार्य गरिनेछ । ३.१.३ नदीजन्य प्रकोप न्यूनीकरणका लागि साइरन जडित सूचना प्रणालीको विकास गरिनेछ । ३.१.४ नदिजन्य सामाग्रीमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिईनेछ । ३.१.५ जोखिम क्षेत्रका बस्ती र समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गरिनेछ । ३.१.६ जोखिम क्षेत्रको नक्सांकन गरि जोखिमको आधारमा कार्यक्रम तय गरिनेछ ।

७.५.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू		सहकार्य गर्ने निकाय				
			संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	वायो इन्जिनियरिङद्वारा खोला किनारा संरक्षण		√	√	√		
२.	ठूला तथा ऐनले तोकेका सबै आयोजनाहरु संचालन पूर्व BES, IEE, EIA गराउने र सो नगरिएका आयोजनालाई अनुमति नदिइने नीति र अनुगमन गर्ने		√	√	√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू		सहकार्य गर्ने निकाय				
			संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
३.	पानीका स्रोत पहिचान गर्ने			√	√		
४.	नदीहरुबाट सिंचाई कुलो, नहर निर्माण गर्ने		√	√	√		
५.	गापाका सबै नदी खोला, खोल्सीहरुको क्षेत्र तोक्ने र अतिक्रम हुन नदिने		√	√	√		
६.	विस्थापित आहाल तथा पोखरी पुननिर्माण			√	√		√
७.	ताल तलैया, पोखरी तथा जलाधार संरक्षण			√	√	√	√
८.	सिमसार क्षेत्रहरुको पहिचान र संरक्षण		√	√	√		
९.	वन व्यवस्थापनमा गैससको परिचालन गर्ने				√	√	√
१०.	तटबन्ध निर्माणका लागि प्रदेश र संघसँग सहकार्य गर्ने		√	√	√		
११.	जलप्रकोपबाट जनतालाई बचाउन नदीहरुमा साइरन जडान गर्ने		√	√	√		
१२.	नदीजन्य उद्योग स्थापनामा अनुदानको व्यवस्था गर्ने		√	√	√	√	

७.५.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजना अवधिमा पानी मुहान क्षेत्र, तालतलैया र सिमसार क्षेत्र संरक्षित, प्रकोप नियन्त्रणका कार्यहरू नियमित रूपमा सञ्चालन तथा सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित वस्तीको व्यवस्थापन तथा अयोग्य वस्ती स्थान्तरण भएको हुनेछ ।

७.६. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

७.६.१. पृष्ठभूमि

भर्खरै मात्र ग्रामीण परिवेशबाट सहरी परिवेशमा उन्मूख रहँदै गर्दा यस गाउँपालिकाका केही मुख्य बजार बानियाटार, सहरेटार, बुढीसेरा, शिवालय, कुण्डलाका मुख्य बजारहरुमा फोहोरको मात्रा बढ्ने क्रम तिव्र रुपमा बढेको देखिन्छ । ग्रामीण परिवेश बढी क्षेत्र भएकोले यहाँको वातावरण स्वच्छ, सफा र आकर्षक रहेको छ । हरियाली, खेतीयोग्य फाँटहरु, रमणिय पहाड र हरिया वनले ज्यादै सुन्दर वातावरण रहेको छ । शहरी क्षेत्रमा जस्तो फोहोरमैलाको समस्या नै देखिन्दैन यद्यपी फोहोर मैलाको व्यवस्थापन तर्फ नसोचिएको अवस्था छ । फोहोर मैला दिनानुदिन बढीरहेको छ । कुहिने फोहोर भन्दा नकुहिने फोहोरको समस्या बढ्दो छ । यसले बालीनालीको उत्पादकत्व घटाउन, वातावरणलाई प्रदुषित गर्न र स्वच्छ वातावरणलाई चुनौती दिइरहेको छ ।सडक छेउका बजार र बस्तीहरुमा फोहोर मैलाको व्यवस्थापन नभएको देखिन्छ । हालसम्म फोहोरलाई खासै महत्व नदिएको देखिन्छ । विस्तारै सहरीकरण हुने क्रम जारी रहेकोले अहिले नै फोहोर व्यवस्थापनका कदमहरु चाल्नु पर्नेछ तर त्यसो हुन सकिरहेको छैन ।

७.६.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाले हालसम्म कुनै पनि ल्यान्डफिल साइट तथा फोहर संकलन केन्द्रहरु, फोहर संकलनको व्यवस्थापन गरिएको छैन् । यहाँका मानिसहरुमा कुहिने, नकुहिने फोहर छुट्याउने, पुनः प्रयोग गर्ने र फोहर निश्चित ठाँउमा फाल्ने कुराको सचेतनाको अभाव छ । फोहरहरु खोला तथा वन क्षेत्रमा यत्रतत्र फाल्ने प्रवृति बढी देखिन्छ । प्लास्टिकजन्य फोहरलाई नियन्त्रण गर्ने र पुनः प्रयोग गर्न मिल्ने फोहरलाई प्रयोग गरेमा पनि फोहरको मात्रा निकै कम हुन्छ । वातावरणीय हिसावले अतिसंवेदनशिल क्षेत्रहरुको पहिचान र पहिचान गरिएका क्षेत्रहरुको समेत संरक्षण गर्नु नसक्नु मुख्य समस्याको रुपमा रहेको छ ।

७.६.३. संभावना तथा अवसर

आवादी क्षेत्रभन्दा वनको क्षेत्र धेरै भएकोले गाउँपालिकामा हरियाली प्रवर्द्धनमा धेरै ठूलो धनराशी खर्च गरिरहनु पर्ने छैन । भएको वन क्षेत्रलाई यथावत राख्ने र खाली जमिनमा बोटविरुवाहरु रोप्ने, संरक्षण गर्ने, सचेतना र जनतामा जागरुकता सृजना गर्न सके वातावरण र फोहोरमैला व्यवस्थापनको क्षेत्रमा निकै काम हुने देखिन्छ । भरखरै सडकको पहुँच पुगेको र सहरीकरण विस्तार भई नसकेकोले तत्कालै फोहोर नियन्त्रणका योजनाबद्ध कार्यहरु गरेमा फोहोर मैला व्यवस्थित गर्न र फोहोर मैलाको व्यवस्थापनको लागि सार्वजनिक जमिनको समेत उपलब्धताले अरुमा भर पर्नु पर्ने अवस्था छैन ।

७.६.४. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन योजना

७.६.४.१. सोच

स्वच्छ वातावरण, सुन्दर हरिहरपुरगढी

७.६.४.२. लक्ष्य

हरियाली प्रवर्द्धन र व्यवस्थित फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि योजना वद्ध कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

७.६.४.३. उद्देश्य

३. वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्द्धन गतिविधि सञ्चालन गर्नु

४. फोहोर मैलाको व्यवस्थित व्यवस्थपनको लागि उपायहरु पहिचान गर्नु

७.६.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: वातावरण संरक्षणका लागि हरियाली प्रवर्द्धन गतिविधि सञ्चालन गर्ने ।	
१.१ हरियाली प्रवर्द्धनका लागि खालि जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो र नदी कटान रोकथाम गर्ने ।	१.१.१ समुदायमा हस्तान्तरण भएका सामुदायक कबुलियत र धार्मिक वन उपभोक्ताहरुको सहभागितामा प्रवर्द्धन गर्ने कार्यक्रमहरु तय गरिनेछ । १.१.२ वातावरणलाई कायम राख्न वातावरणीय अध्ययनलाई प्रभावकारी बनाउँदै लगिनेछ । १.१.३ आम जनतालाई वातावरण प्रति सचेत र उत्तरदायि बनाउन तालिम प्रशिक्षणको व्यवस्था गरिनेछ । १.१.४ हरियाली प्रवर्द्धन र पानीका श्रोत बीचको अन्तर सम्बन्ध बारे नागरिकलाई सचेत गराइनेछ । जनसहभागितामा आधारित कार्यक्रमहरुलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.१.५ साझेदारसँगको सहकार्यलाई जोड दिइने छ । १.१.६ वन उपभोक्ताहरुको सक्रियता बढाइनेछ । वन क्षेत्रमा पशुचौपाय प्रवेश निषेध र चरीचरणलाई प्रतिबन्ध लगाइनेछ । १.१.७ स्थानीयलाई वनबाट आम्दानी हुने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: फोहोर मैलाको व्यवस्थित व्यवस्थापनको लागि उपायहरु पहिचान गर्ने ।	
२.१ श्रोतमै फोहोरको बर्गिकरण गर्न र जथाभावि फोहोर नफाल्न सबैलाई सचेत गर्ने ।	२.१.१ समुदायलाई समुह गठन गरी फोहोर मैला व्यवस्थापनका लागि परिचालन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.२ फोहोर छुट्टाउन समुह गठन समुहका नेतालाई तालिम र नेता मार्फत अरु सदस्यलाई तालिम दिइनेछ । २.१.३ पुनः प्रयोग गर्न सकिने फोहोरबाट घरेलु प्रयोजनका सामाग्री उत्पादन सिप विकास गरिनेछ । २.१.४ फोहोर मैला व्यवस्थापनको लागि फोहोर डम्पिङ्ग साइटको खोजी गरिनेछ । २.१.५ साझेदार संस्थाहरुसँगको सहकार्यमा प्लाष्टिकजन्य बस्तु वातावरणीय दृष्टीकोणमा हानीकारक भएको सचेत गराउँदै विकल्पमा कपडा वा कागजका झोला बनाउने प्रोत्साहन गरिनेछ ।

७.६.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	बृक्षारोपण कार्यक्रम		√	√	√	√
२.	सुधारिएको चल्हो निर्माण अनुदान	√	√	√		
३.	पर्या पर्यटनको प्रवर्द्धन कार्यक्रम	√	√	√	√	
४.	वायोग्यास प्रवर्द्धन	√	√	√	√	
५.	सार्वजनिक भवनहरुमा सौर्य उर्जा जडान	√	√	√		
६.	सडक तथा बाटोमा सौर्य बत्ती जडान	√	√	√		
७.	फोहर मैला संकलनको शुरुवात गर्ने			√		
८.	विद्यालय तथा टोल, बस्ती, समुदाय तथा वडा सरसफाई कार्यक्रम			√	√	√
९.	फोहर मैला प्रशोधन केन्द्र निर्माण	√	√		√	
१०.	फोहरलाई श्रोतमै छुट्याउने कार्यक्रम			√	√	
११.	फोहरको पुनः प्रयोग सम्बन्धी सचेतना तथा जागरण कार्यक्रम			√	√	
१२.	फोहरबाट मल र ग्याँस बनाउने प्रविधि अध्ययन र उपयोग	√	√	√	√	

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१३.	फोहोर व्यवस्थापनका लागि संभाव्यता अध्ययन		√	√		

७.६.५. अपेक्षित उपलब्धि

योजना अवधिमा खालि जमिनमा बृक्षारोपण, भूक्षय, पहिरो नियन्त्रण, श्रोतमा नै फोहोर वर्गीकरण, नियमित सरसफाईको अभ्यास भएको हुनेछ ।

७.७. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन

७.७.१. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा प्राकृतिक प्रकोपका दृष्टीले जोखिमयुक्त स्थानहरू धेरै रहेका छन् । बाढी, पहिरो, आगलागी, हावाहुरी यहाँका प्रमुख प्राकृतिक प्रकोपहरू हुन । यस्ता प्रकोपको नियन्त्रणको लागि कुनै ठोस कदम चालिएको छैन । यद्यपी सडक छेउको पहिरो जोखिम क्षेत्रमा ग्याविन वाल बनाउने, सामुदायिक वनहरूमा अग्नी घेरा निर्माण गर्ने, सुकेका काठ तथा पत्कर सफा गर्ने, वृक्षारोपण गर्ने, नदि नियन्त्रण गर्ने जस्ता जोखिम न्यूनीकरणका प्रयास हुदै आइरहेका छन् ।

स्थानीयका अनुसार अन्य स्थानमा जस्तै यस बेमौसमी पानी पर्ने, बालीनाली पाक्ने समयमा परिवर्तन, फुल फुल्ने समयमा परिवर्तन, पानीका मुल सुक्दै जानु, नयाँ- नयाँ प्रजातिका फल फल्ने तथा स्थानीय रैथाने जातिका विउ विजन हराउदै गएका, कृषि तथा पशुमा नयाँ रोग देखिनु जस्ता जलवायु परिवर्तनका प्रभाब देखिदै गईरहेका छन् ।

गाउँपालिकाको धेरैजसो क्षेत्रको जमिन अति भिरालो र पहाडैपहाड भएकोले पहिरो, भू–क्षय, बाढी र भूकम्पबाट समेत बढी क्षती हुने जोखिमयुक्त क्षेत्र हो । पहाडी भेगमा पर्ने भएको र जथाभावी सडक खन्नाले पहिरोको जोखिम बढेको छ । वातावरणीय असरको मूल्यांकन नगरी यत्रतत्र मापदण्ड विपरित नयाँ सडकहरु बन्ने र सडकको पानी निकास राम्रो नहुँदा ठाउँ ठाउँमा पहिरोको संभावना छ । वन तथा झाडी बढेकाले डढेलो र आगलागीको समस्या पनि देखिन्छ । भवन तथा सार्वजनिक निर्माण कार्य हुँदा मापदण्डको कडाइका साथ पालना नहुँदा मानव निर्मित संरचनाहरुले नै ठूलो विपद् ल्याउने तर्फ सोचिएको देखिन्दैन् ।

जलवायु परिर्वतनको बारेमा सचेतना, जलवायु परिर्वतनको बारेमा मापन गर्ने तरिका र स्थानीय समुदायले जलवायु परिर्वतन अनुकूलनको लागि अपनाएको ज्ञान र सीप बारेमा अध्ययन गर्ने, अनुकूलन योजना कार्यान्वयनको लागि सम्बन्धित निकायहरुसँग सहकार्य र समन्वय राख्ने । हाल सम्म हामीले गरि आएका

कार्यहरु जलवायु अनुकुलनको कोणबाट हेर्ने गरिएको छैन भने दीगो विकासका लक्ष्य आत्मसात् गर्ने हो भने जलवायू परिवर्तनका कारक तत्वहरुको न्यूनीकरण र विद्यमान असरहरुको न्यूनीकरण गर्नु अत्यावश्यक छ । जलवायु परिवर्तनले सबै क्षेत्रमा प्रभाव पारिरहेको छ । जलवायु परिवर्तनको आँकलन नगरि योजनाहरु बन्ने र कार्यान्वयन चरणमा समस्या आउने गरेका छन् । स्थानीयबासीमा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सचेतनाको अभाव छ । पानीका मूल सुक्ने, सर्ने, बाली पात्रो परिवर्तन हुने, विभिन्न प्रकारका रोगहरुको प्रकोप बढ्ने लगाएतका समस्या देखिन थालेका छन् । जलवायु परिवर्तन अनुकुलनका लागि स्थानीय प्रविधिको पहिचान र विकास तर्फ सोचिएको छैन् । पानीका श्रोतहरु सुकेकाले खानेपानीको समस्या बढ्दो छ साथै स्थानीय विऊ, स्थानीय प्रविधिको विनास भएको छ । जलवायु परिवर्तनको सबभन्दा ठूलो असर बाली पात्रो परिवर्तनमा देखिन्छ । मानिस, जीवजन्तु, बालीनालीमा विभिन्न नयाँ रोगहरु देखा पर्न थालेको छ । साथसाथै यहाँ पहिरो तथा भूक्षयको जोखिम पनि धेरै भएको कारणले यहाँका बस्ती सार्नु पर्ने देखिन्छ । त्यसैले जलबायु परिर्वतन मापन, अनुकुलन योजना हुनु अत्यन्त आवश्यक छ ।

७.७.२. समस्या तथा चुनौती

बाढी, पहिरो, आगलागी, हावाहुरी यहाँका प्रमुख प्राकृतिक प्रकोपहरू हुन । यो गाउँपालिकामा सबैभन्दा बढी जोखिम बाढीके रहेको छ । भिरालो पहाडि जमिन भएकोले भूक्षय धेरै हुने गरेको छ । जलबायु परिवर्तनले खेतीपाती बालीनालीमा धेरै परिवर्तन आएको छ । बालीनालीमा धेरै प्रकारका रोग र समस्या आएका छन् । जलबायु परिवर्तन र त्यसले पारिरहेको समस्याका बारेमा आम मानिसमा न्यून ज्ञान र सूचनाको अभाव रहेको छ । जलबायु परिवर्तनसँग समायोजनको योजनाको खाँचो रहेको छ । परम्परागत र आधुनिक वा व्यवसायिक खेती प्रणालीको मिश्रीत रुपमा लागु भई रहेको छ । स्थानीय विउ, विजनहरु हराउँदै गएका र आयातित विउ, मलमा भर पर्ने परेको छ । स्थानीय रैथाने विउ, प्रविधि र ज्ञानको संरक्षण हुन वा गर्न सकिएको छैन ।

७.७.३. संभावना तथा अवसर

विपद् व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउनको लागि विपद् व्यवस्थापन योजना, श्रोतको व्यवस्थापन, साझेदारहरुको परिचालन योजना बनाउन सके र जोखिमयुक्त स्थानमा बसोबास गरिरहेका गाउँपालिका बासीहरुलाई सचेत एवं सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्न सक्ने संभावना रहेको छ । योजनावद्द दिगो कार्यक्रमहरु स्थानीयहरुको सहभागिता र साझेदारीमा भूक्षय, पहिरो नियन्त्रणका कार्यहरु गर्न सकिन्छ । स्थानीय रैथाने विउहरुको संरक्षण गर्नको लागि गाउँपालिकालाई अझै अवसरका रुपमा रहेको देखिन्छ । कतिपय किसानहरुले हालसम्म पनि रैथाने विउ लगाइ रहेका छन् । परम्परागत कृषि प्रणालीबाट परम्परागत ज्ञान आर्जन गर्न सकिन्छ ।

७.७.४. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन योजना

७.७.४.१. सोच

सुरक्षित वस्ति विकास र जलबायु अनुकुलनताका लागि वातावरणमैत्री गतिविधि

७.७.४.२. लक्ष्य

संवेदनशिल र असुरक्षित स्थानमा रहेका बस्ती सुरक्षित बनाउँदै नदी कटानलाई नियन्त्रण वातावरण मैत्री ढंगले गरिनेछ ।

७.७.४.३. उद्देश्य

१. गाउँपालिकाका सबै संवेदनशिल र असुरक्षित बस्तीहरुको पहिचान गरी तिनलाई स्थानान्तरण र व्यवस्थित गर्ने ।

२. विपद् व्यवस्थापन योजना र त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड गर्ने ।

३. जलबायु परिवर्तन बारे सुचना प्रणाली विकास गर्ने ।

७.७.४.४. रणनीति तथा कार्य नीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: गाउँपालिकाका सबै संवेदनशिल र असुरक्षित बस्तीहरुको पहिचान गरी तिनलाई स्थानान्तरण र व्यवस्थित गर्ने ।	
१.१ संवेदनशिलताका आधारमा विकासलाई नियोजित गरिने साथै जोखिम क्षेत्रका बस्ती स्थानान्तरण योजना तर्जुमा गर्ने ।	१.१.१ जोखिम क्षेत्रको अध्ययन गरी अति संवेदनशिल संवेदनशिल र सामान्यमा बर्गिकरण गरिनेछ । १.१.२ अति संवेदनशिल क्षेत्रका बासिन्दालाई स्थानान्तरण योजनामा आवद्ध गरिनेछ । १.१.३ संभावित विपद जोखिम न्यूनिकरणका लागि गाउँपालिकाका सबै वडमा प्राकृति प्रकोप जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । १.१.४ गाउँपालिकाबाट सडक निर्माण लगाएतका बिकास निर्माण कार्य संचालन गर्दा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङकन गरी वातावरण मैत्री बनाईनेछ ।
उद्देश्य २: विपद् व्यवस्थापन योजना र त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड गर्ने ।	
२.१ विपत व्यवस्थापनमा समुदाय र संस्थागत सहभागिता र परिचालनमा जोड दिइनेछ ।	२.१.१ बिपद ब्यवस्थापन लाई स्थानीय सरकारको मुख्य जिम्मेवारीको रुपमा लिई विपद ब्यवस्थापन कोषको स्थापना गरिएको छ । कोषको रकम बृद्धि गरि प्रभावकारी काम गर्न विपत् क्षेत्रमा काम गर्ने गैह्रसरकारी संघ संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.२ टोल विकास संस्थाहरुको संस्थागत सुद्दढीकरण गरिनेछ । २.१.३ हरिहरपुरगढी गाउँपालिका भित्र रहेका वन जङ्गलको संरक्षणको लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता मार्फत सचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गरिने छ । २.१.४ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी लगायत अन्य सरोकारवाला निकायहरुसँगको सहकार्यमा विपद व्यवस्थापन कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । २.१.५ विपत पश्चात आइपर्ने जोखिमबाट बच्चनका लागि पूर्व तयारी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । २.१.६ आकस्मिक रुपमा घटेका प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रकोपबाट घटेका घटनाको सहयोगका लागी विपद व्यबस्थापन कोषको व्यबस्था गर्ने निति लिईने छ ।
उद्देश्य ३: जलबायु परिवर्तन बारे सुचना प्रणाली विकास गर्ने ।	
३.१ जलबायु परिवर्तनको सूचना संकलन तथा अनुकुलन कार्य गर्नमा समुदायलाई उत्प्रेरणा दिने ।	३.१.१ भेगिय हिसावले वडामा कम्तीमा एक वा आवश्कता अनुसार स्थानीय जानकारहरुको समुह गठन गरी ३ महिनामा जलबायु परिवर्तन पात्रो अध्यावधिक गराइनेछ । ३.१.२ समुहमा रहने जनाकारहरुलाई पात्रो अध्यावधिक सम्बन्धी तालिम दिइनेछ । ३.१.३ गापामा सबै वडाबाट आएका अध्याविधक पात्रोको विश्लेष गरि कार्ययोजना बनाइनेछ । ३.१.४ जलबायु परिवर्तन अध्ययनका लागि जनशक्ति विकास गरिनेछ । ३.१.५ जलबायु परिवर्तनको असरलाई न्यूनीकरण गर्न बाली पात्रो परिवर्तन गर्ने, आधुनिक औजार विउ विजन परिवर्तन गर्न तालिम दिइनेछ । ३.१.६ रैथाने विउ र स्थानीय ज्ञानको खोजी र संरक्षण गर्ने नीति लिइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
३.२ जलबायु अनुकुलनका लागि प्रतिकारात्कम कार्य गर्ने ।	३.२.१ जलबायु परिवर्तनको असर तथा विविध कारणले पानीका मुहानहरु सुक्दै जाने स्थिति देखिएको सन्दर्भमा परम्परागत कुवा, धारा पंधेरा जस्ता पानीको श्रोतहरुको बिशेष संरक्षण गरिने छ । ३.२.२ जलवायु परिवर्तन अनुकुल क्षमता बढाउन बिभिन्न कार्यक्रमहरु संचालन गरिनेछ । ३.२.३ हरिहरपुरगढी गाउगाउँपालिकाकाको हरेक योजना तथा कार्यक्रमहरुमा वातावरण तथा पर्यावरण र जलवायुमैत्री पूर्वाधार विकासमा जोडदिइनेछ । ३.२.४ जलवायु परिवर्तनको प्रभावबाट पर्ने असरहरुबाट बच्ने उपायका सम्बन्धमा अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजना गरिनेछ ।

७.७.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
१.	विपद् व्यवस्थापन समिति निर्माण र परिचालन (गापा स्तरीय तथा वडा स्तरीय)			√		√
२.	वडा स्तरमा विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना		√	√		
३.	राहत तथा सुरक्षण प्रदान गर्न प्रदेश सरकार, संघीय सरकार तथा दातृ निकायसँग साझेदारी	√	√	√	√	√
४.	पहिरोग्रस्त क्षेत्रको रोकथाम तथा वृक्षारोपण		√	√		
५.	समुदाय स्तरमा विपद् व्यवस्थापन समिति गठन (टोल विकास संस्था वा नयाँ समिति) र सामुदायिक क्षमता विकास			√		√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
६.	सबै माध्यामिक विद्यालय, अस्पताल, स्वस्थ्य चौकी, गापा तथा वडा कार्यालयमा Fire Extinguisher अनिवार्य		√	√	√	√
७.	टोल विकास संस्थाको रोहवरमा रहने गरी Fire Extinguisher को व्यवस्थापन			√		
८.	शव वाहनको व्यवस्था	√	√	√		
९.	एम्बुलेन्सको सेवाको निरन्तरता तथा विस्तार	√	√	√		
१०.	हरेक वडा भवनमा विपद् सामाग्री भण्डारण कक्ष	√	√	√		√
११.	गापा बासीसँग विपद्का सूचना आदान प्रदान गर्न गापा स्तरमा आपद्कालिन सेवा सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन	√	√	√		
१२.	गापा स्तरीय विपद् उद्दार सम्बन्धी अभ्यास (साझेदारहरुको सहकार्यमा)		√	√	√	
१३.	वडा स्तरीय विपद् उद्दार सम्बन्धी अभ्यास (साझेदारहरुको सहकार्यमा)			√	√	√
१४.	विद्यालयमा विपद् सम्बन्धी तालिम (विद्यार्थी तथा शिक्षक दुवैलाई)			√		√
१५.	गापास्तरीय प्राथमिक उपचार सम्बन्धी तालिम		√	√		√
१६.	विद्यालय (मावि) स्तरमा प्राथमिक उपचार सम्बन्धी तालिम		√	√		√
१७.	यातायात मजदुरहरुलाई विपद् उद्दार तथा प्राथमिक उपचार तालिम			√	√	√
१८.	प्रमुख सडकहरुमा ट्राफिक चिन्ह व्यवस्था	√	√	√		
१९.	गापा स्तरीय विपद् पुनःस्थापना केन्दको स्थापना	√	√	√		

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
२०.	विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण अद्यावधि तथा कार्यक्रमहरु सञ्चालन		√	√		√
२१.	दक्ष निर्माण मजदुरको प्रमाणीकरण			√		
२२.	भवन निर्माण मापदण्ड तथा आचार संहिता बारे तालिम		√	√		
२३.	भवन निर्माणमा कडाई			√		
२४.	एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम	√	√	√		
२५.	प्रकोप नक्सांकन तथा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम	√	√	√		
२६.	जोखिमपूर्ण स्थानको पहिचान (नदी कटान, पहिरो, चट्यांग आदि)	√	√	√		
२७.	गापाभित्रका खुला क्षेत्र पहिचान तथा अभिलेखाङ्कन			√		
२८.	बाढी तथा पहिरो जोखिम क्षेत्रमा पूर्व सूचना प्रणाली तथा साइरन जडान	√	√	√		
२९.	विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी सचेतना			√		√
३०.	विपद् सचेतना कार्यक्रम (विद्यालय तथा समुदायमा)			√		√
३१.	जोखिमयुक्त तथा विपद्मा परेका व्यक्ति वा परिवारलाई पुनःस्थापना र बसोबासको कार्यक्रम	√	√	√		√
३२.	जोखिमयुक्त बस्ती पहिचान गरी एकीकृत बस्तीको योजना निर्माण	√	√	√		
३३.	पर्यावरणमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (जलवायु परिर्वतन अनुकुलन योजना निर्माण)	√	√	√		√
३४.	जलवायु परिर्वतन सामायोजन ज्ञानको अध्ययन तथा मापन संयन्त्रको विकास	√	√	√		√

क्र.स.	कार्यक्रमहरू	सहकार्य गर्ने निकाय				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	निजी क्षेत्र	अन्य निकाय
३५.	समुदायमा आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम			√		√
३६.	विकास गतिविधिहरु जलवायु परिवर्तनका असरहरु न्यूनीकरण हुने तवरले लागू गर्ने नीति		√	√		√
३७.	सामुदायिक जनचेतनामूलक अभियान			√		√

७.७.५. अपेक्षित उपलब्धि

संवेदनशील तथा जोखिम क्षेत्र पहिचान, खुल्ला क्षेत्र पहिचान, नक्साङकन तथा व्यवस्थापन, विपद व्यवस्थापनको लागि कोष खडा तथा सञ्चालन, विपद् व्यवस्थापनमा संघ संस्थाहरू क्रियाशील, विपद पूर्वतयारीका कार्यहरू सम्पन्न, आपद्कालिन सेवा सञ्चालन केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन साथै जलवायु परिवर्तन अनुकूलन न्यूनीकरण सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रमहरू संचालन भएको हुनेछ ।

परिच्छेद ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

८.१. संस्थागत विकास तथा सुशासन

८.१.१. पृष्ठभूमि

कुनै पनि संस्थाको संस्थागत विकास विना त्यस संस्थाले गरेका क्रियाकलापहरु र त्यसका उपलब्धीहरुको संस्थागत हुन सक्दैन । उपलब्धीहरु संस्थागत हुनको लागि सम्बन्धित संस्था बलियो सक्षम र पारदर्शी हुनु आवश्यक छ । नेपालको संविधानले गाउँपालिकालाई स्थानीय सरकार बनाएको छ । सरकारले गर्ने र गर्न सक्ने अधिकारहरु समेत स्पष्ट गरेको सन्दर्भमा स्थानीय सरकार बलियो सक्षम र पारदर्शि हुनु जरुरी छ । संविधानले तोकेको संस्थागत संरचनाको आधारमा स्थानीय सरकारहरु चल्नु पर्दछ । संस्थागत संरचना अनुसारको अधिकार, कर्तव्य, जनशक्ति व्यवस्थापनको माग हुन्छ । संस्थागत विकासको लागि सक्षम र क्षमतावान जनशक्ति, समुह कार्य, क्षमताको उचित कदर, जनशक्तिको कार्यविभाजन र कार्य विवरण, संस्थागत मेमोरी, स्वस्च्छ प्रतिस्पर्धा र नविनतम कार्यको प्रशंसा आदि कुराहरुको विवेकपूर्ण ढंगले परिचालन गरिएको हुनु पर्दछ ।

८.१.२. समस्या तथा चुनौती

संविधानले स्थानीय सरकारलाई सम्पूर्ण अधिकारहरु दिएको भएपनि व्यवहारमा एकात्मक राज्य केन्द्रीय शासन प्रणालीको लामो अनुभव र त्यसबाट पोषित राज्य सञ्चालनकहरुमा केही द्विविधा र अप्ठारो महशुस गरी अधिकार हस्तान्तरणमा केही समस्याहरु देखिएका छन् । कतिपय कानूनहरु संघ, प्रदेश र स्थानीय तह कसले बनाउने भन्ने मै द्विविधा रहेको छ भने कतिपय कानूनी अधिकार संघले दिन हिच्किचाहट गरेको छ । यसले स्थानीय सरकारलाई समेत अप्ठारो भएको देखिन्छ । कतिपय स्थानीय तहहरुमा आन्तरिक श्रोतको अभाव भएकोले संघमै भरपर्न परेकोले अधिकार अनुसार काम गर्न बाधा परिरहेको छ । जनशक्तिको आपूर्ति देखि श्रोतको बाँडफाँड र व्यवस्थापनमा समेट संघको मुख ताक्नु परेको छ । यसले स्थानीय तहहरुलाई सरकारकै रुपमा काम गर्न असजिलो भएको छ ।

८.१.३. संभावना तथा अवसर

संविधानले स्थानीय सरकारलाई आफ्नो आवश्यकता अनुसारको कानून बनाई स्थानीय विकासका कार्यहरु गर्नको लागि अधिकार दिएकोले सरकारहरुले आफ्नो आवश्यकता पहिचान गरी काम गर्न स्वतन्त्र र सरकारको अधिकार उपयोग गर्न पाएका छन् । संघ तथा प्रदेशले स्थानीय सरकारलाई एक मुष्ट अनुदान दिने र स्थानीय सरकारले स्थानीय आवश्यकता अनुसार श्रोतको बाँडफाँड गर्न पाउने, शिक्षा, स्वास्थ्य लगाएतका विषयहरुमा योजना बनाइ आवश्यकता अनुसार काम गर्न पाउने, स्थानीय श्रोतको परिचालन गर्न स्वतन्त्र भएकाले स्थानीय अवसर र संभावनाहरुको अधिकतम उपयोग हुने विस्वास गर्न सकिन्छ ।

नेपालको संविधानले स्थानीय तहका सबै सार्वजनिक, निजी क्षेत्रको रेखदेख, व्यवस्थापन, समन्वय, सहकार्यको जिम्मेवारी स्थानीय सरकारलाई दिएको छ र त्यो सरकार भनेको गाउँपालिका हो । गाउँपालिकाले आफ्नो

क्षेत्रमा रहेका अन्य निकायहरुलाई समेत विकास निर्माण कार्यमा प्रभावकारी रुपमा सहभागि गराउँनु पर्ने भएकोले गाउँपालिकाका सबै शाखा, वडाका कर्मचारीहरु काममा अब्बल हुन जरुरी छ । यसका लागि गाउँपालिकाको शिक्षा, स्वास्थ्य, लेखा, राजश्व, प्रशासन, संघ संस्था व्यवस्थापना तथा परिचालन (प्राविधिक तथा अप्राविधिक) सम्बन्धि आफ्ना कर्मचारीहरुको क्षमता विकासमा समेत ध्यान दिनु पर्दछ । योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि सक्षम कर्मचारी हुनु आवश्यक छ । गाउँपालिकाको क्षमता भन्नु नै त्यहाँ कार्यरत कर्मचारीको क्षमता भएकोले यसलाई विशेष ध्यान दिनु जरुरी देखिन्छ ।

कर्मचारीहरुलाई प्रोत्साहित गर्नको लागि क्षमता विकास तालिम, बृत्ति विकास, दण्ड, जरिवानाको व्यवस्था गर्नु पर्दछ । गाउँपालिकाका योजनाहरुलाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी गाउँबासीलाई सहज सेवाको प्रत्याभूत गर्नको लागि कर्मचारी भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण हुन्छ । कर्मचारीले ढिलासुस्ती, सेवाग्राहीलाई अनावश्यक झन्झट दिएमा गाउँबासीको गाउँपालिका कार्यालय प्रतिको दृष्टिकोण नकरात्मक र असहयोगी हुन जान्छ । यसले सार्वजनिक विकास निर्माणमा जनसहभागिता घट्ने र सार्वजनिक सम्पतिको सुरक्षामा समेत वेवास्ता हुन जान्छ । गाउँपालिकामा कुनै कर्मचारी प्रभावकारी काम गर्ने र कुनै नगर्ने दुबै खाले हुन्छन् । राम्रो काम गर्नेलाई पुरस्कृत गर्ने र नराम्रो काम गर्नेलाई नियमानुसार तुरुन्त दण्ड सजाय दिनु पर्दछ । यसले अन्य कर्मचारीलाई पनि राम्रो काम गर्न प्रोत्साहन र नराम्रो काम गर्न निरुत्साहित गर्दछ ।

कर्मचारी दरबन्दी अनुसार पदपूर्ति नहुँदा सेवा प्रवाहमा ढिलासुस्ती भई रहेको छ । सम्बन्धित निकायहरुले कर्मचारी पूर्तितर्फ ध्यान दिनु जरुरी छ । तोकिएको दरवन्दी पूर्ति पश्चात सेवामा कमी कमजोरी देखिएमा तत्कालै कार्यवाही गर्ने व्यवस्था गरिनु पर्दछ । कर्मचारीहरुलाई कार्य विवरण दिने र कार्य विवरणको आधारमा कार्य दक्षता, कामको प्रभावकारीता मापन गर्ने प्रणालीको विकास गरिनु पर्दछ । कार्य विवरण कर्मचारीको क्षमता मापनको औजार बनाइनु पर्दछ । संस्थातग विकासको मुख्य कडीनै कर्मचारीको व्यवस्थापन हो र कर्मचारीलाई दक्षता अनुसारको कार्य विवरण दिइ नपाको कार्य क्षमता वृद्धि गर्न ५ वर्षमा सम्म विभिन्न कार्यक्रमहरु तर्जुमा गरिनेछ ।

गाउँपालिका, वडा कार्यालय, अन्य सार्वजनिक संस्थाहरुको संस्थागत सम्झना शक्ति ज्यादै न्यून रहेको छ । यसो हुनुमा पूर्वाधारको कमी, दक्षताको कमी, दायित्व बोधको कमी नै हो । कुनै एक कर्मचारी वा निर्वाचित पदाधिकारीको अनुपस्थिचिमा उसले तयार गरेका सम्पूर्ण दस्तावेज, सामाग्री वेपत्ता हुने, आवश्यक पर्दा फेला नपर्ने वा मानिससँगै संस्थाको सम्झना हराउने प्रवृत्तिले दिगो विकास हुन सक्दैन् । संस्था अजर अमर हुन्छ र मानिस मरणशिल छ आजको सम्झना भोलिको लागि आवश्यक हुन्छ र त्यो प्राप्त गर्नको लागि संस्थागत मेमोरीको विकास गरिनु पर्दछ ।

८.१.४. संस्थागत विकास योजना

८.१.४.१. सोच

पूर्वाधार सम्पन्न क्रियात्मक प्रशासनिक संरचना

८.१.४.२. लक्ष्य

"दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनिक संरचना निर्माण गरि सुचनामा सबैको पहुँच अभिबृद्धि गर्ने।

८.१.४.३. उद्देश्य

१ दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनीक संरचनाको निर्माण गर्ने ।

२ संस्थागत सूचना प्रणाली सुदृढ तथा व्यवस्थित गर्न पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति सहितको सूचना शाखा स्थापना गर्ने ।

८.१.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: दक्ष जनशक्ति र सुविधायुक्त प्रशासनिक संरचनाको निर्माण गर्ने ।	
१.१ संस्थागत संरचनाको प्रभावकारी कार्यान्वयमा जोड दिइनेछ ।	१.१.१ स्थानीय सरकार संचालन ऐनको मर्म अनुरुप गा.पा.को काम कार्यवाहीलाई व्यवहारिक कार्यान्वयनको लागि पहल गरिनेछ ।
	१.१.२ सबै कर्मचारीहरुको कार्य विवरण तयार गरी कार्य विवरण अनुसारको काम भए नभएको अनुगमन र मुल्याङ्कन गरिनेछ । अर्थात कर्मचारीको मुल्याङ्कनको आधार कार्य विवरण हुनेछ ।
	१.१.३ नागरिक जीवनसँग प्रत्यक्ष सम्बन्ध रहेका हरेक क्षेत्रमा लैंङ्गिक समतामूलक कार्यनीति अबलम्बन गरिनेछ ।
	१.१.४ गा.पा र गा.पा.का सवै कार्यालयहरुलाई सेवाग्राही मैत्री बनाईदै Help Desk स्थापना गरिनेछ ।
	१.१.५ विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी निकाय लगायत निजी क्षेत्र समेतको सक्रिय सहभागितामा स्थानीय सरकारको विकासको कार्य सञ्चालन गर्ने नीति अबलम्बन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: संस्थागत सूचना प्रणाली सुदृढ तथा व्यवस्थित गर्न पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति सहितको सूचना शाखा स्थापना गर्ने ।	
२.१ गाउँको सबै सूचना सबै गाउँवासीको पहुँचमा पुर्याइनेछ ।	२.१.१ गा.पा. मा कार्यरत विकासका साझेदारहरुलाई विकासको खम्बाको रुपमा स्थापित गरी उनीहरुको योगदानलाई लक्षित

	वर्ग र क्षेत्रसम्म पुर्याउन गा.पा.को योजना प्रणाली मार्फत सञ्चालित गराईनेछ ।

८.१.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	नियमित बैठक, समन्वय तथा शाखा प्रमुखको बैठक			√		
२	कर्मचारी तथा प्रशासन सम्बन्धी कार्यविधि निर्माण तथा कार्यान्वयन			√		
३	नियमित अनुगमन÷मूल्याङ्कन गर्न निर्देशिका निर्माण			√	√	
४	कर्मचारी मुल्यांकन कार्यविधि (दण्ड तथा पुरस्कारको नीति) निर्माण र कार्यक्षमतामा आधारित कर्मचारी मूल्याङ्कन प्रणाली विकास			√		
५	विकासमा समावेशी सहभागिता अभिबृद्धि		√	√		
६	कार्यालय व्यवस्थापन तथा लेखा प्रशासन सम्बन्धी तालिम		√	√		
७	क्षमता विकास योजना तर्जूमा	√	√	√		
८	गैसससँग वार्षिक अन्तरक्रिया कार्यक्रम			√		
९	सामुदायिक मेलमिलाप सशक्तिकरण र व्यवस्थापन			√	√	√
१०	टोल विकास संस्था गठन र प्रभावकारी परिचालन			√	√	√
११	टोल विकास संस्थाको गठन र क्षमता विकास गरी सार्वजनिक सम्पतीको सुरक्षा तथा विकास निर्माण सक्रिय गर्ने			√		√
१२	सहकारी तथा लघु वित्तीय संस्थाहरुलाई गापाको दायरामा ल्याउन सरोकारवालासँग समन्वय			√	√	√
१३	सार्वजनिक सुनुवाई कार्यक्रम			√		
१४	वडा सचिव तथा प्राविधिक कर्मचारीको क्षमता विकास तालिम			√		

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१५	कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरुका लागि विद्यमान ऐन (खरिद ऐन, मुलुकी ऐन), कानुन, सफ्टवेयर, अंग्रेजी, प्राविधिक, प्रतिवेदन लेखन, ड्राइभिङ, सकरात्मक सोच जस्ता तालीमहरु सञ्चालन			√		
१६	कर्मचारी हकहितका लागि अक्षय कोषको व्यवस्था			√		
१७	सरोकारवालाहरुलाई ICT सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम			√		
१८	संस्थागत मेमोरी सुदृढीकरण		√	√		
१९	गा.पा.को आवश्यकता अनुसार लगानी			√	√	√

८.१.५. अपेक्षित उपलब्धि

गाउँपालिका आवश्यक कानुनको निर्माण भएको हुने, संगठनात्मक पुनर्संरचना (O and M) भई शाखा अनुसार तह गत संरचना क्रियाशील भएको हुनेछ, सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सूचना प्रविधिको प्रयोग भई छिटो छरितो रुपमा सेवा प्रवाह भएको हुने जनशक्ति विकास योजना तर्जुमा भई सो को कार्यन्वयन भएको हुनेछ ।

८.२. राजश्व तथा श्रोत परिचालन

८.२.१. पृष्टभूमि

राजश्व संकलन र प्रभावकारी परिचालन विना सार्वजनिक सेवाहरुको प्रभावकारीता हुन सक्दैन । विना राजश्व र श्रोत कुनै पनि तहका सरकारहरुले जनतालाई दिनु पर्ने सेवा सुविधाको प्रत्याभूत गर्न सक्दैनन । सरकारले विभिन्न किसिमका राजश्व र श्रोतहरुको परिचालन गरेको हुन्छ । जनताका अनगिन्ती मागहरु वा सरकारसँग भएको सिमित श्रोत बीचमा तालमेल हुन सकेन भने जन असन्तुष्टि बढेर जान्छ । सरकारले सिमित श्रोतको प्रभावकारी परिचालन गरिरहेको जनविस्वास हुनु पर्दछ । जनताले तिर्ने करको सहि सदुपयोग भएको जनतालाई विस्वास भएनभने कर तिर्न हिककिचाउने, कर छल्ने जस्ता नकारात्मक असर देखिन थाल्दछन । कर प्रणाली पारदर्शि र जनभावना अनुकुल भएमा मात्र जनताले कर प्रति सकारात्मक अवधारणा विकास गर्दछन । राजश्व र श्रोतको परिचालन प्रभावकारी बनाउन प्रणाली विकास, जनशक्ति विकास, संयन्त्रहरुको विकास, करका दरहरुको समयसापेक्ष पुनरावलोकन गरिनु पर्दछ ।

८.२.२. समस्या तथा चुनौती

आन्तरिक श्रोतको अभावमा स्थानीय सरकारहरु संघिय र प्रदेश सरकारमा भर पर्नु नियति भएको छ । आन्तरिक श्रोत परिचालनको क्षमता, श्रोतको खोजी गर्न सक्ने जनशक्ति विकास, दिगो र भरपर्दो श्रोतको अभाव छ । वित्तिय अनुशासनको अभावले स्थानीय सरकारहरु बेरुजुको चाङमा रहेको महालेखा परिक्षकको प्रतिवेदनले देखाएको छ । नागरिक वडापत्र केवल देखाउने भाडो भएको छ । क्षतिपूर्ति विनाको नागरिक वडापत्र केवल कामको सूचिका रुपमा लिन सकिन्छ । जनतामा सरकारप्रतिको विस्वास गुम्दो छ । स्थानीय सरकारको साँखलाई जोगाइ राख्नको लागि सरकारले नागरिक केन्द्रीत शासन प्रशासनको व्यवस्था, छिटो र छरितो सेवा दिने कार्यहरु गरिनु पर्ने र जनतामा सरकारको प्रत्याभूति दिने चुनौती रहेको छ । असिमित जनआकांक्षाका बीच सिमित साधन र श्रोतको प्रभावकारी परिचालन गर्न सक्ने स्थानीय सरकारका लागि चुनौतीपूर्ण विषय बनिरहेको छ ।

८.२.३. संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकामा हालसम्म कुनै पनि योजनाहरु सार्वजनिक निजी साझेदारीको अवधारणामा कार्यान्वयन भएका छैनन् । गाउँबासीका असीमित आकांक्षा र गाउँपालिकाको सीमित स्रोतलाई व्यवस्थापन गर्नको लागि निजी क्षेत्रको लगानी र साझेदारीको आवश्यकता देखिन्छ । गाउँपालिकामा साना साना आयोजनाहरु मात्र संचालन हुनुका विभिन्न कारणहरु मध्ये साझेदारीको योजना नहुनु पनि एक हो । लगानीमैत्री वातावरण बनाई ठूला, नाफामूलक तथा दीर्घकालीन महत्वका योजनाहरुमा लगानी गर्न निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गरिनु पर्दछ । शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, औद्योगिक विकासका लागि सार्वजनिक निजी साझेदारीलाई प्रवद्र्धन गरिनु उपयुक्त हुनेछ ।

पूर्वाधार विकासमा संघिय र प्रदेश सरकारमा भर पर्दा कतिपय विकास निर्माणका कार्यहरु समयमा सम्पन्न नहुनु, स्थानीबासीले विकास प्रति अपनत्व ग्रहण नगर्ने, सार्वजनिक पूर्वाधारको हेरचाह र संरक्षण नहुने भएले गाउँपालिले विकास निर्माणमा स्थानीय जनताको सहभागिता, लगानीलाई प्रोत्साहन गर्न समपुरक कोष खडा गरी क्रियाशिल जनताहरुलाई आफ्नो स्थानको विकासको लागि गाउँपालिकाले कोष मार्फत लगानी गरी दिने र स्थानीय जनताको समेत लगानी हुने व्यवस्था मिलाउनु पर्दछ । यस्तो व्यवस्थाले जनतालाई विकास निर्माणमा सहभागि हुन र लगानी गर्न आकर्षण गर्दछ ।

गाउँपालिकाभित्र रहेका सावर्जनिक जग्गाहरुको पहिचान गर्न नसक्दा कतिपय जग्गाहरुको अतिक्रमण र प्रयोग विहिन भएका छन् । गाउँपालिकामा भएका यस्ता सार्वजनिक जमीनहरुको लगत तयार गरी सार्वजनिक प्रयोगमा ल्याउन सकिन्छ । गाउँपालिकाले कति सार्वजनिक जमीन कहाँ कहाँ छन् र तिनको प्रयोग अवस्था बारे पूर्ण विवरण राखी दीर्घकालीन महत्व, उत्पादनमूलक, सार्वजनिक पूर्वाधार, साझेदारीका योजनाहरु संचालन गर्ने, लिजमा उपयोग गर्न दिई त्यसबाट आम्दानी र त्यस्ता जमीनको संरक्षण गर्नु पर्दछ।

एकीकृत सम्पत्ति करले सबै गाउँबासीलाई सम्पत्तिको आधारमा कर तिर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ । गाउँपालिकामा एकीकृत सम्पत्ति करलाई प्रभावकारी बनाउनु पर्दछ । यसले सबै गाउँबासीलाई आफ्नो सम्पत्तिको आधारमा कर आफैं मूल्यांकन गर्ने समेत जिम्मेवारी दिएको छ । यसले सबैलाई आफ्नो सम्पत्तिमा अधिकार अनुसार कर तिर्नु पर्ने दायित्वको समेत बोध गराउँदै गाउँपालिकाको विकास निर्माणमा सहभागि गराउनु पर्दछ । करको दायरा फराकिलो पारी कर सबैलाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ ।

गाउँपालिकाले सार्वजनिक हितका लागि निर्माण गरेका पूर्वाधारहरुको उपयोग गरेवापत शुल्क लगाउनु पर्दछ । यसले जसले उपयोग गर्दछ उसले शुल्क बुझाउने व्यवस्थाको वकालत गर्दछ । यसले सामाजिक न्यायको सिद्धान्तको समेत पक्षपोषण गर्दछ । जस्तैः सडक पिचबाट मुख्य फाईदा निजी सवारी हुने, सार्वजनिक यातायात प्रयोग गर्नेलाई हुन्छ भने त्यसको उपयोग गरेका वापत तिनै सावरीधनी, प्रयोगकर्ताले शुल्क तिर्नु पर्दछ । सिंचाई कुलो, खेल मैदान, सामुदायिक भवन जस्ता पूर्वाधारमा शुल्क लगाउने र त्यही शुल्कको रकमले मर्मत संभार गर्ने व्यवस्था गर्दा पूर्वाधारमा दिगोपना आउँछ ।

गाउँपालिकाको आन्तरिक आम्दानी नै करबाट सङ्कलित रकम हुने भएकोले गाउँपालिकाका योजनाहरु संचालन गर्न, आन्तरिक खर्च व्यवस्थापन गर्न करमा भर पर्नु पर्दछ । कर गाउँले प्रवाह गरिरहेका र गर्ने सेवा सुविधाहरुको लागि गाउँबासीले तिर्नु पर्ने दायित्व हो भन्ने बारेमा सबै गाउँबासीहरुलाई सचेत गरिनु पर्दछ । सचेत नागरिकले मात्र गाउँले लगाएको कर समयमा बुझाउँदछन् । गाउँले कर र त्यसको दायरा फराकिलो पार्दै सबै करदातालाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ । एकतर्फ करको दायित्व बारेमा सचेत गर्नु पर्दछ भने अर्कोतर्फ कर तिर्नेलाई पुरस्कृत र नतिर्नेलाई दण्ड जरिवाना लगाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ । कर गाउँ सञ्चालनको मुख्य स्रोत हो भन्ने बारेमा सबैलाई बोध गराउने गरि योजनाहरु निर्माण गरिनेछ ।

८.२.४. राजश्व तथा स्रोत परिचालन योजना

८.२.४.१. सोच

दिगो, सन्तुलित विकास र स्वावलम्बनका लागि आन्तरिक श्रोत परिचालन

८.२.४.२. लक्ष्य

"साधन श्रोतले सम्पन्न र नियमित आयश्रोतको सुनिश्चितता सहित पुँजीगत बजेट वृद्धि गर्ने"

८.२.४.३. उद्देश्य

१. करको दायरा फराकिलो बनाउँदै निजी क्षेत्रको सहभागिता तथा सार्वजनिक निजी साझेदारी बढाउने।
२. संस्थागत समन्वय वृद्धि गर्दै स्रोत र साधनको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्ने ।

८.२.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: करको दायरा फराकिलो बनाउँदै निजी क्षेत्रको सहभागिता तथा सार्वजनिक निजी साझेदारी बढाउने ।	
१.१ गा.पा.को राजश्व वृद्धिका लागि करको दायरा पुनरावलोकन गरिनेछ ।	१.१.१ सबै जनतालाई करबारे चेतनामूलक कार्यहरु सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२ कर चुहावट रोक्न करदाता शिक्षा, कर दायित्वबारेमा सचेतना कार्यक्रमहरुको आयोजना गरिनेछ ।
	१.१.३ गा.पा.मा सञ्चालित सबै सेवा प्रदायक संघसंस्था, व्यवसायहरुको दर्ता, नवीकरण गरी नियमित कर सङ्कलनको आधार खडा गरिनेछ ।ौ
	१.१.४ छिमेकी गाउँपालिका, नगरगाउँपालिका, जिल्लासँग प्राकृतिक श्रोतको संरक्षण र उपयोग लगायत अन्तर सम्बन्ध तथा आपसी सहयोगका विषयहरु (समस्या चुनौति तथा सम्भावनाहरु) मा समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।
	१.१.५ सार्वजनिक जग्गाहरुको लगत तयार गरी त्यस्ता जग्गाहरुको उपयोगको नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
उद्देश्य २: संस्थागत समन्वय वृद्धि गर्दै स्रोत र साधनको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्ने ।	
२.१ दीर्घकालीन महत्व राख्ने र ठूला पूर्वाधार विकासका आयोजनाहरुमा ऋण सहायता लिने नीति लागू गरिनेछ ।	
२.२ संघीय, प्रदेश सरकारबाट स्थानीय सरकारलाई राजश्व बाँडफाँट वापत प्राप्त हुने रकम फ्रीज नगरी सो रकम स्थानीय सरकारको कोषमा सुलभ रुपमा प्राप्त हुने नीति अबलम्बन गर्न तहगत सरकार समक्ष पहल गरिनेछ ।	

रणनीति	कार्यनीति
२.३ आर्थिक अनुशासन कायम गर्नका लागि योजना परियोजनाहरुको लागत सबै जनताले थाहा पाउने गरी प्रकाशन गरिनेछ ।	२.३.१ खर्चका स्पष्ट मापदण्ड तयार गरी आम्दानी र खर्चलाई पारदर्शी बनाउन नियमित रुपमा सार्वजनिकीकरण गरिनेछ । फजूल खर्च तथा बेरुजु रोक्न कार्यविधी तयार गरिनेछ ।
२.४ कृषि, पर्यटन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रका परियोजना सञ्चालनको लागि सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणाको कार्यान्वयन गरिनेछ ।	

२.४ पालिकामा हुने स्रोतको बाँडफाँड देहाय बमोजिम हुनेछ

व्यय शिर्षक	उपक्षेत्रगत वितरण %	अल्पकालीन	मध्यकालीन	दिर्घकालिन
सामाजिक विकास	२५.००	१२.५०	६.२५	६.२५
आर्थिक विकास	२०.००	११.००	५.००	४.००
पूर्वाधार विकास	३०.००	१५.००	९.००	६.००
वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन	१५.००	६.७५	४.५०	३.७५
संस्थागत विकास तथा सुशासन	१०.००	५.००	२.२५	२.७५
जम्मा	**१००.००**	**५०.२५**	**२७.००**	**२२.७५**

व्यय शिर्षक	उपक्षेत्रगत वितरण %	वडा स्तरीय	नगर स्तरीय	अन्तर नगर
सामाजिक विकास	२५.००	१०.००	१०.००	५.००
आर्थिक विकास	२०.००	७.००	८.००	५.००
पूर्वाधार विकास	३०.००	९.००	१५.००	६.००
वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन	१५.००	३.७५	६.७५	४.५०
सुशासन तथा संस्थागत	१०.००	३.००	५.५०	१.५०
जम्मा	**१००.००**	**३२.७५**	**४५.२५**	**२२.००**

८.२.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	राजस्व दायरा फाराकिलो बनाउन अध्ययन			√		
२	एक द्वार कर प्रणाली बारे अध्ययन तथा कार्यान्वयन			√		
३	एकिकृत सम्पत्ति कर बारे नीति निर्माण तथा लागू			√		
४	MIS प्रणालीमा नक्शा पास तथा घर निर्माण स्वीकृति दरको पुनरावलोकन			√		
५	राजस्व सचेतना कार्यक्रम संचालन			√		
६	घुम्ति कर संकलन			√		
७	आयात तथा निर्यात अनुगमन गर्न डेस्क संचालन			√		
८	ढुङ्ग गिटि वालुवा उत्खखन तथा विक्रि वितरण नियमन		√	√		.
९	प्रदेश तथा संघीय सरकारसँग गाउँपालिका एकिकृत विकास योजना संबन्धी परामर्श तथा समन्वय बैठक	√	√	√	√	
१०	गाउँपालिकाको आम्दानी वृद्घि गर्न पार्क, व्यापारिक भवन, बसपार्क आदि निर्माण (नगर विकास कोषसँग ऋण सहायता माग)	√	√	√		
११	संभावना बोकेका बहुउद्देश्यीय ठूला परियोजनाहरुमा लगानी गर्न समन्वय	√	√	√	√	√
१२	चालू परियोजनाहरु समयमै सम्पन्न गर्न संबन्धीत निकाय तथा केन्द्र ÷ प्रदेश सरकारलाई ताकेता	√	√	√	√	√
१३	आयोजना सहवित्तीयकरण कार्यक्रम सञ्चालन	√	√	√		√

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१४	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा सहुलियत ऋण कार्यक्रम सञ्चालनमा सहकार्य	√	√	√	√	
१५	गाउँपालिका उद्यमशीलता विकास कोष स्थापना र सञ्चालनमा सहकार्य			√	√	
१६	लागानीकर्ता प्रोत्साहन गर्न नगरको नीति निर्माण			√	√	
१७	तुलनात्मक लाभका केही सार्वजनिक निजी साझेदारीमा परियोजना संचालन			√	√	
१८	लगानीकर्ता आकर्षित गर्न वृहत् उद्यमी भेला			√	√	

८.२.५. अपेक्षित उपलब्धि

यस योजना पछी गा.पा.को अन्तरिक आय वृद्धि भई गाउँपालिका विकासको गतिमा अगाडी बढेको हुनेछ ।

८.३. सुशासन तथा जनसहभागिता

८.३.१. पृष्ठभूमि

असल शासनका लागि असर र जनहितका कामहरु गरिनु पर्दछ । जनताका दैनिक समस्या समाधानलाई सम्बोधन गर्न सहज प्रशासन, क्षमतावान र इमान्दार कर्मचारी, चुस्तदुरुस्त संगठनात्मक स्वरुप हुन आवश्क छ । जनउत्तरदायी योजना बनाएर मात्र पुग्दैन त्यसको कार्यान्वयन पक्ष फितलो भयोभने त्यसले जनताका समस्या सुझाउन सक्दैन ।

८.३.२. समस्या तथा चुनौती

स्थानीय सरकारहरुले शुशासन र जनसहभागिताको लागि खासै काम गरेको देखिन्दैन । स्थानीय सरकारले गरेका कामहरुको सामाजिक परिक्षण ज्यादै न्यून गरेका, विभिन्न प्रक्रियागत झण्झटको कारण सेवाग्राहीहरु हैरानी महशुस गर्दछन । सरकारका काम कारवाही जनतालाई थाहा नहुने कसले के गरिरहेको छ चासो नहुने भएपनि कसैले सूचना नदिने जस्ता समस्या रहेका छन् । कामकारहाहीमा राजनीतिक हस्तछेप हुनु, आर्थिक प्रलोभन र शक्ति केन्द्रमा केन्द्रीत हुने प्रचलन, सार्वजनिक, नीजि साझेदारीलाई व्यवहारिक बनाउन नसक्नु, वित्तिय अनुशासनमा कमी, भएका ऐन कानूनको कार्यान्वयन गर्न र गराउन स्थानीय सरकारहरुलाई चुनौती भएको देखिन्छ ।

८.३.३. संभावना तथा अवसर

गाउँपालिका आफुले प्रवाह गर्ने सेवा, सुविधा प्रति सचेत रहनु पर्दछ । जनताले विना कारण सेवा लिनबाट बञ्चित हुन नपरोस् भनी सेवा प्रवाह सम्बन्ध जानकारीमूलक नागरिक वडापत्र गाउँपालिका, वडा कार्यालय, अन्य सम्बन्धीत सार्वजनिक सेवा प्रदायहरुले आ–आफ्नो कार्यालयबाट प्रवाह गरिने सेवा, सेवाको मूल्य, सेवा प्राप्त गर्ने प्रक्रिया, सेवा प्राप्त गर्न लाग्ने समय सहितको विवरणपत्र आफ्नो कार्यालयमा सेवाग्राहीले सजिलै देख्न र पढ्न पाउने स्थानमा राखिनु पर्दछ । उक्त वडापत्र अनुसार प्रक्रियागत रुपमा सेवा माग गर्दा प्राप्त नभएमा त्यसको सुनुवाई र सेवा प्राप्त नभएका कारण सेवाग्राहीले भोग्नु परेको तनाव, समयको खर्च र अन्य खर्चहरुको समेत हिसाव गरी सेवा प्रवाहमा ढिलासुस्ती वा सेवा प्रदान नगर्ने सार्वजनिक पदमा रहेका कर्मचारी वा व्यक्तिबाट क्षतिपूर्ति भराउने व्यवस्था सहितको नागरिक वडापत्र लागू गरिनु पर्दछ । नमूना गाउँपालिका निर्माणका लागि क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र लागू गरिनेछ ।

विकास निर्माण गर्दा पटकै पिच्छे उपभोक्ता समिति गठन गर्ने र निर्माण सम्पन्न भएपनि हराउने अवस्थाको अन्त्य गरी टोल टोलमा टोल विकास संस्था गठन गर्ने, ति संस्थाहरुलाई सार्वजनिक सम्पतिको संरक्षण, हेरचाह, विकास निर्माणको समेत उत्तरदायित्व दिनु पर्दछ । यसले उपलब्ध स्रोतको सहि सदुपयोग गर्न र जनपरिचालनमा दिगोपना आउँछ । टोल विकास संस्थामा सहभागि हुने सदस्यहरु रोटेशनको आधारमा बस्ने व्यवस्था मिलाई एकाधिकार र पहुँचवालामा नियन्त्रण गर्न सक्ने संभावना छ । भर्खरै व्यवहारमा आएको

संघियता र यसले दिएको अधिकारको सदुपयोगबाट स्थानीय सरकारलाई जनमुखि बनाउन अवसर रहेको छ ।

८.३.४. सुशासन तथा जनसहभागिता योजना

८.३.४.१. सोच

जनभावना अनुरुपको नमूना शासन प्रणाली स्थापित गर्ने ।

८.३.४.२. लक्ष्य

असल शासनको प्रत्याभूति गराउने

८.३.४.३. उद्देश्य

१. सेवाग्राहीमैत्री कार्य वातावरण तथा आर्थिक अनुशासन कायम गर्दै पारदर्शि एवं जनउत्तरदायी प्रशासनको विकास गर्ने ।
२. जनमुखि सरकारको अवधारणा अनुरुप कार्यहरु गर्ने गराउने ।

८.३.४.४. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
उद्देश्य १: सेवाग्राहीमैत्री कार्य वातावरण तथा आर्थिक अनुशासन कायम गर्दै पारदर्शि एवं जनउत्तरदायी प्रशासनको विकास गर्ने ।	
१.१ स्थानीय सरकारहरुलाई सक्षम र सवल बनाई स्थानीय श्रोत र साधनको बढी भन्दा बढी मात्रामा सदुपयोग गरिने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।	१.१.१ नपाका सवै सरोकारवालाहरुलाई ICT Friendly बनाउन क्षमता अभिवृद्धि र तालीम कार्यक्रम सञ्चालन गरिनुका साथै सम्पूर्ण कार्यालयहरुमा E-governance लाई कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ ।
१.२ योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, मूल्यांकन र अनुगमन प्रक्रियामा प्रभावकारिता ल्याउन एकीकृत सूचना प्रणालीको विकास गर्न विशेष पहल गरिनेछ ।	१.२.१ नपाका सवै सरोकारवालाहरुलाई ICT Friendly बनाउन क्षमता अभिवृद्धि र तालीम कार्यक्रम सञ्चालन गरीनुका साथै सम्पूर्ण कार्यालयहरुमा E-governance लाई कार्यान्वयनमा ल्याईनेछ ।
	१.२.२ नपास्तरीय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समितिको निर्माण एवं भूमिका र कार्यक्षेत्र बढाइनेछ ।
	१.२.३ कार्यसम्पादन र मुल्याङ्कनलाई बस्तुनिष्ट बनाई कार्य सम्पादनको आधारमा दण्ड र पुरस्कार प्रणालीको अबलम्बन गरीनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
१.३ गाउँपालिका स्तरीय कार्यालयहरुमा हुन सक्ने आर्थिक अनियमितता, भ्रष्टाचारलाई प्रभावकारी नियन्त्रण गर्न उपयुक्त नीति अवलम्बन गरिनेछ ।	
उद्देश्य २: जनमुखि सरकारको अवधारणा अनुरुप कार्यहरु गर्ने गराउने ।	
२.१ एकीकृत गाउँपालिका विकास योजनाको परिधिभित्र रही वार्षिक कार्यक्रमहरुको तर्जुमा स्वीकृति र कार्यान्वयन गर्ने परिपाटीको विकास गरिनेछ ।	२.१.१ वडास्तरबाट गरिनु पर्ने भनी सिफारिस भई आएका योजनाहरुलाई एकीकृत विकास योजनाको परिधिभित्र रही प्राथमिकता दिइनेछ ।
	२.१.२ विगतका अधुरा योजनाहरुलाई फरफारक गरी न्यूनतम लागतमा बढी प्रतिफल हासिल हुने खालका योजनाहरु मात्र सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.३ आचार संहिताको निर्माण गरि गैसस विकास साझेदारहरुको लगानी नपाको आवश्यकता भन्दा बाहिरका क्षेत्रमा परिचालन हुन नपाउने प्रावधान लागू गरिनेछ ।
२.२ सहभागितामूलक योजना पद्धतिको अबलम्बन मार्फत योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनमा लागत प्रभावकारीता हासिल गर्ने नीति लिईनेछ ।	

८.३.४.५. कार्यक्रम तथा परियोजना

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
१	सबै विषगत कार्यालय र विद्यालयहरुमा डिजिटल हाजिरीको व्यवस्था			√		√
२	आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी सफ्टवेयर जडान तथा प्रयोग तालिम			√		
३	सूचना प्रविधिमैत्री प्रशासन लागु		√	√		√

क्र.स	कार्यक्रमहरु	सहकार्य गर्ने निकायहरु				
		संघ	प्रदेश	स्थानीय तह	नीजि क्षेत्र	अन्य निकाय
४	सूचना अधिकारीको व्यवस्था			√		
५	टोल विकास संस्थाको विकास निरिक्षणमा परिचालन			√		
६	सहज सेवा प्राप्त गर्न जनताको सहयोगका लागि सहयोगी परिचालन			√		
७	गाउँपालिकाका सबै सुचना संरक्षण र आवश्यक परेको वेला प्राप्त गर्न पुस्तकालयको व्यवस्था			√		√
८	सबै योजना तथा कार्यक्रमको प्रकाशन र सबैको पहुँचमा रहने व्यवस्था			√		√
९	भ्रष्टाचार विरुद्धको शून्य सहनशिलता कार्यान्वयन (जनचेतना, आचार संहिता, गुनासो सुनुवाई, आदि)			√		√
१०	क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र			√		
११	गुनासो सुनुवाई कक्षको व्यवस्था /वडाहरु र नपामा उजुरी पेटिकाको व्यवस्था र तत्कालै सुनुवाईको व्यवस्था			√		
१२	ठूला साना आयोजनाको सार्वजनिक सुनुवाई			√		

परिच्छेद ९: कार्यान्वयन व्यवस्था

९.१. योजना अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

मानिसहरुको समग्र जिवनस्तर सुधार गर्न नियोजन गरिएका विकास निर्माणका कार्यहरु सहि ढङ्गले भए नभएको, निर्दिष्ट लक्ष्य तथा उद्देश्यहरु प्राप्त भए नभएको हेर्न र नतिजा थाह पाउन अनुगमन तथा मुल्याङ्कन कार्य अत्यावश्यक हुन्छ । भएका कार्यहरुको उचित अनुगमन नहुदा त्यसको गुणस्तरमा प्रश्न चिह्न आउछ भने मुल्याङ्कन बिना सो कार्यको प्रभाव थाह हुदैन । योजनाको मुल्याङ्कन दुई चरणमा हुन्छ, पहिलो चरणमा योजना लागू गर्नु भन्दा पहिले त्यसको सम्भावित आवश्यकता तथा प्रभावबारे र दोस्रो चरणमा योजना कार्यान्वयन पश्चात् सोको असर तथा उपलब्धि बारे । विकास निर्माणमा हुने बजेटको दुरुपयोग रोक्न र त्यसको सहि कार्यान्वयन गर्न उक्त कार्यहरुमा मुल्याङ्कन अत्यावश्यक हुन्छ ।

कार्यान्वयन कर्ताले विश्वास गरि निश्चित योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीतिहरुको कार्यान्वयन तथा प्रगतिको अवस्थाबारे निरन्तर वा आवधिक रुपमा गरिने तहगत संस्थागत वा व्यक्तिगत व्यवस्थापननै मूलभूत रुपमा अनुगमन हो । कार्यहरु कसरी भैरहेको छ, तोकेको मापदण्ड पुरा भए नभएको, कार्य शैली अपेक्षित रहे नरहेको र योजनाका सम्पूर्ण गतिविधीहरु कार्यान्वयन भए–नभएको हेर्ने कार्य अनुगमन हो । अनुगमन निरन्तर चल्ने प्रक्रिया हो भने यसले निम्न कुराहरुको उत्तर दिन्छ ।

- उपलब्ध श्रोतहरुलाई विभिन्न इकाईहरुले निश्चित समय र छुट्याएको बजेट सीमा भित्र प्रयोग गरे गरेन्
- समयमै र किफायती तवरले अनुमानित नतिजा प्रतिफल प्राप्त भयो कि भएन
- कार्यान्वन गर्ने क्षमताको स्तर के कस्तो छ
- के–कस्ता समस्या तथा व्यवधानहरुको समना गर्नु परिरहेको छ र के–कस्ता समाधानका उपायहरु अपनाउन सकिन्छ

मुल्याङ्कनले योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीतिहरुको कार्यान्वयन पश्चात्को प्रभावकारीता, प्रासङ्गिकता तथा दीगोपनाबारे अध्ययन गर्दछ । यो कार्य गर्न आन्तरिक वा वाह्य मुल्याङ्कनकर्ताको आवश्यकता पर्दछ र यसले योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीति जुन उद्देश्य प्राप्त गर्न कार्यान्वयन गरिएको हो, सो उद्देश्य प्राप्त भएको या नभएको भनेर जवाफ दिन्छ । अझ परियोजनाको स्तरमा हेर्दा परियोजना कार्यान्वयन पश्चात् सो परियोजना परिकल्पना गरेको भन्दा कत्तिको फरक ढङ्गले सम्पन्न भयो भन्ने कुरा पनि हेर्दछ । योजना, कार्यक्रम, परियोजना तथा नीति कार्यान्वयनको समयमा भएको कमजोरी र देखिएका राम्रा पक्षहरुको मिहिन अध्ययन गरि अर्को चरणमा अपनाउनु पर्ने सावधानी बारे सूचना दिन्छ । मुल्याङ्कन कार्य निरन्तर चल्दैन र योजना कार्यान्वयनको सूरुवाती चरण, मध्य चरण, अन्तिम चरण तथा प्रभाव चरण गरि विभिन्न चरण हरुमा गरिन्छ ।

आवधिक योजनामा प्रस्तवित भए अनुरुपको लक्ष्य र उद्देश्य प्राप्त गर्न तय गरिएका रणनीति तथा कार्ययोजना कसरी कार्यान्वयन भइरहेका छन् ?, कार्यक्रमहरुमा लक्षित वर्गको पहुँच पुगेको छ वा छैन ?, कार्यक्रमहरुको प्रभावकारीता कस्तो रह्यो ? कुन कार्यक्रमको कार्यान्वयनबाट कस्तो असर र प्रभाव परिरहेको छ? कुनै आयोजनाहरुको थप वा पुनरावलोकन गर्न पर्ने छ वा कसरी अझ प्रभावकारी बनाउन सकिन्छ । लगायतका विषयवस्तुको जानकारी लिने माध्यम नै योजनाको समग्र अनुगमन हो । योजनामा निर्दिष्ट गरिएका लक्ष्य, उपलब्धि तथा सूचकहरुको मूल्याङ्कनका लागि योजना अनुगमन अनिवार्य मानिन्छ । विभिन्न चरण पार गर्दै तर्जुमा गरिएको योजना आफैँमा एक उत्कृष्ट भावि कार्य योजनाको दस्तावेज हो । योजना बनाउँदा जुन प्रकारले सोचिएको वा जुन प्रकारका सुचना र तथ्याङ्कले निर्दिष्ट गरेको हुन्छ त्यसमा बदलाव आउना साथ योजनाको असर र प्रभाव फरक पर्दछ । यसरी बनाइएको योजनाको वास्तविक परीक्षण जव योजनाको कार्यान्वयन हुन्छ तव मात्र थाहा हुन्छकी योजना यथार्थपरक भयो वा भएन । त्यसैले योजनाको अनुगमन गरिनु मुख्य प्रक्रियामा पर्दछ ।

नेपालको संविधान २०७२ ले निर्देश गरेका प्रावधान अनुसार बनेको स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ लागु हुनु अघि स्थानिय तहमा सञ्चालन हुने परियोजनाहरुको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन परिपाटी व्यवस्थित थिएनन् तर उक्त ऐन लागु भएपछि स्थानीय क्रियाकलापका लागि स्थानीय सरकारलाई नै अख्तियारी दिने परिपाटी बसेको छ ।

कानुनी प्रावधान अनुसार योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन एवं अनुगमन तथा मूल्यांकनको जिम्मेवारी स्वयं गाउँपालिकाले प्राप्त गरेको छ । योजनाको कार्यान्वयन खाकाका आधारमा गाउँपालिकाको निर्वाचित सरकार, राजनीतिक दलहरु, सार्वजनिक विषय क्षेत्रगत सरोकारवालाहरु, गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम आदिका माध्यमद्वारा योजनाको कार्यावयन गरिन्छ ।

९.१.१. नतिजामा आधारित व्यवस्थापन, अनुगमन तथा मुल्याङ्कन

यस योजनाले तोकेका कार्यक्रम तथा परियोजनाहरुको कार्यान्वयन व्यवस्थापन, त्यसको अनुगमन तथा मुल्याङ्कन गर्न गाउँपालिकाले गा.पा.को उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा समिति निर्माण गर्नेछ । समितिको गठन निम्म अनुसार रहनेछ ।

संयोजकः गाउँपालिका उपाध्यक्ष

सदस्यहरुः सम्पूर्ण वडा अध्यक्षहरु

विषयगत शाखा प्रमुख

आमन्त्रित २ जना (स्थानीय वुद्धिजिवी, समाजसेवी, पत्रकार)

सदस्य सचिवः योजना शाखा प्रमुख/ इन्जिनियर

९.१.२. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

आवधिक योजनाको सोच, लक्ष्य एवं उद्देश्य बमोजिम योजना कार्यान्वयन सही दिशातर्फ उन्मुख भए नभएको, योजनाले निर्धारण गरेका आयोजनाको सामाजिक प्रभाव तथा वित्त परिचालन प्रणाली पारदर्शी भए नभएको, आयोजना परिचालनका कमी कमजोरीहरु आदिका बारेमा सत्थ तथ्य जानकारी प्राप्त गर्ने माध्यमका रुपमा अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणालीको प्रयोग गर्ने गरिन्छ ।

गाउँपालिकामा विकास साझेदारको सहयोगमा सञ्चालित कार्यक्रमहरु बाहेक गाउँपालिकाको आफ्नै वार्षिक योजना कार्यान्वयन तालिका अनुसार लागु गर्ने पद्धतिको विकास भई नसकेको अवस्थामा यो आवधिक योजना मार्फत वार्षिक योजना कार्यान्वयनको वातावरण सिर्जना भई योजना अनुगमन तथा मूल्यांकनका लागि सहज वातावरण सिर्जना हुने अपेक्षा गरिएको छ । क्षेत्र विषयगत सूचकको आधारमा योजित कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने पद्धतिको विकास हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

९.१.३. अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको उद्देश्य

आवधिक योजनाले तय गरेका गाउँपालिकाका कार्ययोजनाहरुको प्रभावकारिता तथा उपलब्धिको मापन प्रणालीको विकास गर्नु

९.१.४. रणनीति

१ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन वमोजिमको अनुगमन संयन्त्रको परिचालन गर्ने ।

२ आवधिक योजनाको मध्यावधि मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गर्ने ।

३ पारदर्शिता तथा संस्थागत सुशासन कायम गर्नका लागि अनुगमन र मूल्यांकन प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्ने ।

९.१.५. मुख्य कार्यक्रम

- योजना कार्यान्वयन निकायहरुको क्षमता विकास ।
- क्षेत्र विषयगत मूल्यांकन र विश्लेषण सूचकहरुको निर्माण ।
- त्रैमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक अनुगमन कार्यान्वयन कार्यक्रम ।
- समीक्षा तथा स्थानीय समस्या समाधान समितिको बैठक ।

९.१.६. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यको प्रक्रिया र जिम्मेवारी

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि गाउँपालिकाले सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति मार्फत निम्न तालिका बमोजिमको अख्तियारीमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको प्रक्रिया अवलम्बन गर्नेछ ।

तालिका 2: आवधिक योजना अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रक्रिया खाका

क्र.स.	**के अनुगमन गर्ने**	**कहिले अनुगमन गर्ने**	**कसरी अनुगमन गर्ने**	**कसले अनुगमन गर्ने**
१	चालु योजना अन्तर्गतका क्रियाकलाप कसरी कार्यान्वयन भइराखेका छन् भन्ने वारेको	अनुगमन परियोजना पटके, मासिक, चौमासिक र वार्षिक	चौमासिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, स्थलगत अनुगमन गर्ने,	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति, वडा समिति, सरकारी र गै.स.स.
२	प्रतिफल अनुगमन	चौमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक र मध्यावधि	स्थलगत अनुगमन गर्ने, वार्षिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने	गाउँपालिका, सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति
३	असर तह	वार्षिक, मध्यावधि र अन्तिम बर्ष	सहभागितामूलक छलफल गर्ने, नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने, नमूना सर्वेक्षण गर्ने	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेस्रो पक्ष
४	प्रभाव तह	मध्यावधि र अन्तिम बर्ष	नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने, सहभागितामूलक छलफल गर्ने, अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्ने	सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेस्रो पक्ष

परिच्छेद १०: अनुमान तथा जोखिम

यस योजनाले तय गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति, कार्यक्रम तथा योजनाहरुको सफल र प्रभावकारी कार्यान्वय हुने विश्वास गरिएको छ । प्रत्येक आर्थिक वर्षमा बार्षिक योजना तथा कार्यक्रम बनाउँदा गाउँपालिकाले आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति, कार्यक्रम तथा योजना अनुसार नै बनाउने विश्वास गरिएको छ । प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि वित्तिय लगानी वृद्धि गर्न समयानुकुल कार्ययोजना बनाई संघ प्रदेश लगाएतका साझेदारहरुसँग समन्वय, सहकार्य गरिनु आवश्यक छ । दिन दुई गुणा रात चौगुणाका रुपमा प्रविधिको विकास भई रहेको सन्दर्भमा राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रविधि, ज्ञान र सिपको आदान प्रदान गर्न सक्ने र गर्ने संस्थागत विकास गाउँपालिकाको लागि सफल योजना कार्यान्वयनमा कोशेढुंगा सावित हुने अनुमान गरिएको छ ।

योजना तर्जुमाको क्रममा गरिएका प्रक्षेपणहरु सिधा रेखिए वा गणितिय हिसावले गरिएको र सोही अनुसार विकास क्रमहरु क्रमिक रुपमा अगाडि बढ्ने अनुमान छ । समाज र विकासको क्रम गणितीय हिसावले मात्र नहुन सक्ने र २१ औं शाताब्दीमा विश्व जगतको कुनै एक कुनामा भएको क्रमभंगता वा समस्याले नेपाललाई समेत असर गर्ने भएकोले परिस्थितिसँग जुध्न सक्ने क्षमताको विकास गाउँपालिकाले गर्ने अनुमान गरिएको छ ।

राजनीतिक ईच्छा शक्ति र कर्मचारी प्रशासनको सक्रियतामा कमि भएमा योजना कार्यान्यिन जोखिममा पर्न सक्छ । बार्षिक कार्यक्रमहरुले आवधिक योजनालाई पछ्याउन सकेन भने वा आवधिक योजनाको मर्म अनुसार अगाडि बढ्न नसकेमा लक्ष्य अनुसार काम नहुने जोखिम रहन्छ । त्यसैगरी प्रक्षेपित राजश्व संकलनको लागि आवश्यक प्रयत्न, संघ र प्रदेशबाट आउने अनुदान, संघिय वा केन्द्रीय निकायसँगको कार्यात्मक समन्वय आदिमा कमि रहन गएमा योजना जोखिममा पर्न सक्छ ।

गाउँपालिकाले आवधिक योजनालाई कानूनी रुपमा स्वीकृत गरेपनि व्यवहारिक रुपमा प्रयोग गर्न तर्फ ध्यान नदिने र योजनाको दस्तावेजलाई दराजको कुनामा थन्काउन सक्ने जोखिम मुख्य रुपमा रहेको छ । संघियताको कार्यन्वयन पछी स्थानीय तहहरु अझै पनि संक्रमण कालमानै रहेको र तथ्यांक प्रणालीको व्यवस्थित भैनसकेको अवस्थामा तथ्यपरक सूचना प्राप्त गर्नु र अनुमानित तथ्यांकमा आधारित योजना तर्जुमा गर्नु नै यस योजनाको मुख्य जोखिम पक्ष हो ।

प्राकृतिक प्रकोप, एवं महामारी जस्तै भूकम्प, बाढी पहिरो, कोरोना महामारी आदिका कारण पनि प्रस्तावित कतिपय योजना तथा कार्यक्रम कार्यन्वयनहरु नहुने स्थिति सिर्जना हुन् सक्ने अनुमान गर्न सकिन्छ ।

परिच्छेद ११: नतिजा खाका

११.१.१. परिचय

आवधिक योजनाले परिकल्पना गरेका सोंच, लक्ष्य, उद्देश्य कसरि प्राप्त हुन्छ भन्ने तथ्यलाई तर्कसंगत ढंगबाट नतिजा खाकामा प्रस्तुत गरिएको छ । राष्ट्रिय योजना आयोगले ल्याएको नतिजा खाकाको ढाँचालाई नै आधार मानि यस आवधिक योजनाको नतिजा खाका तयार गरिएको छ । गाउँपालिकालाई वार्षिक र क्षेत्रगत योजनाहरु तय गर्न तथा संचालित योजनाको अनुगमन तथा मुल्यांकन गर्न र आवधिक योजना कार्यन्वयनको समिक्षा गर्न साथै मध्यकालीन खर्च संरचना तयार गर्न यस नतिजा खाकाले मदत गर्दछ ।

११.१.२. गाउँपालिकाको समष्टिगत क्षेत्र

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४						
प्रभाव	प्रतिव्यक्ति आय	अमेरिकी डलर	१९१७	२१११	२३२४	२५४०	२८०२	३०८७	राष्ट्रिय लेखा	के.त.वि.			१.४	१
	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक	०४१६	०.४६९	०.४७२	०.४७५	०.४७८	०.४८१					१.३	८
	गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या	प्रतिशत												८
	आय सूचकांक	सुचकांक	०.३६३	०.३६९	०.३७२	०.३७५	०.३७८	०.३८१	०.३८४					
	औषत आयु	वर्ष	६९.६८	७३	७४	७५	७६	७७						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४						
असर	साक्षरता दर	प्रतिशत	५०.५८	५५	६०	६५	७०	७५						
	रोजगारी दर	प्रतिशत	६२.१२	६३.१५	६६.५०	६८.१२	७०.१२	७२						
प्रतिफल	११९ गाउँपालिका मा हरिहरपुरगढी को स्थान	स्थान	११३	११०	१०५	९५	८७	८५						

११.१.३. कृषि तथा पशुपालन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	व्यवसायिक उत्पादनमा संलग्न कृषक	संख्या	१४	१९	२४	२९	३४	३९							२
	अगुवा वा व्यवसायिक कृषक	संख्या	२०	२३	२६	२९	३४	३९							२
	स्थानीय व्यवसायिक कृषि फार्म	संख्या	४१	४३	४५	४७	४८	५०							२
	तरकारी उत्पादन	मे.टन													२
	फलफुल उत्पादन	मे.टन													२
	व्यवसायिक कृषि नर्सरी	संख्या	१	२	३								४.२.१	१.३	२

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	कृषि उपज संकलन केन्द्र	संख्या	०		१	२	३						४.२.१	१.१	२
	कृषि सहकारी संस्था	संख्या	१२	१२	१२	१२	१२	१२							२
	कोल्ड स्टोर संख्या	संख्या	०		१		१								२
	कृषि वीमा सेवावाट लाभान्वित कृषक	प्रतिशत	१०	२०	३०	४०	५०								२
	संचालनमा रहेको कृषिवजार, हाटवजार तथा कृषि थोकवजार														२
	कृषि सूचना तथा वजार मूल्य जानकारीका	संख्या													२

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	लागि वनाइएको मोवाइल एप्स														
	संचालनमा रहेको कृषि व्लक, पकेट, जोन तथा सुपरजोन	संख्या	३	५	७	९	११	१३							२

११.१.४. पर्यटन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	गाउँपालिकाको राजश्व संकलनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	०	१	२	३	४	५							

नतिजा स्तर	**नतिजा सूचक**	**एकाइ**	**आधार वर्ष २०७९/८०**	**लक्ष्य**					**सूचनाको स्रोत**	**जिम्मेवार निकाय**	**अनुमान तथा जोखिम**	**स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत**	**प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत**	**दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत**	**दीगो विकास लक्ष्य संकेत**
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
असर	पर्यटन क्षेत्रको आयको वृद्धिदर	प्रतिशत													
प्रतिफल	पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी सिर्जना	संख्या हजारमा													
	पर्यटकको सङ्ख्या	संख्या													
	पर्यटकीय गन्तव्य	संख्या	१	३	४	५	६	७							
	पर्यटन सूचना केन्द्र	संख्या	०		१										
	पदमार्ग	संख्या	१												
	हेलिप्याड	संख्या	०												

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	धार्मिक पर्यटकीय क्षेत्र	संख्या	२	४	६	९	११	१३							
	होमस्टे (सामुदायिक/निजि)	संख्या	०		१		२	३							
	कोशेली घर	संख्या	नभएको	१			२								

११.१.५.उद्योग

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	गाउँपालिकाको राजस्व संकलनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		२	४	६	८	१०	गा.पा.	गा.पा.			४.३.१	१.३	९
असर	औद्योगिक क्षेत्रमा औपचारिक तथा अनौपचारिक रोजगारी सिर्जना	संख्या							४.३.१	१.३		२.२.१	४.३.१	१.३	९
प्रतिफल	उद्योग दर्ता	संख्या	१५	२०	२५	३५	४५	५०				३.२.१	४.३.१	१.३	९

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	मझौला उद्योग (रु. १५ करोड सम्मको)	संख्या	०				१	२	गा.पा.	गा.पा.		३.१.२	४.३.१	१.३	९
	घरेलु तथा साना उद्योग	संख्या	०	२	४	६	८	१०	गा.पा.	गा.पा.		१.१.३	४.३.१	१.३	९
	स्थानीय सिप शैलीमा आधारित उद्योग	संख्या	१५	१८	२०	२२	२५	३०	गा.पा.	गा.पा.		१.१.२	४.३.१	१.३	९
	उद्योगबाट रोजगारी सिर्जना	संख्या	१५०	१७५	२००	३००	४५०	६००	गा.पा.	गा.पा.		२.२.१	४.३.१	१.३	९
	औद्योगिक ग्राम स्थापना र संचालन	संख्या	०		१				गा.पा.	गा.पा.		३.२.१	४.३.१	१.३	९

११.१.६. व्यापार तथा व्यवसाय

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	गाउँपालिकाको कुल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा (थोक तथा खुद्रा व्यापार क्षेत्रको योगदान)	प्रतिशत	५	८	१०	१२	१३	१५	गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		१.१	४.४.१.	१.४	९
प्रभाव	कुल दर्ता भएका पसल संख्या			८०	१००	१२५	१७५	२००	गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		१.१	४.४.१.	१.४	९
प्रतिफल	सुचारु व्यापार व्यवसाय	संख्या							गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		१.१	४.४.१.	१.४	९
	व्यापार व्यवसायको क्षेत्रमा संग्लग्न व्यक्ति	संख्या							गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		२.१	४.४.१.	१.४	९
	सुपथ मूल्यका पसल	संख्या	०	१		१			गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		२.२	४.४.१.	१.४	९
	प्रमुख बजार क्षेत्र	स्थान	३	४	५	६	७	८							

नतिजा स्तर		एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	बजार अनुगमन	पटक	१	२	३	४	५	५	गा.पा वार्षिक प्रतिवेदन	गा.पा.		२.३	४.४.१.	१.४	९

११.१.७. श्रम तथा रोजगारी

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	रोजगारीको सिर्जनामा वृद्धि	प्रतिशत		५	८	१०	१५	२०	गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		१.१			८
असर	रोजगारीको सूचना केन्द्र	संख्या	१	१					गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		१.१			८
	बेरोजगारहरुको अध्यावधिक लागत तयार हुने	संख्या	१	१	१	१	१	१	गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		१.१			८
प्रतिफल	सिपमुलक तालिम सहित रोजगारी	संख्या	१००	१५०	२००	२५०	३००	३५०	गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		१.१			८
	तालिम प्रदान गर्ने संस्था	संख्या			१				गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		२.१			८

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७८/७९	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केर व्यवसाय गर्नेको संख्या	संख्या	२०	३०	४०	५०	६०	७०	गा.पा. प्रतिवेदन	ग.पा		१.२			८
	बाल श्रम मुक्त गाउँपालिका हुने			आ.व. २०७९/०७८					गा.पा. प्रतिवेदन, गै.स.स प्रतिवेदन	ग.पा		३.१			८

११.१.८. स्वास्थ्य तथा पोषण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष	६९.६८	७०	७०.३	७०.६	७२	७१.५		रायोअ			५.२.२	२.३	३
असर	मातृमुत्यु दर (प्रत्येक १ लाख जीवित जन्ममा)	संख्या								स्वास्थ्य मन्त्रालय			५.२.२	२.३	३
	५ वर्ष मुनीको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या											५.२.२	२.३	३
	आधा घण्टाको दुरीमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच भएका घरधुरी	संख्या		६५	६९	७१	७३	७५					५.२.२	२.३	३

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	पूर्ण खोप प्राप्त १ वर्ष मुनिको बालबालिकाको प्रतिशत	संख्या	५८.५	६०	६३	६६	६९	७१							
	विरामी पर्दा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ अस्पताल जाने जनसंख्या	प्रतिशत	३०	४५	५५	६५	७५	९०							
	२५०० ग्रामभन्दा कम जन्मतौल भएका शिशु	संख्या													
	नजिकको प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वा	घण्टा						०.५					५.२.२	२.३	३

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	अस्पताल पुग्न लाग्ने औषत समय														
प्रतिफल	स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुति गराउने गर्भवती महिला	प्रतिशत	५०	५५	६०	६५	७०	७५					५.२.२	२.३	३
	प्रसुति पूर्व प्रसूति सेवा ४ पटक प्राप्त गर्ने महिला	प्रतिशत	५०	५५	६०	६५	७०	७५					५.२.२	२.३	३
	प्रसुति सेवा उपलव्ध भएका स्वास्थ्य संस्थाहरु	संख्या	४	५	६	७	८	९							
	स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी (स्वास्थ्यकर्मीको अनुपात)	संख्या											५.२.२	२.३	३

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	भिटामिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका	प्रतिशत	७९.४	८१	८३	८५	८७	९०							
	परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर	प्रतिशत	८०	८२	८४	८६	८८	९०					५.२.२	२.३	३
	स्वास्थ्य वीमा गर्ने परिवार	प्रतिशत	५	२०	४०	६०	८०	९०					५.२.२	२.३	३
	स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतनामुलक कार्यक्रम कार्यक्रममा	संख्या													२
	घुम्ती लगायत स्वास्थ्य शिविर पटक	संख्या	५	१०	१५	२०	२५	३०							

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरु उपलव्ध भएका वडाहरु	संख्या	८	८	८	८	८	८							
	आधारभुत सुविधा (खानेपानी, शौचालय, वर्थिङ्ग वार्ड र परामर्श केन्द्र आदी) उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था	संख्या	४	५	६	७	८	८							
	क्रियाशिल महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका	संख्या	३६	३८	४०	४२	४४	४६							
	योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा (आयुर्वेदिक, होमियोप्याथिक,	संख्या	०		१		२								

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	अक्कुपञ्चर, उपचार पद्धति संचालन गर्ने संस्था														
	कम्तीमा १५ शैयाको सुविधा सम्पन्न अस्पताल संचालन	संख्या	०		१										
	गाउँघर क्लिनिकको संख्या	संख्या													

११.१.९.शिक्षा

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	विद्यालय वाहिर रहेका ५–१५ वर्ष उमेर समूहका बालबालिका	प्रतिशत								रायोअ					
	माध्यामकि तह (९–१२) को खूद भर्नादर	प्रतिशत											५.१.२	१.२	४
	कक्षा १२ को निरन्तरता दर	प्रतिशत													
	कक्षा ८ सिकाई उपलब्धी दर	प्रतिशत													
	बालमैत्री सिकाइ विधि अवलम्बल गर्ने विद्यालय	प्रतिशत													
	वालमैत्री आधारभूत पूर्वाधार र सुविधा (भवन, चर्पी, खानेपानी,	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	खेलकुद मैदान, घेरावार, फर्निचर) उपलब्ध भएका विद्यालय														
	वालमैत्री, छात्रामैत्री, अपाङ्गतामैत्री र भूकम्प प्रतिरोधात्मक संचरना भएको विद्यालय	संख्या													
	आइसिटि सेवा उपलव्ध भएको विद्यालय	संख्या													
	छात्रवृत्ती पाउने विद्यार्थी संख्या	संख्या													
	वालक्लव गठन भएका विद्यालय	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात (आधारभूत र माद्यामिक)	संख्या													
	महिला शिक्षकको अनुपात (शिक्षकसंग)	संख्या													
	व्यवस्थित विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या													
	उच्च शिक्षा अध्यापन गर्ने (क्याम्पस) शिक्षण संस्था	संख्या													
	विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षकहरु	संख्या													
	सिटिइभिटिवाट सम्वद्र्धनमा संचालित प्राविधिक विद्यालय	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्यि लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक धारको अध्यापन गराउने विद्यालय	संख्या													
	आधारभूत तहमा स्थानीय मातृभाषामा पठनपाठन गर्ने विद्यालय	संख्या													
	नियमित अध्ययन गर्न नसक्ने विद्यार्थीका लागि माध्यामिक तह सम्मको अनौपचारिक वा खुल्ला शिक्षा दिने विद्यालय	संख्या													
	राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कोषवाट लाभान्वित विद्यालय	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	जनसंख्या वनौट र भौगोलिक अवस्थाको आधारमा नक्साङ्कन गरी समायोजना तथा एकीकरण भएका विद्यालय	संख्या													
	दिवा खाजा प्रदान गर्ने विद्यालयहरु	संख्या													
	स्यानीटरी प्याड र नर्स सेवा उपलब्ध भएको विद्यालय	संख्या													

११.१.१०. महिला बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	वृद्ध अवस्थाको सूचाङ्क	सूचाङ्क							सर्वेक्षण				५.३.४	२.२	
असर	सुरक्षित तथा सम्मानजनक जीवनयापन गर्ने ज्येष्ठ नागरिक	प्रतिशत							Ha · iness Index				५.३.४	२.२	
प्रतिफल	सुविधा सम्पन्न ज्येष्ठ नागरिक सामुदायिक भवन स्थापना तथा सञ्चालन	वटा							सा.वि.म.	सा.वि.म. अन्तर्गतका निकाय			५.३.४	२.२	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	दिवा सेवा केन्द्रको स्थापना	वटा							म तथा बालबालिका विभाग				५.३.४	२.२	
	ज्येष्ठ नागरिक कोषको स्थापना	वटा											५.३.४	२.२	

११.१.११. लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तिकरण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क	सूचकाङ्क											५.३.२	२.२	५
	लैङ्गिक हिंसा न्यूनिकरण	प्रतिशत											५.३.२	२.२	५
	लैङ्गिक असमानता न्यूनिकरण	सूचकाङ्क											५.३.२	२.२	५
	रोजगार महिला र पुरूषको मासिक आम्दानीको अनुपात (मुख्य कामबाट	अनुपात											५.३.२	२.२	५

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सम्पत्ति (घरजग्गामा) एकल स्वामित्व भएका महिला (१५ देखि ४९ वर्ष)	प्रतिशत											५.३.२	२.२	५
	जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यैन हिंसा पीडित महिला	प्रतिशत													
	विगत १२ महिनामा शारीरिक वा मानसिक वा यैन हिंसा पीडित महिला														

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	महिला श्रम सहभागिता दर	प्रतिशत											५.३.२	२.२	
प्रतिफल	सम्पत्ति माथिको महिलाको स्वामित्व (घर जग्गा)	प्रतिशत											५.३.२	२.२	१
	महिलाको औषत आयु	प्रतिशत													
	विभिन्न संघ, संस्था, समुह तथा निर्णायक तहमा महिला	प्रतिशत											५.३.२	२.२	५
	व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला	प्रतिशत											५.३.२	२.२	५

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	महिला उद्यमशीलता, क्षमता तथा सीप विकास कार्यक्रमका लागि वजेट व्यवस्था	रू.													
	घरव्यवहार तथा कारोबार सम्बन्धी निर्णयमा महिला सहभागी हुने परिवार	प्रतिशत											५.३.२	२.२	५
	महिला संजाल तथा आमा समूहहरु	संख्या													
	अन्तरपाटी महिला संजाल	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	महिला सहकारी संस्था र आवद्ध सदस्य	संख्या, संख्या											५.३.२	२.२	
	वहु विवाह गर्नेहरु	प्रतिशत													
	एकल महिला सुरक्षा कोषमा जम्मा भएको रकम	रू.											५.३.२	२.२	
	कृषि, पशुपंक्षी, स्वास्थ्य लगायत क्षेत्रमा महिला प्राविधिक	संख्या											५.३.२	२.२	
	हिंसापीडित महिलाको उद्धार, राहत, मनोसामाजिक परामर्श र कानूनी	संख्या											५.३.२	२.२	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	उपचारका लागि पुनस्थापना केन्द्र														

बालबालिका

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	श्रममा संलग्न बालबालिका तथा किशोरकिशोरी	प्रतिशत								के.त.वि.			५.३.३	२.२	५
असर	पाँच वर्षमुनिका बालबालिकाको जन्म दर्ता												५.३.३	२.२	५
प्रतिफल	अल्पकालिन बाल संरक्षण केन्द्रको संचालन												५.३.३	२.२	५
	बाल विवाह (कूल जनसंख्याको)	प्रतिशत													
	बालबालिका क्लब गठन	संख्या													

	वडास्तरीय बालसंजाल	संख्या													
	वालश्रम तथा शोषणमा रहेका वालवालिका	संख्या													

अपाङ्गता भएका व्यक्ति															
नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	अपाङ्गता न्युनीकरण	प्रतिशत							जनगणना				५.३.५	२.२	
असर	अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी र सम्मानजनक जीवनयापन								Ha · · ine ss Index				५.३.५	२.२	

प्रतिफल	अपाङ्गता क्लव	संख्या															
	अपाङ्गताको सीप, क्षमता, रोजगारी वृद्धिका लागि संचालन तालिका कार्यक्रमहरु	रू.													५.३.५	२.२	
	लैंगिक हिंसा र छुवाछुत सम्बन्धी कूल वार्षिक घटनाको	प्रतिशत															

११.१.१२. सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	सामाजिक सुरक्षाको अनुभूति सूचकाङ्क	सूचकाङ्क							मा.वि.स.	रायोआ				२.२	
	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आबद्ध जनसंख्या	प्रतिशत							नेपाल श्रमशक्ति सर्वेक्षण	के.त.वि					
असर	सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्राप्त जनसंख्या	प्रतिशत							SDG	रायोआ				२.२	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	स्थानीय बजेटमा सामाजिक सुरक्षामा भएको खर्च	प्रतिशत												२.२	१
	बैंक खाता भएको परिवार	प्रतिशत							NDHS	केतवि					१
	औपचारिक वितीय सेवाहरूबाट समेटिएका परिवार	प्रतिशत													
	स्वास्थ्य बिमामा आबद्ध जनसंख्या	प्रतिशत							वार्षिक प्रतिवेदन	स्वास्थ्य बिमा बोर्ड					

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रतिफल	सामाजिक सुरक्षावाट लाभान्वित जनसंख्या	प्रतिशत													
	परिवर्तित स्थानीय सासंरचना तथा कानून अनुसार समावेशी समिति, संयन्त्र तथा संजालमा महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र अन्य पिछडिएको														

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/ रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/ रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वर्गको प्रतिनिधित्व														
	जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपत्कालीन उद्धार तथा संरक्षण व्यवस्थापन	जना												२.२	
	वृद्धाश्रम दिवा सेवा केन्द्र	संख्या								सामाजिक सुरक्षा शाखा				२.२	
	सीपमूलक तालिम प्राप्त अपाङ्गता भएका व्यक्ति	जना								सामाजिक सुरक्षा शाखा				२.२	

११.१.१३. युवा तथा खेलकुद

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	युवा वेरोजगारीता	संख्या							नेपाल श्रमशक्ति सर्वेक्षण २०१७२०१८	के.त.वि			५.४.१	१.४	
असर	उद्योग, व्यापार व्यवसायमा युवाहरुको आवद्धता	प्रतिशत													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रतिफल	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत युवा रोजगार सेवा केन्द्रवाट लाभान्वित युवाहरु	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	
	स्थानीय तहको संरचनामा युवाहरुको संलग्नता	प्रतिशत							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	
	युवा क्लव, संजाल तथा संस्था	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.१	१.४	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	युवा खेलकुद अभ्यास प्रशिक्षण केन्द्र	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	कवर्डहल तथा खेलकुद मैदान	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	गाउँपालिकाद्वारा संचालित गाउँपालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	
	राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलाडी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				५.४.५	२.६	

११.१.१४. वस्ती तथा आवास

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	सुरक्षित तथा प्रवर्द्धन गरिएका	संख्या								के.त.वि			६.१.३	१.१	१.१
असर	जोखिमयुक्त वस्तीहरु	संख्या													
प्रतिफल	भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	निर्माण भएका सार्वजनिक भवन														
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका निजी आवास तथा संरचनाहरु	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	आधारभूत पूर्वाधार सहित	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	व्यवस्थित बजार														
	सुविधा सम्पन्न उद्यान सहितको खुल्ला पार्क क्षेत्र	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				६.१.३	१.१	११
	व्यवस्थित वसपार्क तथा वस स्टेशन	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	सुविधा सम्पन्न सामुदायिक, महिला, ज्येष्ठ नागरिक	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	तथा सभा भवन														

## ११.१.१५.	सडक पुल तथा यातायात

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	कालोपत्रे सडकको लम्वाई	कि.मि											६.२.१	१.१	
असर	ग्राभेल सडकको लम्वाई	कि.मि											६.२.१	१.१	
प्रतिफल	धुले सडक लम्वाई	कि.मि							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	कृषि सडकको लम्वाई	कि.मि							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	पक्की पुल (वेलीव्रिज समेत)	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्यि लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सहायक नदीमा झोलुङ्गे पुल	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	आंशिक रुपमा सार्वजनिक यातायात सुचारु सडक लम्वाई	कि.मि							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	स्थानीय स्तरमा संचालित ४ पाङ्गे सार्वजनिक यातायात	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन				६.२.१	१.१	
	गाउँपालिका केन्द्रवाट वडा कार्यालय सम्म जोडिएको सडक	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सडक संजालवाट नजोडिएका वस्तीहरु	संख्या													
	१५ मिनेट सम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको घरपरिवार	संख्या													
	नजिकको पिच भएको पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने समय	घण्टा													
	जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय स्तरका सडक संजाल	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	अन्तरगाउँपालिका सडक संजाल संख्या र लम्वाई	संख्या/कि.मि													
	सडक नालीको भएको सडक संख्या र लम्वाई	संख्या/कि.मि													
	नियमित मर्मत संभार भएको सडकको लम्वाई	कि.मि													
	वायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण	कि.मि													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	डिपिआर तयार, वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन, प्रारम्भिक वातावरण परीक्षण आदि गरी निर्माण भएका सडक लम्बाई	कि.मि													
	वार्षिक सडक दुर्घटनाको संख्या	संख्या													

११.१.१६. खानेपानी तथा सरसफाई

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	निजी धारा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत													
असर	उपचार गरिएको वा सुरक्षित खानेपानी सुविधा प्राप्त घरधुरी	संख्या													
प्रतिफल	कुवा, मुल, नदी खोलाको पानी प्रयोग गर्ने घरघुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	वर्षभरी खानेपानी सेवा उपलव्ध नभएका घरधुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	स्वच्छ (प्यान भएको) शौचालय भएका घरधुरी	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	सार्वजनिक शौचालयहरु	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	जोखिमयुक्त अवस्थामा साबुनपानीले हातधुने जनसंख्या	प्रतिशत							वार्षिक प्रतिवेदन						

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्यि लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	फोहोर वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने परिवार	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	सक्रिय खानेपानी र सरसफाई उपभोक्ता समिति	संख्या							वार्षिक प्रतिवेदन						
	शौचालय नभएका घरघुरी	संख्या													
	खाल्डे शौचालय भएको घरधुरी	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्िय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	घर आँगन तथा शौचालयवाट निष्कृत फोहोरलाई व्यवस्थित गर्ने घरपरिवार	संख्या													

११.१.१७. सिंचाई

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	बाह्रै महिना सिंचाई हुने कृषियोग्य भूमि	हेक्टर											६.५.१	१.१	२
असर	आकाशे पानीको भरमा सिंचाई हुने भुमि	हेक्टर											६.५.१	१.१	२
	सिंचाईका आधुनिक पूर्वाधार निर्माणबाट सिंचाई क्षेत्र विस्तार	हेक्टर											६.५.१	१.१	२

११.१.१८. विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्यतथा रणनीति	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
			२०७८/७९	२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
प्रभाव	गाउँपालिकामा विद्युत सेवा पुगेका परिवार	प्रतिशत													७
	उर्जा उपभोगमा सौर्य उर्जाको उपभोग प्रतिशत														७
असर	प्रति व्यक्ति विद्युत खपत	किलो वाट		७००	८००	९००	९५०	९७५	उर्जा जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय				६.३.१	४.१	७
	विद्युतमा पहुँच प्राप्त जनसंख्या	प्रतिशत	८५.१६	८७	९०	९३	९७	१००	गा.पा. पार्श्वचित्र					१.१	७

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्यतथा रणनीति	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
			२०७८/७९	२०७९/८०	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४							
	सुधारिएको चुलोको प्रयोग	संख्या							गा.पा. वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
	सडक बत्तिको संख्या								गा.पा. वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
प्रतिफल	बायोग्यास जडान घरधुरी संख्या								गा.पा. वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७
	सोलार प्यानल जडान	संख्या							गा.पा. वार्षिक प्रतिवेदन					१.१	७

११.१.१९. सूचना संचार तथा प्रविधि

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्टिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५							
प्रभाव	केवल नेटवर्कवाट लाभान्वित घरधुरी	प्रतिशत													
असर	स्थानीय केवल नेटवर्क सेवा प्रदायक संस्था	संख्या													
प्रतिफल	ल्याण्डलाइन टेलिफोन सुविधा	संख्या													
	मोबाइल प्रयोगकर्ता	संख्या													
	सि.सि.क्यामेरा जडान भएका	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५							
	सार्वजनिक स्थल														
	सूचना प्रविधि प्रयोग गर्ने उद्योग, व्यापार, व्यवसायहरु	संख्या													
	विद्यालय लगायत सार्वजनिक भवन तथा कार्यालयहरुमा इन्टरनेट सेवा सुचारु	संख्या													
	स्थानीय स्तरमा	संख्या													

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	लक्ष्य					सूचना को स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य/रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५							
	संचालित एफएम रेडियो														
	क्रियाशील पत्रकार	संख्या													
	स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्ने संस्था	संख्या													

११.१.२०. वन तथा जैविक विविधता

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव											
असर	संरक्षित तथा व्यवस्थित वन क्षेत्र	k|ltzt	१५०	३० % ले बढाउने							
प्रतिफल	समुदयाबता व्यवस्थापन भएको वनको क्षेत्रफल	हेक्टर	५५	१० % ले बढाउने							
	भूक्षय र बाढी सम्बेदनशील क्षेत्र		५० रोपनी	५ %अझ व्यवस्थित गर्ने							
	जलाधार संरक्षण		४०	२१ % घटाउने							
	वनमा आधारित										

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
	उद्योग व्व्सयाबता रोजगारी										
	जलवायु परिवर्तन सम्बन्धि तालिम										
	सामुदायिक वन बनले ओगेटेको क्षेत्र र सामुदायिक सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहमा आवद्ध सदस्य संख्या		५०००	५ % ले बढाउने							
	वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र	हेक्टर	५००								

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
	मनोरंजन पार्क तथा हरित पार्क	संख्या	२	५							

११.१.२१. वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव											
असर	संरक्षित पानी मुहान क्षेत्र	संख्या									
प्रतिफल	संरक्षित खेतबारीको क्षेत्रफल	प्रतिशत	८०	९०							
	नदी नियन्त्रण लम्बाई	किमि	४०	४५							
	स्पर तथा बाँध, चेकड्याम	किमि	२५	५ % ले बढाउने							
	संरक्षित गल्छी र पहिरो	संख्या									
	संरक्षित भू–क्षय र बाढी संवेदनशील क्षेत्र	संख्या									
	संरक्षित र व्यवस्थित तालतलैया र सिमसार क्षेत्र	संख्या									
	जल उत्पन्न प्रकोपवाट प्रभावित घरपरिवार	संख्या									
	वायोइञ्जिनियरिङ प्रविधि प्रयोग संरचनाको लम्बाई	किमि									

	सुरक्षित, एकीकृत र व्यवस्थित वस्ती÷आवास क्षेत्र	संख्या									
	अयोग्य वस्ती वा स्थानमा बसोबास गरेका परिवार	संख्या									

११.१.२२. विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
प्रभाव											
असर	विपदबाट भएको बार्षिक क्षती (जग्गा, संरचना, बाली नाली, पशुपंक्षी र अन्य सम्पत्ती)	रु. हजार									
प्रतिफल	खुल्ला क्षेत्र तथा स्थानहरु	संख्या									
	आपतकालीन उद्धारका लागि तालिम प्राप्त स्वयंसेवक	जना	६	३५							
	विपद् व्यवस्थापन स्थानीय कोषमा भएको रकम	रु.									

नतिजा स्तर	नतिजा सूचक	एकाइ	आधार वर्ष २०७९/८०	५ वर्षे लक्ष्य	सूचनाको स्रोत	जिम्मेवार निकाय	अनुमान तथा जोखिम	स्थानीय लक्ष्य/रणनीति संकेत	प्रादेशिक लक्ष्य · · रणनीति संकेत	दीर्घकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य संकेत	दीगो विकास लक्ष्य संकेत
	विपद् व्यवस्थापनमा क्रियाशील संघ÷संस्थाहरु	संख्या									
	विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य समिति गठन भएका वडाहरु	संख्या	१	५							
	विपद प्रतिकार्यका लागि भएको आपतकालीन नमूना अभ्यास	संख्या	२	८							
	विपद व्यवस्थापन सूचना प्रणाली तथा पूर्वचेतावनी प्रणाली जडान भएका क्षेत्रहरु	संख्या									
	आपतकालीन उद्धारका लागि अत्यवश्यक एम्वुलेन्स तथा वरुणयन्त्रको व्यवस्था	संख्या									
	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन न्यूनीकरण सम्वन्धी सचेतना लगायतका कार्यक्रम संचालन	संख्या									
	तटबन्ध निर्माण	कि.मी.									
	नदी उकास व्यावास्थापन	कि.मी.									

अनुसूची

नक्शा

माइन्युट

फोटोग्राफ

Location Map of Hariharpurgadhi Rural Municipality

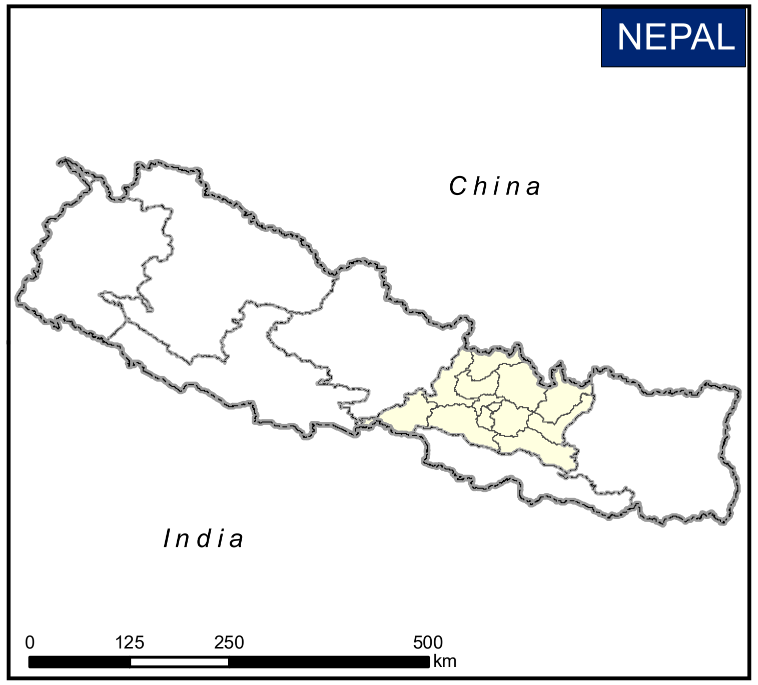

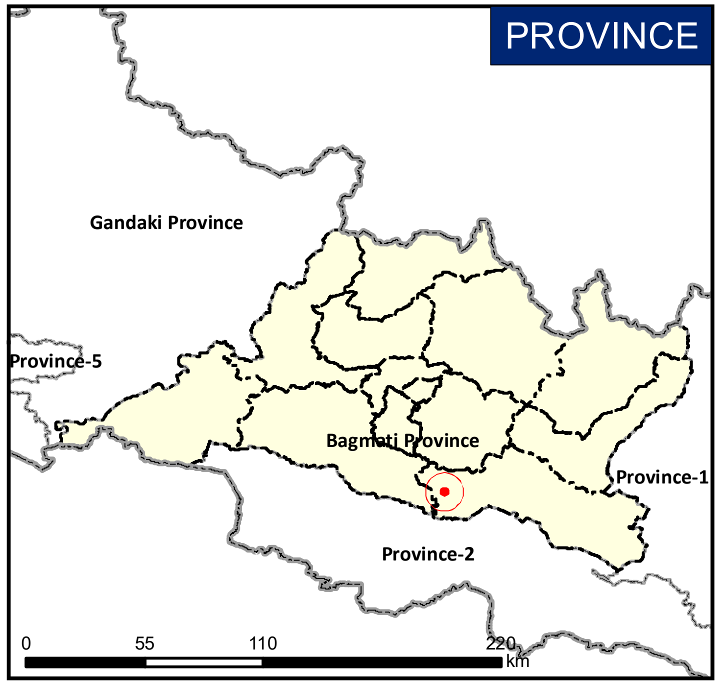

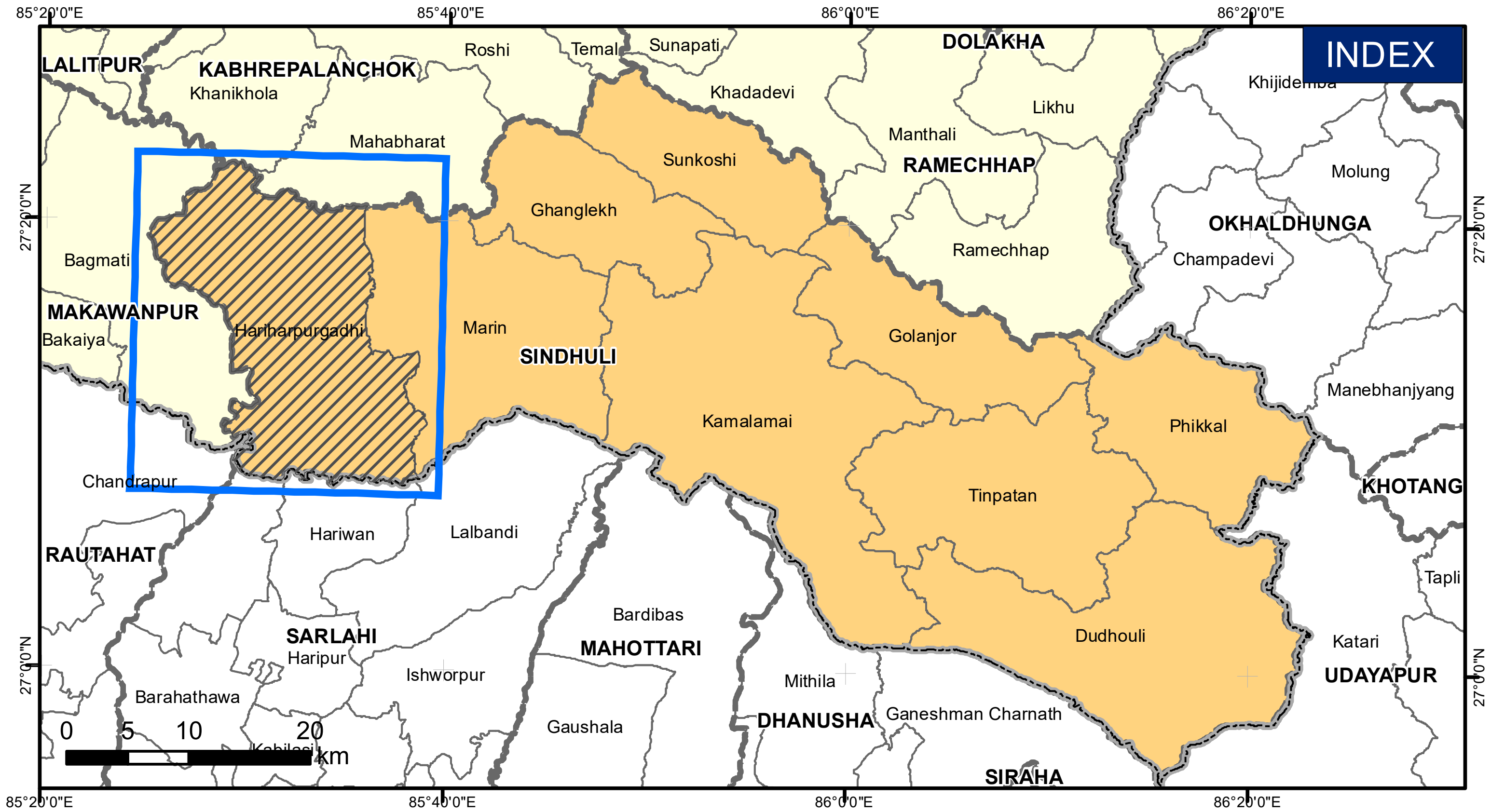

Legend

- International Boundary
- Province Boundary
- District Boundary
- Municipality/Gaunpalika Boundary
- Ward Boundary

Road Network

- National Highway
- Mid hill highway
- Feeder Road
- Postal Road

Source:

- Administrative Boundary: Department of Survey
- Road Network- Department of Road

Modified UTM84

Projection: .Transverse_Mercator
false_easting: 500000.0
false_northing: 0.0
central_meridian:...................84.0
scale_factor:.................... 0.9999
latitude_of_origin:................... 0.0
Linear Unit: ....Meter (1.0)

Geographic Coordinate System: GCS_Everest_1830
Angular Unit: ....Degree (0.0174532925199433)
Prime Meridian:....................................... Greenwich (0.0)
Datum: ....D_Everest_Adj_1937
Spheroid:..................................Everest_Adjustment_1937
Semimajor Axis:..6377276.345
Semiminor Axis: 6356075.41314024

[Preparation of Periodic Plan of Local Governments]

Office of Chief Minister and Council of Ministers
Pradesh Sushasan Kendra (PCGG)
Bagmati Province, Jawalakhel, Lalitpur

Satellite Map of Hariharpurgadhi Rural Municipality

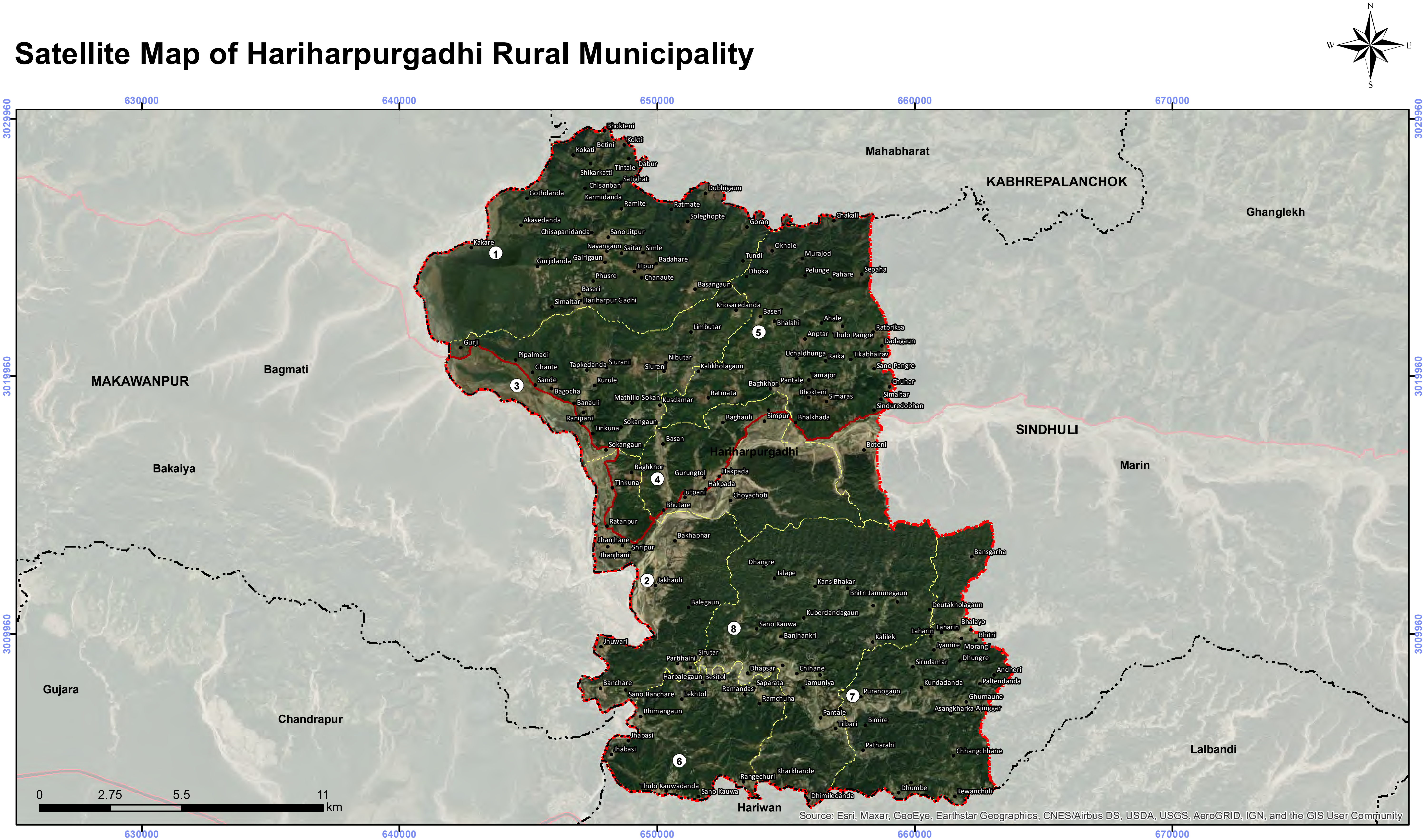

Legend

- International Boundary
- Province Boundary
- District Boundary
- Municipality/Gaunpalika Boundary
- Ward Boundary

Road Network

- National Highway
- Mid hill highway
- Feeder Road
- Postal Road

Source:

- Administrative Boundary: Department of Survey
- Road Network- Department of Road

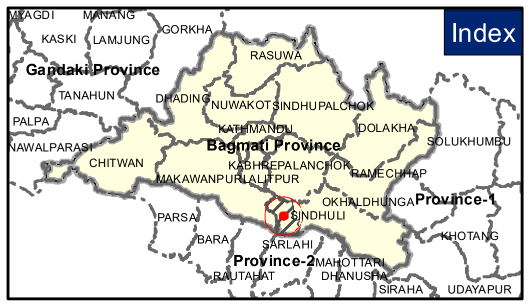

Modified UTM84

Projection: Transverse_Mercator
false_easting: 500000.0
false_northing: 0.0
central_meridian:..................84.0
scale_factor:..................... 0.9999
latitude_of_origin:.................. 0.0
Linear Unit: ....Meter (1.0)

[Preparation of Periodic Plan of Local Governments]

Office of Chief Minister and Council of Ministers
Pradesh Sushasan Kendra (PCGG)
Bagmati Province, Jawalakhel, Lalitpur

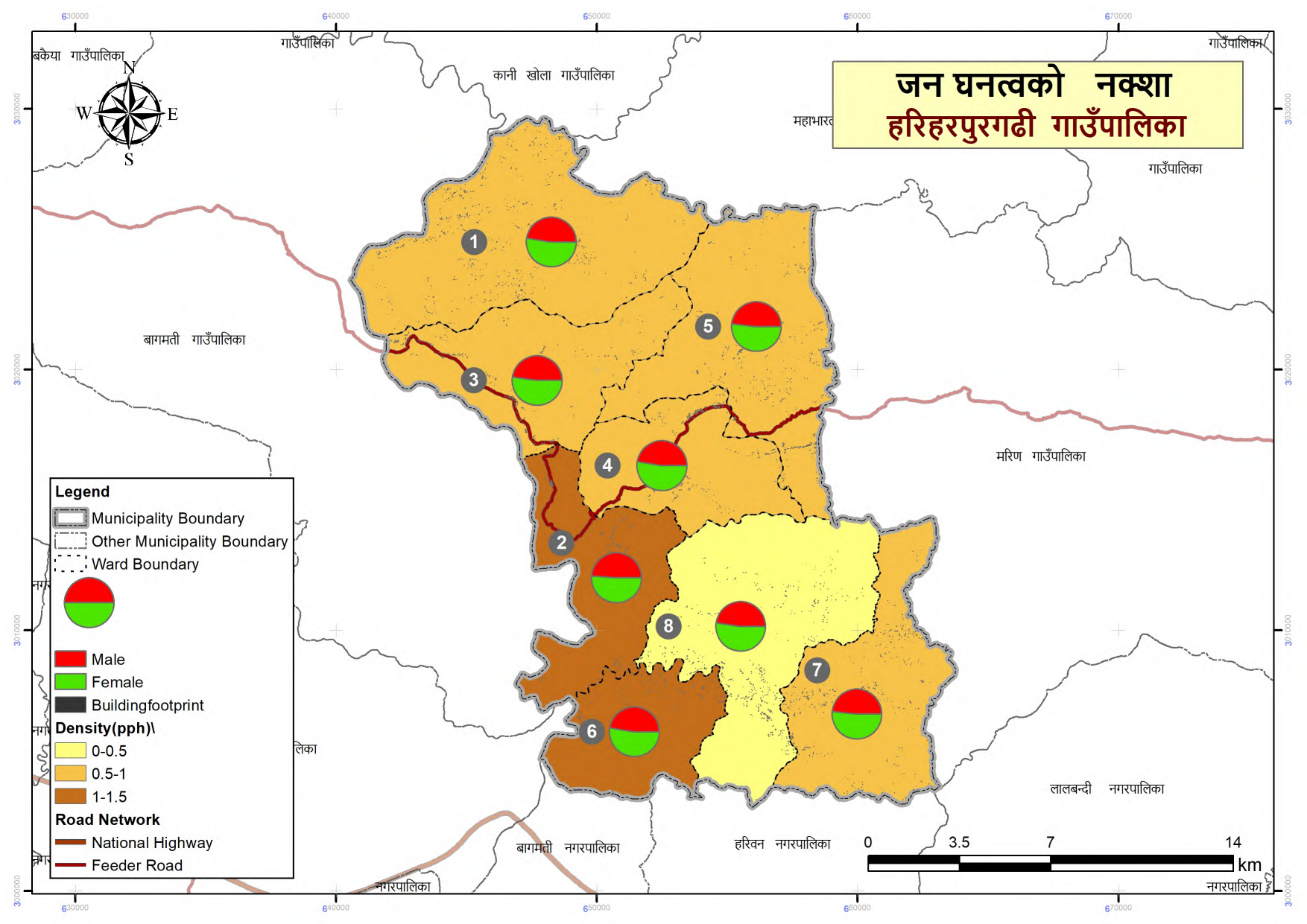
जन घनत्वको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
N
W
E
S
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
गाउँपालिका
गाउँपालिका
बागमती गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
नगरपालिका
नगरपालिका
1
2
3
4
5
6
7
8
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Male
Female
Buildingfootprint
Density(pph)\
0-0.5
0.5-1
1-1.5
Road Network
National Highway
Feeder Road
0
3.5
7
14
km

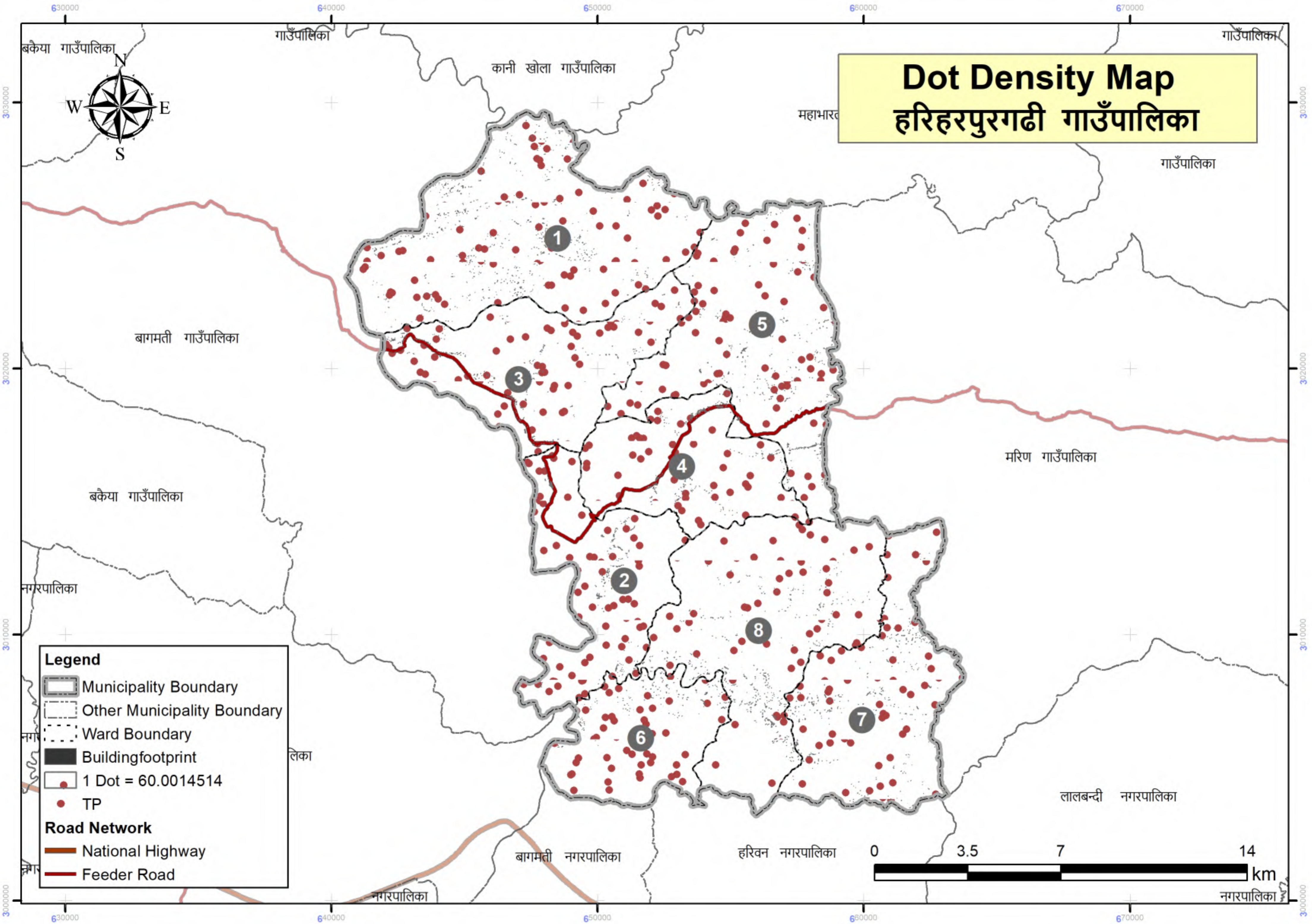

Dot Density Map
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
गाउँपालिका
बकैया गाउँपालिका
महाभारत
बागमती गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
नगरपालिका
N
S
E
W
1
2
3
4
5
6
7
8
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Buildingfootprint
1 Dot = 60.0014514
TP
Road Network
National Highway
Feeder Road
0
3.5
7
14
km

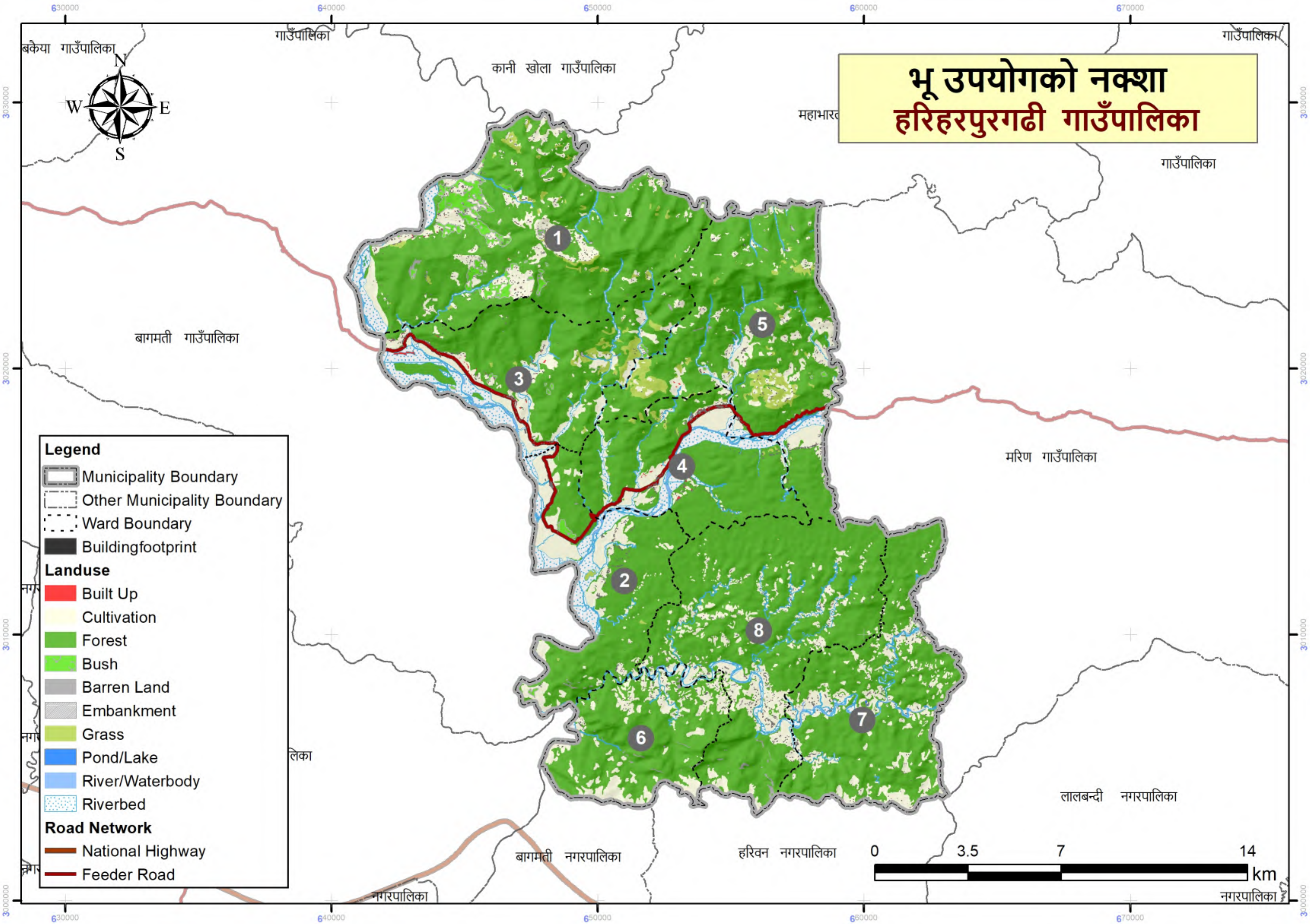

भू उपयोगको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
गाउँपालिका
बागमती गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
नगरपालिका
N
S
E
W
1
2
3
4
5
6
7
8
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Buildingfootprint
Landuse
Built Up
Cultivation
Forest
Bush
Barren Land
Embankment
Grass
Pond/Lake
River/Waterbody
Riverbed
Road Network
National Highway
Feeder Road
0
3.5
7
14
km

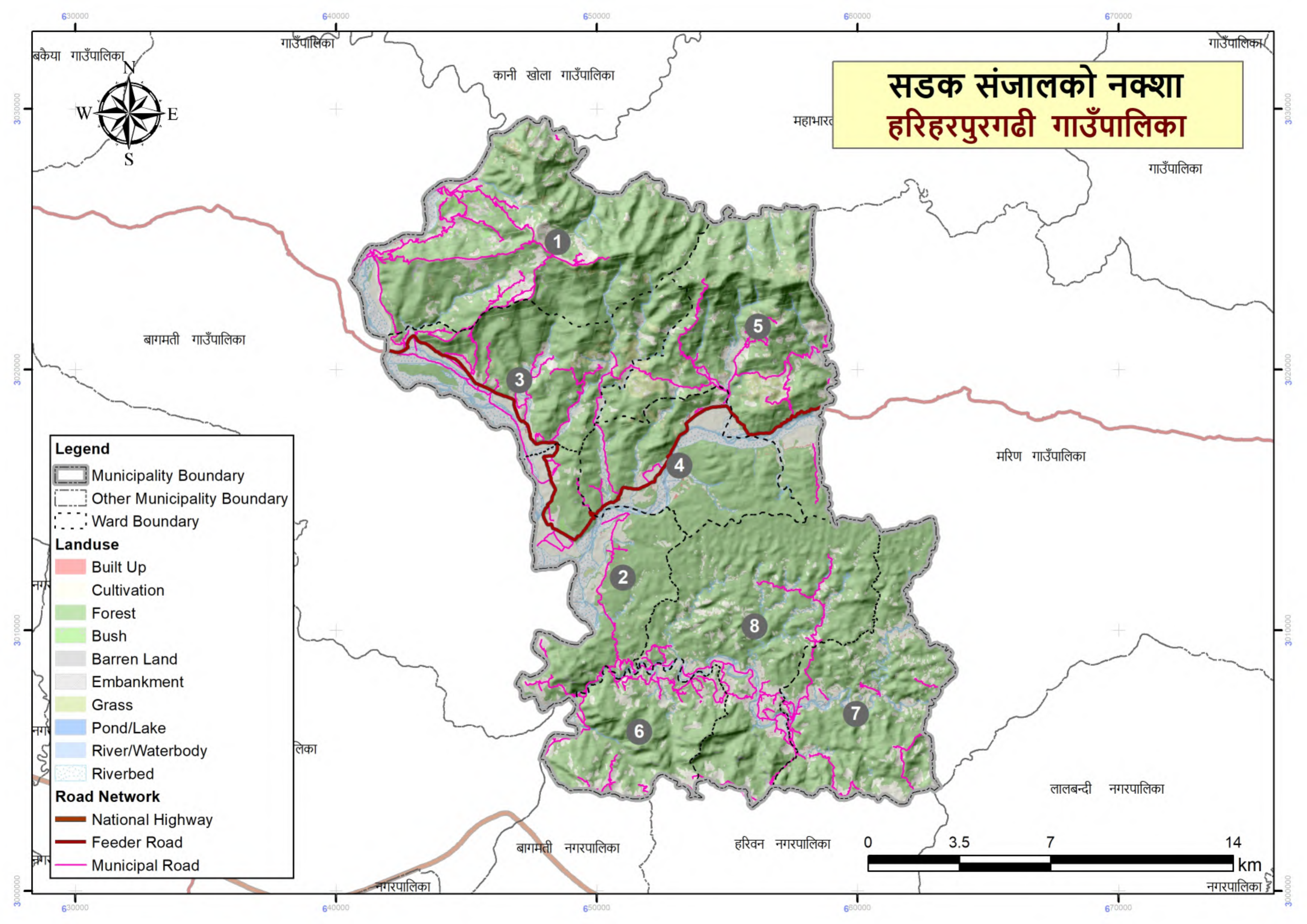

सडक संजालको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
गाउँपालिका
गाउँपालिका
बागमती गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
नगरपालिका
नगरपालिका
N
S
E
W
1
2
3
4
5
6
7
8
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Landuse
Built Up
Cultivation
Forest
Bush
Barren Land
Embankment
Grass
Pond/Lake
River/Waterbody
Riverbed
Road Network
National Highway
Feeder Road
Municipal Road
0
3.5
7
14
km

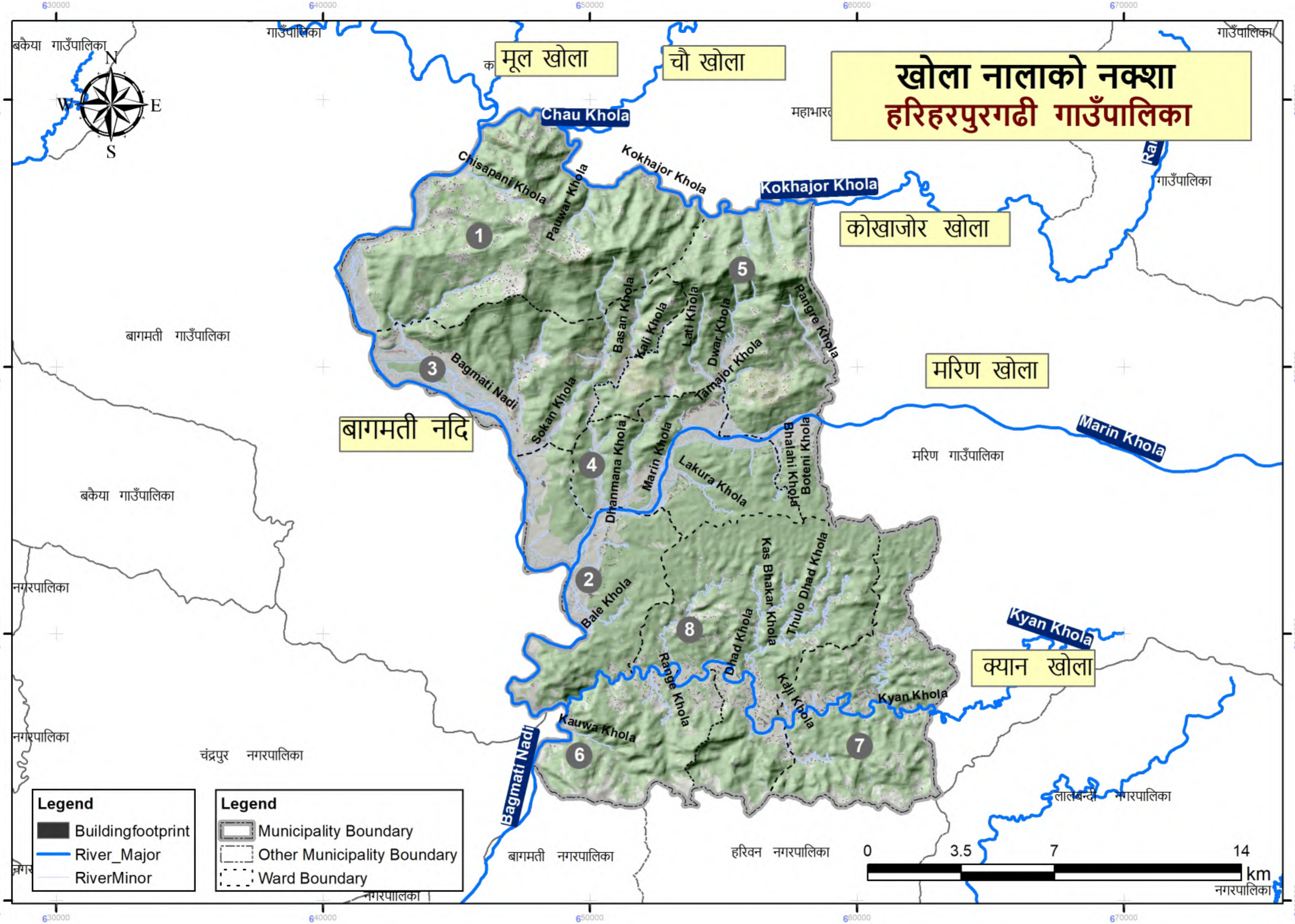

खोला नालाको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
मूल खोला
चौ खोला
कोखाजोर खोला
मरिण खोला
बागमती नदि
क्यान खोला
Chau Khola
Kokhajor Khola
Marin Khola
Kyan Khola
Bagmati Nadi
Chisapani Khola
Pauwar Khola
Basan Khola
Kali Khola
Lati Khola
Dwar Khola
Pangre Khola
Tamajor Khola
Sokan Khola
Dhanmana Khola
Marin Khola
Lakura Khola
Bhalahi Khola
Boteni Khola
Bale Khola
Kas Bhakar Khola
Thulo Dhad Khola
Dhad Khola
Range Khola
Kali Khola
Kauwa Khola
बकैया गाउँपालिका
बागमती गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
चंद्रपुर नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
महाभारत
Legend
Buildingfootprint
River_Major
RiverMinor
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
0
3.5
7
14
km

भिरलोपनको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका

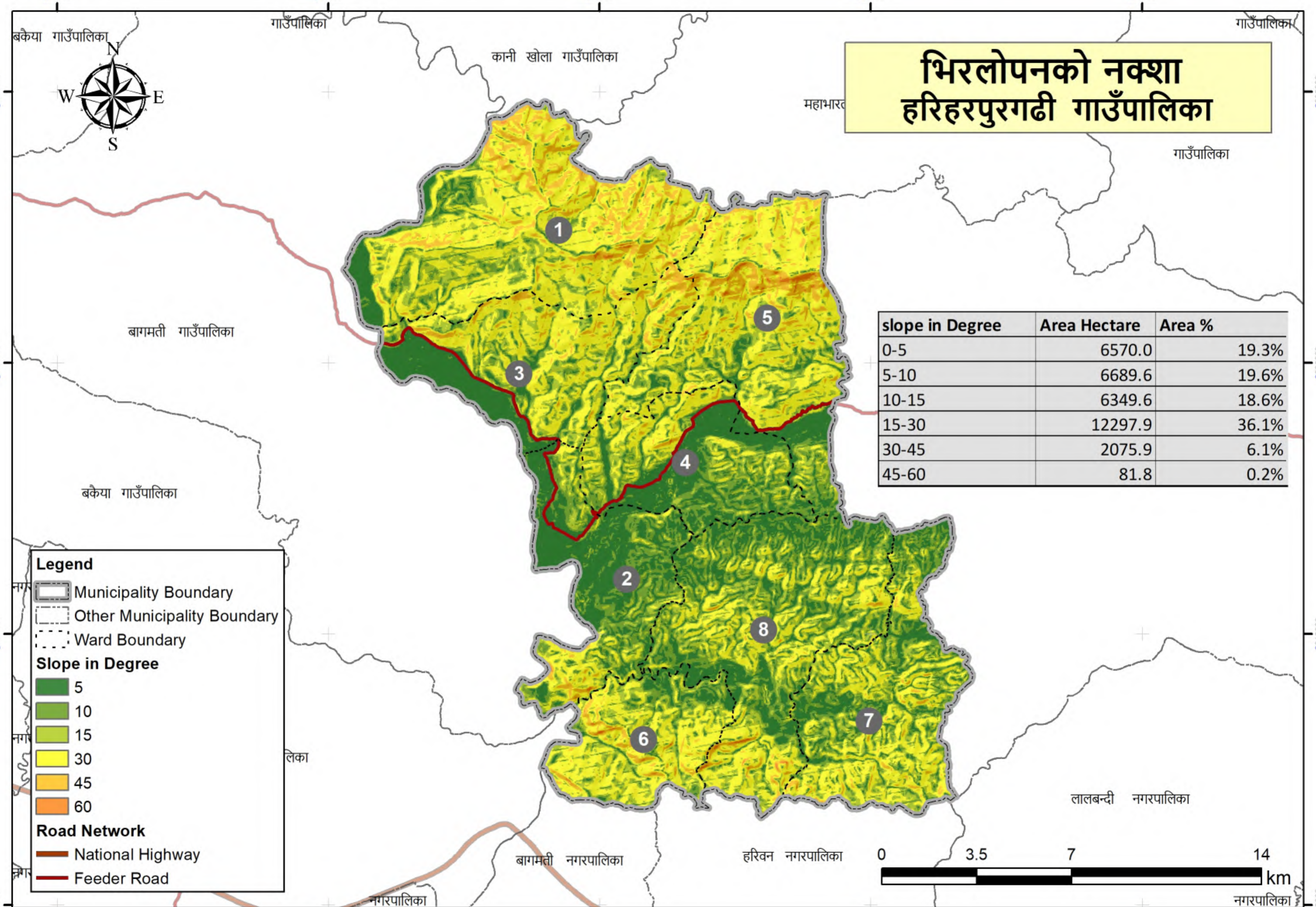

slope in Degree	Area Hectare	Area %
0-5	6570.0	19.3%
5-10	6689.6	19.6%
10-15	6349.6	18.6%
15-30	12297.9	36.1%
30-45	2075.9	6.1%
45-60	81.8	0.2%

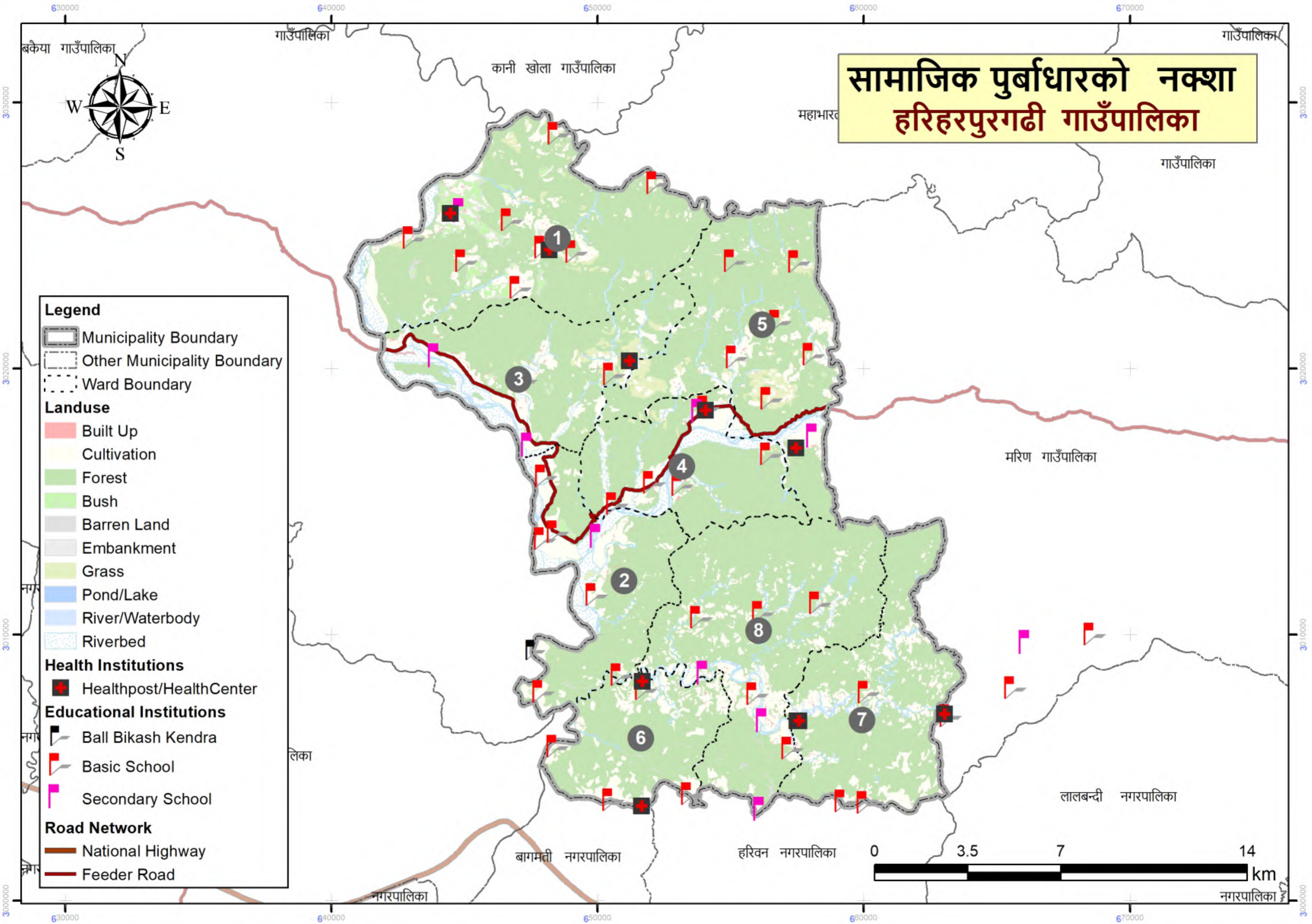

सामाजिक पुर्बाधारको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Landuse
Built Up
Cultivation
Forest
Bush
Barren Land
Embankment
Grass
Pond/Lake
River/Waterbody
Riverbed
Health Institutions
Healthpost/HealthCenter
Educational Institutions
Ball Bikash Kendra
Basic School
Secondary School
Road Network
National Highway
Feeder Road
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
नगरपालिका
0 3.5 7 14 km
N
S
E
W
1
2
3
4
5
6
7
8

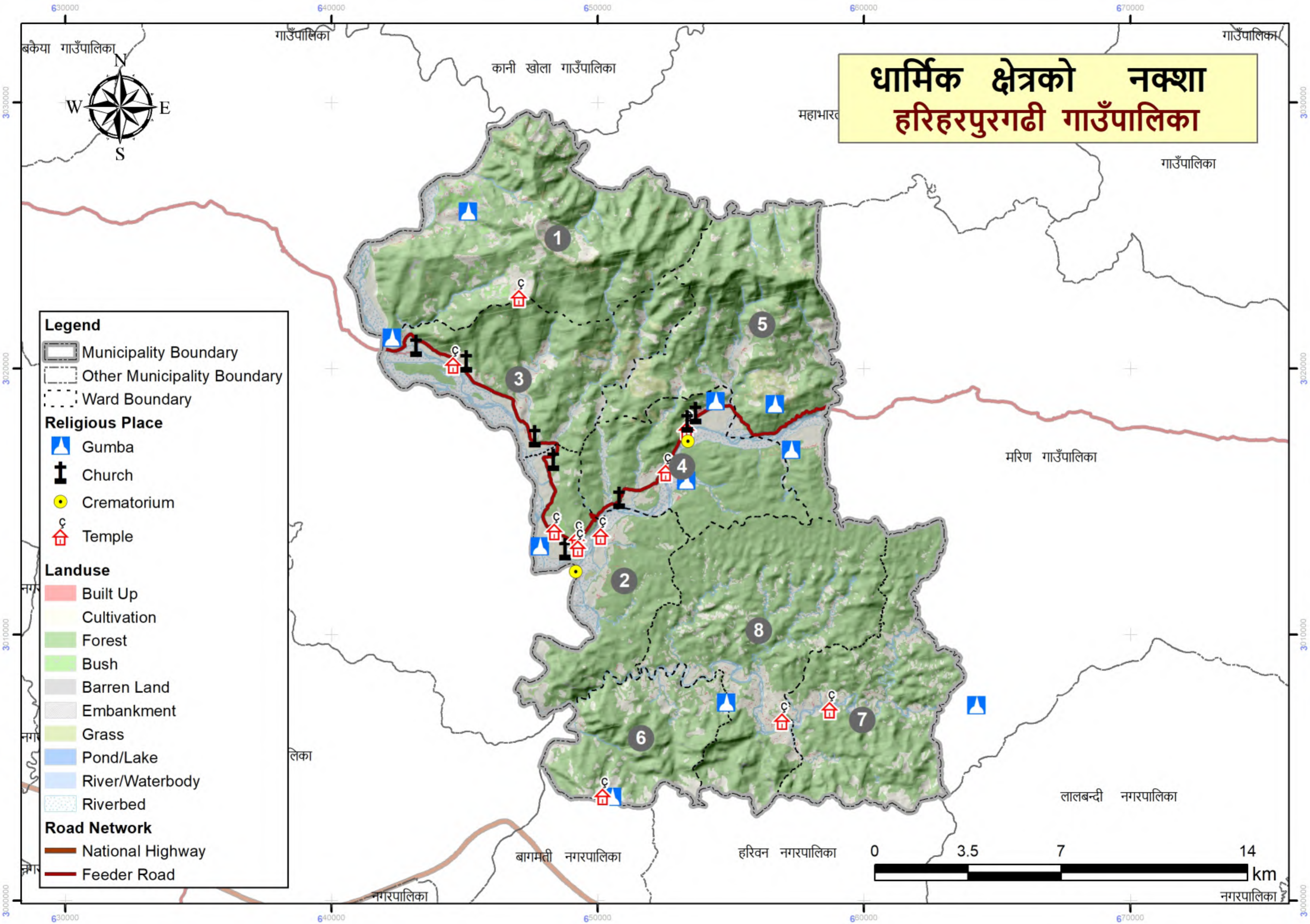
धार्मिक क्षेत्रको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Religious Place
Gumba
Church
Crematorium
Temple
Landuse
Built Up
Cultivation
Forest
Bush
Barren Land
Embankment
Grass
Pond/Lake
River/Waterbody
Riverbed
Road Network
National Highway
Feeder Road
N
W
E
S
0
3.5
7
14
km
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
नगरपालिका
1
2
3
4
5
6
7
8

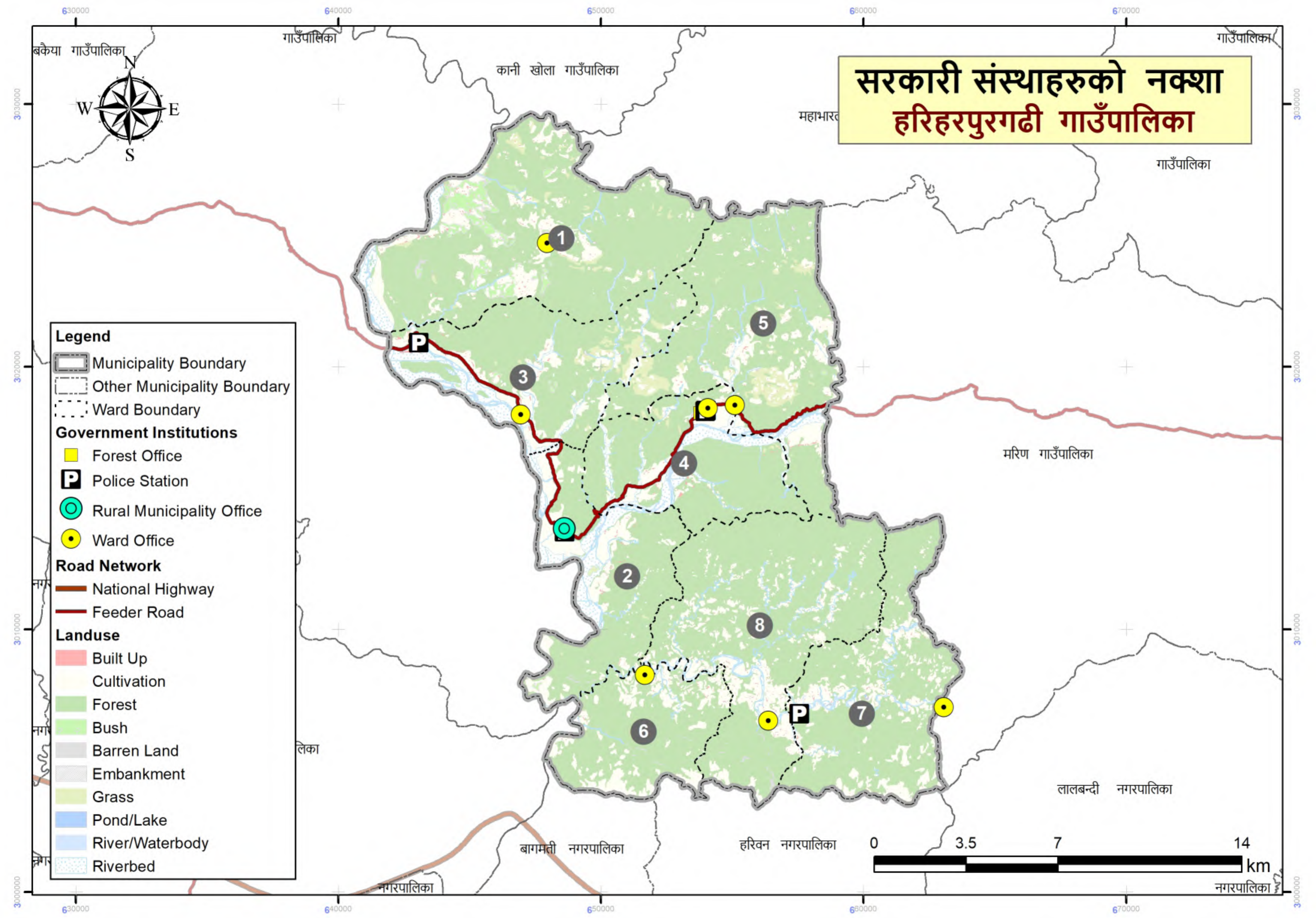

सरकारी संस्थाहरुको नक्शा
हरिहरपुरगढी गाउँपालिका
N
W
E
S
बकैया गाउँपालिका
गाउँपालिका
कानी खोला गाउँपालिका
महाभारत
गाउँपालिका
गाउँपालिका
मरिण गाउँपालिका
लालबन्दी नगरपालिका
हरिवन नगरपालिका
बागमती नगरपालिका
नगरपालिका
नगरपालिका
1
2
3
4
5
6
7
8
Legend
Municipality Boundary
Other Municipality Boundary
Ward Boundary
Government Institutions
Forest Office
Police Station
Rural Municipality Office
Ward Office
Road Network
National Highway
Feeder Road
Landuse
Built Up
Cultivation
Forest
Bush
Barren Land
Embankment
Grass
Pond/Lake
River/Waterbody
Riverbed
0
3.5
7
14
km

DA

आज मिति २०७८ साल चैत्र २९ मंगलवारका दिन :- Preparation of periodic plan of Local Government (RFP NO:- NBC/ consulting / RFP/ periodic plan/ cluster-3) अन्तर्गत हरिहरपुरगढी गाउँपालिका (सिन्धुली) को आवधिक योजना तर्जुमाको लागि हरिहरपुरगढी गा.पा. अध्यक्ष श्री कारसाङ लामाज्यूको अध्यक्षतामा "इब योजना तर्जुमा अन्तर्गत गा.पा.को कार्यालय भवनमा निम्न उपस्थितिमा उल्लेखित प्रस्ताव उपर छलफल, प्रस्तुतीकरण एवं, निर्णय गरी सम्पन्न गरियो।

उपस्थिति:-

① अध्यक्ष श्री कारसाङ लामा
② उपाध्यक्ष श्री अनीता कुमारी राई
③ प्र. प्र.अ. श्री नवीन गड्तौला लामा
④ शिक्षा अधिकृत श्री मुकेश अधिकारी
⑤ अधिकृत श्री सुदिप लामिछाने
⑥ व्यापिक सहजकर्ता श्री तोक बहादुर गौतम
ज्ञान बहादुर राई - वा० प्र० माओवादी केन्द्र
माधव आचार्य - सहायक पार्थ
भुवन राई (अध्यक्षको स्वकीय सचिव)
पुनम बज्राचार्य, शहरी योजनाविद (Nest-Picasso-Paragon)
गणेश मद्दराई, Socio-economist (—— " ——)

प्रस्तावहरु;

(१) कार्यादेश सम्बन्धमा।
(२) फोकल पर्सन " ।
(३) योजना कार्यतालिको सम्बन्धमा।
(४) तथ्याङ्क संकलन सम्बन्धमा।
(५) निर्देशक समिति " ।
(६) नक्साङ्कन सम्बन्धमा।
(७) विविध।

निर्णयहरु

१ प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशबाट श्री Nest-Picasso-Paragan JV सानेपा ललितपुर लाई Preparation of Periodic Plan of Local Goverments (RFP NO: NCB consulting RFP / Periodic Plan / Cluster ~~NO: NCB: NCB consulting RFP~~ : 3) कामका लागि प्राप्त कार्यादेश ~~बाट हरिहरपुर गढी गा~~
बाट हरिहरपुरगढी गाउँपालिकालाई जानकारी एवं हस्तान्तरण गरियो

२. हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाको लागि सम्पर्क, समन्वय र आवश्यक सहयोगको लागी योजना शाखाका श्री सुदिप लामिछाने ज्यु लाई ~~श्री~~ फोकल पर्सनको रुपमा तोक्ने निर्णय गरियो।
(९८५४०४५२२)

३. आवधिक योजना बारेमा टोली बाट योजना तर्जुमा सम्बन्धी जानकारी एवं कार्य तालिका प्रस्तुत गरियो। र सोही कार्यतालिका अनुसार योजना तर्जुमाको कार्य अगाडी बढाउने निर्णय गरियो।

४. योजना तर्जुमाको लागी आवश्यक द्वितिय स्तरका तथ्याङ्क परामर्श दाताको माग बमोजिम उपलब्ध गराउने र सहयोग गर्ने निर्णय गरियो।

Scanned with CamScanner

५. आवधिक योजनाको ~~[illegible]~~ तर्जुमाको लागी निर्देशक समिति गाउँपालिका कार्यलय ले कार्य अगाडी बढाउने निर्णय गरियो । साथै विषय क्षेत्रगत समितीहरु गाउँपालिका कार्यलयले गठन गर्ने र अन्य आवश्यक समेत गाउँपालिका कार्यलयले गठन गर्ने समेत निर्णय गरियो ।

६. विविध अन्तरगत छलफल हुदाँ गाउँपालिका परामर्शदाता तोकिएका योजना विदहरुसंग प्रत्यक्ष सहभागी भई कार्य गर्ने योजना तर्जुमा लाई प्रभावकारी र गाउँपालिकाको आवश्यकता अनुसारको योजना तर्जुमा सहयोग गर्ने निर्णय गरियो ।

१. लोक ब. गोले - ९८५११५४४६१ (आयोजक समिति)
२. मिलन भेट - ९८५४०४५२३७
३. दिपक कार्की - ९८५४०४५२२८ कृषि / पशु / आर्थिक
४. सुरेश अधिकारी - ९८५४०४५२३६ शिक्षा शाखा
५. रामेश्वर साह - ९८५४०४५२४६ स्वास्थ्य "
६. मिनाक्षी कुमारी - ९८५४०४५२४३ इन्चार्ज
७. एक ब. कोइराला - ९८५४०४५२४४

Scanned with CamScanner

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ....२४..........गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बाग्मती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा **५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमा**को लागि वडास्तरीय भेला ...हरिहरपुरगढी...गाउँ.पालिकाको वडा नं......१.......को ...वडा कार्यालय...मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो । 7pm

उपस्थितिः

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	श्री जीत बहादुर थिङ	वडा अध्यक्ष	9845456723		(हस्ताक्षर)
२.	श्री चन्द्रमान स्याङ्बो	वडा सदस्य	9844527654		(हस्ताक्षर)
३.	श्री सुशिल थिङ	" "	9829983636		(हस्ताक्षर)
४.	श्री गौरीमाया वि.क.	" "	9869384829		गौरी
५.	श्री मायावती घलान	" "	9866226984		माया
६.	राम ब० मोक्तान		9860368680		(हस्ताक्षर)
७.	टेक ब० थिङ	ने.क.पा. एमाले	9885045839		(हस्ताक्षर)
८.	ज्ञान ब० गोले		9848950082		(हस्ताक्षर)
९.	शेर ब० पाख्रिन				(हस्ताक्षर)
१०.	सीम ब० थिङ				(हस्ताक्षर)
११.	संजिव यादव		9829662222		(हस्ताक्षर)
१२.	झलमाया थिङ	आ.वि. वहारे (शिक्षक)	9848823882		(हस्ताक्षर)
१३.	नेत्र बज्यु	सामाजिक परिचालक (कारितास)	9845849236		(हस्ताक्षर)
१४.	सन्तराम थोकर	कृ.सं. ~~हरिहरपुरगढी~~ गा.पा.	98[illegible]		(हस्ताक्षर)

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	सुमित्रा माया थिङ				
१६.	सानुला थिङ				सानुला
१७.	जितमान थिङ				जितमान
१८.	धनाई थिङ		9860408460		
१९.	योगेश घलान	कारितास नेपाल	[illegible]	ghalanyogesh@gmail.com	
२०.	शिशिर लाल मोक्तान		9862447413		
२१.	रोहित थिङ		9849892340		Rohit
२२.	[illegible] थिङ		9844470009		
२३.	नेपाली काङ्ग्रेस [illegible]	दिल बहादुर घलान	984071887119		
२४.	[illegible]		9848039061		
२५.	दिपेन्द्र [illegible]				
२६.	देव राई				
२७.	ज्ञान ब० थिङ				
२८.	सनमान थिङ	हरिहरपुरगढी गा.पा.-9			
२९.	[illegible] घलान				
३०.	हरका ब० थिङ				
३१.	बाबुलाल मोक्तान				
३२.	शंकरमान [illegible]				
३३.	कुल बहादुर [illegible]				

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
३४.	सुजन प्रसाद भट्टराई	हरिहरपुरगढी १ नं वडा कार्यालय	९८४५०४५२३१	susanpdbhattarai@gmail.com	[signature]
३५.	देव लाल बोहोरा	हरिहरपुरगढी [illegible]	९८६१८६६३३६	-	[signature]
३६.	Ganesh bhattarai	Sociologist			
३७.	Shiba Khadka	Gis Engineer			[signature]
३८.					
३९.					
४०.					
४१.					
४२.					
४३.					
४४.					
४५.					
४६.					
४७.					
४८.					
४९.					
५०.					
५१.					

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ....२३.......गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा **५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमा**को लागि वडास्तरीय भेला ..हरिहरपुर गढी गाउँपालिकाको वडा नं....१......को ....वडा कार्यालय....मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो ।

1 pm

उपस्थिति:

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	श्री विश्व राई	वडा अध्यक्ष	९८४२८४२३५९		[signature]
२.	श्री इन्दु कुमार राई	वडा सदस्य	9863370992		[signature]
३.	श्री डम्बर ब० लिम्बुङ	— ” —	”		[signature]
४.	श्री सुकुमाया पहरी	महिला वडा सदस्य	”		सुकु
५.	श्री प्रमिला घतानी	द०म० वडा सदस्य	”		
६.	श्री प्रताप राई	सहभागि	”		प्रताप
७.	उर्मिला राई	सहभागि	”		उर्मिला
८.	निलम राई	सहभागि	”		निलम
९.	सुजता राई	”	”		
१०.	सुकुमाया पहरी	”	”		[signature]
११.	केशव राई	”	”		केशवराई
१२.	सानो काछा मुखिया	”	”		सानोकाछा
१३.	ज्ञान ब० मुखिया	”	”		ज्ञान
१४.	धन राज वि.क.	”	”		धनराज

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	गणेश मिश्रा	''	''	''	गणेश
१६.	शिवनारायण राई	''	''	''	[illegible]
१७.	लिला ध्वज थिङ	''	''	''	लिला
१८.	बुद्धि माया वि.क.	''	''	''	बुद्धि
१९.	कान्छालाल सिञ्तान	''	''	''	[illegible]
२०.	सोजितक लोब्चन	''	''	''	[illegible]
२१.	ईमान सिं वाईबा	''	''	''	[illegible]
२२.	सुन्दरी मायाँ थिङ.	''	''	''	सुन्दरी
२३.	डम्बर ब० हिम्दुङ	''	''	''	[illegible]
२४.	गम्भीर विश्वकर्मा	''	''	''	[illegible]
२५.	छुट्टे वरर्देऽ				[illegible]
२६.	मुकेश राई				[illegible]
२७.	दिपक राई	''	''	''	[illegible]
२८.	दिल ब० [illegible]	''	''		[illegible]
२९.	सिताराम राई	''	''	''	[illegible]
३०.	कुनसङ मायाँ गोले	''	''	''	कुनसङ
३१.	~~[illegible]~~ पार्वती राई	''	''	''	पार्वती
३२.	रिल्ली राई	''	''	''	रिल्ली
३३.	कामी सिं गोले	''	''	''	कामी

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
३४.	टेक बहादुर डोम्बा –				[signature]
३५.	विनोद पार्तीपुरुष माझी –				
३६.	सुकमान मोक्तान	,,			सुकमान
३७.	इन्द्र बहादुर मोक्तान	,,			इन्द्र
३८.	मिलन राई				[signature]
३९.	पुर्ण ब० राई	,,	,,	,,	पुर्ण
४०.	कुबेन्द्र [illegible]	,,	,,	,,	[signature]
४१.	शंकर मान मोक्तान	,,	,,	,,	शंकर
४२.	दिर्घ ब० पहरी	,,	,,	,,	दीरख
४३.	पोष्ट ब० गोले	,,	,,	,,	[signature]
४४.	टेक ब० योञ्जन	,,	,,	,,	[signature]
४५.	हेली राई	,,	,,	,,	हेली
४६.	बुद्धि माया राई	,,	,,	,,	बुद्धि
४७.	थसोया राई	,,	,,	,,	थमाया
४८.	भगवति राई	,,	,,	,,	भगवती
४९.	लक्ष्मी राई	,,	,,	,,	लक्ष्मी
५०.	आसमति राई	,,	,,	,,	आसमती
५१.	जितेन्द्र राई	,,	,,	,,	[signature]

	क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
52	३४.	सुरज कुमार राई	,,	,,	,,	[illegible]
53	३५.	अनिल राई	,,	9840495211	,,	Anil
54	३६.	किर ब० बागम	,,	,,	,,	[illegible]
55	३७.	पदम ब० पहरी	,,	,,	,,	पदम
56	३८.	[illegible]	सहकारी संस्था	९८६४०४०२००		[illegible]
57	३९.	किर बहादुर [illegible]	,, ,,	९८४०३८२६०२	,,	[illegible]
58	४०.	काजी [illegible]	,, ,,		,,	[illegible]
59	४१.	सत्य राई	कुदीलीको	९८४४४४२३५८		[illegible]
60	४२.	[illegible]				[illegible]
61	४३.	[illegible]				[illegible]
62	४४.	पदम राई		९८४९८०६२४०		Padam
63	४५.	जगत नाथ राई				[illegible]
64	४६.	पाबवा				[illegible]
65	४७.	बिचार				[illegible]
66	४८.	[illegible] राई		9846662716		[illegible]
67	४९.	हिरा कुमार राई		9845008293		[illegible]
68	५०.	विनोद कुमार राई		9845861155		[illegible]
69	५१.	विक्रम राई				[illegible]

	क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
70	१५.	चन्द्र ब० राई	''	9869620331	''	[signature]
71	१६.	तारा माया	''	98[illegible]43		तारा
72	१७.	बिमला कुमारी		9054300		बिमला
73	१८.	पञ्च माया बाइबा	''	''		[signature]
74	१९.	तिउरी माया स्याङ्तान	''	''		तिउरी
75	२०.	सोम्धो माया पुलामी	''	''		सोम्धो
76	२१.	सोबिता बल	''			सबिता
77	२२.	शुक माया तितुङ्गा	''	''	'' ''	[signature]
78	२३.	विश माया घर्ती	''	''	''	विश माया
79	२४.	दिपक खिड्स	''	''	''	दिपक
80	२५.	इन्दु जोगाराई	''	''	''	[signature]
81	२६.	जित ब० पुर्जा	''	''	''	[signature]
82	२७.	कान्छामान वली	''	''	''	कान्छा
83	२८.	ललित बहादुर सिंजाली	''	''	''	ललित
84	२९.	रुक बहादुर रोका	''	''	''	रुक
85	३०.	बाबुलाल वली	''	''	''	[signature]
86	३१.	सा० कान्छा वाइबा	''	''	''	[signature]
87	३२.	मान बहादुर सिंजाली	''	''	''	मान [illegible]
88	३३.	राम लाल राई	''	''	''	[signature]

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
89 ३४.	Shiba khadka				Shiba Khadka
90 ३५.	Ganesh bhattarai	Sociologist			[signature]
३६.					
३७.					
३८.					
३९.					
४०.					
४१.					
४२.					
४३.					
४४.					
४५.					
४६.					
४७.					
४८.					
४९.					
५०.					
५१.					

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ....२४.........गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा **५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमा**को लागि वडास्तरीय भेला ....हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको वडा नं.....३........को ....वडा.....कार्यालय. मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो ।

उपस्थिति:

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	कुल बहादुर भोलन	वडा अध्यक्ष ३	९८४२८६३१३६	ujjwallame1234@gmail.com	[signature]
२.	शंख माया भोलन	वडा सदस्य			[signature]
३.	कमल ब० राना	वडा सदस्य			[signature]
४.	उर्मिला श्रेष्ठ	निवर्तमान वडा सदस्य			[signature]
५.	छविराज श्रेष्ठ	ह.पु.गा.पा. सहकारी संयोजक	९८४०८६६६६		[signature]
६.	पिताम्बर राई		९८४३३९८०२३		[signature]
७.	अटल ब० वि.क.	ख्वा.पा. अध्यक्ष	९८४८२२४४		[signature]
८.	हर्क ब० श्रेष्ठ	नै.का. भूमि आयोग सदस्य	९८४४२२२३६९		[signature]
९.	युवराज श्रेष्ठ				
१०.	सन्तराम राई	मजदुर संगठन सदस्य	९८४४२८८८६४		[signature]
११.	लाल ब० स्याङतान	ने.का. पार्टी सभापती			[signature]
१२.	श्याम वाईबा				[signature]
१३.	जिवन दलामी	नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी माओवादी सदस्य	९८४०५८२६२८		[signature]
१४.	अक्क ब० भोलन		९८४०५४२२१३		[signature]

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	अम्बर गुर्मेधान	शिक्षक (ताक्लेडाडा) प्रा.वि.	९८६५०३२४१९६		
१६.	गुणाक फुरुङ्च्याङ०		9842638421		
१७.	महेश कुमार राई	हरिहरपुरगढी तथा ... स.सं.लि.	९८६६३०२०६६	mrai3629@gmail.com	
१८.	डिल्लीमाया वि.क.	सानो किसान कृषि सहकारी संस्था	९८६९६६२३६६		
१९.	अनिल कुमार राई	V. डा. वि	९८६९०८०६६८		
२०.	अञ्जना श्रेष्ठ	हरिहरपुरगढी महिला कृषि सहकारी संस्था	९८४३०६२४६८		
२१.	माइते राई		९८६०६०२८३१		
२२.	पुष्पा वि.क.	श्री तीन कन्या मा.वि. ताक्लेडाँडा	९८४५८९६६६६		
२३.	सोम बहादुर राई	श्री हरिहर मा.वि. घोरे	९८६०६८४८८८	raisombdr0@gmail.com	
२४.	भिमक कुमार राई	हरिहरपुरगढी -४ रानिपानी	९८६२२६६२१५		
२५.	राज राई				
२६.	चेतक दर्लामी				
२७.	भिम राई				
२८.	राम क. पाखिन	सामुदायीकवन (अचेरी)	९८४४२३३५०४		
२९.	मोहन काजी वि.क.	ह.पु.गा.पा. कार्यपालीका सदस्य	९८४५८६०५६६९		
३०.	जोखे राई	चोप्लेपाङ्वा सा.वि. अध्यक्ष	९८४५५४९०११		
३१.	देव बहादुर राई	३ नं. वडाकार्यालय (साछि)	९८४५५२१६६ ९८५४०४४२६६	wadapalika2020@gmail.com	
३२.	उमेश राई	३ नं. वडा कार्यालय (सहयोगी)			
३३.	कमला माया लिम्बु	३ नं. वडा द.प्र. सदस्य	९८४४२२५१६३		

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
३४.	तिल बठ बि.क.		९८४८२२६९६५		
३५.	हिरा कुमार राई		९८६४०२८४८३		
३६.	युवराज श्रेष्ठ	हुलाक सेवा	९८४५३६८५९८		
३७.	गोल माया राई	प्र. स्वास्थ्य स्वे ~~याय~~ सेविका			
३८.	पुनम बज्राचार्य	शहरी योजनाविद (Nest-Picasso-Paragon JV)	9841228718	poonam.bajracharya@picasso.com.np	
३९.	प्रकाश सिंह टमट्टा	~~सब~~ ~~इ~~ sub-engineer	9843011744	prakashsinghtamatta@gmail.com	
४०.					
४१.					
४२.					
४३.					
४४.					
४५.					
४६.					
४७.					
४८.					
४९.					
५०.					
५१.					

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ......२४........गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा **५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमा**को लागि वडास्तरीय भेला हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको वडा नं......४.....को ...वडा कार्यालय मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो ।

2 pm

उपस्थितिः

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	श्री कमल कुमार राई	वडा अध्यक्ष	९८५४०४२९०८		[signature]
२.	श्री सोमीमाया रानामगर	वडा सदस्य	९८४४४०९१९८		
३.	श्री कुमदा कुमारी मि.	,,	९८४३४६०६६३		सोमी सुम्फा
४.	श्री काजीमान मिम्वा	,,	९८४१ ८५३३८४		
५.	श्री जितेन्द्र राई	,,	९८४१८५३३३६		[signature]
६.	श्री दिलक बलामी	वडा सचिव	९८५४०४५२६५		
७.	श्री वीर बहादुर भोलान	,,	,,	birbdrbhalan@gmail.com	[signature]
८.	बिल बहादुर थमी	रेडक्रस उपशाखा हरिहरपुरगढी	९८४८५९३६५५		[signature]
९.	बाल कुमार राई	शिक्षक	९८४३६४६८५८	raibalkumar2013@gmail.com	[signature]
१०.	भोज प. पोखरेल	,,	9841750151	Pokhrel-bibek@yahoo.com	[signature]
११.	अमर थेप राई	सिमल फ्रेश सहकारी संस्था	9863501420		[signature]
१२.	हिम्मत ब. राई	वडा नं. ४ (पाङ्वोटार (गाउँ) क्ल.)	९८४३९०४८४५		[signature]
१३.	प्रेम कु. घिसिङ	वडा नं. ४ (हुम्चोक मा.वि.)	९८४२००८०३४		[signature]
१४.	डम्बर ब. कटुवाल	,, ,, बाह्रबिसे	९८४६५९६६३३		[signature]

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	चेलीमाया बोन्जन	काहृखिते			[signature]
१६.	शरतराम राई	क्यारी	९८४०६६५३४०		[signature]
१७.	केशव बा० राई	सामुदायिक वन सचिव	९८४८९५०६५६		[signature]
१८.	कामी थिडलो	जेष्ठ नागरिक			[signature]
१९.	कमली कुमारी राई		९८४५००८०५०		[signature]
~~२०.~~	गणेश भट्टराई	पत्रकारिता/वातावरणशास्त्री	९८४१५०६२५६		[signature]
~~२१.~~	Shiba Khadka	GIS Engineer			[signature]
२२.					
२३.					
२४.					
२५.					
२६.					
२७.					
२८.					
२९.					
३०.					
३१.					
३२.					
३३.					

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ....२४.........गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बाग्मती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा **५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमा**को लागि वडास्तरीय भेला ..हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको वडा नं......८......को ..वडा....कार्यालय.. मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो ।

उपस्थितिः

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	साइला लामा	वडा अध्यक्ष वडा-८	९८४५३२०३२०		[illegible]
२.	गज बहादुर थोक्मन	" सदस्य " ८	९८४४२२३८२०		[illegible]
३.	सञ्च माया स्याङवा	" " " ८	~~९८९९४१७८४६६~~ ९८०६५६५२०८		[illegible]
४.	हरि बहादुर माझी	" " " ८	९८०४६३३९०८		[illegible]
५.	डिल माया वि.क.	" " " ८			[illegible]
६.	भिरबजा थोक्मन	हरिहरपुरगढी गा.पा.-८	९८४२३३४६८६		[illegible]
७.	चुना माया अधीकारी	" ८	९८४२२४२९४६		
८.	हेम बहादुर राई	" ८	—	९९१४८०८९२३०	[illegible]
९.	कमल बहादुर वाइबा	नेकपा एमाले प्रतिनिधि-८			
१०.	पुर्ण बहादुर लो	ने.का " -८	९८४३९०५३९६		[illegible]
११.	भीर बहादुर थिङ	नेकपा माओवादी केन्द्र - ८	९८४२३५८०१		[illegible]
१२.	साना ब. थापा	मेलमिलाप केन्द्र -८	९८४०३६५३४०		[illegible]
१३.	डाइलाङ लामा	ह.पु गढी गा.पा. -८			[illegible]
१४.	मोहन सिं लामा	" -८			[illegible]

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	मंगले माझी	धरिहरक्लब) गा.पा.-६	९८४०९४८१९८		
१६.	रमेश कुमार सोति		९८६४२२९६८३		
१७.	सुकर[illegible]		९८४४८२२६९५		
१८.	फुर्साङ लामा	" " "	९८६९००४३०५		
१९.	गोपि लाल लामा	" "	९८४४२०६८५९	aachhamekami90@gmail.com	
२०.	थमकुमार आछामी	" "	९८४४८०८३५०		
२१.	हैकु लाल मुलाल	"	९८८५३९५८६२		
२२.	बाबु लाल छलोन	"	९८६१८२८६६९		
२३.	दावा लामा	"			
२४.	सोनाम हि लामा	पैमा धार्मिक गुम्बा	९८४९८३९९६३		
२५.	दुध लाल व्योङतान	माया/कुइ डोंग गुम्बा	९८६१२०३६९६		
२६.	बुद्धि मान पाकिन	हातिवन सा.क.उ.स.-८	९८२२४२३०१६३		
२७.	हर्क बहादुर माझी	बाँस खोल्सा उ.स.ब.-८	९८६५८२६६८१		
२८.	सोम बहादुर थापा	ह.पु.जंगे गा.पा.-८	९६९९९२९[illegible]०		
२९.	मंगले राई	" " ६			
३०.	मंगले राई	" " ८			
३१.	औंता बहादुर राई	" " ८			
३२.	देवकला राई	शिखर सा.क.उ.स.ब.-५	९८६६३१९८५६		
३३.	पुर्ण ब. सिंह	ह.पु.जंगे -८			

क्र.सं.	सहभागीको नाम	सहभागीको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
३४.	आइत बि. घोलान	इन्द्रेणी (जति) गा.पा. - ८	९८४९४६०३९४		आइतसिं
३५.	बाबु लाल घोलान	" ८			[signature]
३६.	लाल ब. थेजन	" ८			LALD
३७.	सुक बहादुर योन्जन	महादेव क्लि. कृ.उ.स. लि. - ८	९८४१६९४२३९		[signature]
३८.	चन्द्र बहादुर कार्की	चन्द्र भिलन/पसल - ८	९८४२९०६२२६		चन्द्र
३९.	सुरेश बि. ध्याङतान	होटेल कमेटी वाइबा कर्मी - ८	९८६३९९८०४२		[signature]
४०.	हरि ध्वज योन्जन	गण्डकी निकाय समिति - ८	९८६०२९३३३२		[signature]
४१.	लाल ध्वज योन्जन	वाइबा कर्मी - ८	९८४०६३३३९०		[signature]
४२.	बिदर माया योन्जन	आमा समूह - ८			[signature]
४३.	ललिता/वर्षा राई	" - ८			ललिता
४४.	भुमिकाप्पा वाइबा	" - ८	९८४९३९८४६०		कर्मी
४५.	इन्दु कुमारी कार्की	" ८			इन्दु
४६.	शिवम् मुकान	नेकपा मा.के. प्रतिनिधि	९८६३९५६४६५		[signature]
४७	प्रकाश सिंह ठकुरी	Civil Engineer.	9843011744		[signature]
४८.	पुनम बज्राचार्य	टोली नेता Nest-Picasso-Paragon JV	9841228718		P. [signature]
४९.	निरज वाइबा	वडा सचिव	९८४४२२९६०६		[signature]
५०.	गणेश कुमार राई	" का० सहायक	९८६४९८९६९९		[signature]
५१.	मलाङ थेजन	" का० सहयोगी	९८६४९६०४८५		मलाङ

आज मिति २०७९ साल जेष्ठ ...२२........... गते प्रादेशिक सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेशको प्राविधिक सहयोगमा ५ बर्षे आवधिक योजना तर्जुमाको लागि वडास्तरीय भेला हरिहरपुरगढी गाँउपालिकाको वडा नं. ६,७,८ (संयुक्त) को वडा ७ स्थित स्वास्थ्य चौकी भवनमा मा तपशिलमा उल्लेखित वडा जनप्रतिनिधिहरु, वडाका साझेदार निकायहरुका प्रतिनिधिहरु, वडावासीहरुको सहभागितामा विषयगत क्षेत्रसँग सम्वन्धीत तथ्याङ्क संकलन, समस्याहरु, संभावनाहरु, हालसम्म भएका उपलब्धीहरु र समस्या समाधानका उपायहरुको बारेमा छलफल गरी सम्पन्न गरियो ।

10:30 a.m.

उपस्थिति:

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१.	विच बहादुर मुक्तान	वडा अध्यक्ष - 6	9864936393		[signature]
२.	धन बहादुर मुक्तान	वडा अध्यक्ष - ८	9844844306	Moktandhan6@gmail.com	[signature]
३.	चक्र बहादुर मुक्तान	वडा अध्यक्ष ६.	9863986959		[signature]
४.	राजु कुमार उप्रेती	वडा सचिव - ८	9868622339	rajuupretyo32@gmail.com	[signature]
५.	प्रेम बहादुर राज [illegible]	वडा सचिव - 6	9845597680	premraya@gmail.com	[signature]
६.	राजेश कुमार मैनाली	वडा सचिव - ६	9865486785	rajeshmainali85@gmail.com	मैनाली
७.	[illegible]	वडा सदस्य ६	98450052		[signature]
८.	पुर्ण ब० मुक्तान	वडा ६	9869940039		[signature]
९.	सयरा मुक्तान	वडा ६	9863864593		[signature]
१०.	बुद्धि लाल मुक्तान	" ६	9869225346		[signature]
११.	काम सिंह थिङ	वडा ६	9865995310		काम
१२.	मायाँ मोक्तान	वडा सदस्य ६	9843620205		[signature]
१३.	नरबल [illegible]	वडा ६	9808529867		[signature]
१४.	रमेश घलान	वडा - 6	9864930333		[signature]

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
१५.	बुद्धि बा० मोम्लान	वडा-6	९८६३९२३४५०		
१६.	जस बा० बोम्जन	वडा-6			
१७.	यम्बा बा० गुजेल	वडा-6			
१८.	धन बा० मोम्लान	वडा-6 वन समिती अध्यक्ष	९८६३३६०१३१		
१९.	पेमा दोर्जे मोम्लान	"	९८६४११८६२४		
२०.	बाबुराम थिङ	"	९८६४०९८२२६		
२१.	कृष्ण ब० घिमिरे वि.कु	वडा नं-6 वन समीती सचिव	९८६५११९८९२		
२२.	नारायण सिंह थिङ	वडा नं.6 वन समिति	९८४५५८९६३६		
२३.	नरेन्द्र कुमार मैनाली	" " "	९८४४१५०२४८		
२४.	स्याम थिङ	वडा नं 6 वन समिति	९८४०३०९८२८		
२५.	धन बा० मोम्लान	वडा नं-6 सदस्य	९८४४३५०३४९		
२६.	पुष्पा राना	उद्यम विकास सहजकर्ता	९८६१६५२२०९	ranapuspa509@gmail.com	
२७.	शान्ती घलान	वडा नं 6 वडा सदस्य	९८६४९३०३३२		
२८.	दिलकुमारी वि.क.	वडा नं-6 दलित वडा सदस्य	९८६४०८०२५०		
२९.	सुकुमाया बाजन	वडा नं-6 नरिन टोल	९८६२२३९३९५		
३०.	माया बलोन	वडा नं.6 कुण्ड	९८६४९८२९८४		
३१.	[illegible]	[illegible]	९८४२६६[illegible]		
३२.	कमल पोखरेल	वडा:- ५, 6, ८ (जीफन)	9851016095	ewakamal@gmail.com	
३३.	विजय थिसिङ	6 (तानोखिनी)	९८६१०५२४३6		

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
३४.	दिपक माझी	″	9742428950		[illegible]
३५.	कमल ब. ले	″	9869561196		[illegible]
३६.	रविन्द्र कुमार लो	″	9847774044		Rabindra
३७.	कुम्भध्वज दोल्जेलामा	″	9684532391	५.१	१०११
३८.	[illegible]	″	9849023[illegible]		[illegible]
३९.	विर बहादुर गिरी	″	9685536322		विर
४०.	[illegible] बहादुर मल्ल	″ कार्य	9869646889		[illegible]
४१.	राजेन्द्र विश्वकर्मा	″ (शिक्षक)	9844498239		[illegible]
४२.	[illegible] बहादुर माझी	पूर्व वडा सदस्य ″	9844498[illegible]		सन्त
४३.	सन्त ब हमाल	″	98[illegible]36[illegible]08		[illegible]
४४.	[illegible] ब० लो	″	9741645777		[illegible]
४५.	वेन बा० पराजुली	सत्यवादी सहकारी सदस्य ″	9866056239		[illegible]
४६.	चन्द्र बा० माझी	″ चिपाले	9844291355		[illegible]
४७.	दुष्यलाल धलान	″ रामपुआर	98691[illegible]		[illegible]
४८.	श्रीमान मोक्तान	″ बाहुन डाँडा	9863325598		कामी सिं
४९.	कालीसिंह बाजान	″ जमुने	9830588809		दुर्गा
५०.	दुर्गा वि.क.	″ भण्डारीपर्ता			[illegible]
५१.	रूप बा० जिम्बा	″ सानोढुंगा पूर्व सदस्य	9840535248		

क.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
~~३४~~. ५२	सबिलाल गोले	८ रामचुआर	९८४१४६१०२२		[signature]
३५. ५३	खानदार बाजन	८ जमुने			[signature]
३६. ५४	पदम बा० माझी	८			[signature]
३७. ५५	बिवा माया माझी	६ - चिसापानी.			[signature]
३८. ५६	फुल मार्या विक	६ - वडा सदस्य	९८४३६०३२६१		[signature]
३९. ५७	सन्तोष माझी	६ चिसापानी	९८४८४४ ~~९~~ ८८१५		[signature]
४०. ५८	दिल बा० रानामगर	६ - चिसापानी	९८४०९२१६२०		[signature]
४१. ५९	कृष्ण राउत	६ - चिसापानी	९८४५६२६५५१		[signature]
४२. ६०	हिरा माझी	६ - युवक चिसापानी	९८६४२३२२५१		[signature]
४३. ६१	जित बहादुर थापा	6 - क्वारर (पुरानोगाउँ)	९८६४२१०२५८		[signature]
~~४४~~. ६२	लोक बहादुर गरांजा	हरिहरपुरगढी - ८ तिलवार	९८६०५४६८०६	lokmagar2043@gmail.com	[signature]
~~४५~~. ६३	शंकर शिलिङ	८ - रिलिफ नेपाल (Volienter)	९८४०९८१८६१		[signature]
~~४६~~. ६४	अर्जुनराज मैनाली	८ क्वारेन्टाइन (वडा [illegible])	९८४४४२२४४६		[signature]
४७. ६५	तुला बहादुर माझी	८ - सुन्दर एकीकृत क्लब (अध्यक्ष)	९८४४५३३८०४		[signature]
~~४८~~. ६६	सागर लोहार	6 पुरानोगाउँ	९८६३४४३३०६		[signature]
४९. ६७	[illegible]	-6 क्वारेन्टाइन (वा० [illegible])	९८४४४८९८०२		[signature]
~~५०~~. ६८	दुर्गामाया मोक्ताङ	८ - वडा सदस्य	९८४६६५४६२४८		[signature]
~~५१~~. ६९	पुनम बज्राचार्य	Team Leader (Nest-Picasso-Paragon JV)	9841228718	poonam.bajracharya@picasso.com.np	[signature]

क्र.सं.	सहभागितको नाम	सहभागिको संस्था	सम्पर्क नं.	ई-मेल	हस्ताक्षर
~~१५.~~ 60	Yogesh P. Shrestha	Urban Planner (Nest-Picasso-Paragon JV)	9851141239	yogesh.shrestha@~~p~~nest.com.np.	[signature]
~~१६.~~ 61	Prakash S. Tamatta	GIS Engineer (Nest-Picasso-Paragon JV)	9843011744		[signature]
१७.					
१८.					
१९.					
२०.					
२१.					
२२.					
२३.					
२४.					
२५.					
२६.					
२७.					
२८.					
२९.					
३०.					
३१.					
३२.					
३३.					

Date
Page

आज मिति २०७९।०३।११ गते शनिबारको दिन यस हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको अध्यक्ष श्री बज्रध्वज वाईवाको अध्यक्षतामा प्राविधिक सहयोग प्रदेश सुशासन केन्द्र, बागमती प्रदेश आयोजक हरिहरपुरगढी गाउँपालिका, झनझनेमा दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी सञ्चालन गरियो।

उपस्थिति

१. बज्रध्वज वाइवा - हरिहरपुरगढी गा.पा अध्यक्ष
२. चेक बहादुर थिङ - " " उपाध्यक्ष
३. नविन गङतान लामा - प्र. प्र. अ
४. जित बहादुर थिङ - वडा नं. - १ अध्यक्ष
५. विश्व राई - " - २ "
६. कुल बहादुर मोलन - " - ३ "
७. कमल कुमार राई - " - ४ "
८. साइला लामा - " - ५ "
९. एक बहादुर मुक्तान - " - ६ "
१०. बिच बहादुर मोक्तान - " - ७ "
११. धन बहादुर मुक्तान - " - ८ "
१२. दुर्गा माया वि.क - कार्यपालिका सदस्य
१३. छलि माया मुक्तान - " "
१४. सन्तली राई - " "
१५. मोहनकाजी वि.क - " "
१६. सोमी माया राना - " "
१७. सुदिप लामिछाने - प्र.प्र
१८. दिल माया कामी - कार्यपालिका सदस्य
१९. योगेश पुर्ण श्रेष्ठ - टोली नेता (सहरी योजनाविद्
२०. गणेश भट्टराइ - समाजशास्त्री
२१. तारादेवी खतिवडा - ग्रामिण विकास विद्
२२. सिर्जना गिरी - इन्जिनियर (गा.पा)
२३. मिलन श्रेष्ठ - सुचना प्रविधि अधिकृत
रोजगार संयोजक

Date ______
Page ______

१६. कुलदिप पासवान — प्र.प्र.नि. झनझने प्र. चौकी
१५. युवराज आलेमगर — प्र.ह. " " "
१८. अनिता कुमारी राई — पुर्व गा.पा. उपाध्यक्ष
१९. बिल बहादुर वम्जन — सचिव नेकपा माओवादी केन्द्र
२०. जित बहादुर ठारा — उपाध्यक्ष " " "
२१. सन्तोष आले मगर — युवा " " "
२२. बाबुराम राई — उपाध्यक्ष " " "
२३. अशोक चौधरी — सिटिजन बैंक म्यानेजर
२४. सुडेश मल्लिक — " " कर्मचारी
२५. कुसुम खड्का — योजना साहयक
२६. अनिता कुमारी राई
२६ सुजन प्र. भट्टराई · हरिहरपुरगढी गा.पा. १ नं वडा सचिव
२८ गिरेन्द्र ब० गदाईली
२९. कमल [illegible] भलेना · वडा नं. ४
३० विपिन जङ्ग राई (नो.पे.स्वा.पा.)
३१. छत्र बहादुर राई — प्र.अ. श्री भक्त्रमत नि.मा.वि. चैनपुर
३२. राजेश कुमार मैनाली (वडा नं. ६ वडा सचिव)
३३ प्रेम व. खड्का ६ वडा (नागरिक)
३६ रूपशरण श्रेष्ठ
३८ देवराज श्रेष्ठ (हरिहरपुरगढी) गा.पा. सहकारी संयोजक
३९. दिपक कार्की — आर्थिक विकास शाखा प्रमुख
४० देव हस्त राई — ३नं वडा सचिव
४१ हिम्मत कुमार राई — नेकपा एमाले संयोजक
४२. रूपक कुमार राई — २नं वडा सचिव
४३ युवराज श्रेष्ठ — सामाजिक अभियन्ता
४४ राजु कुमार क्षेत्री — ९ नं. वडा सचिव
४६ महेश कुमार राई — [illegible]
४६. गणेश भट्टराई PCGG → [illegible] [illegible]
४८. राजु कुवायात PCGG — टोली सदस्य
४९. प्रिवन खड्का PCGG (G.I.S Eng.)
५०. प्रकाश सिंह ठकुरी PCGG (GIS Eng)
[illegible]

५३. तारा खातिवडा   ग्रामीण विकास विद् (परामर्शदाता)
५४ निर्मला भेटवाल — हरिहरपुरगढी बहुक्षेत्रीय पोषण

निर्णय:

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जुमा, दीर्घकालीन सोँच निर्धारण तथा योजना तर्जुमा ५ दिने कार्यशालाले पालिकाको दीर्घकालीन सोँच

"समृद्ध हरिहरपुरगढी
सुखी जनता"

साथै विषयगत योजना, लक्ष्य, उद्देश्य रणनीतिहरु तय गरि सम्पन्न गरियो।

हरिहरपुरगढी गाउँ पालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जूमा

दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जूमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी

मिति: २०७९ साल असार ...... र ...१२ गते

स्थान: ....

सहभागि उपस्थिति

क्र.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१	वज्रध्वज वाईवा	अध्यक्ष, हरिहरपुरगढी गा.पा.		9854041398	
२	भैरव बहादुर थिङ			९८४४०६८४९३	
३.	नविन गडतान लामा	"	hariharpurgadhi@gmail.com	९८४४०८२८०९	
४	जित बहादुर थिङ	हरिहरपुरगढी वडा नं. १		९८४५८६६६२३	
५	विश्व राई			9845842341	
६.	अनिता कुमारी राई			९८६८४९६९८६	
७.	बिल बहादुर बम्जन	रेडक्रस सभापति		९८४२५९३६७९	
८	राजेश्वर शाह	व्यापार संघ प्रमुख		९८४४०८४२४६	
९	निर्मला भंडारी	पोषण		९८४२६३८४३२०	
१०	धन बहादुर मुकान	वडा नं.-८ को अध्यक्ष		९८४४८४८३०६	
११	छत्र बहादुर राई	श्री अन्नपूर्ण नि.मा.वि.-चैनपुर		९८४२००८००४	
१२	सन्तोष कुमार आले	युवा तथा खेलकुद	Santoshale@579.gmail.com	९८४०५९६८०९	
१३.	एक ब. मोक्तान	वडाध्यक्ष, वडा नं. ६		९८६३९८६९३९	
१४.	मोहनकाजी विश्वकर्मा	कार्यपालिका सदस्य		९८०४४६०४६३	

क.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१५.	सिर्जना गिरी	इन्जिनियर, ६ पुगापा			
१६.	अजित ठाडा	ने.क.पा. माओवादी केन्द्र		९८४४२२६१६६	
१७	कुसुम खड्का	योजना सहायक, ६ पुगापा	Khaashim83@gmail.com	9854042104	
१८.	गिरेन्द्र ब. गाढाइली	ने.का. प्रतिनिधि		९८६५५१५८८६	
१९.	युवराज श्रेष्ठ	सामाजिक अभियन्ता		९८६४२०६८५०	
20	सिर्जना गिरी	सिभिल इन्जिनियर	sirjanagiri422@	9854045229	
~~२१~~	~~जित ठाडा~~	~~ने.क.पा. माओवादी केन्द्र~~		[illegible]	
२२	[illegible] गुरुङ	वडा अध्यक्ष ६		[illegible]	
२३	हलि माया गुरुङ	कार्यपालिका, २५१:६		[illegible]	
२४	पुर्णा बि.क.	कार्यपालिका सदस्य		[illegible]	
२५	[illegible] कुमारी कार्की	कार्यपालिका, वडा-६ [illegible]	९८६४०८०१५०		
२६	प्रेम बहादुर [illegible]	हरिहरपुर गढी गा.पा. कार्यपालिका सदस्य	९८४५१०६६० ९८४४२४५१४५		
२७	शान्ता राई	६ पुगा [illegible] ७ नं. अध्यक्ष	—	९८४८४०३२०	
२८	साईला लामा	ह. पु. गढी ४ नं. अध्यक्ष	९	९८५४०४२५०८	
२९	कमल कुमार राई	हरिहरपुरगढी गा.पा. सहकारी संयोजक		९८४०४८३५६६	
३०	देवराज श्रेष्ठ				
३१	दिपक कार्की	हरिहरपुरगढी गा.पा. आर्थिक विकास [illegible]	९८५४०६१४२१		
३२	महेश कुमार राई	हरिहरपुर नचेत नयाँमुल [illegible]	mrai3629@gmail.com	९८६६५०२०८६	
३३	कुल बहादुर मोक्तान	ह.पु.गा.पा. ३ नं. वडा अध्यक्ष	Ujjwalama123@gmail.com	९८४४४६२४१३	

........................पालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जुमा

दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जूमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी

मितिः २०७९ साल असार .... र .... गते

स्थानः ....

सहभागि उपस्थिति

क.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
३४	राजु कुमार उप्रेती	गा० पा० वडा नं. ८		९८४४०८४२६०	[signature]
३५	सुजन के० भट्टराई	गा.पा. वडा नं ९		९८४४०८४५२३९	[signature]
३६.	लोक बहादुर ओली	हरिहरपुरगढी गाउँपालिका	lokgole2020@gmail.com	९८१९४४४५९	[signature]
३७	[illegible]	हरिहरपुरगढी गाउँपा- ३		९८४४२२२९६६	[signature]
३८	सोमी माया राना मगर	,, ,, - ४			सोमी मगर
३९.	रुपक कुमार राई	,, ,, - २		९८४४०८४२४३	[signature]
४०.	लक्ष्मीश्वरी तुईतुई	हरिहरपुरगढी गा.पा	laxmiswortuitui@gmail.com	9861487396	[signature]
४१	राजेश कुमार मैनाली	हरिहरपुरगढी - गाउँपा-६	rajeshmainali35@gmail.com	९८४४९४४८२६	[signature]
४२	[illegible] राई	हरिहरपुरगढी - ३		९८६४४९०४६८	[signature]
४३	कुलदिप पाख्रिन	हरिहरपुरगढी. ३ स्वास्थ्य चौकी	[illegible]	९८४९३३४४२०	[signature]
४४	सुबोध सिंह	— " — "	—		
४५	प्रदिप लामिछाने	हरिहरपुरगढी गा.पा	lamichhanepradip50@gmail.com	९८४८०८४२२६	[signature]
४६	शिव खड्का	GIIS Eng.	shiba.khadka@gisme.com.np		[signature] Shiva Khadka
४७	सुबोध गिरी	"	subodh.giri@gisme.com.np		

४८. राजु [illegible] — DCCU टोली सदस्य — 9848362423 [signature]

हरिहरपुरगढी गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जूमा

दीर्घकालिन सोच निर्धारण तथा योजना तर्जूमा २ दिने कार्यशाला गोष्ठी

मिति: २०७९ साल असार ११ र १२ गते

स्थान: गा.पा. सभा हल

सहभागि उपस्थिति

क्र.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१	वज्रध्वज वाईवा	अध्यक्ष-हरिहरपुरगढी गाउँपालिका		9854041398	[signature]
२	चेरव बहादुर थिङ	उपाध्यक्ष - "		९८४४०६८८९३	[signature]
३	नविन गजतान लामा	प्र.प्र.अ. "		९८५४०४२८८९	[signature]
४	जित बहादुर थिङ	१ नं वडा अध्यक्ष "		९८७५४५६६२३	[signature]
५	विश्व राई	२ नं " "		9845842341	[signature]
६	कुल बहादुर मोक्तान	३ नं " "		९६४२०८६२९३३	[signature]
७	कमल कुमार सुरे	४ नं " "		९८५४०४२९०८	[signature]
८	साइला लामा	५ नं " "		९८४८९५०३२०	[signature]
९	धन बहादुर मुक्तान	६ नं " "		९८९३९८६९५९	[signature]
१०	किम बहादुर मोक्तान	७ नं " "		९८६४९३६२९९	[signature]
११	धन बहादुर मुक्तान	८ नं " "		९८४६२५५२०६	[signature]
१२	शान्ती राई	कार्यपालिका सदस्य "		९८४४२४५१५५	[signature]
१३	मोहनजी विश्वकर्मा	" "		९८५५५६०५६९	[signature]
१४	फुर्गी माया थिङ	" "			[signature]

क.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
१५.	सोनी माया राना	कार्यपालिको सहल घटिहनुको/			
१६	इली माया गुरुङ	" "		६	
१७.	दिल माया थापा	" "			
१८	सुदिप लामिछाने	प्र.शाखा प्रमुख गाउँपालिका	laurchhan csudip50@gmail.	9854045227	
१९	सिर्जना गिरी	इन्जिनियर "	sirjanagiri422@	9854045229	
२०	दिलन क्षेत्री	प्र.प्र.अ./प्र.अ. " "	ito.harihaspurgadhimun@gmail.com	9854045237	
२१.	लक्ष्मीश्वरी टुइटुइ	राजस्व सहायक " "	laxmiswarituitui@gmail.com	9861487396	
२२.	लोक बहादुर गोले	सामाजिक परिचालक " "	cokgolc2020@gmail.com	9851154461	
२३.	तिर्थ बहादुर गौडारकी			[illegible]	
२४.	राजु कुमार श्रेष्ठ	वडा सचिव " "			
२५.	प्रेम बहादुर राना मगर	६ नं. वडा सचिव " "	premrai99@gmail.com	[illegible]	
२६.	राजेश कुमार मैनाली	६ नं. वडा सचिव " "	rajeshmainali85@gmail.com	[illegible]	
२७.	विपिन जंग राई	स्वास्थ्य शाखा प्रमुख " "	Bipinrai2051@gmail.com	9843887917	
२८	दिपक कार्की	आर्थिक विकास शाखा प्रमुख "	Karkidipak2010@gmail	9854041621	
२९	सुजन प्रसाद भट्टराई	१ नं. वडा सचिव " "	sujanpdbhattarai@gmail.com	9854045239	
३०	अर्जुन खड्का	अधिकृत सहायक	khaashish83@gmail.com	9854042104	
३१.	छत्र बहादुर राई	शिक्षक		[illegible]	
३२.	कुलदीप पाण्डे	स.प्र.नि.-मकवानपुर प्रहरी चौकी			
३३.	युवराज भण्डारी	प्र.ह. " "		[illegible]	

क.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
३३.	महेश कुमार राई				
३४.	बिल बहादुर बम्जन	समाजसेवी नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सल्लाहकार [illegible]		९८४८५९३६५९	
३५.	जित बहादुर थापा	उपाध्यक्ष " "		९८४४२२३१६६	
३६.	सन्तोष भण्डारी मगर	युवा " "		९८४०५१६८०९	
३७.	बाबुराम राई	उपाध्यक्ष " "		९८४२२६०५६८	
३८.	राम थापा राई				
३९.	कृष्ण बहादुर बोहरा	प्रतिनिधि नेपाली कांग्रेस	—	९८४०४२६६३३	
४०.	अरविन्द चौधरी	प्रमुख [illegible]		९८४८०२९९०२	
४१.	खुड़ेश्वर मल्लिक	कोषाध्यक्ष " "		९८४४९५९०८२	
४२.	श्री अनिता कुमारी राई	निवर्तमान उपाध्यक्ष [illegible]			
४३.	देवकृष्ण राई	प्र.अ. कार्यालय " "		९८४४२४८१६६	
४४.	युवराज श्रेष्ठ	स्थानीय सामाजिक अभियन्ता		९८४६४२०६६८०	
४५.	देवराज श्रेष्ठ	हरिपुर्जा गा.पा. अध्यक्ष [illegible]		9840483676	
४६.	रामशरण श्रेष्ठ	वि. प्राविधिक		9855047550	
४६	प्रकाश पारियार			9864118061	
४८	शैलेन्द्र पहरी				
४९	हिम्मत कुमार राई	वडा नं. २ [illegible] एमाले सचिव		9845008163	
५०.	रुपक कुमार राई	२ नं. वडा सचिव		९८४४०८४२२३	
५१	सन्तु कुमार उप्रेती	"		९८४४०८८२६०	

क.सं.	सहभागिको नाम	सहभागि भएको संस्था	ईमेल	सम्पर्क नं.	हस्ताक्षर
५२	महेश कुमार राई	इन्टिच्युट [illegible] तथा न्यूरो हे.वि.	mrai8629@gmail.com	9869302069	
५३	तारा खतिवडा	प्रदेश सुशासन केन्द्र (परामर्शदाता)	tara.khatiwada@picasso.com.np	9841980709	
५४	गणेश भट्टराई	" "	gbashishtha@gmail.com	98418772[illegible]	
५५	राजु बुढाथोकी	" " (सहायक)		9848362423	
५६	शिव खड्का	" " (G.I.S.Eng)	shivarajkhadka10@gmail.com	9867080205	
५७	प्रकाश सिंह टमट्टा	" " (G.I.S.Eng)	prakashtamatta2057@gmail.com	9848011744	
५८	सुबोध गिरी	" " (G.I.S.Eng)	susodhgiri2100@gmai.	9818805147	
५९.	योगेश पूर्ण श्रेष्ठ	" " ([illegible])	yogesh.shrestha@picasso.com.np.	9851141239	
६०	निर्मला गंत्राती			9843734320	

दीर्घकालीन सोच निर्धारण तथा योगना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी ,हरिहरपुरगढी नगरपालिका

खैरहनी नगरपालिका वडाका केहि झलकहरु

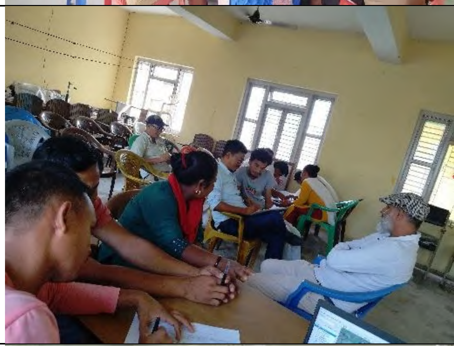

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका वडा भेलाका केही झलकहरु

हरिहरपुरगढी गाउँपालिका वडा भेलाका केही झलकहरु

परामर्शदाता

The Joint Venture of

नेष्ट प्रालि.

पिकासो कन्सल्टेन्ट प्रालि.

पारागन इन्जिनियरिङ्ग कन्सल्टेन्सी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रालि.

(email: info@picasso.com.np; Sanepa, Lalitpur; 01-5422185)